

वार्षिक रिपोर्ट

2010-11



पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड

हमारा ध्येय

कम खर्च
और
अधिक उड़ान
पूर्ण
सतर्कता का
एलान

तालिका

• निदेशक मंडल	4
• प्रबंध समूह	5
• सूचना	6
• सदस्यों को अध्यक्ष का संदेश	7
• निदेशकों की रिपोर्ट	10
• प्रबंधन का विचार-विमर्श एवं विश्लेषण रिपोर्ट	24
• मुख्य वित्तीय अंश	29
• संक्षिप्त लेखे	31
• वर्ष के खाते	33
• कैश फ्लो विवरण	68
• लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	69
• भारत के नियंत्रक तथा महालेखापरीक्षक की टिप्पणी	77
• कर्मचारियों का विवरण	79



निदेशक मण्डल



आर.के. त्यागी
अध्यक्ष व ध्वंश निदेशक



ई.के. भारतभूषण
महानिदेशक
नागर विमानन



एस. मछेन्द्रनाथन
अपर सचिव एवं वि गीय सलाहकार
नागर विमानन मंत्रालय



आलोक सिन्हा
संयुक्त सचिव
नागर विमानन मंत्रालय



सुधीर वासुदेवा
निदेशक (ऑफ-शोर)
तेल एवं धातुक गैस निगम लिमिटेड



पी.एन. प्रधान
ए सी ए एस (परिचालन व टी. एवं. एच.)
वायु सेना मुख्यालय



प्रबंध समूह

अध्यक्ष एवं ध्वंश निदेशक	श्री आर. के. त्यागी
मुख्य सतर्कता अधिकारी	श्री समीर सहाय, आई.एफ.एस.
कार्यपालक निदेशक	श्री संजीव बहल
महाध्वंशक (अभियांत्रिकी)	श्री दीपक कपूर
महाप्रबंधक (वि. 1 एवं लेखा)	श्री श्रीरेन्द्र सहाय
कम्पनी सचिव एवं महाध्वंशक (विधि)	श्री संजीव अग्रवाल
महाध्वंशक (विपणन)	श्री संजय कुमार
महाध्वंशक (कार्मिक एवं मासंवि)	श्री आर.बी.कुशवाहा
महाध्वंशक (परिचालन)	एअर कमोडोर अलोक कुमार
महाध्वंशक (इन्फोकॉम सर्विसेज) एवं विभागान्यक्ष (प्रशासन)	श्री सी.पी. सिंह
उप महाध्वंशक (सामग्री)	श्री एस.के. शर्मा
महाध्वंशक (पश्चिम क्षेत्र)	श्री सुबीर के. दास
महाध्वंशक (उ. 1 री क्षेत्र)	श्री एम.पी. सिंह

पंजीकृत कार्यालय

सफदरजंग हवाई अड्डा
नई दिल्ली - 110 003

प्रधान कार्यालय

सी-14, सेक्टर-1
नोएडा-201301

क्षेत्रीय कार्यालय

पश्चिम क्षेत्र

जुहू ऐरोड्रोम
एस.वी. रोड
विले पार्ले (पश्चिम)
मुम्बई - 400 056

उत्तरी क्षेत्र

सफदरजंग हवाई अड्डा
नई दिल्ली - 110 003

लेखापरीक्षक

मैसर्स एस. चतुर्वेदी एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
नई दिल्ली

शाखा लेखापरीक्षक

मैसर्स लखानी एंड कंपनी
सनदी लेखाकार
मुम्बई

बैंकर्स

विजया बैंक
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
पंजाब नेशनल बैंक



26वें वार्षिक सामान्य बैठक के लिए सूचना

समस्त अंशधारक

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड

सूचित किया जाता है कि कम्पनी की 26वीं वार्षिक सामान्य बैठक गुरुवार दिनांक 29 दिसम्बर, 2011 को 12.30 बजे सफदरजंग एअरपोर्ट, नई दिल्ली में कम्पनी के पंजी त कार्यालय में निम्नांकित कार्य के लिए आयोजित की जाएगी :-

सामान्य कार्य

1. लेखों का अंगीकरण

यथास्थिति 31.03.2011, 31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष का लेखापरीक्षाकृत तुलन-पत्र व लाभ-हानि खाता तथा उस पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणी तथा निदेशकों की रिपोर्ट प्राप्त करना, विचार करना तथा उसे अंगीकार करना।

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड
के निदेशक मण्डल के आदेशानुसार

नई दिल्ली
05 दिसम्बर, 2011

(संजीव अग्रवाल)
कम्पनी सचिव

टिप्पणी

ऐसे सदस्य जो इस बैठक में भाग लेने व मत देने के पात्र हैं, अन्य परोक्षी व्यक्ति को भी नियुक्त करने के पात्र हैं, जिन्हें कम्पनी का सदस्य होना आवश्यक नहीं है। परोक्षी व्यक्ति का नामांकन बैठक से 48 घंटे पूर्व कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

पंजीकृत कार्यालय:

सफदरजंग एअरपोर्ट,

नई दिल्ली-110003

कारपोरेट आईडेंटिटी नम्बर (सीआईएन): यू 62200डीएल1985जीओआई022233



सदस्यों को अध्यक्ष का संदेश

धिय सदस्यों,

आपकी कंपनी के 26 वें वार्षिक सामान्य बैठक में आप सभी का स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत धन्यता हो रही है। कंपनी ने अपने परिचालन के रजत जयंती वर्ष में ध्वेष किया है। वितीय वर्ष 2010-11 का वार्षिक रिपोर्ट वितरित किया जा चुका है और आपकी अनुमति से मैं इसे पढ़ा हुआ मानता हूँ।

बेड़ों की अच्छी सर्विसिबिलिटी के कारण हेलीकॉप्टरों की बढ़ती तैनाती की वजह से, दूसरी एजेंसियों के स्वामित्व वाले हेलीकॉप्टरों के परिचालन और अनुरक्षण के नए अनुबंधों और बेहतर अनुबंध द्वारा वितीय वर्ष 2010-11 के दौरान समग्र धर्शन विगत वर्षों की तुलना में बेहतर हुआ है। वितीय वर्ष 2010-11 में कंपनी ने अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की:-

- वर्ष 2008-09 के 27,050 और 2009-10 के 29,800 की तुलना में 32,175 राजस्व घंटों का रिकॉर्ड। बेड़े की सर्विसिबिलिटी 2007-08 में 74% 2008-09 में 81%, 2009-10 में 83% और 2010- 83% था।
- वर्ष 2009-10 के 384.04 करोड़ व वर्ष 2008-09 के 310.94 करोड़ की तुलना में वर्ष 2010-11 में 423.96 करोड़ का अबतक का सर्वोच्च परिचालन राजस्व।
- वर्ष 2009-10 के 35.45 करोड़ और 2008-09 के 20.30 करोड़ की तुलना में वर्ष 2010-11 का परिचालन लाभ 48.48 करोड़ ₹ था। वर्ष 2010-11 के दौरान कर पश्चात शुद्ध लाभ वर्ष 2009-10 के 35.95 करोड़ की तुलना में 18.50 करोड़ ₹ मुख्य रूप से उन्नारी पर धभारित ब्याज और नए हेलीकॉप्टर की आपूर्ति के लिए कंपनी द्वारा निर्मित आस्थगित कर देयता के अतिरिक्त धावन्नान के कारण रहा।
- वर्ष 2007-08, 2008-09 और 2009-10 में कंपनी ने डीपीई मानदंडों के अनुसार समझौता ज्ञापन की रेटिंग र मशः ह्वअच्छा,“ ह्वबहुत अच्छा,“ और ह्वसर्वो र्म“ अर्जित की है।
- कंपनी ने दिसंबर, 2010 में बीएसएफ के 4 अन्य न्युव हेलीकॉप्टरों के परिचालन और अनुरक्षण के लिए मेसर्स एचएएल के साथ हस्ताक्षर किया है। कंपनी ने एचएएल से लीज पर लिए एक न्युव हेलीकॉप्टर को गढ़चिरौली में

नक्सल विरोधी गतिविधियों के लिए महाराष्ट्र सरकार को उपलब्ध कराया है।

- दिनांक 03.12.2010 को कंपनी की धात्रि त पूंजी को 120 करोड़ ₹ से बढ़ाकर 250 करोड़ ₹ किया गया है। दिनांक 14.02.2011 को कंपनी के धद र शेयर पूंजी को 113.766 करोड़ ₹ (89.266 करोड़ ₹ भारत के राष्ट्रपति के नाम से तथा ₹ 24.50 करोड़ ₹ ओएनजीसी लिमिटेड के नाम पर हैं) से बढ़ाकर 245.616 करोड़ ₹ किया गया है। जिसमें से 125.266 करोड़ ₹ भारत के राष्ट्रपति के नाम (51%) तथा 120.35 करोड़ ₹ ओएनजीसी लिमिटेड के नाम (49%) पर हैं। ओएनजीसी ने 95.85 करोड़ ₹ का ऋण इक्विटी के रूप में परिवर्तित किया है तथा दिनांक 14.02.2011 को इक्विटी शेयर आबंटित किए गए।
- देश में सुरक्षा धबन्नन धणाली और सुरक्षा जागरुकता के लिए जून, 2010 में दिल्ली में विमानन सुरक्षा व सेवा संस्थान स्थापित किया गया।
- पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड धति वर्ष मई-जून एवं सितम्बर-अक्तूबर माह के दौरान फाटा से श्रीकेदारनाथ त्राम के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएँ उपलब्ध कराती है। श्री अमरनाथ श्राईन बोर्ड द्वारा पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड को वर्ष 2010 व 2011 के लिए ह्वश्री अमरनाथ यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवा“ का कान्ट्रेक्ट भी बालताल-पंजतरणी- बालताल सेक्टर हेतु धदान किया गया है। कंपनी द्वारा माता वैष्णव देवी के लिए कटरा से सांझीछत तक सफलतापूर्वक हेलीकॉप्टर सेवा परिचालित करके वितीय वर्ष 2010-11 में 1.91 लाख तीर्थयात्रियों को वहन किया गया है। सार्थक धतियोगी परिस्थिति में न्यूनतम बोली लगानेवाला घोषित करने के पश्चात माता वैष्णव देवीजी श्राईन बोर्ड द्वारा दिनांक 1 अद्वैल, 2011 से तीन वर्षों के लिए कंपनी को अनुबंध धदान किया गया है।
- कंपनी को दिनांक 26 नवंबर, 2010 से मेसर्स गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. द्वारा तीन वर्षों के लिए एक डॉफिन एन3 हेलीकॉप्टर चार्टर हायर के लिए अनुबंध धदान किया गया है।
- कंपनी ने लीज पर लिए गए एक एमआई-172 हेलीकॉप्टर द्वारा बीआरओ के लिए दिनांक 18 नवंबर, 2010 से अरुणाचल प्रदेश में 8 माह के लिए परिचालन सम्पन्न किए हैं।



- भारत में दूरदर्शन हेतु राष्ट्रमंडल खेल 2010 के लाइव कवरेज हेतु पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड ने 4 अदद हेलीकॉप्टरों को (डॉफिन एन एवं एएस 350 बी 3 हेलीकॉप्टर) उपलब्ध कराया था।
- कंपनी ने एचएएल से लीज पर लिए एक न्यूव हेलीकॉप्टर को गढ़चिरौली में नक्सल विरोधी गतिविधियों के लिए महाराष्ट्र सरकार को उपलब्ध कराया है।
- ₹ 635 करोड़ की अनुमानित परियोजना लागत से कंपनी ने 10 डॉफिन एन3, 3 एएस350बी 3 और 2 एमआई-172 हेलीकॉप्टरों की खरीदी के लिए विनिर्माणकर्ताओं से समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें 3 एएस350बी3 का निशियन आंतरिक संसाधनों से किया गया, बाकी हेलीकॉप्टरों का निशियन 80:20 के ऋण:इक्विटी अनुपात के आधार पर किया जा रहा है। 5 की संख्या में नए डॉफिन एन-3 और 3 की संख्या में एएस-350 बी3 हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति दिनांक 31.03.2011 तक की गई। साथ ही 2 अतिरिक्त नए डॉफिन एन 3 हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति अप्रैल/मई, 2011 में की गई। 3 डॉफिन एन3 तथा 2 एमआई-172 हेलीकॉप्टरों की डिलीवरी २ मशः जनवरी, 2012 और मई, 2012 तक धृत्याशित है।
- कंपनी ने 07 नए डॉफिन एन3 हेलीकॉप्टरों की खरीद हेतु धक्कलित लागत के 80% के रूप में 275 करोड़ रुपए के मियादी ऋण हेतु ओएनजीसी के साथ दिनांक 13.08.2010 को एक करार किया है, जिसकी ब्याज दर भारतीय स्टेट बैंक की आधार दर तथा 150 आधार अंक पर आधारित है। ओएनजीसी ने मियादी ऋण के रूप 261 करोड़ ₹ का भुगतान किया है। ओएनजीसी ने इस ऋण के ₹ 95.85 करोड़ की राशि के अंश को पहंहेलि में इक्विटी के रूप में परिवर्तित कराया है। साथ ही कंपनी ने 10 वर्षों की दीर्घावधि लीज पर एक नए डॉफिन एन3 हेलीकॉप्टर के लिए एनटीपीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके पूर्ण लागत का निशियन एनटीपीसी द्वारा किया जाएगा और 6% वार्षिक दर से 10 वर्षों में यह धृतिदेय होगा। 10 वर्षों की अवधि में 2 डॉफिन एन3 और 2 एमआई-172 हेलीकॉप्टरों के 80% लागत के वि। पोषण के लिए कंपनी लगभग ₹ 177 करोड़ की बाहरी उधार बैंकों/वि। य संस्थाओं से धृप्त करेगी। कंपनी ने मेसर्स एसबीआई कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड को ऋण के समूहन के लिए एड्वाइजर और अरेंजर नियुक्त किया है। उन्होंने कंपनी के भविष्य की कार्यशील पूंजी की अपेक्षा के लिए

निश्रि आधारित सीमा (₹ 139 करोड़) और ₹ 60 करोड़ गैर निश्रि आधारित सीमा का परामर्श दिया है।

- कंपनी रोहिणी के समीप नागर विमानन मंत्रालय के नाम से आबंटित 25 एकड़ भूमि पर हेलीपोर्ट का निर्माण करेगी। पहंहेलि ने सीडब्लूजी-2010 के लिए आन्तरिक हेलीपोर्ट का निर्माण किया है। ₹ 64 करोड़ की परियोजना लागत में ₹55 करोड़ जीबीएस के माध्यम से और ₹9 करोड़ तक का निशियन पहंहेलि करेगा। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से पर्यावरण संबंधी अनार्ष। अनुमोदन दिनांक 31.10.2011 को धृप्त किया जा चुका है। इसके साथ ही हेलीपोर्ट के डिजाइन की योजना एवं संचालन के लिए एपीएमसी की नियुक्ति की गई है और वे हेलीपोर्ट का डिजाइन शीघ्र ही धृस्तुत करेंगे।
- पहंहेलि ने सीडब्लूजी खेल गांव (अक्षरनाम) में आन्तरिक सुविधाओं के साथ हेलीपैड का निर्माण किया है। यद्यपि हेलीपैड का स्वामित्व डीडीए के पास है, पहंहेलि ने हेलीकॉप्टर परिचालन के लिए संसाधनों/सुविधाओं के उपयोग हेतु डीडीए से अनुमति का अनुरोध किया है।
- पहंहेलि हडप्सर, पुणे में स्थित वर्तमान ग्लाईडिंग सेंटर में एक हेलीकॉप्टर धृशिक्षण अकादमी सह हेलीपोर्ट विकास हेतु योजनारत है, जो डीजीसीए के धृशासनिक नियंत्रण एवं स्वामित्व में है। नागर विमानन मंत्रालय द्वारा परियोजना का अनुमोदन कर दिया गया है और डीजीसीए ने इस उद्देश्य हेतु जीबीएस के रूप में 10 करोड़ ₹ जारी कर दिए हैं। पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड ने डीजीसीए के साथ दिनांक 17 मई, 2010 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे तथा भारत सरकार की ओर से डीजीसीए ने ग्लाईडिंग सेंटर, पुणे में भूमि तथा अन्य आन्तरिक संरचनात्मक सुविधाओं के उपयोग के लिए पवनहंस को धृन्नि त किया है, जिसमें मौजूदा हैंगरो/भवन के निकटस्थ 30 एकड़ खुला क्षेत्र शामिल है। निर्माण कार्य मेसर्स एनबीसीसी को कार्य विशेष आधार पर सौंपा गया है।

उड़ान भरते समय चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर दिनांक 16.12.2010 को एक डॉफिन वीटी-एसओके मरम्मत न किए जाने की स्थिति तक क्षतिग्रस्त हुआ था जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

दिनांक 31 मार्च, 2011 को तुलन पत्र के पश्चात घटी घटनाएं

तवांग में दिनांक 19.04.2011 को हेलीपैड पर लैंडिंग करते समय एक एमआई-172 हेलीकॉप्टर वीटी-पीएचएफ



दुर्घटनाग्रस्त, जिसमें 19 (पवन हंस के 3 टू मेंबर यथा 1 पाइलट, 1 इंजीनियर, 1 फ्लाइट अटेंडेंट सहित) की मृत्यु। इसके अतिरिक्त तवांग के निकट दिनांक 30.04.2011 को इटानगर के रास्ते में एक एएस 350बी3 हेलीकॉप्टर वीटी-पीएचटी दुर्घटनाग्रस्त, जिसमें 5 व्यक्तियों (पवन हंस के 2 पाइलट एवं 3 यात्रियों जिनमें अरुणाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री सम्मिलित हैं) की मृत्यु। हालांकि दुर्घटनाओं की जाँच भारत सरकार द्वारा इस उद्देश्य से गठित समितियों द्वारा की जा रही है, पहंहेलि ने हेलिकॉप्टरों के परिचालन और अनुरक्षण संबंधी बेहतर सुरक्षा के लिए अनेक सुरक्षा पहल की है।

कंपनी ने कारपोरेट गवर्नेंस पर डीपीई द्वारा जारी किए दिशानिर्देशों को अधिकतम संभव सीमा तक अपनाया है।

वि 1 मंत्रालय के दावे की ₹ 470.22 करोड़ (मूल राशि ₹ 130.91 करोड़ और 18% ध.व. की ब्याज दर से ₹ 339.31 करोड़) के दावे के संबंध में कंपनी ने नागर विमानन मंत्रालय के सीओएस को पहंहेलि से कुल ₹ 470.22 करोड़ के भारत सरकार के दावे से छूट की मांग

के लिए एक ड्राफ्ट नोट धस्तुत किया है। मामला सरकार के पास विचाराधीन है।

इस अवधि के दौरान औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण रूप से जारी रहे और कर्मचारी धतिनिधियों से नियमित बैठकें हुईं।

धबंनन में अपनी आस्था धदर्शित करने के लिए मैं आप सभी का आभार धकट करता हूँ। कंपनी के सक्षम धबंनन के लिए मैं भारत सरकार और इसके अनेक अभिकरणों के सहयोग का भी आभारी हूँ। मैं ओएनजीसी और अन्य ग्राहकों द्वारा कंपनी के परिचालन में व्यक्त किए गए विश्वास के लिए और कंपनी की वृद्धि के लिए कर्मचारियों द्वारा दी गई निष्ठावान और समर्पित सेवाओं की हार्दिक सराहना करता हूँ।

(आर. के. त्यागी)

अध्यक्ष एवं धबंन निदेशक

दिनांक : 29.12.2011



अपतटीय परिचालन हेतु जुहु एरोड्रम, मुम्बई में तैयार डॉफिन हेलीकॉप्टर बेड़ा



निदेशकों की रिपोर्ट

अंशधारक,

सज्जनों,

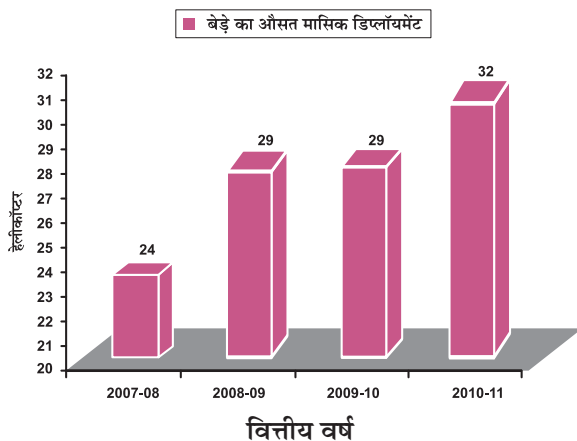
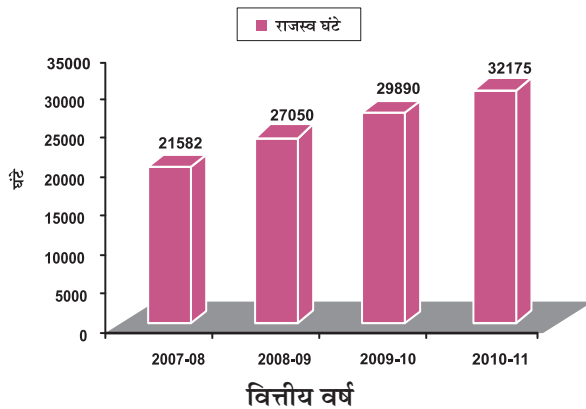
आपके निदेशकों को दिनांक 31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष की, कम्पनी की 26वीं वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित लेखे तथा भारत के नियंत्रक तथा महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट धस्तुत करते हुए हर्ष हो रहा है।

1. परिचालन

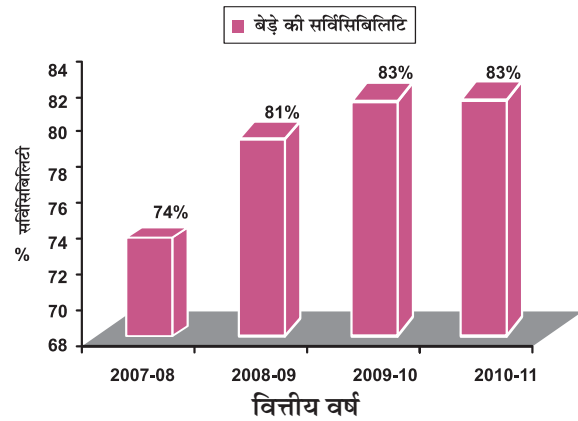
क) परिचालनात्मक परिणाम

कम्पनी सांस्थानिक ग्राहकों मुख्यतः तेल उद्योग तथा सरकारी क्षेत्र के साथ अच्छे दीर्घावन्नि अनुबन्ध सुदृढ़ रखने में सफल रही है।

हेलीकॉप्टरों का राजस्व घन्टे तथा औसत मासिक डिप्लॉयमेंट निम्नवत है:-



हेलीकॉप्टरों के डिप्लॉयमेंट में वृद्धि के कारण तथा बेहतरीन बेड़ा सर्विसिबिलिटी के कारण गत वर्षों की तुलना में और अन्य एजेंसियों के स्वामित्व के हेलीकॉप्टरों के प्रचालन व अनुरक्षण के नए संविदाओं के कारण वि 1 वर्ष 2010-11 के दौरान समग्र प्रदर्शन में सुधार हुआ है।



ख) बेड़े का विवरण

31.03.2011 को कम्पनी के परिचालन बेड़े का विवरण निम्नवत है:

हेलीकॉप्टर का प्रकार	हेलीकॉप्टरों की संख्या
डॉफिन एसए 365 एन	18
डॉफिन एएस 365 एन 3	12
बेल-407	4
बेल 206 एल 4	3
एएस 350 बी 3	3
एमआई -172	2
कुल	42

दिनांक 31.03.2011 की स्थिति के अनुसार कंपनी ने मेसर्स एचएएल के साथ गुजरात सरकार के एक डॉफिन एन3 हेलीकॉप्टर, ओएनजीसी के स्वामित्व वाले 2 चुव हेलीकॉप्टरों और बीएसएफ (एमएचए) के स्वामित्व वाले 4 ध्रुव हेलीकॉप्टरों के परिचालन एवं अनुरक्षण का अनुबंध किया है। इसके अतिरिक्त कंपनी ने दिसंबर, 2010 में बीएसएफ के 4 अन्य चुव हेलीकॉप्टरों के परिचालन और अनुरक्षण के लिए मेसर्स एचएएल के साथ दूसरे अनुबंध पर भी हस्ताक्षर किया है।



ओ एन जी सी के लिए अपतटीय कार्य करते हुए डॉफिन हेलीकॉप्टर

कंपनी को बीएसएफ के चेतक/चीता हेलीकॉप्टरों के प्रचालन व अनुरक्षण हेतु संविदा प्राप्त हुआ है। कंपनी ने एचएएल से लीज पर लिए एक न्यू हेलीकॉप्टर को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सल विरोधी गतिविधियों के लिए महाराष्ट्र सरकार को उपलब्ध कराया है।

ग) बेड़े का डिप्लॉयमेंट

पवन हंस ओएनजीसी के मुम्बई में स्थित अपतटीय प्लेटफार्मों के ड्रिलिंग रिगों पर कर्मचारियों और आवश्यक सामग्री को पहुँचाने के लिए अहर्निश हेलीकॉप्टर सेवाएं उपलब्ध कराती आई है। पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड मुम्बई से 130. नाटि. मील त्रिज्या के अन्दर ओएनजीसी के रिगों (मुख्य प्लेटफार्म तथा ड्रिलिंग रिगों) और उत्पादन प्लेटफार्मों (कुओं) में परिचालन करता है। दिनांक 31.03.2011 की स्थिति के अनुसार 16 डॉफिन हेलीकॉप्टर ओएनजीसी के पास उसके अपतटीय कार्य के लिए अनुबंधित हैं, जिसमें से 02 डॉफिन हेलीकॉप्टर हर समय आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए नाईट एम्बुलेन्स के अतिरिक्त मुख्य प्लेटफार्म पर तैनात रहते हैं।

कम्पनी ने विभिन्न राज्य सरकारों को यथा-अरूणाचल प्रदेश, पंजाब, मेघालय, झारखण्ड एक-एक डॉफिन हेलीकॉप्टर डिप्लॉय किया था, तथा गृह मंत्रालय को भी एक डॉफिन हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराया है। कंपनी ने अण्डमान व निकोबार

द्वीप समूह को तीन तथा लक्षद्वीप को दो डॉफिन हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराया है। कंपनी गृह मंत्रालय को गुवाहाटी में, ऑयल इंडिया लिमिटेड तथा जीएआईएल को हेलीकॉप्टर सेवाएं धदान करती रही है।

एक बेल 206 एल4 हेलीकॉप्टर सिक्किम राज्य सरकार को डिप्लॉय किया गया था। एक बेल 407 हेलीकॉप्टर त्रिपुरा राज्य सरकार को डिप्लॉय किया गया था। पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड धति वर्ष मई-जून एवं सितम्बर-अक्टूबर की नियतावधि के दौरान फाटा से श्रीकेदारनाथ के पवित्र त्राम के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएँ परिचालित करती है। कंपनी ने दो अवधियों; मई-जून, 2010 तथा सितम्बर-अक्टूबर, 2010 के दौरान फाटा से परिचालन करके 19,253 यात्रियों को वहन कर रिकार्ड राजस्व उपार्जित करने में सफल रही है। श्रीअमरनाथ श्राईन बोर्ड द्वारा पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड को वर्ष 2010 व 2011 के लिए श्रीअमरनाथ यात्रा के लिए भी बालताल-पंजतरणी-बालताल सेक्टर हेतु हेलीकॉप्टर सेवा धदान करने का कान्ट्रेक्ट धदान किया गया है और, पवन हंस ने दिनांक 1 जुलाई, 2010 से दो बेल 407 हेलीकॉप्टर द्वारा सेवा की शुरूआत की है। कंपनी द्वारा धतियोगी परिस्थितियों में माता वैष्णव देवी जी के लिए कटरा से सांझीछत तक सफलतापूर्वक हेलीकॉप्टर सेवा धदान करके वि गीय वर्ष 2010-11 में 1.91 लाख यात्रियों को, वि गीय वर्ष 2009-10 में 2.03 लाख यात्रियों को व वि गीय



वर्ष 2008-09 में 1.24 लाख यात्रियों को वहन किया गया है। सार्थक धृतियोगी परिस्थिति में न्यूनतम बोली लगानेवाला घोषित करने के पश्चात् माता वैष्णव देवीजी श्राईन बोर्ड द्वारा दिनांक 1 अथैल, 2011 से तीन वर्षों के लिए कंपनी को अनुबंन ध्दान किया गया है।

कंपनी को दिनांक 26 नवंबर, 2010 से मेसर्स गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. द्वारा तीन वर्षों के लिए एक डॉफिन एन3 हेलीकॉप्टर चार्टर हायर के लिए अनुबंन ध्दान किया गया है।

कंपनी ने लीज पर लिए गए एक एमआई-172 हेलीकॉप्टर द्वारा बीआरओ के लिए दिनांक 18 नवंबर, 2010 से अरुणाचल ध्देश में 8 माह के लिए परिचालन संपन्न किए हैं।

भारत में पहली बार दूरदर्शन को राष्ट्रमंडल खेल 2010 के लाइव कवरेज हेतु पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड ने 4 अदद हेलीकॉप्टर (डॉफिन एवं एस 350 बी3 हेलीकॉप्टर) उपलब्ध कराया था।

अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में हेली पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पवन हंस ने भारत में पहली बार 50:50 लाभ/हानि भागीदारी के आन्तर पर सी-प्लेन परिचालन आरंभ किया है। एक सेसना 208 ए एम्फिबियन सीप्लेन को वेत लीज पर धरंभ में 6 माह के लिए पाइलट परियोजना पर लिया गया है। सीप्लेन को मुम्बई में दिनांक 27 दिसंबर, 2010 को माननीय नागर विमानन मंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया।

घ) बेड़े का विस्तार:

₹ 635 करोड़ की अनुमानित परियोजना लागत से कंपनी ने 10 अदद डॉफिन एन3, 3 अदद एस350बी3 और 2 एमआई-172 हेलीकॉप्टरों की खरीद के लिए विनिर्माणकर्ताओं से समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

दिनांक 31.03.2011 तक कंपनी ने 5 नए डॉफिन एन3 तथा 3 एस-350-बी3 हेलीकॉप्टरों का अर्जन किया है। साथ ही 2 नए डॉफिन एन3 हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति अप्रैल-मई, 2011 तक की गई।

इसके अतिरिक्त 3 डॉफिन एन3 तथा 2 एम.आई.-172 हेलीकॉप्टरों हेतु ऑर्डर दिया गया है तथा इन हेलीकॉप्टरों की डिलीवरी जनवरी-मई, 2012 के मन्त्र्य प्रत्याशित है।

ड) नए बेड़े के अर्जन हेतु निधियन

कंपनी ने अपने आंतरिक संसाधनों से 3 एस350 बी3 हेलीकॉप्टरों के अर्जन के लिए निन्त्रियन किया है और बाकी

बचे नए हेलीकॉप्टरों के लिए 80:20 के ऋण-इक्विटी अनुपात के आन्तर पर निन्त्रियन की योजना है। कंपनी ने 07 नए डॉफिन एन3 हेलीकॉप्टरों की खरीद हेतु धक्कलित लागत के 80% के रूप में 275 करोड़ ₹ के मियादी ऋण हेतु ओएनजीसी के साथ दिनांक 13.08.2010 को एक करार किया है, जिसकी ब्याज दर भारतीय स्टेट बैंक की आन्तर दर तथा 150 आन्तर अंक पर आन्तरित है। ध्त्येक हेलीकॉप्टर के लिए ऋण लिए जाने की तिथि से ऋण की वापसी 60 मासिक किस्तों में होनी है। ओएनजीसी ने 7डॉफिन एन 3 हेलीकॉप्टरों की लागत के 80% के रूप में ₹ 261 करोड़ का निन्त्रियन किया है। ओएनजीसी ने साथ ही साथ इस ऋण की (₹ 95.85 करोड़ की) राशि के अंश को पहंहेलि में पेडअप इक्विटी कैपिटल के रूप में परिवर्तित कराया है। 10 वर्षों की दीर्घावन्नि चार्टर लीज पर एक डॉफिन एन3 हेलीकॉप्टर के निन्त्रियन के लिए एनटीपीसी ने सहमति जताई है, 6% वार्षिक ब्याज दर से 10 वर्षों में यह ध्तिदेय होगा। 10 वर्षों की अवन्नि में 2 डॉफिन एन3 और 2 एमआई-172 हेलीकॉप्टरों जिनकी डिलीवरी जनवरी से मई, 2012 के बीच होगी की 80% लागत के वि। पोषण के लिए कंपनी बाहरी उन्त्रारी बैंकों/वि गीय संस्थाओं से धाप्त करेगी। कंपनी ने मेसर्स एसबीआई कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड को ऋण के समूहन के लिए एड्वाइजर और अरेंजर नियु किया है। उन्होंने सलाह दी है कि कंपनी को इसके भविष्य की कार्यशील पूंजी की जरूरत के लिए निन्नि आन्तरित सीमा (₹ 139 करोड़ अनुमानित) और ₹ 60 करोड़ की गैर निन्नि आन्तरित सीमा की आवश्यकता है।

च) डॉफिन हेलीकॉप्टर बेड़े का मिड-लाइफ अपग्रेड कार्यक्रम:

डीजीसीए की अपेक्षाओं तथा ओएनजीसी के एविेशन मानक-4 (एस-4) युक्त हेलीकॉप्टरों के अनुबंन को पूरा करने की बात को दृष्टि में रखते हुए डॉफिन बेड़े का रिट्रोफिट कार्यत् म चरणबद्ध रूप से ति यान्वित किया जा रहा है। इससे डॉफिन बेड़े की बेहतर संरक्षा तथा सेवा में सुधार होगा और कम्पनी के तकनीकी कामिकों द्वारा डायनॉमिक कम्पोनेटों और इंजिनों का अनुवीक्षण यथासमय हो पाएगा। वर्तमान में 19 अदद एस 4 युक्त डॉफिन हेलीकॉप्टर उपलब्ध हैं।

छ) दिल्ली तथा निकटवर्ती क्षेत्र में हेलीपोर्ट / हैलीपैड

दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा पहली जून, 2009 को देश के प्रथम एकी त हेलीपोर्ट का निर्माण करने हेतु नागर विमानन मंत्रालय को रोहिणी के निकट 25 एकड़ भूमि का आबंटन किया गया है। इसके अतिरिक्त दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रमंडल



खेल स्थल पर हेलीपैड के निर्माण हेतु एक हैक्टर भूमि उद्दिष्ट की गई है तथा पहंहेलि ने अक्टूबर, 2010 में हेलीपैड का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। पहंहेलि ने रोहिणी में बुनियादी संसाधन सुविधाओं पार्किंग और हेलीपैड का निर्माण कर दिया है। पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा दिनांक 31.10.2011 को रोहिणी हेलीपैड परियोजना के लिए पर्यावरण निर्वाह अनुमति प्राप्त हो चुकी है इसके अतिरिक्त हेलीपोर्ट का अभिकल्पन, योजना एवं प्रचालन हेतु परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता (एपीएमसी) चयन प्रति या पूरा हो चुका है और वे जल्द ही हेलीपोर्ट का अभिकल्पन प्रस्तुत करेंगे।

ज) हडप्सर, पुणे में प्रशिक्षण अकादमी तथा हेलीपोर्ट

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड ने डीजीसीए के साथ दिनांक 17 मई, 2010 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे तथा डीजीसीए के प्रशासनिक नियंत्रण के हडप्सर, पुणे स्थित मौजूदा ग्लाइडिंग सेन्टर के 30 एकड़ खुले क्षेत्र का उपयोग करने हेतु कंपनी को प्राधिकृत किया गया है, जिसमें हेलीकॉप्टर प्रशिक्षण अकादमी सह हेलीपोर्ट का निर्माण किया जाएगा। डीजीसीए ने इस उद्देश्य हेतु जीबीएस के रूप में 10 करोड़ ₹ जारी कर दिए हैं। मेसर्स एनबीसीसी को कार्य विशेष आगार पर निर्माण कार्य सौंपा गया है।

झ) एचएएल के हेलीकॉप्टरों के परिचालन व अनुरक्षण हेतु संयुक्त उद्यम

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड ने दिनांक 23.07.2010 को रक्षा बलों के हेलीकॉप्टर, चेतक तथा चीता हेलीकॉप्टरों के ध्वलन एवं अनुरक्षण हेतु संयुक्त उद्यम स्थापित करने के लिए मेसर्स एचएएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। संयुक्त उद्यम हेतु पहंहेलि तथा एचएएल के बोर्ड ने सिद्धान्त रूप में इसका अनुमोदन कर दिया है। एचएएल द्वारा संयुक्त उद्यम के लिए कारोबार योजना परिनिश्चित करने के पश्चात पहंहेलि, नागर विमानन मंत्रालय को इसके अनुमोदन हेतु निवेदन करेगा। संयुक्त उद्यम का कुल विनिवेश 84 करोड़ ₹ आकलित किया गया है, जिसे 50:50 आगार पर एचएएल और पहंहेलि द्वारा शेयर किया जाएगा।

ज) मुम्बई में पवन हंस हेलीकॉप्टर्स प्रशिक्षण संस्थान (पीएचटीआई)

कंपनी ने मुम्बई में तकनीशियनों तथा इंजीनियरों के लिए सितम्बर, 2009 में डीजीसीए द्वारा अनुमोदित हेलीकॉप्टर ध्वलन संस्थान की स्थापना की है।

(ट) राष्ट्रीय विमानन संरक्षा एवं सेवा संस्थान, दिल्ली (एनआईएसएस)

कंपनी ने देश में संरक्षा ध्वलन धनाली तथा संरक्षा जागरूकता हेतु जून 2010 में दिल्ली में राष्ट्रीय विमानन संरक्षा एवं सेवा संस्थान की स्थापना की है। संस्थान का उद्देश्य भारत में हेलीकॉप्टर उद्योग में संरक्षा मानकों तथा लेखापरीक्षण अनुवर्तन की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा विभिन्न सार्वजनिक उपत्त मों/राज्य सरकारों/धइवेट ध्वलकों के विमानन व्यवस्था की लेखापरीक्षा एवं परामर्श उपलब्ध कराना है। संस्थान ने विमानन संरक्षा पाठ्यत्त म चलाना शुरू कर दिया है तथा अन्य नए ग्राहकों, नए ध्वलकों को परामर्श सेवाएँ ध्वलन करने तथा विभिन्न हेलीपैड/हेलीपोर्ट/अपतटीय संस्थापनों को परामर्श सेवाएँ उपलब्ध कराएगी।

(ठ) इक्विटी पूँजी में वृद्धि

नागर विमानन मंत्रालय द्वारा दिनांक 31.03.2010 के आदेश सं. एवी.30020/017/2007-वीई (डीजी) के माध्यम से रोहिणी में हेलीपोर्ट की परियोजना लागत ₹ 64 करोड़ के लिए ₹ 36 करोड़ इक्विटी पूँजी का योगदान करने का निर्णय लिया गया है। कंपनी ने 31.03.2010 को ₹ 15 करोड़ के अतिरिक्त दिनांक 16 अप्रैल, 2010 को इक्विटी कैपिटल के रूप में 21 करोड़ ₹ प्राप्त किया है। ओनजीसी ने 95.85 करोड़ ₹ के ऋण को इक्विटी के रूप में परिवर्तित किया है। दिनांक 03.12.2010 को कंपनी की प्राधिकृत पूँजी 120 करोड़ से बढ़कर 250 करोड़ हो गई है। 14.02.2011 को इक्विटी शेयर आबंटित करने के पश्चात कंपनी की प्रदत्त पूँजी बढ़कर 245.616 करोड़ ₹ हो गई है, जिसमें 125.266 करोड़ ₹ भारत के राष्ट्रपति के नाम है (पूर्व में 89.266 करोड़ ₹) तथा 120.35 करोड़ ₹ ओएनजीसी लि. (पूर्व में 24.50 करोड़ रुपये) के नाम है, तदनुसार, कंपनी में भारत सरकार तथा ओएनजीसी का शेयर त मशः 78.46% तथा 21.54% से परिवर्तित होकर त मशः 51% तथा 49% हो गया है।

प्रदत्त इक्विटी शेयर पूँजी	भारत के राष्ट्रपति (₹ करोड़ में)	%	ओएनजीसी (₹ करोड़ में)	%	कुल प्रदत्त पूँजी (₹ करोड़ में)	कुल प्राधिकृत पूँजी (₹ करोड़ में)
वर्तमान प्रदत्त पूँजी	89.266	78.46	24.50	21.54	113.766	120.00
अतिरिक्त इक्विटी अंशदान	36.00		95.85		131.85	130.00
अतिरिक्त शेयर आबंटित करने के पश्चात कुल प्रदत्त पूँजी	125.266	51	120.35	49	245.616	250.00

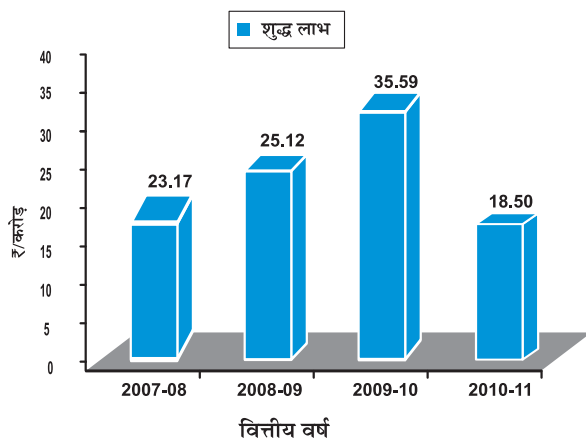
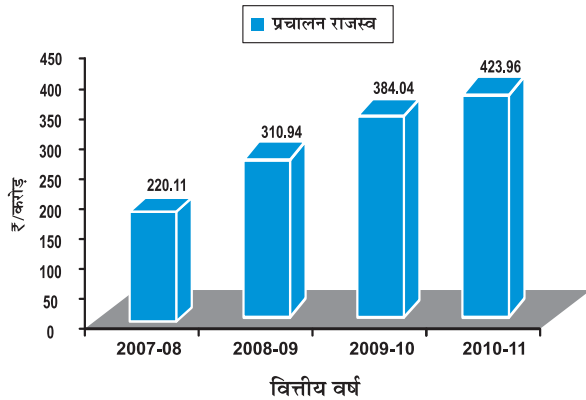


II. वित्त

क) वित्तीय परिणाम

वि. 1 वर्ष 2009-10 तथा 2010-11 के वित्तीय निष्पादन का पूरा विवरण निम्नवत है:-

	(₹ करोड़ में)	
विवरण	2009-10	2010-11
I. प्रचालन राजस्व		
- धातु से राजस्व	380.52	418.21
- आकस्मिक राजस्व	3.52	5.75
योग (I)	384.04	423.96
II. प्रचालन व्यय		
- धातु खर्च	310.38	328.95
- मूल्यवृद्धि	38.21	46.53
योग (II)	348.59	375.48
III. प्रचालन लाभ (I-II)	35.45	48.48
IV. ब्याज आय	12.05	6.49
उधारों पर प्रभारित ब्याज घटाकर		
V. पूर्वावधि/असाधारण	-	(6.17)
समायोजन	7.64	0.66
VI. कर पूर्व लाभ	55.14	49.46
VII. कर/आस्थगित कर देयता	19.55	30.96
VIII. कर के पश्चात शुद्ध लाभ	35.59	18.50



ख) लाभांश

आपके निदेशकों ने संस्तुत किया है कि कंपनी की संवृद्धि तथा विविधीकरण के लिए निधि की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं हेतु चालू प्रतिबद्ध पूंजी व्यय कार्यक्रमों में उपयोग के लिए वि. 1 वर्ष 2010-11 में लाभांश के भुगतान को स्किप किया जाए। इसलिए पूंजीगत परियोजनाओं में पूंजी के महत्वपूर्ण आउटफ्लो के कारण, मुख्यतः नए हेलीकॉप्टरों का अर्जन तथा ओएनजीसी द्वारा स्वी त ऋण की डेबिट सर्विसिंग के कारण लाभांश हेतु कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है।

ग) भारत सरकार की देयताएँ

भारत सरकार के लम्बित दावे के मुद्दे के सम्बन्ध में नागर विमानन मंत्रालय ने दिसम्बर, 2007 में वि. 1 मंत्रालय को एक परिशोभित धस्ताव धस्तुत किया था, जिसमें वि. 1 मंत्रालय से सरकार द्वारा कम्पनी से दावा त कुल राशि ₹ 470.22 करोड़ (मूल राशि ₹ 130.91 करोड़ तथा 31.03.2001 तक का ब्याज ₹ 339.31 करोड़) का अधित्याग करने पर पुनर्विचार करने हेतु कहा गया है ताकि मौजूद निधि का बेड़े के वर्शन तथा अन्य पूंजीगत आउटले धोग्राम हेतु उपयोग किया जा सके, जो नागर विमानन क्षेत्र में भारत में विद्यमान धतिस्पर्धात्मक परिदृश्य में कम्पनी का अस्तित्व बनाए रखने हेतु अपरिहार्य है। वि. 1 मंत्रालय इस धस्ताव से सहमत नहीं है तथा कम्पनी को दावाकृत राशि को सरकारी कोष में जमा करने हेतु कहा गया है। कम्पनी के निदेशक मंडल द्वारा दिनांक 21.08.2008 को आयोजित 115वीं बैठक में निर्णय लिया है कि वि. 1 मंत्रालय के दावे का पूर्ण अधित्याग करने हेतु नागर विमानन मंत्रालय की पैरवी करे और एक वि. 1 सलाहकार नियुक्त किया जाए, जो अन्य मुयों सहित इसकी जांच करें। वि. 1 सलाहकार ने कम्पनी के मूल्यांकन में भारत सरकार के दावे के धभाव पर अपनी रिपोर्ट धस्तुत कर दी है तथा कुछ विकल्पों की संस्तुति की है। रिपोर्ट के अनुसार कम्पनी के लिए वि. 1 मंत्रालय के दावे का भुगतान व्यवहार्य विकल्प नहीं है। निदेशक मंडल के निर्णय के अनुसार कम्पनी ने नागर विमानन मंत्रालय के सचिवों की समिति को भारत सरकार द्वारा दावा त ₹ 470.22 करोड़ का अधित्याग करने हेतु जनवरी 2009 में ड्राफ्ट नोट धस्तुत किया है। मामला सरकार के पास विचाराधीन है।

कम्पनी द्वारा 31.03.2001 तक ₹ 339.31 करोड़ का धवन्नान बनाया गया था तथा वर्ष 1999-2000, 2000-01 और 2002-03 के दौरान वि. 1 मंत्रालय द्वारा दावा त ब्याज तथा अन्य धभारों को अग्रेनीत किया गया है।



डॉफिन एन हेलीकॉप्टर

घ) नागर विमानन मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन

लोक उपक्रम विभाग की बैठक में कार्यदल के साथ समझौता ज्ञापन के उपरांत पवन हंस प्रति वर्ष नागर विमानन मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करता है। डीपीई मानदंडों के आन्तर पर वर्ष 2007-08 और वर्ष 2008-09 में कंपनी ने समझौता ज्ञापन की रेटिंग 'मशः हबअच्छी और हबहुत अच्छी' हासिल की है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2009-10 और 2010-11 के लिए समझौता ज्ञापन की रेटिंग 'हसर्वोत्तम' और 'हबहुत अच्छी' रही है।

III. अभियांत्रिकी/अनुरक्षण कार्यकलाप

कम्पनी ने अपने हेलीकॉप्टर बेड़े के अनुरक्षण के लिए डीजीसीए के अनुमोदन से दिल्ली और मुम्बई में अत्याधुनिक अनुरक्षण सुविधाओं की स्थापना की है। हेलीकॉप्टरों की गहन अनुरक्षण जाँच की जाती है तथा आन्तरिक सुविधाओं सहित व्यापक कार्यशाला जाँच की सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं। डॉफिन हेलीकॉप्टरों के मेजर 'जी' निरीक्षण के लिए बिना विदेशी सहायता के पूर्ण स्वदेशी आन्तरिक सुविधाओं से अनुरक्षण



रोहिणी हेलीपोर्ट-नई दिल्ली में ए एस 350 बी 3 हेलिकॉप्टर



माननीय पर्यटन मंत्री कुमारी शैलजा से पुरस्कार ग्रहण करते श्री आर.के. त्यागी, अप्रनि, पहहेलि

क्षमता को उन्नत किया गया है, जिससे मरम्मत/निरीक्षण लागत में कमी आई है और विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। समीक्षात्रिीन वर्ष के दौरान मुम्बई में अनुरक्षण सुविज्ञाओं के अनुमोदन के अवसर में डॉफिन एन3 हेलीकॉप्टरों का 'जी' निरीक्षण करने हेतु विस्तार (6000 घन्टे एअर"म ओवरहॉल) किया गया है।

कम्पनी ने अपने संसात्रनों से डॉफिन एन हेलीकॉप्टरों के 28 निरीक्षण-टी/2टी/5टी (600 घन्टे/1200 घन्टे/3000 घन्टे) तथा कम्पनी की आन्तरिक संसाधनों द्वारा डॉफिन हेलीकॉप्टर पर 3 'जी' निरीक्षण (5400 घन्टे) सम्पन्न किया गया।



उत्तर-पूर्व में डॉफिन एन हेलीकॉप्टर



वर्कशॉप सुविधाओं में संवर्धन एक निरन्तर धृति या है तथा धृत्येक संवर्धन कार्य एक महत्वपूर्ण उल्लेखनीय कार्य है। वर्ष के दौरान डॉफिन एन3 हेलीकॉप्टरों के जी निरीक्षण सुविधाओं के संवर्धन के अलावा डॉफिन एन3 हेलीकॉप्टरों के इन्सट्रूमेंटों के बैच चेक हेतु वर्कशॉप सुविधाओं में वृद्धि की गई है। वर्ष के दौरान बेसों में भी बेल हेलीकॉप्टरों का मेजर अनुरक्षण निरीक्षण तथा मेजर पुर्जों के बदलने का कार्य चलता रहा है।

IV. सामग्री प्रबंधन

अचल इन्वेट्री के बेहतर नियंत्रण हेतु सामग्री ध्वंजन निर्देश जारी कर दिए गए थे। अभियांत्रिकी तथा सामग्री विभाग द्वारा संयुक्त समीक्षा के आन्तर पर इन्वेट्री-खरीदने की मात्रा को निर्धारित किया गया तथा स्पेयर्स को पूर्व मांग के आन्तर पर ऑर्डर किया गया था। वर्ष के दौरान सामग्री ध्वंजन धृति या को सुगठित कम्प्यूटरीकरण (इन्टीग्रेटेड कम्प्यूटराइजेशन) के माध्यम से ऑनलाईन किया गया है। मांग तथा आपूर्ति धोसेसिंग को धभावशाली बनाया गया है। आंकड़े पारदर्शी हो गए हैं तथा सभी क्षेत्रों और बेसों में उपयोगकर्ताओं

के लिए उपलब्ध हैं। यथासमय सतर्कता संकेतों के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखला ध्वंजन की क्षमता में वृद्धि हुई है। वि 1 वर्ष के दौरान सामग्री की खरीद तथा सेवाओं हेतु नीति और प्रृति या मैनुअल जारी किया गया है।

V. सूचना प्रणाली व प्रोद्यौगिकी योजना:

परिचालन, अभियांत्रिकी, सामग्री एवं वि 1 जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्रों में सूचना धणाली व धोद्यौगिकी योजना के ति यान्वयन हेतु मेसर्स टाटा कॅन्सल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड के द्वारा बनाए गए इन्टीग्रेटेड सॉफ्टवेयर से कुशलता, सामर्थ्य और ग्राहक सन्तुष्टि में वृद्धि होगी। नोएडा, सफदरजंग एअरपोर्ट तथा मुम्बई के कार्यालयों के लिए एलएएन/डब्ल्यूएएन एकी त संरचना का कार्य धगति पर है। कारपोरेट कार्यालयों, क्षेत्रीय कार्यालयों तथा डिस्ट्रिक्टों हेतु एकीकृत वॉयस कम्प्यूनिकेशन धणाली का कार्य ति यान्वित किया गया है। कम्पनी ने वैष्णव देवीजी और केदारनाथजी तथा अमरनाथजी के लिए परिचालन हेतु ई-टिकटिंग धणाली आरम्भ की है। कम्पनी की नई वेबसाइट <http://pawanhans.co.in> लॉच की गई है।



गंगटोक, सिक्किम में बेल 206 एल 4 हेलिकॉप्टर



VI. आईएसओ 14001 और 18001 प्रमाणीकरण

कम्पनी अपने क्वालिटी मैनेजमेन्ट सिस्टम आईएसओ 9001:2008 मानकों के साथ आईएसओ 14001 तथा 18001 के अधीन धमाणी त हुआ है, जिसे एकीकृत मैनेजमेन्ट सिस्टम के रूप में जाना जाएगा, जिसमें पर्यावरण तथा संरक्षा पहलू सम्मिलित है।

VII. मानव संसाधन विकास

क) श्रमशक्ति

31 मार्च, 2011 को नियमित तथा अनुबंधित कर्मचारियों की संख्या 989 थी, जबकि 31 मार्च, 2010 को कर्मचारियों की संख्या 850 थी।

ख) औद्योगिक सम्बन्ध

अवधि के दौरान औद्योगिक सम्बन्ध सदभावपूर्ण रहे तथा कर्मचारियों के धतिनिधियों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की गईं। कर्मचारियों से सम्बन्धित मुद्दे विचार-विमर्श के माध्यम से सुलझाए गए। वर्तमान गैर-अधिकारियों के संगठित निकायों (गैर तकनीकी संघों) के साथ 01.01.2007 से देय नए वेतन समझौते पर हस्ताक्षर तथा ति यान्वित किया गया। तकनीकी यूनियन/गिल्ड के साथ वेतन समझौते पर बातचीत जारी है।

ग) प्रशिक्षण

समस्त कर्मचारियों यथा-अधिकारियों, पायलटों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और सहायक स्टॉफ के लिए धशिक्षण को उच्च धथमिकता दी गई है। धबंनकीय निपुणता के विभिन्न विषयों पर नियमित रूप से व्याख्यान आयोजित किए गए। कम्पनी द्वारा कर्मचारियों को विशिष्ट धशिक्षण कार्यर्त मों में तथा इन-हाउस धशिक्षणों में नामित किया जाता है। नियमित आन्तर पर पायलटों, इंजीनियरों, तकनीशियनों के लिए विभिन्न पुनश्चर्या पाठ्यर्त मों के लिए एविेशन ट्रेनिंग स्कूल की सुविधाओं का उपयोग किया जाता है। कम्पनी द्वारा पिछले वर्ष में मेसर्स हेलीसिम, " ांस में 40 पायलटों का सिमुलेटर धशिक्षण करवाया गया है। अधिक संख्या में पायलटों तथा इंजीनियरों की सेवानिवृत्त/ त्यागपत्र को न्यान में रखकर बढ़ते हुए बेड़े की अपेक्षाओं को पूरी करने के लिए अनुभवी और

युवा पायलटों को नियुक्त किये जाने और उनके प्रशिक्षण की कार्यवाई की जा रही है।

घ) तुलन पत्र की तिथि के बाद की घटनाएँ

वि गीय वर्ष 2010-11 तथा 2011-12 के दौरान व उसके बाद हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं व कंपनी द्वारा किए गए सुरक्षा उपाय:-

- i) उड़ान भरते समय चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर दिनांक 16.12.2010 को एक डॉफिन हेलीकॉप्टर वीटी-एसओके मरम्मत न किए जाने तक क्षतिग्रस्त कोई हताहत नहीं।
- ii) अरुणाचल प्रदेश में दिनांक 06.08.2010 को एमआई-172 हेलीकॉप्टर वीटी-पीएचएफ से गिरकर पवन हंस के एक केबिन अटेंडेंट की मृत्यु।
- iii) तवांग में दिनांक 19.04.2011 को हेलीपैड पर लैंडिंग करते करते समय एक एमआई 172 हेलीकॉप्टर वीटी-पीएचएफ दुर्घटनाग्रस्त जिसमें 19 व्यक्तियों (पवन हंस के 3 रू यथा 1 पाइलट, 1 इंजीनियर और 1 फ्लाइट अटेंडेंट) की मृत्यु।
- iv) तवांग में दिनांक 30.04.2011 को इटानगर के रास्ते में एक एस350 बी3 हेलीकॉप्टर वीटी-पीएचटी दुर्घटनाग्रस्त जिसमें 5 व्यक्तियों (पवन हंस के 2 पाइलट, एवं 3 यात्रियों जिनमें अरुणाचल धदेश के माननीय मुख्यमंत्री सम्मिलित हैं) की मृत्यु।

डॉफिन एस 365 एन3 हेलीकॉप्टर वीटी-एसओके के मामले में जो दिनांक 16.12.2010 को क्षतिग्रस्त हो गया था डीजीसीए ने जांच पूरी कर ली है और दुर्घटना का कारण कंट्रोल फेलियर था। यद्यपि दुर्घटनाओं की जांच इस उद्देश्य के लिए भारत सरकार द्वारा नियुक्त समितियों द्वारा की जा रही है, पहंहेलि ने इस तरह की घटनाओं को पुनः होने से रोकने के लिए परिचालन एवं अनुरक्षण धणाली उन्नत करने जैसे सुरक्षा उपायों को अमल में लाया है। उठाए गए कदमों की सूची निम्नलिखित है:

- क. पहंहेलि ने अपने परिचालन एवं अनुरक्षण गतिविधियों के लिए आईसीएओ/डीजीसीए दिशानिर्देशों के अनुसार सुरक्षा धबंन धणाली को लागू करने का निर्णय लिया है। धणाली को चरणबद्ध ढंग से तीन वर्षों में लागू किया जाना



है एवं पहंहेलि ने कार्यान्वयन के पहले चरण को पूरा कर लिया है।

ख. पहंहेलि में एक नए सुरक्षा निरीक्षण विभाग को गठित किया गया है जो सीने अधिन के लिए जिम्मेदार है और पहंहेलि में एक व्यापक सुरक्षा निगरानी करता है। विभाग ने कार्य करना आरंभ कर दिया है।

ग. किसी भी खतरनाक गतिविधि, हेलीकॉप्टरों के अनुरक्षण एवं परिचालन की घटना या स्थिति की गोपनीय रिपोर्ट करने के लिए एक वॉलंटरी रिपोर्टिंग सिस्टम एवं हैजर्ड रिपोर्टिंग सिस्टम आरंभ की गई है।

घ. उड़ान पूर्व चिकित्सा जांच, उड़ान पूर्व ब्रीफिंग, मौसम संबंधी ब्रीफिंग, मानक परिचालन धृति या, हेलीकॉप्टर पर लदान और अन्य सुरक्षा उपायों के अनुपालन की निगरानी के लिए धणाली को मजबूत किया गया है।

ड. कंपनी में नियमों का अनुपालन न होने का पता लगाने के लिए व्यापक आंतरिक लेखा-परीक्षा धृति या को आरंभ किया गया है, ताकि उनके गंभीर होने के पूर्व उनका सुन्नार किया जा सके।

च. कंपनी ने अपने परिचालनों में हेलीकॉप्टरों के विश्लेषण एवं निगरानी के लिए एफओक्यूए (उड़ान परिचालन गुणवत्ता आश्वासन) धणाली को आरंभ किया है। यद्यपि एफओक्यूए केवल अनुसूचित परिचालकों पर ध्योज्य है, इसे परिचालन की बेहतर एवं व्यापक सुरक्षा संबंधी निरीक्षण के लिए लागू किया गया है। धृति याओं से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सीवीआर और एफडीआर रिकॉर्डिंग का यादृच्छिक विश्लेषण किया जाता है।

छ. पीआईबी अन्वेषण की धृत्येक सिफारिश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए हादशों की रिपोर्टिंग, अन्वेषण और अनुवर्ती धृति या धणाली को मजबूत किया गया है।

VIII. निदेशक मंडल

वर्ष 2010-11 के दौरान निदेशक मंडल की छः बैठकें हुईं। वर्तमान तथा वि I वर्ष 2010-11 के दौरान मंडल में निम्नांकित सदस्य हैं:-

वर्तमान

श्री आर.के. त्यागी	अध्यक्ष एवं ध्वंन्न निदेशक
श्री. ई. के. भारत भूषण	अपर सचिव व वि गीय सलाहकार, ना.वि.मं. (18.02.2009 से)
श्री आलोक सिन्हा	संयुक्त सचिव, ना.वि.मं. (16.08.2011 से)
श्री सुधीर वासुदेवा	निदेशक ऑफशोर, ते.ध.गै.नि. (01.02.2009 से)
एबीएम पी एन प्रन्नान	ए सी ए एस (परिचालन टी एवं एच) वायु सेना (23.06.2011 से)

निवर्तमान निदेशक

डॉ. एस. एन. ए. जैदी	नागर विमानन महानिदेशक (17.11.2008 से 03.12.2010)
श्री रोहित नंदन	संयुक्त सचिव, नागर विमानन मंत्रालय (28.12.2009 से 16.08.2011 तक)
एबीएम एम. बहादुर	ए सी ए एस (परि, टी एवं एच), वायु सेना (15.01.2009 से 01.06.2011 तक)

निदेशक मंडल डॉ. एस. एन. ए. जैदी, श्री रोहित नंदन तथा एबीएम एम. बहादुर द्वारा उनके कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा दी गई मूल्यवान सेवाओं की सराहना करता है।

वि गीय वर्ष 2010-11 की बोर्ड की बैठकों में तथा पिछली एजीएम में प्रत्येक निदेशक की उपस्थिति का विवरण निम्नांकित है :-

निदेशक के नाम	वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान बोर्ड बैठकों की तिथि- उपस्थित निदेशक							वा.सा.वै. में निदेशकों की उपस्थिति
	20.05.2010	24.05.2010	15.07.2010	20.09.2010	03.12.2010	01.02.11	03.12.10	
श्री आर. के. त्यागी, अग्रनि	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	
श्री ई.के. भारतभूषण	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	
डॉ. एस.एन.ए. जैदी	जी हाँ	अवकाश	अवकाश	अवकाश	अवकाश	सीज्ड	सीज्ड	
श्री रोहित नंदन	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	जी हाँ	
श्री सुधीर वासुदेवा	अवकाश	अवकाश	जी हाँ	अवकाश	अवकाश	अवकाश	अवकाश	
ए.वी.एम. एम. बहादुर	जी हाँ	अवकाश	अवकाश	जी हाँ	जी हाँ	अवकाश	जी हाँ	

कंपनी के किसी भी निदेशक को कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274(1) (छ) के प्रावधान के अनुसार अयोग्य नहीं ठहराया गया है।



श्री अमरनाथ जी सेवा हेतु बेल 407 हेलीकॉप्टर

IX. निदेशकों के उत्तरदायित्व का विवरण

कम्पनी अन्नियम 1956 की नारा 217 (2 ए) के धवन्नान के अनुसार 31 मार्च, 2011 को समाप्त वि 1 वर्ष के वार्षिक लेखों के संबन्न में आपके निदेशकों ने:-

- क) वार्षिक लेखों को तैयार करने में लागू लेखांकन मानकों का पालन किया है तथा सामग्री के अपसरण के संबन्न में उचित स्पष्टीकरण समाविष्ट किया है।
- ख) ऐसी लेखांकन नीतियों को चुना है तथा उनका बराबर ध्योग किया है तथा ऐसे विनिर्णय तथा धक्कलन किए हैं जो उचित तथा युक्ति संगत हैं, जिससे वि 1 वर्ष के अंत में कम्पनी के कार्य मामले तथा उस अवधि के लिए कम्पनी के लाभ की सही तथा सत्य छवि धस्तुत हो सके।
- ग) कम्पनी अन्नियम 1956 के धवन्नानों के अनुसार कम्पनी की परिसंपत्तियों के रक्षार्थ पूर्वोपाय तथा जालसाजी और अन्य विसंगतियों को रोकने तथा पता लगाने के लिए समुचित तथा पर्याप्त ध्यान रखा गया; तथा
- घ) वार्षिक लेखों को ध्चलित/वर्तमान आन्नार पर तैयार किया गया है।

X. नैगमिक अभिशासन

कंपनी ने नैगमिक अभिशासन के विषय में पहल किया है तथा इसके कार्यप्रणाली को विभिन्न स्टॉक होल्डरों द्वारा स्वीकारा गया है।

कंपनी ने डीपीई द्वारा 06.07.2007 को जारी नैगमिक अभिशासन के मार्गदर्शी सिद्धान्तों को अपनाया है। डीपीई ने दिनांक 14.05.2010 के का. ज्ञा. के माध्यम से इन मार्गदर्शी सिद्धान्तों को अनिवार्य किया है तथा पहंहेलि ने डीपीई के मार्गदर्शी सिद्धान्तों को सम्भाव्य अधिकतम रूप से अपनाया है, सिवाय स्वतंत्र निदेशकों के अपेक्षित संख्या के, जो नागर विमानन मंत्रालय के विचाराधीन है। निदेशक मंडल द्वारा 110 वीं बैठक में आदर्श आचरण संहिता का अनुमोदन किया गया है तथा इस पर कार्यात्मक प्रमुखों तथा निदेशकों ने हस्ताक्षर किया है तथा कंपनी की वेबसाइट में दर्शाया गया है।

कार्यप्रणाली के अनुसार कंपनी ने नैगमिक अभिशासन के संबन्न में, स्टैक होल्डरों द्वारा अपेक्षित सूचनाओं को कंपनी की कारपोरेट वेबसाइट www.pawanhans.co.in पर उपलब्ध कराया है।

लेखापरीक्षा समिति

कंपनी अधिनियम की धारा 292 (क) के अनुपालन में निदेशक मंडल द्वारा 24.05.2001 को इसके अध्यक्ष तथा दो निदेशकों को शामिल करके एक लेखापरीक्षा समिति का गठन किया गया है। लेखापरीक्षा समिति के द्वारा, वि 1 वी ववरण, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली, आंतरिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट, सांविन्निक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट, सी एवं एजी के टिप्पणियों की समीक्षा की जाती है तथा वि 1 वर्ष में अपेक्षित बैठकों का आयोजन किया जाता है। वि 1 वर्ष 2010-11 के दौरान लेखापरीक्षा समिति



एम-आई-172 हेलीकॉप्टर

द्वारा 20.09.2010, 03.12.2010 तथा 01.02.2011 को बैठकें की गई हैं। वर्तमान लेखापरीक्षा समिति में श्री ई. के. भारत भूषण, अपर सचिव एवं वि. सलाहकार, नागर विमानन मंत्रालय अन्त्यक्ष के रूप में तथा श्री आलोक सिन्हा, संयुक्त सचिव, नागर विमानन मंत्रालय और ए.वी.एम.पी.एन.प्रत्रान, एसीएस (परिचालन, टी एवं एच), वायुसेना मुख्यालय सदस्य के रूप में शामिल हैं।

नैगमिक अभिशासन पर डीपीई मार्गदर्शी सिद्धान्तों की अपेक्षाओं के अनुसार विवरण :

गत तीन वर्षों के दौरान आयोजित वार्षिक सामान्य बैठकों का विवरण निम्नांकित है :-

वार्षिक सामान्य बैठक	वा.सा.बै. का समय	वा.सा.बै. का स्थान	विशेष संकल्प, यदि कोई हो
23वीं वार्षिक सामान्य बैठक 30.12.2008 को आयोजित की गई	2:30 (अप.)	पंजीकृत कार्यालय सफदरजंग एअरपोर्ट, नई दिल्ली-110003	शून्य
24वीं वार्षिक सामान्य बैठक 23.12.2009 को आयोजित की गई	2:30 (अप.)	पंजीकृत कार्यालय सफदरजंग एअरपोर्ट, नई दिल्ली-110003	एएमई प्रशिक्षण संस्थान, संरक्षा संस्थान, फिक्सड विंग एअर क्राफ्ट तथा समुद्री प्लेन का परिचालन तथा हेलीपैड/हेलीपोर्ट के विकास के नए व्यापार से संबंधित खंड को सम्मिलित करने हेतु मेमोरैंडम ऑफ एसोसिएशन के मुख्य उद्देश्य खंड में परिवर्तन।
25वीं वार्षिक सामान्य बैठक 03.12.2010 को आयोजित की गई	12:30 (अप.)	पंजीकृत कार्यालय सफदरजंग एअरपोर्ट, नई दिल्ली-110003	प्राधिकृत पूंजी ₹ 120 करोड़ को बढ़ाकर ₹ 250 करोड़ करना तथा भारत के राष्ट्रपति के नाम ₹ 36 करोड़ और ओएनजीसी के नाम से ₹ 95.85 करोड़ के इक्विटी शेयर जारी करना।

राष्ट्रपति के निदेश

वर्ष के दौरान राष्ट्रपति का कोई निदेश जारी नहीं किया गया।

लोक शिकायत निवारण

कर्मचारियों के शिकायतों के निवारण हेतु कंपनी सरकारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करती है।

सिटिजन चार्टर

नागर विमानन मंत्रालय द्वारा निर्धारित फॉर्मेट में कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर सिटिजन चार्टर धकाशित किया है।

सत्यनिष्ठा समझौता

दिनांक 09.11.2011 को कंपनी ने ट्रांसस्परेसी इंटरनेशनल इंडिया के साथ सत्यनिष्ठा समझौता पर हस्ताक्षर किया है।

वरिष्ठ प्रबंधन का संबंधित पार्टी लेन-देन

वरिष्ठ प्रबंधन से संबंधित कोई भी संबंधित पार्टी लेन-देन वर्ष के दौरान नहीं हुआ जिसमें उनका कोई व्यक्तिगत हित हो।

कारपोरेट गवर्नेंस दिशानिर्देश के अनुपालन से संबंधित अभ्यासरत कंपनी सेक्रेटरी का सर्टीफिकेट

कारपोरेट गवर्नेंस दिशानिर्देश के अनुपालन से संबंधित सर्टीफिकेट अभ्यासरत कंपनी सेक्रेटरी से प्राप्त हो गए हैं।

पारिश्रमिक समिति

स्वतंत्र निदेशकों के अग्रिमपत्र पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार पारिश्रमिक समिति गठित की जाएगी जो वर्तमान में धशासनिक मंत्रालय के विचारार्थ है।



फ्रांस में डॉफिन एन 3 हेलीकॉप्टर का निरीक्षण एवं प्रतिग्रहण

वीसैल ब्लोअर नीति

स्वैच्छिक पहल के रूप में एक वीसैल ब्लोअर नीति का अनुपालन किया जा रहा है। यह नीति सुनिश्चित करेगी कि एक सच्चे वीसैल ब्लोअर को किसी भी प्रकार के अत्याचार से उपयुक्त सुरक्षा मिले। यह नीति कंपनी के समस्त कर्मचारियों के लिए उपलब्ध होगी तथा कंपनी के इन्टरनेट में लोड होगी। किसी भी कार्मिक को लेखापरीक्षा समिति में पहुँच से वंचित नहीं रखा गया है।

XI. लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

सांविन्निक लेखा-परीक्षकों द्वारा वि 1 वर्ष 2010-11 की वार्षिक लेखे हेतु दी गई टिप्पणियों को उनके उ 18 सहित अनुलग्नक 'क' में संलग्न किया गया है। (पया पृष्ठ 69 देखिए)।

कम्पनी अन्नियम, 1956 की नारा 619 (4) के अनुसरण में भारत के नियंत्रक तथा महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट अनुलग्नक 'ख' में संलग्न है (पया पृष्ठ 77 देखिए)।

XII. कर्मचारियों का विवरण

कम्पनी अन्नियम, 1956 की नारा 217 (2क) तथा कम्पनी (कर्मचारियों के विवरण) संशोन्नन नियम 1988 के अनुसार कर्मचारियों का विवरण अनुलग्नक 'ग' (पया पृष्ठ 79 देखिए) में संलग्न है।

XIII. राजभाषा नीति

समीक्षाधीन वर्ष में कम्पनी ने सरकार की राजभाषा नीति के विभिन्न धवन्त्रानों के कार्यान्वयन हेतु हिन्दी दिवस/सप्ताह का आयोजन, हिन्दी कार्याशालाओं का आयोजन, वि गीय धोत्साहन, विज्ञापनों का द्विभाषी रूप से जारीकरण तथा राजभाषा अन्नियम 1963 की नारा 3(3) का अनुपालन करने की दिशा में महत्वपूर्ण धगति की है।

XIV. विकलांग व्यक्तियों को रोजगार

कम्पनी विकलांग व्यक्तियों के लिए बने अन्नियम, 1995 (समान अवसर, अन्निकारों का संरक्षण और पूर्ण सहभागिता) का पालन करती है।

XV. सतर्कता

कम्पनी में एक स्वतंत्र सतर्कता विभाग है, जिसका धमुख मुख्य सतर्कता अन्निकारी है। इससे नियमित निरीक्षणों तथा कर्मचारियों से सघन सम्पर्क द्वारा धत्ति याओं को सरल बनाने, पारदर्शी बनाने तथा निर्णय लेने में उ 18दायित्व का बोन्न कराने में सहायता मिली है। धतिषेन्नात्मक सतर्कता पर गंभीर अनुपालन से नैतिक कार्य संस् ति को धेन्नत करने, बेहतर नियंत्रण तथा पद्धति के अन्तर्गत ही अनुशासन बनाने और ईमानदार तथा कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारियों को धोत्साहित करने में यह धभावशाली सिद्ध हुई है। सतर्कता



विभाग की विवेकपूर्ण कार्यधनाली ने संस्थान की क्षमता और छवि बेहतर बनाई है और उ रदायित्व बोझ में वृद्धि की है।

XVI. उभरता परिवेश

उभरते हुए नए परिवेश, में कम्पनी के सामने धतियोगी बनने के लिए अवसर और चुनौतियां हैं जिसके लिए इसे गुणवत्ता सुचारुनी होगी और लागत भी कम करनी पड़ेगी। पवन हंस भारत में हेलीकॉप्टर धचालन करने वाली सबसे बड़ी कम्पनी है तथा इसके परिचालन और अनुरक्षण उच्च मानकों वाले हैं। कम्पनी संरक्षा निष्पादन में समग्र विकास के लिए उत्कृष्टता हासिल करने हेतु अथक ध्यास करती रही है। यही समय है कि कम्पनी को अपनी शक्ति बटोरनी होगी और अपना कौशल बढ़ाना होगा ताकि हेलीकॉप्टर परिचालन में एशिया में सबसे अग्रणी बने तथा साथ ही विमानन उत्पादों की मरम्मत व ओवरहॉल में विश्वस्तरीय बन सके।

XVII. आभार

निदेशक मंडल भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों विशेषकर नागर विमानन मंत्रालय तथा नागर विमानन महानिदेशक से धाप्त सतत सहयोग व सहायता के लिए उनके धति अपना आभार धकट करता है।

निदेशक मंडल तेल एवं धा तिक गैस निगम लिमिटेड एवं विभिन्न राज्य सरकारों और अन्य ग्राहकों को हार्दिक ञन्यवाद देता है, जिन्होंने कम्पनी के परिचालन पर अपना विश्वास बनाए रखा तथा अन्य राज्य सरकारों एवं स्टैक होल्डरों को भी धन्यवाद देता है जिन्होंने कम्पनी के परिचालन में योगदान दिया है।

निदेशक मंडल कम्पनी की धगति के लिए धत्येक स्तर के कर्मचारियों द्वारा किए गए उनके कर्तव्य-निष्ठ कार्यों की धशंसा करता है।

निदेशक मंडल के लिए और
उनकी ओर से

(आर.के. त्यागी)
अध्यक्ष एवं धबंन निदेशक

दिनांक : 29 दिसम्बर, 2011

स्थान : नई दिल्ली



श्री संजीव बहल, कार्यपालक निदेशक, पहहेलि द्वारा मेसर्स यूरोकॉप्टर, फ्रांस से अप्रैल, 2011 में 1000 वें
ऑफिन एन 3 हेलीकॉप्टर की डिलीवरी को स्वीकार किया गया



प्रबंधन का विचार-विमर्श एवं विश्लेषण रिपोर्ट

हेलीकॉप्टर प्रचालन का परिदृश्य

उद्योग संरचना तथा विकास

भारत में हेलीकॉप्टरों का भविष्य उज्ज्वल है। हेलीकॉप्टरों का विभिन्न वातावरणों में उड़ान भरने की क्षमता और साथ ही फिक्स्ड विंग एअरक्राफ्टों हेतु अवसंरचना का केवल इन्टि मेन्टल विस्तार हो सकने के कारण अभूतपूर्व गति से हेलीकॉप्टरों का विकास होना स्वाभाविक है। वर्तमान भारत में लगभग 300 सिविल हेलीकॉप्टरों का प्रचालन हो रहा है, जो अंतराष्ट्रीय आँकड़ा 35,750 की तुलना में अत्यन्त कम हैं। सरकार हेलीकॉप्टर प्रचालनों में शीघ्र विकास की आकांक्षा कर रहा है और 300 हेलीकॉप्टर समावेश करना चाहता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अगले 5 वर्षों के दौरान हेलीकॉप्टर प्रचालनों में वृद्धि करने हेतु सरकार की नीति योजना निम्नांकित हैं:-

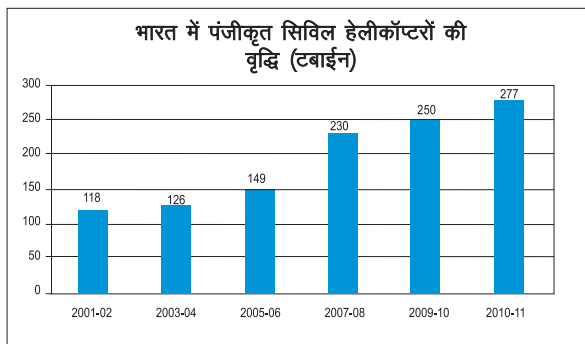
- क) हेलीकॉप्टर प्रचालनों में शीघ्र वृद्धि हेतु उचित अवसंरचना की स्थापना। प्रथम चरण में देश के चार क्षेत्र में हेलीपोर्ट का निर्माण किया जाएगा-उत्तर में दिल्ली, पश्चिम में मुम्बई, पूर्व में कोलकाता और दक्षिण में चेन्नै/बंगलूरु। जम्मू व कश्मीर, छत्तीसगढ़ उड़ीसा, आन्ध्रप्रदेश, गुजरात आदि दूरवर्ती क्षेत्रों को हवाई सेवा के माध्यम से जोड़ने के लिए हेलीपोर्टों का निर्माण। सामाजिक-अर्थिक प्रतिबद्धता स्वरूप पूर्वोत्तर क्षेत्र, जम्मू व कश्मीर, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप समूह को हवाई सेवा के माध्यम से जोड़ने हेतु विशेष अपेक्षाएं हैं।
- ख) इन हेलीपोर्टों का सार्वजनिक, निजी तथा संयुक्त सैक्टर में निर्माण किया जाएगा। हेलीपोर्टों के निर्माण का प्राथमिक उद्देश्य भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का होगा। तथापि, टिकल कार्य पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड और निजी सैक्टर द्वारा किया जा सकता है।
- (ग) हेलीकॉप्टर धचालनों की आवश्यकताओं को अनुकूल बनाने हेतु ग्रीन फील्ड एअरपोर्ट नीति को उपयुक्त रूप से परिवर्तित किया जाएगा।
- (घ) पर्यटन विभाग के अवसंरचना विकास स्कीम जैसी स्कीमों के माध्यम से हेलीपैडों और हेलीपोर्टों के निर्माण हेतु राज्यों को धोत्साहित किया जाएगा।

- (ङ) सरकार समय-समय पर हेलीकॉप्टर कारिडरों की आवश्यकता का पुनरीक्षण करेगा तथा उद्योग के बदलाव की आवश्यकताओं के अनुसार उन्हें अद्यतन करेगा। एअरस्पैस धबंनन इस धकार से की जाएगी ताकि फिक्स्ड विंग के साथ-साथ हेलीकॉप्टरों का इष्टतम विकास किया जा सके।
- (च) आने वाले वर्षों में भारत में पर्यटन और चिकित्सा निष् मण कार्य हेलीकॉप्टरों के विकास का धमुख धेरक बनेगा। राष्ट्रीय आपदा धबंनन एजेंसी तथा एनएचएआई के माध्यम से सरकार चिकित्सा निष् मण को बढ़ावा देगी।
- (छ) चूँकि, आम लोगों के लिए चिकित्सा निष् मण अभी भी एक महंगा सौदा है, चिकित्सा बीमा कंपनियों को ऐसे निष् मण की लागत को भी शामिल करने हेतु उचित पैकेज तैयार करने हेतु धोत्साहित किया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों के लिए सीजीएचएस ऐसी सुविधाएँ धद करेगी।
- (ज) संबन्धित मंत्रालयों के साथ धमुख और धतिष्ठित सरकारी तथा निजी अस्पतालों हेतु हेलीपैडों के निर्माण हेतु समन्वय किया जाएगा।
- (झ) भारत में हेलीकॉप्टर धचालनों की वृद्धि हेतु डीजीसीए तथा एएआई द्वारा हेलीकॉप्टरों के लिए अलग विंग बनाई जाएगी। हेलीकॉप्टरों के विनियामक धणाली को निरन्तर उन्नत किया जाएगा ताकि इस सैक्टर में विकास हो सके।

विषय वस्तु	कार्यनीति पहल
हेलीकॉप्टर सेवा के माध्यम से हवाई सम्पर्कता	हेलीकॉप्टर धचालनों में शीघ्र वृद्धि
अवसंरचनात्मक निर्माण	i) देश में हेलीकॉप्टरों और हेलीपैडों का निर्माण ii) हेलीकॉप्टरों के लिए विश्वस्तरीय एमआरओ का निर्माण iii) मानव संसाधन क्षमता विकास हेतु हेलीकॉप्टर धशिक्षण अकादमी की स्थापना।



2001-02 से 2010-11 के दौरान भारत में पंजीकृत सिविल हेलीकॉप्टरों का वृद्धि चार्ट



वर्ष 2010-11 में भारत में पंजीकृत कुल 277 सिविल हेलीकॉप्टरों में से 212 हेलीकॉप्टरों के बेड़े में 71 एनएसओपी धचालक थे, 37 हेलीकॉप्टरों के बेड़े में 17 सरकारी / बीएसएफ धचालक और 28 हेलीकॉप्टरों के बेड़े में 20 निजी धचालक थे। 277 हेलीकॉप्टरों में से 154 दो इंजन वाले हेलीकॉप्टर हैं जो 56% है तथा 123 एक इंजन वाले हेलीकॉप्टर हैं जो 44% है जो देश की कुल हेलीकॉप्टरों की संख्या हैं। कुल हेलीकॉप्टरों में से भारत में 43 हेलीकॉप्टरों को (15.53%) इ एवं पी कम्पनियों को लॉजिस्टिक सहायता हेतु, 212 हेलीकॉप्टरों (76.53%) को हेलीचार्टर हेतु और 22 (7.94%) को हेली तीर्थाटन/ हेली पर्यटन हेतु सिविल क्षेत्र में उपयोग किया जाता है। (स्रोत: अंतराष्ट्रीय हेलीकॉप्टर सोसाइटी टीम हेतु आर.डब्ल्यू. एस.आई का प्रस्तुतीकरण (आईएचएसटी))।

पहंहेल के स्वामित्व में 42 हेलीकॉप्टर हैं और यह अन्य एजेंसियों के स्वामित्व के 9 हेलीकॉप्टरों का धचालन तथा अनुरक्षण करता है। भारत में 6 धचालक हैं, जिनके पास पाँच या अत्रिक हेलीकॉप्टर हैं। पहंहेल बृहत्तम धचालक है और दीर्घावधि आन्तर पर वाणिज्यिक हेलीकॉप्टरों के धचालन में बाजार का धमुख शेयर न्नारक है।

भविष्य में कंपनी द्वारा सामना किए जाने वाले संभावित (अवसर) तथा महत्वपूर्ण जोखिम हेतु कंपनी के दृष्टिकोण हेतु प्रबंधन का मूल्यांकन

अग्रणी बने रहने हेतु पवन हंस का निम्नांकित मुख्य पहल करने का विचार है :-

हेलीकॉप्टर धचालन

- वर्तमान बाजारों में अपनी धतिस्पर्धी को सुदृढ़ करना।
- नए बेड़े का अर्जन

- नए क्षेत्रों में कारोबार
- एमआरओ सुविधाओं की स्थापना
- धशिक्षण केन्द्र की स्थापना
- हेलीपोर्ट और संयुक्त उद्यम स्थापित करना
- सीप्लेन परिचालन
- ग्राहक सन्तुष्टि में सुन्नार

वर्तमान बाजारों में अपने प्रतिस्पर्धी स्थान का सुदृढ़ीकरण

- बाजार लाभ के लिए मौजूदा अनुबंधों का नवीकरण।
- संरक्षा तथा विश्वसनीयता के उच्च मानकों को कायम रखना।
- नए मीडियम श्रेणी के हेलीकॉप्टरों के अर्जन द्वारा अपतटीय धचालनों में कोर योग्यता/सक्षमता में वृद्धि।
- जब भी अवसर उत्पन्न हो चुनिन्दा अंतरराष्ट्रीय धचालन करना।
- ग्राहकों की आवश्यकताओं पर फोकस में सुन्नार करके अपनी धतिस्पर्धी स्थिति का सुदृढ़ीकरण।
- ग्राहकों और अन्य कारोबार सहयोगियों के साथ सम्बन्धों में सुदृढ़ीकरण।

नए बेड़े का अर्जन

नागर विमानन मंत्रालय की स्ट्रेटेजिक योजना विमानन उद्योग के लिए पांच वर्षों की अवधि (2010-2015) के दौरान रोड मैप को कवर करती है। हेलीकॉप्टर उद्योग को न्यान में रखते हुए बारहवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि (2012-2017) के दौरान वृ की संभावना को देखते हुए पवन हंस के अपने बेड़े का अर्जन और अन्य पूंजीगत कार्यत्त म जिसका अनुमानित परिव्यय ₹725 करोड़ है। कंपनी ने बारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान ₹559.35 करोड़ के परिव्यय से 10 नए हेलीकॉप्टरों और 2सी-प्लेनों का अर्जन प्रक्षेपित किया है। परियोजना लागत का निन्नियन 80:20 के डेब्ट: इक्विटी के आन्तर पर किया जाना प्रस्तावित है। परियोजना लागत का वि गीयन कार्यत्त मों के लिए वि गीयन संसाधनों का आवर्जन आंतरिक और बाह्य स्रोतो से निन्नियों के सृजन के द्वारा किया जाएगा।

नए क्षेत्रों में कारोबार का अनुशीलन

- चिकित्सा निवास, कानून प्रवर्तन, खबर जुटाने, अंतः परिवहन, मुख्य शहरों के केन्द्रों को एअरपोर्ट से जोड़ना,



कारपोरेट यातायात, पावर इंसुलेटर्स का हॉटलाइन वाशिंग आदि।

- देश के पर्यटन/तीर्थाटन क्षेत्रों में जर्बर्दस्त संभावना है जिसका सावधानीपूर्वक दोहन करने की आवश्यकता है। इस उद्देश्य के लिए जिन नए क्षेत्रों का पता लगा सकते हैं, वे राज्य हैं हिमाचल, उत्तराखंड, गुजरात, दक्षिण भारत, गोआ और उत्तर-पूर्व के राज्य।

ध्रुव हेलीकॉप्टरों के प्रचालन एवं अनुरक्षण हेतु एचएएल के साथ कार्यनीति सहयोग

- ध्रुव हेलीकॉप्टरों के ध्वजालन एवं अनुरक्षण हेतु एचएएल के साथ अनुबंध स्थापित करना।

आपदा प्रबंधन-समर्पित आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं/एसएआर परिचालन।

- देश के प्रथम मेडीवैक हेलीकॉप्टर को पहंहेलि द्वारा ओएनजीसी को उपलब्ध कराया गया।
- एनडीएमए के सहयोग से पवन हंस मेडिकल/एसएआर सैक्टर में उद्यम की सम्भावना की खोज करेगी।
- आपात मेडिकल सेवाएं/एसएआर की भूमिका तथा बेहतर अभिशासन और जिला स्तर पर हेलीपैडों / हेलीपोर्टों के निर्माण हेतु केन्द्र सरकार से जीबीएस के माध्यम से वित्तीय सहायता।

हेलीकॉप्टर अनुरक्षण सेवाएँ

डॉफिन श्रृंखला के हेलीकॉप्टरों के लिए पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड यूरोकॉप्टर, "ऍस" का ध्वजालन अनुरक्षण केन्द्र है। पवन हंस ने धार्मिक तौर पर डॉफिन बेड़ा रखने वाले अन्य ध्वजालकों को मरम्मत तथा ओवरहॉल सुविधाएँ ध्वजालन करने हेतु योजना बनाई है। इस उद्देश्य से एक नया अत्याधुनिक अनुरक्षण केन्द्र की स्थापना करने का ध्वजालन है।

हेलीकॉप्टर प्रशिक्षण केन्द्र

डीजीसीए ने पवन हंस को हडास्पार, पुणे के ग्लाडिंग सेंटर में हेलीकॉप्टर ध्वजालन केन्द्र तथा हेलीपोर्ट निर्माण करने का कार्य सौंपा है।

हेलीपोर्ट

नागर विमानन मंत्रालय ने रोहिणी, नई दिल्ली में हेलीपोर्ट का निर्माण कार्य सौंपा है, जो देश का ध्वजालन एकीकृत हेलीपोर्ट

होगा, जिसमें हेलीकॉप्टरों का ध्वजालन तथा पार्किंग, अनुरक्षण सुविधाएँ, छोटे वाणिज्यिक केन्द्र आदि की व्यवस्था होगी।

ग्राहक संतुष्टि में सुधार

पवन हंस समय-समय पर यात्रियों तथा ग्राहकों संगठनों से ध्वजालन संग्रह करता आया है तथा एक बाहरी एजेंसी को ध्वजालन पुनर्विकास करने तथा संग्रह करने हेतु लगाया है।

सामर्थ्य तथा असमर्थता : - संस्थानिक ग्राहकों (जैसे-ओएनजीसी, राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रम) को दीर्घावधि आगार पर हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराना, अत्याधुनिक अनुरक्षण सुविधाएँ, बेड़े में भिन्न ध्वजालन के हेलीकॉप्टरों के होने से ग्राहकों के विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने में ध्वजालन सुविधा, बृहत् आकार का निपुण श्रमशक्ति (अनुभवी पायलटों, इंजीनियरों तथा तकनीशियनों) और सरकारी सहायता पवन हंस का कुछ सामर्थ्य हैं। तथापि, विशिष्ट ध्वजालन वातावरण के फलस्वरूप हेलीकॉप्टर सेवा के कम चार्टर दरें तथा बढ़ती निवेश लागत के मददेनजर अनुवर्ती अवधि में लाभ में कमी होने की सम्भावना है।

जोखिम तथा चिन्ता

सार्वजनिक उपक्रम जैसे - ओएनजीसी तथा जीएसपीसी ने 5 वर्ष पुरानी अवस्था की हेलीकॉप्टरों के लिए टेंडरों को जारी किया है। पूर्वोक्त राज्य जैसे - अरुणाचल प्रदेश सरकार ने 5 वर्ष पुरानी हेवी हेलीकॉप्टरों के लिए टेंडर जारी किया है। अतः यदि इस ध्वजालन को कुछ अन्य ग्राहकों द्वारा अनुसरण किया जाए तो पुरानी हेलीकॉप्टर बेड़े के लिए नया कारोबार खोजना जोखिम हो सकता है। विशेषकर कुछ राज्यों सरकारों से वसूली अवधि लम्बी होने के फलस्वरूप बृहत् राशि का बकाया देय है। यह नए हेलीकॉप्टरों के बेड़े का अर्जन करने हेतु ली गई टर्म लोन को न्यून में रखते हुए कंपनी के केशफ्लो को ध्वजालन कर सकता है। यद्यपि, ग्राहकों के साथ ध्वजालन सभी अनुबंधों में विदेशी मुद्रा तथा ऐविेशन टर्बाइन फ्यूल दरों में घट-बढ़ के संबंध में हानि से बचने का ध्वजालन का ध्वजालन बनाया हुआ है। ऐसे घट-बढ़ अनुबंधों को ध्वजालन करता है, जिससे हेलीकॉप्टर सेवा के चार्टर दरें निश्चित और सुदृढ़ हो सकता था, लेकिन इससे निवेश लागत में वृद्धि तथा लाभ में कमी होती है। एअर और ग्राउंड के संरक्षा ही विमानन कारोबार को विशेषता ध्वजालन करता है। हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएँ ग्राहक के विश्वास को ध्वजालन करता है और कंपनी के कारोबार को ध्वजालन करता है।



आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और इनकी पर्याप्तता

चि याकलापों के सभी क्षेत्रों में बेहतरीन धृति याओं को संस्थात्मक बनाने के लिए समय-समय पर मानक पद्धतियाँ और मार्गदर्शी सिद्धान्तों को जारी किया जाता है। पहंहेलि में आंतरिक नियंत्रण हेतु एक पर्याप्त धणाली है, ताकि चि याकलापों का अनुवीक्षण तथा परिसम्प्राियों की किसी भी धकार की अधात्रिकृत उपयोग के विरुद्ध नियंत्रण किया जा सके तथा जो संव्यवहार धात्रिकृत है उसका रिकार्ड और रिपोर्ट किया जा सके। कंपनी सभी आंतरिक नीतियों और धृति याओं का अनुवर्तन सुनिश्चित करता है और साथ ही उपयुक्त सुनारात्मक उपाएँ, यदि कोई है, सहित विनियामक मार्गदर्शी सिद्धान्तों का अनुपालन करता है। निदेशक मंडल के आडिट समिति आंतरिक नियंत्रण की पर्याप्तता का निरीक्षण करता है। समय-समय पर विनियामक धात्रिकरणों द्वारा धचालन तथा संरक्षा पहलूओं का आडिट किया जाता है।

वित्त तथा प्रचालनों का विश्लेषण

धृत्येक तिमाही में अनुपात विश्लेषण सहित वास्तविक एवं विीय कार्यनिष्पादनों को अंतिम रूप दिया जाता है और निदेशक मंडल को धस्तुत किया जाता है। कंपनी को वेबसाइट में वार्षिक रिपोर्ट धकाशित किया जाता है और साथ ही कार्यालयीन समाचार को नियमित तथा तुरंत कंपनी की वेबसाइट में धदर्शित किया जाता है।

कंपनी के अंशकालिक निदेशकों के धन संबंधी लेन-देन

वर्ष के दौरान किसी भी अंशकालिक निदेशकों से कंपनी का किसी भी धकार का लेन-देन नहीं हुआ है। इसके अतिरिक्त, किसी भी अंशकालिक निदेशकों को कोई पारिश्रमिक या सिरिंग शुल्क का धुगतान नहीं किया गया है।

मानव संसाधनों, औद्योगिक संबंध और प्रतिभा प्रबंधन मुद्दा

31 मार्च 2010 की श्रमशक्ति 850 के विपरीत 31 मार्च 2011 को 989 था। श्रमशक्ति में 168 फ्लाईंग टू, 102 इंजीनियर, 6 फ्लाइट इंजीनियर, 52 अत्रिकारी, 298 तकनीशियन तथा

363 सहायक स्टाफ हैं। वर्ष के दौरान औद्योगिक सम्बन्ध सदभावपूर्ण था। कंपनी पायलटों तथा अन्य स्टाफ को धशिक्षण के लिए भेजता है और नियमित आत्रार पर कर्मचारियों को आंतरिक धशिक्षण द्वारा कर्मचारियों का विकास कर रहा है।

पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग तथा आर एवं डी मुद्दा

कंपनी ने हमेशा ऊर्जा का बचत और धैद्योगिकी समावेशन को एक महत्वपूर्ण उददेश्य माना है। और समीक्षात्रीन वर्ष के दौरान इसे उच्च धाथमिकता दी गई है। कंपनी को आई एस ओ - 14001 तथा 18001 धमाणीकरण धाप्त हुआ है, जिसे एकीकृत धबंनन धणाली के रूप में जाना जाता है तथा इसमें पर्यावरण और संरक्षा पहलू शामिल हैं। कंपनी को हाल ही में रोहिणी में हेलीपोर्ट निर्माण करने हेतु पर्यावरण एवं वन मंत्रालय का अनुमोदन धाप्त हुआ है। कंपनी ने नवोन्मेष के रूप में पुर्जों का स्वदेशीकरण के संबंन्नी अत्र्ययन किया है और एचएमयू के (डॉफिन एन - 3 हेलीकॉप्टर) विश्वसनीयता में वृद्धि की है। कंपनी हेलीकॉप्टरों हेतु फ्लाइट अनुरक्षण धणाली का व्यवहार्यता अत्र्ययन कर रहा है। तथा एचएमयू के (डॉफिन एन-3 हेलीकॉप्टर) विश्वसनीयता की वृद्धि हेतु अत्र्ययन का चि यान्वयन कर रहा है।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व

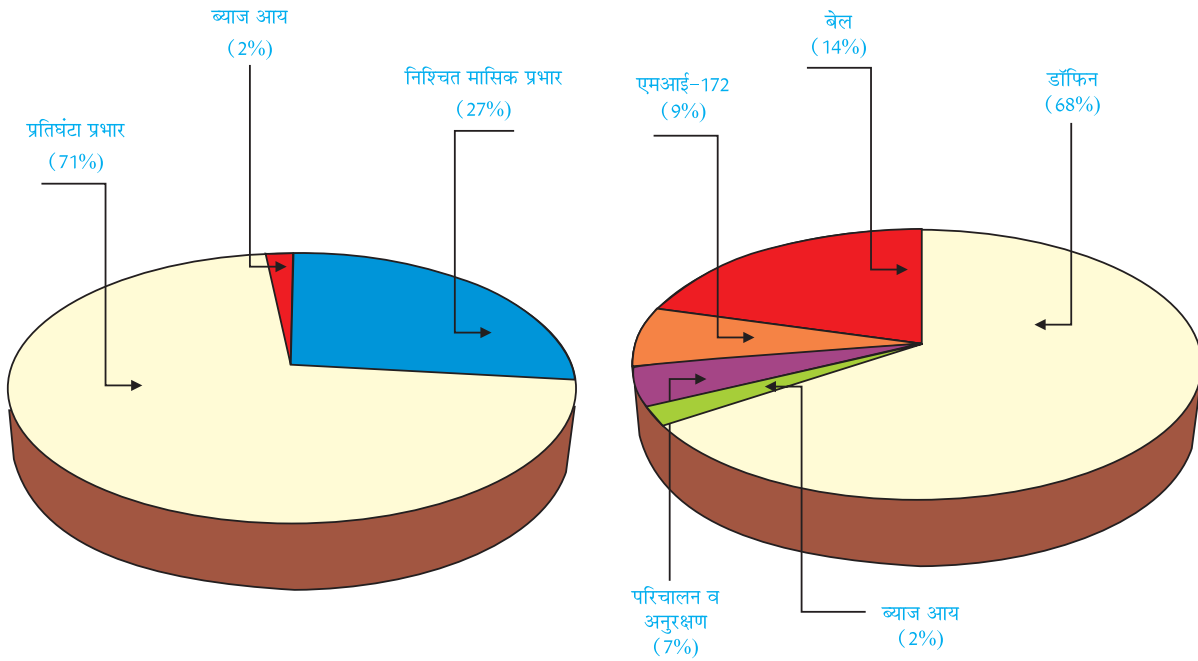
कंपनी डीपीई द्वारा जारी सी एस आर मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार और वर्ष 2010-11 तथा 2010-12 के समझौता ज्ञापन अनुसार सौपा गया निगमित सामाजिक दायित्व की धूमिका का पालन कर रहा है। पहंहेलि पूर्वो र के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए निपुणता का विकास हेतु और पूर्वो र के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए शिक्षा हेतु विीय सहायता योजना तैयार कर रहा है।

कंपनी ने डीपीई द्वारा बनाए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के आत्रार पर सितम्बर 2010 में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व तथा अवलम्बनीय नीति बनाया है।

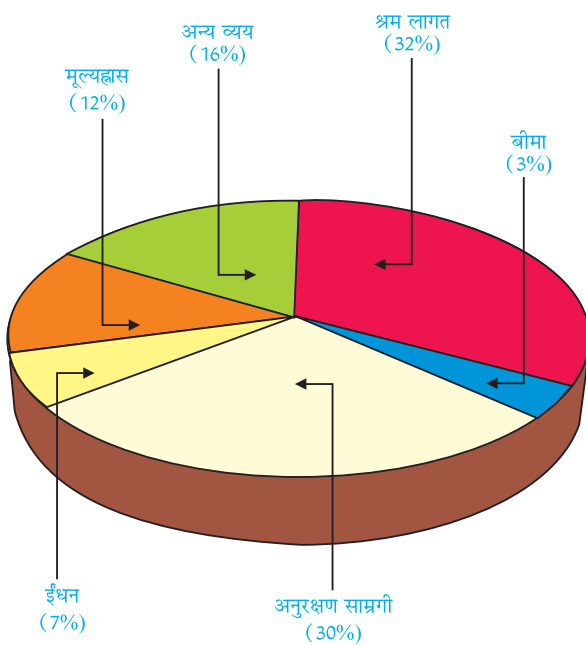


मुख्य वित्तीय अंश (2010-11 के लिए)

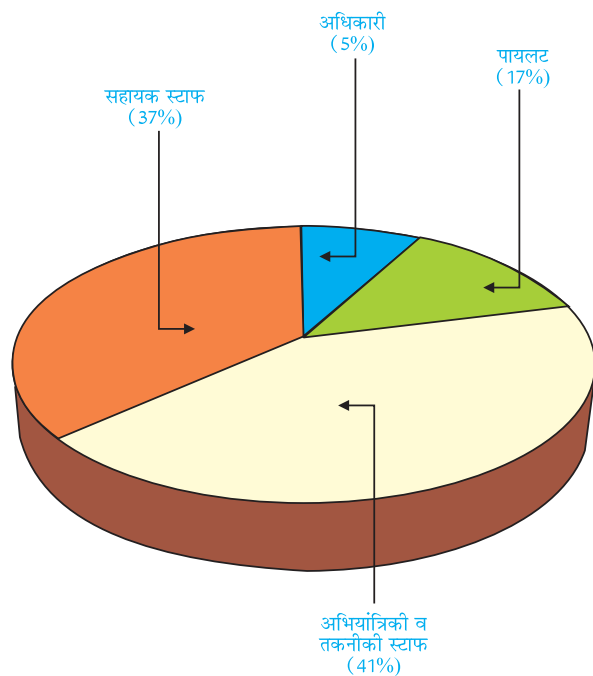
आय के श्रोत



लागत संरचना

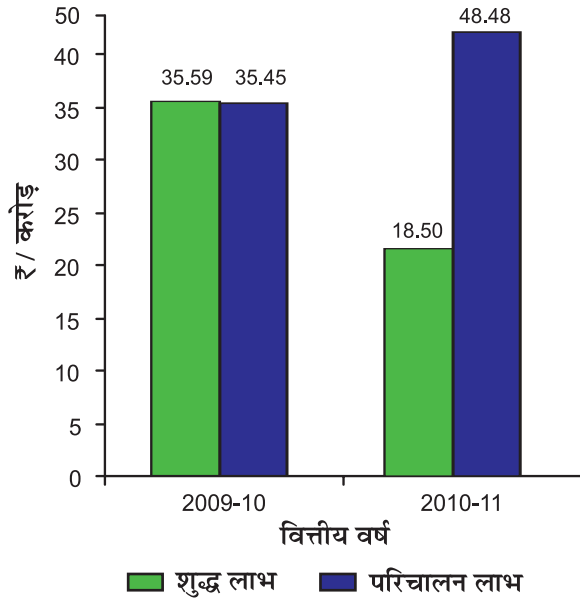


जनशक्ति विवरण

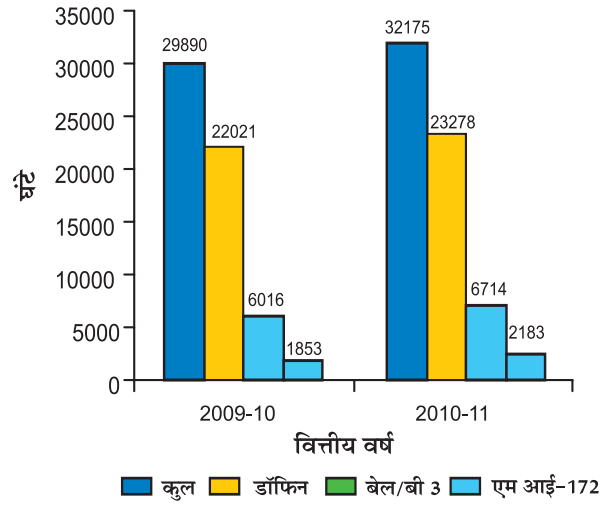




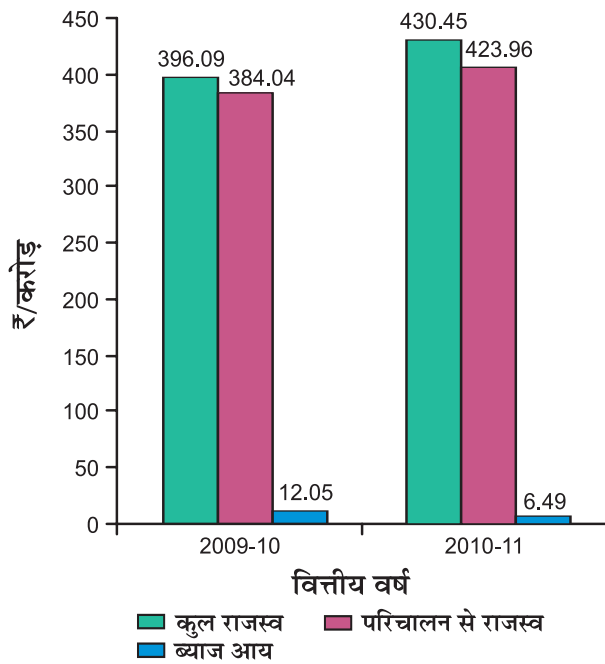
शुद्ध लाभ और परिचालन लाभ



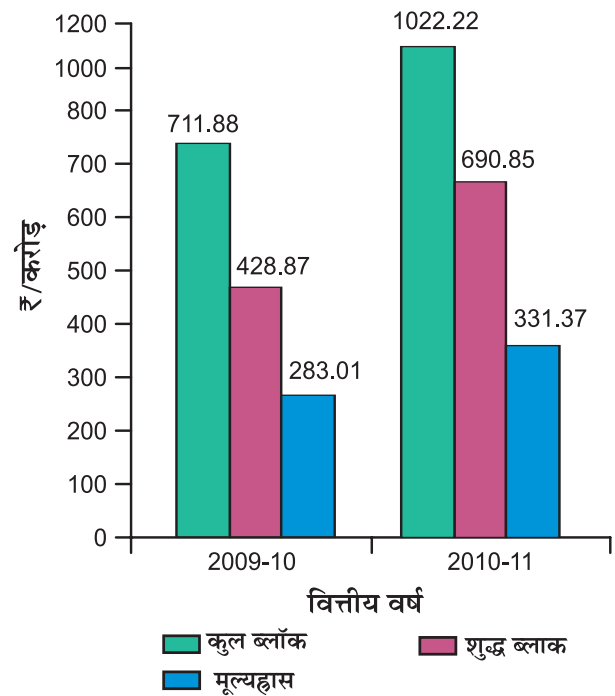
उड़ान घंटे



राजस्व



स्थाई परिसम्पत्तियां





संक्षिप्त लेखे

		(₹ करोड़ में)			
		2010-11	2009-10	2008-09	2007-08
संसाधन					
शुद्ध मूल्य		485.92	350.96	300.37	288.56
ऋण-निर्णय-प्रतिभूत ऋण		79.22	-	-	-
आस्थगित कर देयता		97.63	77.21	67.06	50.38
योग		662.77	428.17	367.43	338.94
संसाधनों का उपयोग					
अचल परिसम्पतियाँ (पूँजी-कार्य धृति पर सहित)		1047.74	749.62	745.29	681.07
घटा : मूल्यह्रास		331.37	283.01	250.47	215.37
शुद्ध अचल परिसम्पतियाँ		716.37	466.61	494.82	465.70
निवेश		2.89	2.89	-	-
शुद्ध कार्यशील पूँजी		(57.03)	(42.41)	(133.53)	(137.97)
विविध खर्च		0.54	1.08	6.14	11.21
कुल नियोजित पूँजी		662.77	428.17	367.43	338.94
आय					
परिचालन से राजस्व		423.96	384.04	310.94	220.11
ब्याज /अन्य आय		6.49	12.05	17.88	23.30
योग		430.45	396.09	328.82	243.41
व्यय					
श्रम लागत		121.47	109.64	81.13	71.20
बीमा		9.86	7.67	6.56	5.48
अनुरक्षण एवं सामग्री		110.92	130.04	109.36	68.06
ईंधन		24.53	21.23	21.66	16.89
उत्सार पर ब्याज		62.16	41.81	35.73	21.91
अन्य व्यय एवं धवधान		6.17	-	-	-
मूल्यह्रास		46.53	38.21	36.20	30.36
योग		381.64	348.60	290.64	213.90
असाधारण/पूर्वावधि समायोजन से पूर्व वर्ष के लिए लाभ		48.81	47.49	38.18	29.51
पूर्वावधि/असाधारण समायोजन		0.66	7.65	9.77	0.66
कर पूर्व लाभ		49.47	55.14	47.95	30.17
कर के लिए धवधान		10.00	9.40	5.50	3.00
गत वर्षों हेतु कर प्रावधान		0.54	-	-	-
अनुषंगी लाभ कर		-	0.65	0.55	-
आस्थगित कर देयता		20.42	10.15	16.68	3.45
कर के बाद शुद्ध लाभ		18.50	35.59	25.12	23.17
लाभांश का भुगतान		-	-	11.38	11.38
विशिष्ट अनुपात					
क) शुद्ध लाभ का अनुपात	शुद्ध लाभ कुल राजस्व	4.3%	9.0%	7.6%	9.5%
ख) निवेश से आय	शुद्ध लाभ नियोजित पूँजी	2.8%	8.3%	6.8%	6.8%
ग) शुद्ध मूल्य पर आय	शुद्ध लाभ शुद्ध मूल्य	3.8%	10.1%	8.4%	8.4%
घ) ऋण उगाही अवधि (माह में)	परिचालन देनदार औसत मासिक परिचालन राजस्व	5.2	3.5	3.3	4.2
ङ) मालसूची खपत (माह में)	वर्ष एवं मालसूची औसत मासिक परिचालन राजस्व	2.1	2.1	2.4	2.0
च) चालू अनुपात	चालू परिसम्पतियाँ : चालू देयताएं	0.9	0.8	0.8	0.8

लेखे





महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

1. अचल परिसम्पत्तियां/मूल्यह्रास

- क) मूल्यकृस का धवन्नान अचल परिसम्पत्तियों को तुलन-पत्र में मूल्यकृस के बिना वास्तविक लागत पर दर्शाया गया है।
- ख) हेलीकॉप्टर बेड़े का मीडलाइफ अपग्रेडेशन कार्यक्रम (टाइप ध्माणिकता लागत सहित) की लागत/मेजर रिट्रोफिट को पूंजी त किया गया है।
- ग) मूल्यकृस का धवन्नान कम्पनी (संशोन्नन), अन्नियम, 1956 की अनुसूची-XIV के अंतर्गत विहित दरों पर सरल रेखा पद्धति के आन्नार पर किया गया है। पुराने हेलीकॉप्टरों तथा विमान इंजनों को खरीदने के मामलें में मूल्यकृस को एक दर से उपलब्ध कराया जाता है इस मूल्यकृस को आस्तियों के मूल्य के 95% की सीमा तक उपलब्ध कराया जाता है। जिससे कि शेष निश्चित अवन्नि में ऐसी आस्तियों की लागत को 95% बट्टे खाते में डाला जा सके। एम.आई. 172 हेलीकॉप्टरों के संबन्न में, इनकी जीवन सीमा पर विचार करके, जो कि 7000 घंटे अथवा 15 वर्ष के स्थान पर 12,000 घंटे अथवा 25 वर्ष, जो भी पहले हो ध्येक वर्ष 480 घंटे की उड़ान के लिए मूल्यकृस को 5.60% वार्षिक, न्यूनतम दर पर उपलब्ध कराया जाता है। अतिरिक्त घंटों की उड़ान के लिए मूल्यकृस को 480 घंटे से अन्निक की गई वास्तविक उड़ान घंटे को धतिघंटा दर से गुणा करके, ध्येक हेलीकॉप्टर के लिए मूल लागत के 95% को 12,000 घंटे से भाग करके गणना की जाती है।
- घ) एयररूम तथा एयरोइंजन उपस्कर-रोटेबल्स तथा हेलीकॉप्टर के मीड लाइफ अपग्रेडेशन कार्यक्रम (टाइप सर्टिफिकेशन लागत सहित) की लागत/मेजर रिट्रोफिट पर मूल्यकृस की गणना सरल रेखा आन्नार पर इस तरह से की जाती है, जिससे कि ध्मुख परिसम्पत्ति (टाइप ऑफ हेलीकॉप्टर्स) के शेष उपयोगी जीवन में उसकी 95% राशि को बट्टे खाते डाला जा सके, बशर्ते इसे स्वैटूट दरों पर

न्यूनतम धभार से लगाया गया हो। एम आई 172 हेलीकॉप्टरों के संबन्न में एअरूम तथा एयरो इंजन रोटेबल्स को बेड़े की वार्षिक औसतन अनुरक्षण उड़ान घन्टे तथा वित्त वर्ष के आरम्भ में न्यूनतम परिचालित हेलीकॉप्टरों के शेष उपयोगी जीवनावन्नि की उड़ान घन्टे के आन्नार पर मूल्यकृस की गणना की गई है। इस उद्देश्यार्थ, हेलीकॉप्टरों के अंतिम बैच (डॉफिन एन हेलीकॉप्टर, जिनकी हेलीकॉप्टर बेड़े में महत्वपूर्ण संख्या है) अथवा हेलीकॉप्टर (अन्य हेलीकॉप्टरों के लिए) के शेष उपयोगी जीवन को माना जाएगा। वित्त वर्ष 2006-07 से तकनीकी धक्कलनों तथा कम्पनी की परिव्यय नीति के अनुसार हेलीकॉप्टरों का उपयोगी जीवन काल 30 वर्ष अथवा 25000 घंटे, जो भी बाद में होगा (एम आई 172 हेलीकॉप्टर के सिवाय, जिनकी जीवन सीमा उपर्युक्त बताए गए अनुसार सीमित है) माना गया है। अब से पहले हेलीकॉप्टरों का उपयोगी जीवन काल 20 वर्ष अथवा 16000 घन्टे, जो भी बाद में होगा माना जाता था। इन शीर्षों के अन्नीन स्तैप की गई मदों को एफ आई एफ ओ आन्नार पर रीटेन ऑफ किया गया है। वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर बेड़े के रोटेबल्स ह्वन्वेन्ट्री के रूप में बने रहेंगे, क्योंकि इनका पूरा बही मूल्य धदान किया गया है।

- ड) पट्टान्नारी भूमि की लागत, पट्टे की अवन्नि के बीतने पर अमॉरटाइज की गई। इसी तरह संयुक्त विकास करार के अन्नीन ए.ए.आई. के साथ निर्माण किए गए आवासीय फ्लैटों को करार की शर्तों के अनुसार सम्पत्ति पर कब्जा लेने के अन्निकार की अवन्नि में अमॉरटाइज किया गया है।

- च) अचल परिसम्पत्तियों के अर्जन के लिए विदेशी मुद्रा में देयताओं से संबन्नित परिवर्तन अंतर्तों को परिसम्पत्ति की मूल लागत में समायोजित किया गया है और परिवर्तन की तारीख तक संचयी



मूल्यकृस को पुनः संगठित किया गया है। इस नीति का अनुसरण 31.3.2007 तक किया गया।

- छ) सत्ति य उपयोग से हटाई गई और निपटान के लिए त्रारित सामग्री मूल्य की परिसम्पियों को उनके निवल बही मूल्य और निवल वसूली योग्य मूल्य (जहां लागू हो) से कम पर दर्शाया गया है और लेखों में अलग से दिखाया गया है। ऐसी परिसम्पियों (वि। वर्ष 1995-96 से वेस्टलैंड हेलीकॉप्टरों तथा संबंधित मदों सहित) का मूल्यकृस धभारित नहीं किया गया है।
- ज) हेलीकॉप्टरों/स्पेयर्स की वृद्धियों या विलोपों के संबंध में मूल्यकृस की गणना समानुपातिक आत्रार पर की जाती है जो अर्जन/ बिर्ती के दिनांक से धभावी है। समस्त अन्य अचल आस्तियों के संबंध में मूल्यकृस समानुपातिक आत्रार पर लगाया जाता है। ऐसी अर्जित परिसम्पियों के उपयोग की धभावी तारीख, मद की खरीद के माह के आगामी माह के धथम दिन से मानी गई है। इसी धकार विलोपों के संबंध में परिसम्पिा के विलोप पूर्व माह के अंतिम दिन को समानुपातिक मूल्यकृस के धवन्नान के लिए माना गया है। परिसम्पियों के समापन या निपटान से हुए लाभों और हानियों के लाभ एवं हानि लेखों में र्ेडिट/धभारित किया गया है।
- झ) ₹ 5000 या उससे कम यूनिट मूल्य की परिसम्पियों को 100% रूप में खरीद के वर्ष में मूल्यकृसित किया गया।
- ञ) असमर्थता: किसी असमर्थता का संकेत न हो इसके लिए प्रत्येक तुलन पत्र की तिथि को आस्तियों के अग्रेनित राशि की समीक्षा की जाती है। यदि कोई संकेत विद्यमान हो, आस्तियों के वसूली योग्य राशि का प्राकल्लन किया जाता है। जहाँ कहीं आस्तियों की अग्रेनित राशि वसूली योग्य राशि से अन्निक होती है असमर्थता हानि की पहचान की जाती है।

2. निवेश

निवेश को लागत में से धप्त अंतरिम भुगतान, यदि कोई है, घटाकर कहा गया है। तथा, उन निवेशों के संबंध में

जिनका पुनर्भाजन मूल्य अर्जन लागत से भिन्न है, ऐसे मामलों में अर्जन लागत तथा निवेशों के पुनर्भाजन दिनांक तक ऑन टाइम आत्रार पर लेखांकित किया गया है। वर्ष की इस रकम को लाभ व हानि खाते में ब्याज आय के रूप में समायोजित किया गया है और तदनुसार ऐसे निवेशों की लागत का समायोजन किया गया है।

3. विदेशी मुद्रा के लेन-देन

- क) कम्पनी के धन्नान बैंकर द्वारा उपलब्ध कराए गए अनुसार अचल परिसम्पिा, माल तथा सेवाओं को खरीदने से संबंधित विदेशी मुद्रा ट्रांजैक्शन की तिथि में धचलित दर के अनुसार लेखांकित किया गया है। उसी तरह कम्पनी द्वारा उपलब्ध कराई गई सेवाओं के लिए विदेशी मुद्रा ट्रांजैक्शन को ट्रांजैक्शन की तिथि में धचलित दर के अनुसार लेखांकित किया गया है जिसे इस मामले में संबंधित माह की अंतिम तिथि माना गया है।
- ख) वर्षान्त में वि। गीय परिसम्पियों और देयताओं को वर्ष के अंत में लागू मुद्रा विनियम दर पर बदला जाता है जबकि गैर वि। गीय मदों पर इसे ऐतिहासिक दरों पर लिया जाता है।
- ग) वि। गीय परिसम्पियों अथवा देयताओं के पुनर्लेखन अथवा विदेशी मुद्रा लेन-देन के कारण होने वाले मुद्रा विनियम उतार-चढ़ाव के कारण हुई हानि अथवा लाभ को उस वर्ष के लाभ और हानि खाते में अन्तरित किया जाता है।

4. मालसूची

- क) स्पेयर्स और खपत योग्य सामान इत्यादि सहित हेलीकॉप्टर की सूची को मूविंग वेटेड औसत विन्नि का धयोग करके लागत पर दर्शाया गया है। शॉप फ्लोर पर पड़े ऐसे स्पेयर्स एवं स्टॉक को वर्ष में अन्तिम इन्वेन्ट्री माना जाता है।
- ख) खुले/परीक्षण औजारों का मूल्यांकन अधचलन आरक्षिति वि। गीय बट्टों को घटाकर लागत पर किया जाता है। खुले औजारों/परीक्षण औजारों को



खरीद के वर्ष सहित तीन वर्षों की अवधि में समान रूप से विलय किया जाता है। इन शीर्षों के अन्वीन स्टैप की गई मदों को एफ.आई.एफ.ओ. आन्वार पर बट्टे खाते डाला जाता है।

ग) लैण्डेड यूनिट मूल्य ₹ 1000 से कम स्टोर्स तथा स्पेयर्स तथा उपभोज्य, तेल, ग्रीज, स्नेहक आदि मदों को खरीद के वर्ष में खर्च किया गया था।

घ) धृत्येक वर्ष 31 मार्च को कस्टम के पास पड़ी तथा अधप्त वस्तुओं की गणना मार्गस्थ माल के रूप में गई है। यद्यपि जिनकी मरम्मत के बाद वापस किया गया उनके ओवरहॉल धभार की तत्समान रकम को अनुरक्षण के लिए धवन्त्रान में उसी वर्ष डेबिट किया जाता है।

ड) लेखों में अचल मदों के लिए मूविंग वेटेड औसत लागत के आन्वार पर स्टोर्स, स्पेयर्स तथा उपभोज्य के लिए धवन्त्रान बनाया गया है (रिपेयरेबल्स एवं रोटेबल्स, ग्राउंड सहायता एवं टैस्ट उपस्कारों, बीमा त स्पेयर्स तथा अनुरक्षण औजारों के अलावा) जिसे अंतिम कार्य संपादन/अंतिम सौदे की तिथि से लगातार तीन वर्षों तक वास्तविक उपयोग के लिए जारी नहीं किया गया है।

5. देयताएं

क) तुलन-पत्र की तारीख को विद्यमान सभी ज्ञात देयताओं के लिए लेखे में धवन्त्रान किया गया है। अज्ञात देयताओं या उन देयताओं के लिए जिनकी राशि की गणना शुद्धता की तर्कसंगत मात्रा तक नहीं की जा सकती, धवन्त्रान नहीं किया गया है। माल की खरीद या मरम्मत/ओवरहॉल धभारों के लिए देयता का धवन्त्रान लेखों में विनिर्माता की सूचनाओं/ इंजीनियरी अनुमानों के आन्वार पर मदों की धप्ति के धृत्येक वर्ष में 31 मार्च को किया गया है।

ख) सप्लायरों/बाहरी पार्टियों पर दावों की गणना उनकी स्वी ति पर की जाती है। आपूर्तिकर्ताओं/बाहरी पार्टियों/ ग्राहकों के दावों को निपटान आन्वार पर लेखांकित किया जाता है।

ग) उपचित व्ययों/ देयताओं के लिए यदि अलग-अलग लेन-देन ₹ 5000 से कम है तो लेखों में कोई धवन्त्रान नहीं किया गया।

6. पूर्व प्रदत्त व्यय

ग) ₹ 5000 तक के पूर्व धद I व्ययों के मामले में एकाकी लेन-देनों को लेखांकित नहीं किया गया।

7. हेलीकॉप्टरों का अनुरक्षण व्यय

क) वित्त वर्ष 2006-07 से धभावी रूप में हेलीकॉप्टरों के अनुरक्षण व्यय को किए खर्च आन्वार पर लेखांकित किया जाता है।

8. राजस्व मान्यता

क) अनुबन्ध की शर्तों के अनुसार हेलीकॉप्टर परिचालन से राजस्व को धेद्भूत आन्वार पर स्वीकार किया जाता है।

ख) अभियांत्रिकी तथा अन्य सेवाओं से आय को तब स्वीकार किया जाता है जब संगत कार्य को पूरा कर लिया जाता है।

ग) रद्दी परिसम्पत्ति/स्टोर्स की बिर्ती से धप्त/राजस्व वास्तविक वसूली पर अभिज्ञान किया जाता है।

9. निवेशों से प्राप्त ब्याज/आय

बैंकों/अन्य संस्थाओं आदि में किए गए जमा/निवेश पर उपचित ब्याज/आय को लागू ब्याज/ संसूचक आय दरों पर वि I वर्ष के अंत तक आनुपतिक आन्वार पर लेखांकित किया गया है।

10. ईंधन

विमानन टर्बाइन ईन्जन पर हुए व्यय को त य वर्ष में लाभ एवं हानि लेखों में पूरी तरह धभारित किया गया है और वि I वर्ष के अंत में हेलीकॉप्टरों में ईन्जन के स्टॉक का, यदि कोई को, कोई संज्ञान नहीं किया जाता है।

11. बीमा/बीमा दावे

क) कम्पनी ने तकनीकी कार्मिकों के लिए स्वयं बीमा की अलग योजनाओं का विकल्प लिया था। इस योजना के अंतर्गत देय किसी मुआवजे को स्वयं बीमा रिजर्व से लाभ एवं हानि लेखों में तदनुरूपी



अंतरण करके वर्ष के व्यय में धारित किया गया है।

- ख) हेलीकॉप्टरों तथा अन्य मालसूची से भिन्न मदों के बीमा दावों को नकद आगार पर लेखांकित किया गया है और किसी तीसरी पार्टी के देय दावे को छोड़कर उसे आय के रूप में माना गया है।
- ग) कुल हानि से भिन्न सभी हेलीकॉप्टर तथा माल सूची संबंधी दावों को बीमा कम्पनी द्वारा दावों को स्वीति वर्ष के उनके अनुमानित/अंतिम रूप से निर्धारित मूल्यों पर लेखांकित किया गया है। मरम्मत पर हुए वास्तविक व्यय को और वसूल किए गए कुल बीमा दावे को अनुरक्षण लागत के धवन्नान में समायोजित किया जाता है तथा परिसम्पत्तियों के उनके बही मूल्य पर आगे ले जाया जाता है।
- घ) हेलीकॉप्टर पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने के वर्ष में अचल परिसम्पत्तियों से हेलीकॉप्टर का रिटेन डाउन मूल्य कम करके समायोजित किया जाता है तथा उसे 'बीमा दावा धव्य योग्य लेखा' में दर्शाया जाता है और 'परिसम्पत्ति के नाश पर लाभ/ हानि दावा' में समुचित समायोजन किया जाता है, जब दावा त मूल्य का बीमा कम्पनी द्वारा स्वीकार/निपटारा किया जाता है।

12. ग्रेच्युटी

ग्रेच्युटी की गणना एकचूरियल मूल्यांकन आगार पर की जाती है और वर्ष में देय रकम को अलग मान्यता धप्त ग्रेच्युटी निम्न में अंतरित किया जाता है।

13. अमूर्त परिसम्पत्तियां

क) नए भर्ती किए गए पायलटों के लिए धरंभिक धशिक्षण व्यय, जो लेखांकन मानक-26 के अनुसार अमूर्त परिसम्पत्ति हेतु योग्य है, को ऐसे अमूर्त परिसम्पत्ति के उपयोगी जीवन के रूप में ऑमरटाइज किया गया है। अन्य धशिक्षण व्यय को जिस वर्ष में खर्च किया गया है उसी में, राजस्व लेखा में चार्ज ऑफ किया गया है।

ख) ₹ 5 लाख से अधिक लागत से खरीदे गए/

आन्तरिक संसाधनों से विकसित सॉफ्टवेयरों को सफलतापूर्वक चालू करने की तिथि से सरल रेखा आगार पर 60 माह से अधिक अवधि के लिए ऑमरटाइज किया गया, बशर्ते धत्येक वि गीय वर्ष के अंत में इसकी समीक्षा की जाए। ₹ 5 लाख तक की धत्येक सॉफ्टवेयर लागत को खरीद के वर्ष में राजस्व में धधारित किया गया है।

14. कर्मचारी लाभ

अवकाश वेतन/असबाब भत्ता/उार सेवा-निवृत्ति चिकित्सा लाभ तथा छुट्टी यात्रा रियायत लाभ को एकचूरियल मूल्यांकन आधार पर लगाया जाता है।

15. पूर्वावधि समायोजन

आय अथवा व्यय से संबंधित लेखे जो कि चालू अवधि में उद्भूत हुए हैं उन्हें पूर्व के वर्षों में यथोचित रूप से धक्कलित किया जा सकता था लेकिन त्रुटियों अथवा चूकों के कारण लेखांकित नहीं किया गया और उन्हें इस अवधि से पूर्व की मदों के रूप में दर्शाया गया है।

16. फुटकर देनदार/ प्राप्य लेखे

क) बाहरी पार्टियों से वसूली योग्य ऋण जो 3 वर्षों से अधिक समय के लिए बकाया है, उसे संदिग्ध ज्ञात किया गया है और उसे दर्शाया गया है सिवाय जिसे विशेष रूप से इस अवधि से पूर्व संदिग्ध ज्ञात किया गया है।

ख) बाहरी पार्टियों से संबंधित असमायोजित/दावा नहीं की गई जमा राशि जो 3 वर्षों से अधिक समय के लिए बकाया है, उसे रिटेन बैक किया गया है तथा आय के रूप में माना गया है।

17. उधार लागत

क) अर्जन, निर्माण या अर्हकारी परिसम्पत्ति के उत्पादन से संबंधित उधार लागत को अभिधेत उपयोग के लिए परिसम्पत्तियों के तैयार होने तक पूंजी त किया जाता है।

ख) उपर्युक्त बताए गए के अलावा अन्य उधार लागत को पीरियड लागत माना जाता है और लाभ और हानि खाते में परिवर्तित किया जाता है।



18. आय पर कर

वर्तमान कर, वर्ष की कर योग्य आय पर देय कर की रकम के रूप में अभिनिश्चित किया गया है। निर्धारण में मांगे गए अतिरिक्त आयकर को निर्धारण अंतिमता के वर्ष में उपलब्ध कराया गया है। तदनुसार, आयकर वापसी पर ब्याज निर्धारण अंतिमता के वर्ष में अथवा वास्तविक धाप्ति जो भी बाद में हुआ हो, माना गया है। बही लाभ और कर लाभों के बीच समयान्तर के कारण आस्थगित कर धभार या देय क्रेडिट की पहचान तत्समय लागू या तुलन-पत्र की तिथि पर लागू दरों एवं कानूनों के आन्तर पर की जाती है। आस्थगित कर परिसम्पत्तियों

को उसी सीमा तक माना जाता है जहां तक भविष्य में उनकी वसूली का तर्कसंगत निश्चय किया जा सके। अनामेलित मूल्यवृत्त अथवा अग्रेनीत हानियों के संबंध में आस्थगित कर परिसम्पत्तियों को केवल तभी माना जाता है, जब कि ऐसी परिसम्पत्तियों की वसूली का निश्चय किसी वास्तविक साक्ष्य के आन्तर पर किया गया हो।

19. कैश फ्लो विवरण

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी त 'कैश फ्लो विवरण पर लेखा मानक-3' के अन्वीन निर्धारित अध्क्ष विन्नि के अनुसार कैश फ्लो विवरण तैयार किया गया है।



तुलन-पत्र 31 मार्च, 2011

	अनुसूची	31 मार्च, 2011	(₹ में) 31 मार्च, 2010
I निधियों के स्रोत			
1. अंशधारकों की निधि			
पूंजी	1	2,45,61,60,000	1,13,76,60,000
इक्विटी शेयर, लंबित आबंटन के लिए अग्रिम	2	-	15,00,00,000
आरक्षितियां एवं अग्रिशेष	3	2,40,30,14,107	2,22,19,53,729
		4,85,91,74,107	3,50,96,13,729
2. ऋण निधि	4		
प्रतिभूत ऋण		79,22,12,964	
3. आस्थगित कर देयता (शुद्ध)	5	97,63,34,760	77,21,01,593
योग (I)		6,62,77,21,831	4,28,17,15,322
II निधियों के उपयोग			
1. अचल आस्तियां	6		
क. क्रियाशील आस्तियां			
कुल ब्लॉक		10,04,53,62,017	7,11,87,76,690
घटाइए: मूल्यवृद्धि निधि		3,24,47,82,570	2,83,01,25,402
शुद्ध ब्लॉक		6,80,05,79,447	4,28,86,51,288
ख. सक्रिय उपयोग से निवर्तमान तथा निवर्तनाधीन/अक्षम आस्तियां			
कुल ब्लॉक		62,48,45,611	62,51,07,349
घटाइए: मूल्यवृद्धि निधि		52,94,39,782	52,96,88,433
निवर्तन/असमर्थता पर हानि के लिए		9,54,05,829	9,54,18,916
घटाया धवन्नाम		-	-
ग. अक्रियाशील आस्तियां			
कुल ब्लॉक		17,67,96,392	2,75,93,114
घटाइए: मूल्यवृद्धि निधि		6,88,91,728	2,62,13,458
शुद्ध ब्लॉक		10,79,04,664	13,79,656
घ. पूंजीगत कार्य प्रगति पर		25,52,06,966	37,60,22,861
		7,16,36,91,077	4,66,60,53,805
निवेश	7	2,89,33,530	2,89,33,530
4. चालू आस्तियाँ ऋण व अग्रिम	8		
इन्वेन्ट्रीज		74,25,69,448	68,69,02,563
फुटकर देनदार		1,84,29,48,487	1,13,03,42,642
नकद व बैंक शेष		1,14,01,82,419	1,25,84,19,443
ऋण व अग्रिम		1,71,97,65,854	2,04,52,05,501
		5,44,54,66,208	5,12,08,70,149
घटाइए:			
चालू देयताएँ व प्रावधान	9	5,47,03,88,711	5,13,38,69,402
देयताएं		54,53,67,257	41,10,46,727
धवन्नाम		6,01,57,55,968	5,54,49,16,129
शुद्ध चालू परिसम्पत्तियां		(57,02,89,760)	(42,40,45,980)
5. फुटकर व्यय			
(रीटैन ऑफ नहीं किए गए या असमायोजित)		53,86,984	1,07,73,967
योग (II)		6,62,77,21,831	4,28,17,15,322

आकस्मिक देयताएं एवं लेखों पर टिप्पणियां 17

महत्वपूर्ण लेखनीतियों पर विवरण तथा उपर्युक्त अनुसूचियां लेखों के अभिन्न भाग हैं।
समसंख्यक दिनांक की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

ते एस. चतुर्वेदी एवं एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

आर.के. त्यागी
अध्यक्ष एवं ध्वंश निदेशक

ई.के. भारतभूषण
निदेशक

फर्म रजि. नं. 004550 एन
पुनीत सचदेव
पार्टनर
(एम.सं.-097897)

संजीव बहल
कार्यपालक निदेशक

संजीव अग्रवाल
कम्पनी सचिव एवं उप महाध्वंशक (विनि)

धीरेन्द्र सहाय
उ.म.प्र. (वि.व.ले.)

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 01 नवम्बर, 2011



लाभ एवं हानि खाता 31 मार्च, 2011 तक

	अनुसूची	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010	(₹ में)
I आय				
हेलीकॉप्टर किराया धभार		3,89,32,52,341	3,729,718,406	
घटा: हेलीकॉप्टरों के गैर धवन्नान के लिए कटौतियां (ए.ओ.जी.)		<u>2,86,09,325</u>	<u>44,530,930</u>	
		3,86,46,43,016		3,68,51,87,476
परिचालन एवं अनुरक्षण संविदाओं से आय		2,857,26,715		1,200,08,714
ब्याज से आय	10	6,49,00,868		12,05,37,282
अन्य आय	11	8,92,21,252		3,51,95,133
योग		<u>4,30,44,91,851</u>		<u>3,96,09,28,605</u>
II व्यय				
हेलीकॉप्टर अनुरक्षण व्यय		1,01,61,35,299		1,15,84,72,772
हेलीकॉप्टर परिचालन व्यय	12	43,89,35,269		40,54,14,024
कर्मचारियों के पारिश्रमिक एवं अन्य लाभ	13	1,21,47,14,279		10,964,44,624
बीमा		9,85,71,225		7,67,04,242
मूल्यवृद्धि	6	46,53,03,382		38,20,60,906
मूल्यवृद्धि ब्याज व अन्य उधारी लागत		6,17,02,482		-
अन्य व्यय	14	<u>52,10,95,021</u>		<u>36,68,53,338</u>
योग		<u>3,81,64,56,957</u>		<u>3,48,59,49,906</u>
III असाधारण/पूर्वावधि मदों से पहले वर्ष के लिए लाभ		<u>48,80,34,894</u>		<u>47,49,78,699</u>
असाधारण मदें	15	1,84,82,386		7,04,59,964
पूर्वावधि समायोजन	16	<u>(1,18,71,532)</u>		<u>59,80,992</u>
वर्ष के लिए कर पूर्व लाभ		<u>49,46,45,748</u>		<u>55,14,19,655</u>
कर का धवन्नान (संपर्पि कर /एम ए टी सहित)		10,00,00,000		9,40,00,000
पूर्ववर्ती वर्षों हेतु कर का प्रावधान		53,52,203		-
आस्थगित कर देयताएं		<u>20,42,33,167</u>		<u>10,15,33,563</u>
कर के पश्चात शुद्ध लाभ		<u>18,50,60,378</u>		<u>35,58,86,092</u>
गत वर्ष से अग्रणीत लाभ		<u>2,01,29,53,729</u>		<u>1,65,70,67,637</u>
समंजन के लिए उपलब्ध लाभ		<u>2,19,80,14,107</u>		<u>2,01,29,53,729</u>
समंजन				
तुलन-पत्र में ले जाया गया लाभ		<u>2,19,80,14,107</u>		<u>2,01,29,53,729</u>
		<u>2,19,80,14,107</u>		<u>2,01,29,53,729</u>
धति शेयर आय (मूल एवं डायलूटेड)		1,421		3,128

(धति शेयर अंकित मूल्य ₹ 10,000/-)

आकस्मिक देयताएं एवं लेखों पर टिप्पणियां 17

महत्वपूर्ण लेखानीतियों पर विवरण तथा उपर्युक्त अनुसूचियां लेखों के अभिन्न भाग हैं।
समसंख्यक दिनांक की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार।

ते एस. चतुर्वेदी एवं एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

आर.के. त्यागी
अध्यक्ष एवं धबंन निदेशक

ई.के. भारतभूषण
निदेशक

फर्म रजि. न. 004550 एन
पुनीत सचदेव
पार्टनर
(एम.सं.-097897)

संजीव बहल
कार्यपालक निदेशक

संजीव अग्रवाल
कम्पनी सचिव एवं उप महाधबंनक (विनि)

धीरेन्द्र सहाय
उ.म.प्र. (वि.व.ले.)

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 01 नवम्बर, 2011



अनुसूची 1 पूंजी

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010 (₹ में)
प्राधिकृत पूंजी		
2,50,000 इक्विटी शेयर धत्येक ₹ 10,000/-	2,50,00,00,000	1,20,00,00,000
निर्गमित, अभिदत्त एवं प्रदत्त पूंजी		
2,45,616 के पूर्ण पद I इक्विटी शेयर धत्येक ₹ 10,000/-	2,45,61,60,000	1,13,76,60,000
योग	2,45,61,60,000	1,13,76,60,000

अनुसूची 2 इक्विटी शेयर, लंबित आबंटन के लिए अग्रिम

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010 (₹ में)
भारत के राष्ट्रपति	-	15,00,00,000
कुल	-	15,00,00,000

अनुसूची 3 आरक्षितियां एवं अधिशेष

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010 (₹ में)
1. स्वयं बीमा रिजर्व		
अथ शेष	40,00,000	40,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान अतिरिक्त	-	-
	40,00,000	4,000,000
घटाइये : वर्ष के दौरान उपयोग लाभ एवं हानि खाता में हस्तांतरण	40,00,000	-
	-	40,00,000
2. सामान्य आरक्षिति		
अथ शेष	20,50,00,000	20,50,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान पी एवं एल खाते में किया गया अन्तरण	-	-
	20,50,00,000	20,50,00,000
घटाइये : वर्ष के दौरान उपयोग	-	-
	20,50,00,000	20,50,00,000
3. लाभ एवं हानि खाता	2,19,80,14,107	2,01,29,53,729
योग	2,40,30,14,107	2,22,19,53,729



अनुसूची 4 जमानती ऋण

	31 मार्च, 2011	(₹ में) 31 मार्च, 2010
ओ एन जी सी से ऋण	78,57,21,001	-
उपचित एवं देय ब्याज	64,91,963	-
	<u>79,22,12,964</u>	<u>-</u>

अनुसूची 5 आस्थगित कर देयता

	31 मार्च, 2011	(₹ में) 31 मार्च, 2010
1. आस्थगित कर देयता		
समयान्तर के कारण उद्भूत कर		
- संचित मूल्यवृद्धि	1,21,27,70,695	94,38,48,190
कुल आस्थगित कर देयता	<u>1,21,27,70,695</u>	<u>94,38,48,190</u>
2. आस्थगित कर आस्तियां		
समयान्तर के कारण उद्भूत कर		
- कर्मचारी लाभ का धवत्रान	17,76,27,327	12,99,02,553
- खपत न होने वाली इन्वेन्ट्री के धवत्रान	4,44,44,701	3,21,93,518
- लीज किराया	24,75,268	-
- संदेहास्पद ऋण/अग्रिम	1,18,88,639	96,50,526
कुल आस्थगित कर आस्तियां	<u>23,64,35,935</u>	<u>17,17,46,597</u>
शुद्ध आस्थगित कर देयता	<u>97,63,34,760</u>	<u>77,21,01,593</u>



अनुसूची 6 अचल आस्तियां

		कुल ब्लॉक			
क्र. सं.	विवरण	1 अप्रैल 2010 को शेष	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान विलोप/समायोजन	31 मार्च, 2011 को
क. क्रियाशील आस्तिया					
1	भूमि-पट्टे पर	58,90,935	-	-	58,90,935
2	भवन	33,00,24,736	8,33,46,306		41,33,71,042
3	हेलीकॉप्टर और एयरो इंजिन	44,014,23,123	2,72,77,56,199	14,92,03,278	6,97,99,76,044
4	एयर "म" एवं इंजिन उपस्कर रोटेबल्स	19,993,88,322	14,79,59,262	2,04,90,354	2,12,68,57,230
5	कार्यशालाएं व ग्राउंड सहायता उपस्कर	25,64,23,263	3,13,35,705	1,49,085	28,76,09,883
6	धशिक्षण सहायता उपस्कर	22,69,885	-	-	22,69,885
7	वातानुकूलन	88,03,679	1,29,08,951	14,78,564	2,02,34,066
8	विद्युत संस्थापनाएं	1,07,36,869	2,01,67,274	-	3,09,04,143
9	फर्निचर व जुड़नार	2,36,39,175	3,30,16,218	1,41,097	5,65,14,296
10	कार्यालय उपस्कर	1,60,41,498	27,89,143	92,643	1,87,37,998
11	वाहन	1,44,63,182	37,59,898	-	1,82,23,080
12	कम्प्यूटर व अन्य संबंधित उपस्कर	2,92,96,486	3,44,64,511	4,13,119	6,33,47,878
13	पूंजीगत सॉफ्टवेयर	1,82,77,378	10,50,000	-	1,93,27,378
14	संचार उपकरण	20,98,159	-	-	20,98,159
सर्व योग		7,11,87,76,690	3,09,85,53,467	171,968,140	10,04,53,62,017
गत वर्ष		6,69,77,24,868	47,42,44,619	53,192,797	7,11,87,76,690
ख. सक्रिय उपयोग से निवर्तमान तथा निवर्तनाधीन/अक्षम आस्तियाँ					
1	हेलीकॉप्टर्स एवं एयरो इंजिन	57,78,07,818	-	-	5,77,8,07,818
2	एयर "म" एवं इंजिन उपस्कर रोटेबल्स	48,54,343	-	2,61,738	45,92,605
3	वर्कशॉप एवं ग्राउंड सहायता उपस्कर	3,12,53,717	-	-	3,12,53,717
4	धशिक्षण सहायता उपस्कर	41,25,207	-	-	41,25,207
5	विद्युत संस्थापनाएं	6,67,996	-	-	6,67,996
6	फर्निचर व जुड़नार	34,06,217	-	-	34,06,217
7	कार्यालय उपस्कर	29,92,051	-	-	29,92,051
सर्व योग		62,51,07,349	-	2,61,738	62,48,45,611
गत वर्ष		62,51,07,349	-	-	62,51,07,349
ग. अक्रियाशील आस्तियाँ					
	हेलीकॉप्टर्स एवं एयरो इंजिन	2,75,93,114	149,203,278	-	176,796,392
	गत वर्ष	38,24,63,052	-	35,48,69,938	27,593,114



मूल्यहास				शुद्ध ब्लॉक	
31.मार्च, 2010	वर्ष के दौरान	विलोप/ समायोजन	31 मार्च, 2011 को	डब्ल्यू डी.वी 31 मार्च, 2011 को	(₹ में) डब्ल्यू डी.वी 31 मार्च, 2010 को
13,06,410	65,455	-	13,71,865	45,19,070	45,84,525
10,94,49,212	1,52,02,613	(11,228)	12,46,63,053	28,87,07,989	22,05,75,524
1,83,08,32,370	29,13,90,822	4,26,78,270	2,07,95,44,922	4,90,04,31,122	2,57,05,90,753
74,47,58,772	13,02,34,438	70,02,006	86,79,91,204	1,25,88,66,026	1,25,46,29,550
7,68,42,478	1,27,64,295	63,925	8,95,42,848	19,80,67,035	17,95,80,785
16,22,396	96,727	-	17,19,123	5,50,762	6,47,489
38,85,037	9,27,550	10,62,575	37,50,012	1,64,84,054	49,18,642
65,92,326	11,43,876	(223)	77,36,425	2,31,67,718	41,44,543
1,27,28,552	31,64,980	1,16,172	1,57,77,360	4,07,36,936	1,09,10,623
62,38,898	11,42,844	74,737	73,07,005	1,14,30,993	98,02,600
57,92,384	12,77,730	-	70,70,114	1,11,52,966	86,70,798
1,84,68,663	40,99,489	(3,40,020)	2,29,08,172	4,04,39,706	1,08,27,823
1,07,89,135	36,92,900	-	1,44,82,035	48,45,343	74,88,243
8,18,769	99,663	-	9,18,432	11,79,727	12,79,390
2,83,01,25,402	46,53,03,382	5,06,46,214	3,24,47,82,570	6,80,05,79,447	4,28,86,51,288
2,50,46,56,551	38,20,60,906	5,65,92,055	2,83,01,25,402	4,28,86,51,288	
50,50,45,725	-	-	50,50,45,725	7,27,62,093	7,27,62,093
40,72,124	-	2,48,651	38,23,473	7,69,132	7,82,219
1,31,94,495	-	-	1,31,94,495	1,80,59,222	1,80,59,222
18,90,720	-	-	18,90,720	22,34,487	22,34,487
5,72,702	-	-	5,72,702	95,294	95,294
31,44,451	-	-	31,44,451	2,61,766	2,61,766
17,68,216	-	-	17,68,216	12,23,835	12,23,835
52,96,88,433	-	2,48,651	5,29,4,39,782	9,54,05,829	9,54,18,916
52,96,88,433	-	-	52,96,88,433	9,54,18,916	
2,62,13,458	4,26,78,270	-	6,88,91,728	10,79,04,664	13,79,656
5,02,24,054	-	2,40,10,596	2,62,13,458	13,79,656	



अनुसूची 7 निवेश

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
नेशनल फ्लाईंग ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, गोंडिया, महाराष्ट्र के इक्विटी पूंजी में निवेश (प्रत्येक ₹ 10/- के गैर सूचीबद्ध 28,93,353 इक्विटी शेयर)	2,89,33,530	2,89,33,530
	2,89,33,530	2,89,33,530

अनुसूची 8 चालू आस्तियां, ऋण व अग्रिम

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
चालू आस्तियां ऋण व अग्रिम		
क. चालू आस्तियां		
I) माल सूची		
(ध्वंश तंत्र द्वारा ध्माणित तथा मूल्यांकित)		
क) लागत पर		
भंडार एवं पूर्ण	90,50,74,137	80,05,88,732
घटा: (i) स्थिर भंडार व		
पूर्व का धवन्नान	(13,37,99,056)	(9,47,14,676)
(ii) मूल्य में कमी के लिए धवन्नान	(4,53,13,528)	(4,53,13,528)
	72,59,61,553	66,05,60,528
-मार्गस्थ माल	97,47,715	2,15,59,745
ख) लागत पर रिटेन ऑफ घटाकर		
रिपेयरेबल्स तथा रोटेबल्स	15,75,56,671	15,75,56,671
घटा: (i) अधचलन आरक्षिति	(14,36,26,262)	(14,36,26,262)
(ii) मूल्य में कमी के लिए धवन्नान	(1,39,30,409)	(1,39,30,409)
	-	-
जेम मोड्यूल	5,01,37,213	5,01,37,213
घटा: (i) अधचलन आरक्षिति	(4,47,21,331)	(4,47,21,331)
(ii) मूल्य में कमी के लिए धवन्नान	(54,15,882)	(54,15,882)
	-	-
परीक्षण औजार उपस्कर	3,61,49,976	3,75,04,578
घटा: रिटेन ऑफ	(2,92,89,796)	(3,27,22,288)
	68,60,180	47,82,290
प्रशिक्षण सामग्री	27,17,193	27,17,193
घटा: रिटेन ऑफ	(27,17,193)	(27,17,193)
	-	-
उप-योग (I)	74,25,69,448	68,69,02,563

इन्वेन्ट्रियों में लागत पर वेस्टलैण्ड मर्दे जो ति याशील नहीं है का कुल ₹ 27.32 करोड़ (गत वर्ष ₹ 27.32 करोड़) तथा बही मूल्य ₹ 6.47 करोड़ (गत वर्ष ₹ 6.47 करोड़) भी शामिल है तथा निवर्तन के लिए रखा है और जिसके लिए कम्पनी तदनुरूप ऊपर बताए गए अनुसार मूल्य में कमी संबंधी धवन्नान बना रही है जिससे इन्वेन्ट्रियों का कम लागत पर अथवा शुद्ध वसूली मूल्य धतिबिंबित हुआ है। (लेखों पर टिप्पणियों के नोट सं. 4 का संदर्भ लें)

जारी.....



	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
(₹ में)		
II) विविध देनदार (अप्रत्याभूत)		
छः माह से अग्रिक का बकाया ऋण		
क) अच्छे समझे गए	51,90,01,548	30,71,29,229
ख) संदेहास्पद समझे गए	2,40,82,442	2,00,92,770
अन्य ऋण, अच्छे समझे गए	1,32,39,46,939	82,32,13,413
	<u>1,86,70,30,929</u>	<u>1,15,04,35,412</u>
घटा: संदेहास्पद ऋणों के	(2,40,82,442)	(2,00,92,770)
उप-योग (II)	1,84,29,48,487	1,13,03,42,642
III) नकद व बैंक शेष		
हाथ नकदी	1,8,22,812	21,42,418
अनुसूचित बैंकों में शेष		
चालू खाते	33,71,67,378	28,13,00,188
जमा खाते	77,15,82,073 *	93,28,10,573*
* (₹ 45.61 करोड़ लियनालीन सहित, गत वर्ष ₹ 27.41 करोड़)		
जमा राशि पर उपचित व्याज	2,96,10,156	4,21,66,264
उप-योग (III)	1,14,01,82,419	1,25,84,19,443
योग (क)	3,72,57,00,354	3,07,56,64,648
ख. ऋण व अग्रिम (अध्याभूत सिवाय इसके कि बताया गया हो) प्राप्त होने वाले नगद/ काईड में अथवा मूल्य के रूप में वसूली योग्य अग्रिम		
क) अच्छे समझे गए *		
i) पूंजी आपूर्तिकताओं को अग्रिम	60,18,06,252	57,89,69,440
ii) अन्य अग्रिम	1,03,67,86,310	1,40,20,78,119
ख) संदेहास्पद समझे गए	1,17,07,845	82,99,484
	<u>1,65,03,00,407</u>	<u>1,98,93,47,043</u>
घटा: संदेहास्पद अग्रिमों के लिए धवन्ना	1,17,07,845	82,99,484
	1,63,85,92,562	1,98,10,47,559
* (स्टाफ को दिए ऋण एवं अग्रिमों के लिए धतिभूत आस्तियां ₹ 6.93 करोड़ सहित, (गत वर्ष ₹ 7.76 करोड़) तथा विरोध के अंतर्गत आयकर विभाग में जमा की गई राशि ₹ 60.11 करोड़ (गत वर्ष ₹ 70.16 करोड़) लेखों पर टिप्पणियों के नोट सं 2 (ग) का संदर्भ लें)		
सार्वजनिक उपक्रमों को ऋण		
i) अच्छे समझे गए	-	-
ii) संदेहास्पद समझे गए	7,25,00,000	7,25,00,000
	<u>7,25,00,000</u>	<u>7,25,00,000</u>
घटा: संदेहास्पद समझे गए ऋण का धवन्ना	7,25,00,000	7,25,00,000
	<u>-</u>	<u>-</u>
पूर्वदेय व्यय	5,11,60,519	3,75,71,853
धतिभूति जमा	3,00,12,773	2,65,86,089
उप-योग (ख)	1,71,97,65,854	2,04,52,05,501
योग (क+ख)	5,44,54,66,208	5,12,08,70,149



अनुसूची 9 चालू देयताएं एवं प्रावधान

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
(₹ में)		
चालू देयताएं एवं प्रावधान		
क) चालू देयताएं		
केन्द्र सरकार द्वारा दावा त राशि		
- मूल राशि	1,30,91,03,140	1,309,103,140
- ब्याज/अन्य धभार	3,39,31,18,827	3,393,118,827
	4,70,22,21,967	4,70,22,21,967
विविन्न लेनदार	29,73,48,878*	188,041,186*
ग्राहकों से अग्रिम	4,72,54,636	25,061,647
अन्य देयताएं	42,35,63,230	218,544,602
	76,81,66,744	43,16,47,435
उप-योग (क)	5,47,03,88,711	5,13,38,69,402
* माइत्ते एवं लघु उद्योग को देय राशि: शून्य		
ख) प्रावधान		
कर्मचारी लाभ	54,53,67,257	41,10,46,727
उप-योग (ख)	54,53,67,257	41,10,46,727
योग (क+ख)	6,01,57,55,968	5,54,49,16,129

अनुसूची 10 ब्याज आय

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
(₹ में)		
बैंकों में/जमा से ब्याज आय		
	5,76,08,736	10,47,09,105
(टी.डी.एस.चालू वर्ष ₹ 0.67 करोड़; गत वर्ष ₹ 1.63 करोड़)		
कर्मचारियों को दिए गए ऋण पर ब्याज	23,95,589	33,30,941
अन्य ब्याज आय	48,96,543	1,24,97,236
योग	6,49,00,868	12,05,37,282



अनुसूची 11

अन्य आय

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
		(₹ में)
अनापेक्षित प्रावधान	1,35,00,258	1,49,02,893
सेल्फ इंश्योरेंस हेतु रीटेन बैंक प्रावधान	40,00,000	-
विनिमय घट बढ़ (शुद्ध)	3,82,12,115	-
आस्तियों के वित्त य पर लाभ	-	16,77,793
प्रकीर्ण आय	3,35,08,879	1,86,14,447
योग	8,92,21,252	3,51,95,133

अनुसूची 12

हेलीकॉप्टर परिचालन व्यय

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
		(₹ में)
ईंजन व्यय	23,40,19,817	19,12,55,024
लैंडिंग पार्किंग व्यय एवं अन्य	1,13,10,969	2,10,24,106
परिनिर्धारित नुकसानी	2,95,66,801	8,19,40,571
हेलीकॉप्टर लीज प्रभार	5,86,07,167	1,93,04,210
वाणिज्यिक व्यय	4,19,05,942	3,19,07,860
अन्य परिचालन व्यय	18,55,765	20,30,033
भाड़ा, परिवहन तथा दुलाई	95,89,216	63,75,447
भंडारण, संभलाई धभार तथा विलम्ब शुल्क	69,99,331	1,07,17,813
बट्टे खाते डाले गए रोटेबल्स, स्टोर एवं स्पैयर्स	1,39,18,989	2,09,89,514
नॉन-मूविंग इन्वेन्ट्री/जीवनावधि समाप्त मदों के लिए धवधान	3,11,61,272	49,94,627
मुप्रा विनिमय दरों में घट-बढ़ (शुद्ध)	-	1,48,74,819
योग	43,89,35,269	40,54,14,024



अनुसूची 13 कर्मचारियों के पारिश्रमिक एवं अन्य लाभ

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
वेतन, मजदूरी तथा अन्य लाभ	1,06,02,97,274	89,84,56,894
कर्मचारी कल्याण	1,57,33,071	1,31,42,436
भविष्य निधि एवं उपदान निधि	5,60,74,115	12,21,27,485
अन्य कर्मचारी व्यय	8,26,09,819	6,27,17,809
योग	1,21,47,14,279	1,09,64,44,624

अनुसूची 14 अन्य व्यय

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
मरम्मत तथा अनुरक्षण		
भवन	1,57,33,478	1,41,09,099
उपस्कर	64,41,716	42,72,295
अन्य	2,55,88,448	1,27,51,910
	4,77,63,642	3,11,33,304
किराया	5,11,77,075	4,06,11,248
यात्रा तथा वहन	19,11,60,164	15,23,19,325
कर्मचारी धशिक्षण	7,94,94,267	3,92,10,846
बैंक धभार	61,05,303	61,60,426
विद्युत तथा जल	1,68,89,904	1,31,12,118
टेलिफोन तथा डाक व्यय	93,21,436	90,36,083
विज्ञापन व धचार	2,62,79,710	2,32,94,009
मुद्रण तथा लेखन सामग्री	79,92,503	66,75,270
वाहन चालन तथा अनुरक्षण	24,71,396	23,57,362
लेखापरीक्षकों का शुल्क		
- लेखापरीक्षा शुल्क	5,17,463	5,36,709
- अन्य व्यय	82,833	55,000
	6,00,296	5,91,709
दरें व कर	2,34,36,690	1,20,62,853
आस्तियों की बित्ी से हानि	5,08,761	-
संदेहास्पद ऋणों व अग्रिमों के लिए प्रावधान	98,77,527	25,21,773
निगमित सामाजिक उ रदायित्व	2,51,000	-
संयुक्त उद्यम सी प्लेन के अंतर्गत शेयर ऑफ लॉस	54,28,587	-
विविध व्यय	4,23,36,760	2,77,67,012
योग	52,10,95,021	36,68,53,338



अनुसूची 15 असाधारण मदें

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
(₹ में)		
क. जमा		
बीमा दावे के निपटान पर अधिशेष	1,84,82,386	7,04,59,964
योग	1,84,82,386	7,04,59,964
ख. नाम		
	-	-
योग (ख)	-	-
ग. शुद्ध जमा/ (नामे) (क-ख)	1,84,82,386	7,04,59,964

अनुसूची 16 पूर्वावधि समायोजन

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
(₹ में)		
क. जमा		
मूल्यवृत्त	-	1,13,06,826
अन्य मदें	25,95,133	27,55,012
योग (क)	25,95,133	14,0,61,838
ख. नामे		
मूल्यवृत्त	7,08,370	-
पूर्व वर्षों के अचल इन्वेन्ट्री	1,04,86,052	-
मरम्मत एवं अनुरक्षण व्यय (शुद्ध)	-	12,06,858
पूर्व वर्षों के ग्राहक पर बिल/दावा	-	10,70,099
अन्य मदें	32,72,243	58,03,889
योग (ख)	1,44,66,665	80,80,846
ग. शुद्ध जमा/(नामे) (क-ख)	(1,18,71,532)	59,80,992



अनुसूची 17

आकस्मिक देयताएं और लेखों के सम्बन्ध में टिप्पणी

(31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष के लेखों के साथ संलग्न और उनका एक अंग)

1. पूंजीगत लेखों में निष्पादन के लिए शेष तथा अप्रावन्नानित संविदाओं की अनुमानित राशि (शुद्ध अग्रिम) ₹ 315.10 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 323.73 करोड़)

2. आकस्मिक देयताएँ

क) बैंक को दी गई प्रति गारंटी ₹ 21.43 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 20.23 करोड़)

ख) बकाया साख-पत्र ₹ 92.77 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 30.09 करोड़)

ग) ऋण के रूप में न स्वीकारे गए कम्पनी के खिलाफ दावे निम्नवत हैं:

i) कम्पनी द्वारा संघर्ष किए जा रहे पूर्व वर्षों की आयकर की मांग एवं अपील के अन्वीन ₹ 54.61 करोड़ है (पूर्व वर्ष में ₹ 55.47 करोड़) जिसके लिए कम्पनी उस अवधि तक कर विभाग में वापसी हेतु प्रतिवाद सहित/समायोजन के अन्वीन 31.03.2011 तक कुल ₹ 60.11 करोड़ (पूर्व वर्ष में ₹ 70.16 करोड़) कर जमा कर चुकी है। कर विभाग को जमा करायी गयी राशि को (शुद्ध कर के लिए प्रावन्नान) वसूली योग्य अग्रिम के रूप में दिखाया गया है।

ii) वस्तुओं एवं सेवाओं के उपभोग के लिए अन्धिकारों के हस्तांतरण के संबन्ध में वर्ष 2006-07, 2007-08, 2008-09, और 2009-10 की कर अवधि के लिए राष्ट्रीय राजन्नानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, व्यापार एवं कर विभाग (वैट) से ₹ 134.95 करोड़ की वैट व ₹ 184.33 करोड़ की ब्याज व जुर्माने के रूप में कुल ₹ 319.28 करोड़ की मांग नोटिस प्राप्त हुई है। यद्यपि पवन हंस द्वारा सेवा कर के भुगतान के मामले में ऐसा कोई वैट संबन्ध नहीं है और मांग के विरोध में अपील की गई है।

iii) न्यायालय मुकदमे/मान्यस्थ अन्वीन मुकदमे ₹ 22.42 करोड़ (गत वर्ष ₹ 9.59 करोड़)

iv) अन्य ₹ 6.08 करोड़ (गत वर्ष ₹ 5.09 करोड़)

3. भारत सरकार की देयताएँ

3.1 सरकार ने जून 1986 में 42 वेस्टलैण्ड तथा डॉफिन हेलीकॉप्टर को खरीदने की संपूर्ण परियोजना लागत की राशि को इक्विटी पूंजी के रूप में उपलब्ध कराने का निर्णय लिया था। चूंकि कम्पनी को प्राप्त बजट सहायता परियोजना लागत से कम थी, इसलिए यह भारत सरकार की देयताओं का निपटान करने में असमर्थ थी। वि. मंत्रालय ने वर्तमान बकाया राशि ₹ 130.91 करोड़ पर (मूल राशि) 18% वार्षिक दर से ब्याज का दावा किया है। नागर विमानन मंत्रालय ने वि. मंत्रालय से ऐसे ब्याज तथा अन्य प्रभारों का अन्ध्रित्याग करने के लिए अनुरोध किया है।

3.2 समीक्षान्नीन वि. वर्ष 2003-04 के दौरान नागर विमानन मंत्रालय ने वि. मंत्रालय को भेजे परिशोधित प्रस्ताव के आन्धार पर जिसमें डॉफिन तथा वेस्टलैण्ड पर कम्पनी द्वारा 31.03.2001 तक देय ब्याज की कुल राशि ₹ 339.31 करोड़ (1.4.2001 से राइट ऑफ तिथि तक देयों पर ब्याज बताया गया है) तथा मूलन्नन राशि ₹ 130.91 करोड़ को कम्पनी में सरकारी इक्विटी में परिवर्तित किया जाए। प्रस्ताव पर वि. मंत्रालय की सहमति है। तदनुसार, कम्पनी ने वि. मंत्रालय द्वारा दावाकृत ब्याज और अन्य प्रभारों के लिए वि. वर्ष 1999-2000, 2000-01 और 2002-03 के दौरान 31.3.2001 तक के लिए ₹ 339.31 करोड़ का प्रावन्नान बनाया है तथा उसे अग्रेनीत किया गया है।

3.3 नागर विमानन मंत्रालय द्वारा दिसम्बर, 2007 में वि. मंत्रालय को एक परिशोधित प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जिसमें वि. मंत्रालय से सरकार द्वारा कम्पनी से दावाकृत कुल राशि ₹ 470.22 करोड़ (मूल राशि ₹ 130.91 करोड़ तथा 31.03.2001



तक का ब्याज ₹ 339.31 करोड़) का अग्रित्याग करने हेतु पुनर्विचार करने हेतु कहा गया है ताकि मौजूद निधि को बेड़े के वर्धन तथा अन्य पूँजीगत आउटले प्रोग्राम हेतु उपयोग किया जा सके जो कम्पनी का अस्तित्व बनाए रखने हेतु नागर विमानन क्षेत्र में भारत में विद्यमान प्रतिस्पर्धात्मक परिदृश्य में अपरिहार्य है। वि। मंत्रालय इस धस्ताव से सहमत नहीं है तथा कम्पनी का दावाकृत राशि सरकारी कोष में जमा करने हेतु उपदेश दिया है। कम्पनी के निदेशक मंडल द्वारा दिनांक 21.8.2008 को आयोजित 115वीं बैठक में निर्णय लिया गया कि वि। मंत्रालय के दावे का पूर्ण अग्रित्याग करने हेतु नागर विमानन मंत्रालय की पैरवी करे और एक वि। सलाहकार नियुक्त किया है, जो अन्य मुद्दों सहित इसकी जांच करे। वि। सलाहकार ने कम्पनी के मूल्यांकन में भारत सरकार के दावे के धभाव पर अपनी रिपोर्ट धस्तुत किया है तथा कुछ विकल्पों की संस्तुति की है। रिपोर्ट के अनुसार कम्पनी के लिए भारत सरकार के दावे का भुगतान करना व्यवहार्य नहीं है।

निदेशक मंडल के निर्णय के अनुसार कम्पनी ने जनवरी, 2009 में नागर विमानन मंत्रालय के सचिवों की समिति को भारत सरकार द्वारा दावाकृत ₹ 470.22 करोड़ का अधित्याग करने हेतु ड्रॉफ्ट नोट धस्तुत किया है। मामला सरकार के पास विचाराधीन है।

4. वेस्टलैण्ड आस्तियों की बिक्री

4.1 18 जनवरी, 1993 को सरकार ने निर्णय लिया कि वेस्टलैण्ड हेलीकॉप्टर बेड़े को इसकी इन्वेन्ट्री के साथ एक ग्लोबल टेंडर द्वारा बेच दिया जाए। इससे होने वाली आय को भारत सरकार तथा यू.के. की परस्पर सहमति से गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम में लगाया जाए। तथापि इस ग्लोबल टेंडर पर धतिकूल अनुत्तिया के कारण सरकार ने 12 मई, 1994 को इन्हें इच्छुक पार्टियों को ही परस्पर मोलभाव करके बेच देने हेतु कम्पनी को अनुमति दी। सरकार ने वेस्टलैण्ड आस्तियों की बिक्री का निरीक्षण करने के लिए एक स्टियरिंग समिति का भी गठन किया था।

4.2 वेस्टलैण्ड हेलीकॉप्टरों (एक क्षतिग्रस्त हेलीकॉप्टर सहित) तथा संबंधित इन्वेन्ट्री की बिक्री न होने तक, इन आस्तियों को उनके बही मूल्य पर लिखा गया है, जो कुल ₹ 22.39 करोड़ है। कम्पनी ने बतौर सावधानी बही मूल्य समान ₹ 22.39 करोड़ हानि का धवज्ञान किया था। वर्ष 1999-2000 में ऐसी परिसम्पत्तियों के संबंध में बही मूल्य ₹ 7.23 करोड़ का समायोजन करने के बाद, शेष धवज्ञान ₹ 15.16 करोड़ को अग्रणीत किया गया है।

4.3 वर्ष 1999-2000 के दौरान कम्पनी ने सरकार के अनुमोदन से वेस्टलैण्ड आस्तियों को पाउंड स्टर्लिंग 9,00,000 में बेचने हेतु यू.के. की एक फर्म के साथ अनुबंध किया था। इन आस्तियों को अग्रिक से अग्रिक दो शिपमेंट में भेजे जाने वाले पारेषण के अनुमानित मूल्य के बराबर भुगतान पर भेजे जाने की सहमति हुई थी। पहला शिपमेंट दिसम्बर, 1999 में भेजा गया तथा कम्पनी को जनवरी, 2000 में पाउंड 4,50,000 (₹ 3.22 करोड़) की वसूली हुई, जिसे कम्पनी ने तत्काल धशासन मंत्रालय के निदेशानुसार भारत सरकार के पास जमा कर दिया था। शिपमेंट में वेस्टलैण्ड हेलीकॉप्टर के कुछ आवश्यक पूर्ण कम्पनी की अभिरक्षा में है। द्वितीय शिपमेंट खरीददार द्वारा उठाए गए विवाद के कारण नहीं भेजा जा सका है। कम्पनी द्वारा खरीददार के खिलाफ करार की शर्तों के अनुसार विशिष्ट कार्यों तथा ठेके संबंधी विभिन्न निबन्धनों के उल्लंघनों से हुई हानि की वसूली के लिए मान्यस्थ कार्यवाही धारंभ की गई है।

अब यह पता लगा है कि खरीददार (मेसर्स ए ई एस एरोस्पैस लि. यू.के.) को यू.के. के न्यायालय ने वर्ष 2002 में कारोबार बन्द करने का आदेश दिया है तथा एक कार्यालयीन प्राप्तिकर्ता नियुक्त किया है। बन्द किए जाने की आदेश के बावजूद कम्पनी को मान्यस्थ निर्णय की कार्यवाही जारी रखने हेतु कानूनी सलाह दी गई है। निपटान



अनिर्णीत होने के कारण कम्पनी ने ऐसे देयों का लेखांकन नहीं किया है और वसूली/निपटान के पश्चात इसका लेखांकन किया जाएगा।

4.4 धूम शिपमेंट के अग्रीन किए गए लेन-देन को संपूर्ण बिट्टी मानते हुए वर्ष के दौरान वेस्टलैण्ड आस्तियों की (लागत ₹ 51.46 करोड़, डब्ल्यू. डी. वी. ₹ 7.23 करोड़) बिट्टी के संबंध में आवश्यक लेखांकन समायोजन वर्ष 1999-2000 की लेखा बहियों में किया गया है। बेची गई इन्वेन्ट्री मदों के परिमाणों का तथा मुंबई के माल गोदाम में रखी हुए इन्वेन्ट्री मदों के परिमाणों का ब्यौरा अनुपलब्ध होने के कारण आकड़ों को अंतिम आन्तर पर लिया गया है (4.5 का सन्दर्भ लें) बशर्ते आगे समाधान किया जाए। बिट्टी त इन्वेन्ट्री मदों को एफ.आई.एफ.ओ. आन्तर पर अभिकलित किया गया है। चूंकि वेस्टलैण्ड आस्तियों की बिट्टी का ठेका इकमुश्त आन्तर पर किया गया है, मदवार बिट्टी दाम की अनुपलब्धता में, धृतिफल पाउंड स्टर्लिंग 4,50,000 (₹ 3.22 करोड़) से 9 हेलीकॉप्टर, टेस्ट बेड तथा इन्वेन्ट्री मदों के कुल रिटेन डाउन मूल्य को घटाकर निर्धारण किया गया है तथा इसे वि I वर्ष 1999-2000 में लेखांकित किया गया है।

4.5 वि I वर्ष 1999-2000 के दौरान वेस्टलैण्ड इन्वेन्ट्री का एक भाग कम्पनी के दिल्ली स्थित कार्यालय से मुंबई कार्यालय तक स्थानान्तरण करते समय खरीददार के अनुदेशों से पथांतर किया था तथा उसे वर्तमान मुंबई के वेयर हाउस की अभिरक्षा में रखा हुआ है। वेस्टलैण्ड इन्वेन्ट्री के धारंभिक अर्जन लागत तथा मालगोदाम में रखे हुए पूंजीगत मदों का मूल्य ₹ 32.50 करोड़ (कृतित मूल्य ₹ 4.50 करोड़) है। कम्पनी ने ऐसे पथांतर के लिए खरीददार के खिलाफ कानूनी कार्यवाई आरंभ कर दी है। (उपर्युक्त पैरा 4.3 का संदर्भ लें) वेयर हाउस की दावा त राशि ₹ 4.31 करोड़ है, (गत वर्ष ₹ 3.97 करोड़)

जिसे ठेके के अनुसार खरीददार द्वारा सीने निपटान करना अपेक्षित है। कम्पनी ने दिसम्बर, 2002 में दिल्ली उच्च न्यायालय से एक अंतरिम निषेधाज्ञा प्राप्त कर ली है, जिससे कि वेयर हाउसिंग कम्पनी अपने दावे का निपटान हेतु माल को न बेच सके। 22/4/2008 के दिल्ली उच्च न्यायालय के एकल माननीय न्यायाधीश द्वारा कम्पनी के पक्ष में वेयर हाउस कम्पनी को बिना किसी दावे का भुगतान के इन्वेन्ट्री मदों को वेयर हाउस से अपने कब्जे में लेने का निर्णय दिया है। निर्णय के खिलाफ वेयर हाउस कम्पनी द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के खंड पीठ के समक्ष अपील किया गया था, जिसके द्वारा दिनांक 11/8/2008 को उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश द्वारा कम्पनी के पक्ष में दिए गए निर्णय को मान्य ठहराया है कम्पनी ने वेयर हाउस कम्पनी के द्वारा संभावित अपील के खिलाफ सावधान-पत्र दायर किया है। साथ ही अधिक सावधानी के तौर पर दावे को आकस्मिक देयताओं में दर्शाया गया है। ऐसी मदें तथा कम्पनी के पास रखी शेष इन्वेन्ट्री मदे (जिसे बाँक्सों में मोहर बन्द रखा गया है और वर्ष के दौरान जिनका धृत्यक्ष सत्यापन नहीं किया गया है) और जो कि द्वितीय शिपमेंट है उसका समाधान नहीं होने के कारण बही मूल्य (₹ 6.47 करोड़) के अनुसार अग्रेनीत किया गया, हालांकि उपर्युक्त पैरा 4.2 के अनुसार पूर्ण रूप से धृद I किया गया है।

5. आवासीय फ्लैट/क्वार्टर्स

5.1 कम्पनी ने भारतीय विमानपत्तन धनिकरण द्वारा 25 वर्षों के लिए लीज पर दी गई भूमि पर 2002-03 के दौरान ₹ 22.71 करोड़ लागत से 242 फ्लैटों का निर्माण किया है तथा इसका उपयोग कर रहा है। कम्पनी ने 242 फ्लैटों में से 50 फ्लैटों को संयुक्त विकास करार के अग्रीन लीज भूमि की किराए के बदले में भारतीय विमानपत्तन धनिकरण को आबंटित किया है तथा परियोजना



वास्तुविद द्वारा इन 50 फ्लैटों की निर्माण लागत ₹ 5.59 करोड़ धक्कलित की गई है।

5.2 मई, 1998 में कम्पनी ने कर्मचारियों के लिए एम.एच.ए.डी.ए. मुंबई से 6 आवासीय फ्लैट खरीदे थे। हालांकि कब्जा आवंटन-पत्र के आन्तर पर लिया गया है, कम्पनी ने वर्ष के दौरान अनन्तिम आन्तर पर स्टाम्प शुल्क और पंजीकरण धभार उपलब्ध कराया है और इस शर्त पर कि अंतिम भुगतान सोसाइटी के पक्ष में उचित कन्वेअन्स डीड का निष्पादन होने के पश्चात किया जाएगा। कुछ सोसाईटियों ने विभेदक कीमत निर्धारण के मुद्दे को लेकर एम.एच.ए.डी.ए. के खिलाफ मुंबई उच्च न्यायालय में मुकदमा किया है तथा, इस स्थिति में राशि का निर्धारण कर पाना सम्भव नहीं है।

5.3 कम्पनी द्वारा लोखंडवाला कांस्ट्रक्शन इण्डस्ट्रीज लिमिटेड से वर्ष 1991-1992 में कर्मचारियों के लिए 42 आवासीय फ्लैट खरीदे गए थे। निदेशक मंडल ने इन फ्लैटों का सार्वजनिक उपत्त मों को किराए पर देने का अनुमोदन दिया है तथा तदनुसार, 31 फ्लैटों को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को किराए पर दी गई है।

6. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को ऋण

कम्पनी ने विगत वर्षों 1991-1992 में 20% वार्षिक चत्त वृद्धि ब्याज/त्रैमासिक भुगतान पर केन्द्रीय सार्वजनिक उपत्त म मेसर्स हिन्दुस्तान फोटो फिल्म लिमिटेड (एच पी एफ) को अध्याभूत अंतर कारपोरेट ऋण दिया था। संचित बकाया राशि ₹ 7.25 करोड़ है। तथापि, एच पी एफ द्वारा अपनी खराब विीय दशा के कारण ब्याज सहित ऋण का भुगतान करने की अपनी संविदात्मक बाध्यता को पूरा नहीं कर सका। एच पी एफ को रूग्ण घोषित कर दिया गया था। कम्पनी ने इसकी देयता का संरक्षण हेतु बी आई एफ आर के पास अपना दावा दायर किया है। जनवरी, 2003 में बी आई एफ आर द्वारा एच पी एफ को बन्द करने की संस्तुति की थी, जिसके खिलाफ एच पी एफ तथा इसके ध्शासनिक मंत्रालय के

द्वारा ए ए आई एफ आर के विपरीत नेट वर्थ के कारण कम्पनी ने समीक्षाधीन वर्ष के लिए उक्त ऋण की ब्याज आय को शामिल नहीं किया है तथा इसे वसूल करते ही/ निपटान होते ही शामिल कर लिया जाएगा। तदनुसार, वर्ष का लाभ ₹ 1.56 करोड़ (गत वर्ष ₹ 1.56 करोड़) कम रहा।

पूर्ण सतर्कता बरतते हुए कम्पनी ने विगत वर्षों के मूलग्रन की राशि के धति ₹ 7.25 करोड़ का धवधान रखा है, जिसे हिसाब में आगे ले जाया गया है।

7. स्थायी परिसम्पत्तियाँ

क) डॉफिन बेड़े का मीड लाइफ अपग्रेडेशन

7.1 ते. ध. गे.नि. के नए अनुबंन की आवश्यकतानुसार विमानन मानक (ए एस-4) के अनुपालन को न्यान में रखकर, कम्पनी का डॉफिन बेड़ा मिड लाइफ अपग्रेड धेग्राम के अन्धीन है, जो कि एक मेजर रीट्रोफिट परियोजना है तथा जिससे संरक्षा तथा कार्य की गुणवत्ता में सुन्नार होगा और परिणाम स्वरूप ग्राहकों को बेड़े की श्रेष्ठतर उपलब्धता धाप्त होगी। कम्पनी को डॉफिन हेलीकॉप्टर बेड़े के लिए रीट्रोफिट किट की आपूर्ति मेसर्स यूरोकॉप्टर द्वारा की गई है तथा रीट्रोफिटमेंट त्त मावस्था से पूरी की जाएगी। इस सम्बन्ध में मेसर्स यूराकॉप्टर का धाधिकृत धतिनिधि मेसर्स सोफिमा, "İS के साथ अनुबंन किया गया है। रीट्रोफिट पैकेज जो कि डॉफिन हेलीकॉप्टरों की पूर्णता के लिए आवश्यक है, जे.ए.आर.ओ.पी.एस 3 मानकों के अनुपालन में हैं। ऐसी बेहतरी से कम्पनी का डॉफिन बेड़ा को अद्यतन अपतटीय मानकों से उन्नत हो जाएगा तथा इसके फलस्वरूप बेड़े की उपयोगिता अवन्नि बढ़ेगी और जिससे भविष्य में कम्पनी को बेहतर आर्थिक लाभ धाप्त होगा।

समीक्षाधीन विी वर्ष के दौरान कम्पनी द्वारा 1 डॉफिन हेलीकॉप्टर को ए.एस 4 युक्त किया गया। श्रम घंटे लागत हेतु हुए व्यय ₹ 0.14 (गत वर्ष ₹ 0.55 करोड़) करोड़ पूंजीगत किया गया है।



7.2. ₹ 36.41 करोड़ (गत वर्ष ₹ 25.14 करोड़ राशि) की स्थाई परिसम्पत्ति जिसमें रोटेबल्स तथा रेपेरेबल्स (सकल मूल्य) शामिल हैं जिन्हें मरम्मत के लिए विदेश भेजा गया था लेकिन 31 मार्च, 2011 को मरम्मत करने वाले अधिकरणों के पास हैं। तथापि, ज्यादातर मरम्मत के पश्चात 31 मार्च, 2011 के बाद कम्पनी को धातु हो चुकी हैं।

7.3 समीक्षाधीन वितीय वर्ष के दौरान नोएडा में कार्यालय की इमारत को दिनांक 15.04.2010 से उपयोग हेतु लिया गया और सिविल डिपार्टमेंट/एपीएमसी द्वारा किए गए मूल्यांकन के आन्तर पर सिविल संविदाकारों के साथ की जाने वाली अनिवार्य कार्यवाही को देखते हुए लंबित अंतिम भुगतान को औपबन्धनिक रूप से पूँजी त किया गया। इसके साथ ही इस कार्यालय भवन के फर्नीचर और जुड़नार को मेसर्स एनबीसीसी के साथ लंबित भुगतान को देखते हुए सिविल डिपार्टमेंट द्वारा किए मूल्यांकन ₹ 2.96 करोड़ के आन्तर पर औपबन्धनिक रूप से पूँजी त किया गया।

8. मूल्यवृद्धि

8.1 पूँजीगत मशीनरी स्पेयर्स होने के कारण रोटेबलों को स्थाई परिसम्पत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है तथा उसे मूल्यवृद्धि किया गया है। रोटेबलों के सम्बन्ध में तथा मेजर आशोधन लागत जैसा की पूँजीकरण किया गया है का मूल्यवृद्धि शेष मूल परिसम्पत्तियों के उपयोगी जीवन से जोड़ा गया, जिसकी वे संचयित थे यथा हेलीकॉप्टर का धकार, बशर्ते मूल्यवृद्धि दर का धवधान न्यूनतम धभार के अनुरूप हो। रोटेबलों के तथा मेजर आशोधन लागत जैसा की पूँजीकरण का उद्देश्य, हेलीकॉप्टरों के उपयोगी जीवन सीमा को तकनीकी आधार पर विनिर्माता के उपदेशानुसार वि. वर्ष 2006-07 से 30 वर्ष अथवा 25000 घन्टे, जो भी बाद में हो, रखा गया है।

इंस्टिट्यूट ऑफ चाटर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आई.सी.ए.आई.) की विशेषज्ञ सलाहकार समिति ने राय दी है कि रोटेबल सामान्य स्पेयर्स धकृति के हैं तथा उन्हें इन्वेन्ट्री के रूप में माना जाना चाहिए न कि पूँजीगत स्पेयर्स के रूप में और हेलीकॉप्टरों का उपयोगी जीवनकाल कम्पनी अधिनियम की अनुसूची XIV के अन्तर्गत विहित मूल्यवृद्धि दर लागू करके निर्धारित करना चाहिए तथा उससे अधिक नहीं होना चाहिए। इंस्टिट्यूट द्वारा एक विकल्प का सुझाव दिया गया है कि 'कम्पोनेंट अप्रोच' के आधार पर कम्पनी रोटेबलों को स्वतंत्र परिसम्पत्ति के रूप में अभिज्ञान करने का मार्ग अपना सकता है तथा ऐसे स्पेयर्स को स्पेयर्स की उपयोगी जीवनकाल के आधार पर मूल्यवृद्धि धभारित करें, जो अनुसूची- XIV के आधार पर किसी हालात में निर्धारित अवधि से अधिक न हो।

कम्पनी की राय में रोटेबल पूँजीगत स्पेयर्स हैं तथा उन पर मूल्यवृद्धि धभारित किया जाना चाहिए और किए गए मेजर आशोधन लागत को हेलीकॉप्टरों के उपयोगी जीवन काल से जोड़ा जाना लेखांकन मानक ए एस-6, पैरा-9 एवं 11 तथा 23 एवं 24 के धवधान की तथा आई.सी.ए.आई द्वारा मूल्यांकन हेतु लेखांकन पर जारी निर्देशन टिप्पणी की अनुरूप है। इस उद्देश्य से मूल परिसम्पत्ति का उपयोगी जीवनकाल इसके निर्दिष्ट जीवनकाल से भिन्न हो सकता है। वर्तमान मामलों में हेलीकॉप्टर को निर्दिष्ट अवधि 17 वर्ष पर मूल्यवृद्धि किया गया है। जबकि, इसका उपयोगी जीवनकाल ऐसे निर्दिष्ट अवधि से अधिक है। इसी सिद्धान्त को रोटेबलों आदि के मूल्यवृद्धि में अनुसरण किया गया है, इस सिद्धान्त का उपयोग करके कि उनके निर्दिष्ट जीवनकाल पर मूल्यवृद्धि करना चाहिए, जो कि इस मामले में हेलीकॉप्टर के समान ही सुविचारित किया गया है। आई.सी.ए.आई.की विशेषज्ञ सलाहकार समिति के द्वारा दिए गए मत के आधार पर कम्पनी की लेखांकन नीति में सुधार किया गया



है, इस हद कि रोटेबलों का कम्पनी अधिनियम में निर्दिष्ट दरों से उच्च दर पर मूल्यवृद्धि किया जाएगा। (5.6 % प्रति वर्ष) या रोटेबल आदि के मूल्यवृद्धि दर को 95% बचे खाते में डाला जाएगा। हेलीकॉप्टर का बढ़ाया गया शेष जीवनकाल कम्पनी की राय में लेखांकन नीति ए.एस-2, ए.एस-6, ए.एस-10 ए.एस आई-2 अनुरूप है। उपर्युक्त लेखांकन नीति विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एअरलाईनों तथा एअर इंडिया के अनुसरण में किया जाता है और लेखा परीक्षकों द्वारा स्वीकृत है।

9. इन्वेन्ट्री

9.1 अचल स्टोर्स, स्पेयर्स तथा उपभोग्य इन्वेन्ट्री की समीक्षा करके समीक्षानीय वर्ष के दौरान लेखांकन नीति के अनुसार ₹ 5.80 करोड़ (गत वर्ष ₹ 0.50 करोड़) का धवन्नान बनाया गया है।

9.2 कम्पनी स्पेयर्स पार्टों को एक पार्टी से 'हाई सी सेल्स' आधार पर खरीद करती है, जो कम्पनी की ओर से आयात करती है। खरीद आदेशों के निबंधनों के अनुसार कोटेशन विदेशी मुद्रा में प्राप्त होता है, तथापि भुगतान भारतीय मुद्रा में किया जाता है, विजया बैंक द्वारा इनवायस तिथि में अधिसूचित यूरो की बिल सेलिंग दर को आज़ार माना जाता है।

9.3 विदेश मुद्रा की लेनदेन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण लेखांकन नीति के पैरा सं. 3 के अनुसार, लाभ एवं हानि के कारण निम्नांकित विनिमय उतार-चढ़ाव है:

क) इन्वेन्ट्री तथा स्थाई परिसम्पत्तियों की खरीद के लिए बकाया भुगतान से सम्बन्धित देयताओं का पूर्वविवरण तथा

ख) निपटान की तिथि में की गई भुगतान से सम्बन्धित मुद्रा मूल्य में अंतर तथा आयातित इन्वेन्ट्री तथा स्थाई परिसम्पत्तियों का स्वामित्व स्वीकार करने की तिथि में विदेशी मुद्रा उतार-चढ़ाव के कारण लाभ या हानि लेखा में दिखाया गया है तथा लाभ एवं हानि लेखा में अंतरण किया गया है।

10. उड़ी क्षेत्र में ए.टी.एफ की खरीद के लिए भारतीय तेल निगम (आई.ओ.सी.) की खाते में ₹ 1.66 करोड़ (ऋण) गत वर्ष ₹ 0.14 (करोड़) का शुद्ध अन्निशेष दिखाया गया है, जबकि आई. ओ. सी. के बहियों में कंपनी का अन्निशेष ₹ 0.32 करोड़ (ऋण) गत वर्ष ₹ 0.53 करोड़ (ऋण) है। विस्तृत मिलान के दौरान आई. ओ. सी. के बहियों में कंपनी के नाम से गत वर्षों के कुछ असम्बद्ध लेन-देन को देखा गया है, जैसे - आदि शेष का अंतर, आई. ओ. सी. द्वारा नहीं बुक किया गया कंपनी को आपूर्ति, आई.ओ.सी. के बहियों में असम्बद्ध भुगतान, कम्पनी द्वारा की गई भुगतान को आई. ओ. सी. द्वारा लेखांकित नहीं किया गया जाना, तथा असम्बद्ध आपूर्तियाँ, जिसके लिए आई. ओ. सी. साक्ष्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। तथापि, कंपनी ने लेखांकन परिनिश्चित करने तक उल्लेखित अवधि की संवीक्षा की है, ताकि आई. ओ. सी. के किसी भी बकाया बिलों को लेखांकित किया जा सके और वास्तविक ईन्ट्री की खपत से उड़ान घंटे के समंजस्य को जांचा है। तदनुसार, आई. ओ. सी. के विवरण में ऐसे बकाए की ध्विष्टियों के संबंध में संज्ञान नहीं किया गया है, जिस पर लेखांकन कार्रवाई की जा सके। कंपनी मामले को आई. ओ. सी. के वरिष्ठतम अधिकारियों के समक्ष रखा है और समाधान धृति पर है। कंपनी को जब कभी भी संबंधित सूचना उपलब्ध कराई जाएगी, उसी समय आवश्यक संशुद्ध ध्विष्टियाँ कर ली जाएगी।

11. शेयर पूंजी

वर्ष के दौरान कंपनी ने अपने धनिकृत इक्विटी शेयर पूंजी को ₹ 120 करोड़ से ₹ 250 करोड़ तक, प्रद। पूंजी को ₹ 113.766 करोड़ से ₹ 245.616 करोड़ तक भारत सरकार और ओएनजीसी के अतिरिक्त इक्विटी अंशदान के माध्यम से वृद्धि की है, जिसका व्यौरा निम्नवत है :-

क) ₹ 36 करोड़ के इक्विटी धन। पूंजी में वर्धित अंशदान से, अब भारत सरकार का धन। इक्विटी पूंजी बढ़कर ₹ 125.266 करोड़ हो गई, जो कुल इक्विटी पूंजी का 51% है।



ख) ओएनजीसी लि. ने नए हेलीकॉप्टरों के अर्जन हेतु दिए गए ₹ 95.85 करोड़ का दीर्घावधि ऋण को में परिवर्तित करके पहंहेलि में अपना इक्विटि स्टैक को ₹ 24.50 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 120.35 करोड़ किया है, जिसके फलस्वरूप कुल इक्विटि पूंजी इसका शेयर होल्डिंग बढ़कर 41% हो गया है।

12. प्रतिभूति ऋण

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी ने दिनांक 12.08.2010 को ओएनजीसी लि. के साथ ऋण करार पर हस्ताक्षर किया है, जिसमें ओएनजीसी लि. ने मेसर्स यूरोकॉप्टर, " 1" से कंपनी द्वारा खरीदे जाने वाले 7 अदद नए डॉफिन एन-3 हेलीकॉप्टरों का 80% लागत हेतु ₹ 275 करोड़ तक धतिभूति ऋण उपलब्ध कराने हेतु सहमति दी है। स्वीकृत ऋण ₹ 275 करोड़ में से कंपनी ने खरीदे जा रहे 7 अदद डॉफिन एन 3 हेलीकॉप्टरों के लिए ₹ 261 करोड़ का कुल ऋण आहरित किया है। ऋण का ब्याज दर एसबीआई द्वारा समय-समय पर लागू मूल दर पर और साथ ही 150 बेसिस प्वाइंट सहित होगा, जिसे वर्ष की अवधि में 60 समीकृत मासिक किस्तों में पुनर्भुगतान किया जाएगा। ऋण का पूर्ण भुगतान होने तक हेलीकॉप्टरों को ओएनजीसी लि. के नाम से हाइपोथिकेट किया जाएगा।

31.03.2011 तक ओएनजीसी लि. से पार्ट ऋण के रूप में ₹ 184.26 करोड़ धप्त हुआ है, जिसमें से समीक्षाधीन वर्ष के दौरान ₹ 9.84 करोड़ का पुनर्भुगतान किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त 14.2.2011 को ओएनजीसी लि. ने उपर्युक्त ऋण में से ₹ 95.85 करोड़ को इक्विटि में परिवर्तित किया है और अपना इक्विटि ₹ 24.50 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 120.35 करोड़ किया है। 31.03.2011 को ऋण मूलभूत राशि में से ₹ 78.57 करोड़ बकाया देय है।

धतिभूति के धकार - ऋण करार के अनुसार स्वीकृत ऋण ₹ 275 करोड़ के लिए 7 अदद नए डॉफिन

एन 3 हेलीकॉप्टरों को मेसर्स ओएनजीसी लि. के नाम हाइपोथिकेट किया गया है तथा कंपनियों के पंजीयक के पास चार्ज पंजीकृत किया गया है।

13. 31 मार्च, 2011 तक के फुटकर देनदारों तथा ऋण और अग्रिम/जमा शेष का पुष्टिकरण परिचालित किया गया था, लेकिन प्रत्युत्तर सीमित था। तथापि, बताये गए मामलों को छोड़कर प्रायः डेबिट/अग्रिम प्राप्त हो चुका है/ समायोजित किया गया है।

14. कर्मचारियों के पारिश्रमिक

14.1 01.01.2007 से नियमित तथा अनुबंधित कर्मचारियों के लिए वेतन तथा भों के परिशोधन को ध्यान में रखकर 01.04.2010 से 31 मार्च 2011 तक ₹ 29.70 करोड़ (गत वर्ष ₹ 25.10 करोड़) का तदर्थ प्रावधान बनाया गया है। वि 1 वर्ष 2010-11 के दौरान राष्ट्रपति के निदेश के आधार पर नागर विमानन मंत्रालय द्वारा जारी पत्र दिनांक 06.05.2009 के अनुसार 01.01.2007 से अन्निकारियों के वेतनमानों का परिशोधन किया गया। जबकि अधिकारियों के वेतनमानों को परिशोधित किया जा चुका है, भत्ते तथा अन्य लाभ का परिशोधन विचाराधीन है। गिल्ड/यूनियन के साथ अन्य श्रेणियों के कर्मचारियों के वेतनमान तथा भत्तों के परिशोधन से सम्बन्धित विचार-विमर्श किया जा रहा है। लेखापरीक्षाधीन वि 1 वर्ष में अधिकारियों को 31.03.2011 तक ₹ 16.61 करोड़ (गत वर्ष ₹ 21.06 करोड़) बकाया तथा वेतन कुल प्रावधान में से भुगतान/ समायोजित किया गया तथा शेष ₹ 32.37 करोड़ (गत वर्ष ₹ 19.28 करोड़) को अनुवर्ती अवधि में भुगतान/समायोजन हेतु अग्रेनीत किया गया।

14.2 ए एस 15 (संशोधित) लेखांकन नीति के अनुसार कम्पनी उपदान, अवकाश वेतन, छु. या. रि., सेवानिवृत्ति पश्चात बैगेज भ 11 तथा उ 12 सेवानिवृत्ति चिकित्सा लाभ योजना को एक्चूरियल मूल्यन आधार पर उपलब्ध कराती है तथा उसे निम्नांकित रूप से छु.या.रि./बैगेज भ 11/वेतन बकाया हेतु प्रावधान लाभ एवं हानि लेखा नामे में डाला गया है:-



(₹ करोड़ में)			
विवरण	10.4.2010 आदि देयता	वर्ष के दौरान सृजित/समायोजित	31.03.2011 को अंत देयता
उपदान देयता	22.36	2.06	24.42
अर्जित छुी	10.00	1.10	11.10
अर्ध वेतन छुी	5.52	0.56	6.07
उपर सेवानिवृत्ति			
चिकित्सा लाभ योजना*	2.35	0.38	2.73
छुी यात्रा रियायत	1.02	0.08	1.10
सेवानिवृत्ति पर बैगेज भत्ता	0.10	0.01	0.11

* बीमा कंपनी को भुगतान किया गया ₹0.05 करोड़ का यथानुपात किस्त का समायोजन।

वर्तमान दायित्व का मूल्यन प्रोजेक्टेड यूनिट रेडिट मैथड का उपयोग करके ऐक्चूरियल मूल्यन आधार पर निर्धारित किया जाता है, जिसमें धृत्येक सेवावधि में कर्मचारियों के ग्राह्य लाभ में अतिरिक्त वृद्धि होगी तथा निर्णायक दायित्व को तैयार करने हेतु धृत्येक यूनिट की अलग से गणना की जाती है। निम्नांकित तालिका में कर्मचारियों के विभिन्न लाभों के घटक को संक्षेप में दिया गया है तथा शुद्ध लाभ व्ययों के घटकों को लाभ एवं हानि खाते में दर्शाया गया है :-

(₹ करोड़ में)			
विवरण	31.03.2011 को अवकाश नकदीकरण (अ.छु. एवं अवेछु) (अनिधिबद्ध)	31.03.2011 को बैगेज भत्ता/छुयारि/पीआर एमबीएस (अनिधिबद्ध)	31.03.2011 उपदान (निधिबद्ध)
क) दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन			
(i) अवधि के प्रारंभ में (01.04.2010) दायित्व का वर्तमान मूल्य	15.51	3.48	22.36
(ii) ब्याज लागत	1.16	0.26	1.68
(iii) पूर्व सेवा लागत	-	-	-
(iv) चालू सेवा लागत	1.35	0.68	1.50
(v) उपरस/निपटान लागत	-	-	-
(vi) भुगतान किया गया लाभ	(1.19)	(0.83)	(0.73)
(vii) दायित्व/बाध्यता पर ऐक्चूरियल अभिलाभ/(हानि) (संतुलित अंक)	0.33	0.35	(0.39)
(viii) अवधि के समाप्ति पर (31.03.2011) दायित्व/बाध्यता का वर्तमान मूल्य	17.17	3.94	24.42
ख) प्लेन परिसम्पत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन			
(i) अवधि के प्रारंभ में (01.04.2010) प्लेन परिसम्पत्तियों की उचित मूल्य	-	-	24.13
(ii) नियोजित परिसम्पत्तियों पर संभावित प्रतिलाभ	-	-	1.93
(iii) अंशदान	-	-	1.00
(iv) भुगतान किया गया लाभ	-	-	(0.73)
(v) दायित्व/बाध्यता पर ऐक्चूरियल अभिलाभ/(हानि)	-	-	0.09
(vi) अवधि के समाप्ति पर (31.03.2011) नियोजित परिसम्पत्तियों की उचित मूल्य	-	-	26.42
ग) तुलन-पत्र में अभिज्ञान हेतु राशि			
(i) अवधि के प्रारंभ में (31.03.2010) में दायित्व/बाध्यता का वर्तमान मूल्य	17.17	3.94	24.42
(ii) अवधि के समाप्ति पर नियोजित परिसम्पत्तियों की उचित मूल्य	-	-	26.42
(iii) तुलन-पत्र में अभिज्ञान किए गए शुद्ध परिसम्पत्तियां/दायित्व	(17.17)	(3.94)	(2.00)
घ) लाभ एवं हानि लेखा विवरण में अभिज्ञात किया गया व्यय			
(i) वर्तमान सेवा लागत	1.35	0.68	1.50
(ii) पूर्व सेवा लागत	-	-	9.01
(iii) ब्याज लागत	1.16	0.26	1.68
(iv) नियोजित परिसम्पत्तियों पर संभावित प्रतिलाभ	-	-	(1.93)
(v) अपरस/निपटान लागत	-	-	-
(vi) अवधि में अभिज्ञात शुद्ध ऐक्चूरियल अभिलाभ/(हानि)	0.33	0.35	(0.48)
(vii) भुगतान किया गया लाभ सहित लाभ तथा हानि विवरण में अभिज्ञात व्यय	2.84	1.24	0.77

* परिसम्पत्ति मूल्य देयता से अधिक होने के कारण उपेक्षा की गई है।



कर्मचारी लाभों का निर्धारण करने में उपयोग की गई मूल धारणा निम्नवत है :-

विवरण	समस्त कर्मचारियों के लिए अवकाश नकदीकरण (अ.छु. एवं अ.वे.छु) (अनिधिबद्ध)	समस्त कर्मचारियों के लिए बैगेज भत्ता/ छुट्टी/पीआरएमबीएस (अनिधिबद्ध)	उपदान (निधिबद्ध)
छूट दर	7.50 %	7.50 %	वेस्टिंग अवधि 5 वर्ष की सेवा
नियोजित परिसम्पत्तियों पर संभावित दर	0.00 %	0.00 %	लाभ उपदान अत्रिनियम 1972 के भुगतान प्रावधानों के अनुसार तथा“ वि 1 वर्ष 2009-10 के दौरान वर्तमान सीमा ₹3.50 लाख को बढ़ाकर ₹10.00 लाख कर दी गई है।
भविष्य में लागत वृद्धि	-	5.50 %	-
वेतन एस्कैलेशन दर	5.50 %	-	उपदान का आहरण की गई अंतिम परिकलन हेतु मूल वेतन तथा मंहगाई भत्ता
सेवानिवृत्ति आयु एट्रिशन दर आयु (वर्ष)	-	60 वर्ष	60 वर्ष
30 वर्ष तक	3.00 %	3.00 %	3.00 %
44 वर्ष तक	2.00 %	2.00 %	3.00 %
44 वर्ष से अधिक	1.00 %	1.00 %	1.00 %

उपर्युक्त सूचनाएं ऐक्च्यूएरी द्वारा प्रमाणित हैं।

15 बीमा दावे

15.1 डॉफिन एन हेलीकॉप्टर वीटी- ई एल बी, जो दिनांक 12.09.2006 को पंजाब में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था उसे वर्ष के दौरान न्यू इंडिया एशियोरेंस कंपनी द्वारा कॉन्स्ट्रक्टिव टोटल लॉस (सी टी एल) के अंतर्गत निपटान के आधार पर कर दिया गया है। पोट बीमा नीति के निबंधनों एवं शर्तों के अनुसार रोटर इन मोशन के अंतर्गत कुल भुगतान योग्य राशि से ₹ 0.40 करोड़ की कटौती के पश्चात बीमा कंपनी से शुद्ध ₹ 5.95 करोड़ का भुगतान प्राप्त हुआ है।

हेलीकॉप्टर का मेजर मरम्मत तथा अनुरक्षण कार्य किया जा रहा है तथा हेलीकॉप्टर का मरम्मत कार्य अगले वि 1 वर्ष में पूरी होने की सम्भावना है। वर्ष के दौरान कंपनी ने हेलीकॉप्टर के मरम्मत के लिए ₹ 5 करोड़ का कुल राशि व्यय किया है तथा जिसे लाभ एवं हानि लेखा में प्रभावित किया गया है।

15.2 16.12.2010 को चंडीगढ़ एआरपोर्ट में डॉफिन एन 3 हेलीकॉप्टर पंजीकरण संख्या - वीटी एस-ओके (निवल ब्लॉक ₹ 14.92 करोड़, शुद्ध ब्लॉक ₹ 10.65 करोड़) दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें हेलीकॉप्टर को मेजर क्षति हुआ था तथा लम्बे समय तक ग्राउंड रखना पड़ा। कंपनी ने बीमा कंपनी को दावा धस्तुत किया है तथा मरम्मत धक्कलन ₹ 36.69 करोड़ है। तथापि, इस अवस्था में मरम्मत राशि का पूर्ण निर्धारण नहीं किया जा सकता है। तदनुसार, 16.12.2010 तक (दुर्घटना की तिथि) इस दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर हेतु मूल्य इस प्रावधानित किया गया है। तथापि अनुवर्ती अवधि यथा-17.12.2010 से 31.03.2011 तक इस हेलीकॉप्टर हेतु मूल्य इस धक्कलनित नहीं किया गया है, जो ₹ 0.41 करोड़ है। चालू वि 1 वर्ष के दौरान इस हेलीकॉप्टर को “अध्चलन अनुपयोगी परिसम्पत्ति के रूप में दर्शाया गया है”, लेकिन अनुसूची 6 में स्थाई परिसम्पत्ति के रूप में दर्शाया गया है।



15.3 इस हेलीकॉप्टर का बीमा सहमत मूल्य ₹ 17.00 करोड़ है, जिसमें कटौती राशि ₹ 0.70 करोड़ शामिल है। बीमा नीति को शर्तों के अनुसार यदि क्षतिग्रस्त हेलीकॉप्टर का मरम्मत तथा परिवहन 70% धक्कलित किया जाता है या सहमत मूल्य से अत्रिक है, बीमा कंपनी के साथ पारस्परिक सहमति से कंपनी द्वारा ऐसे क्षतिग्रस्त हेलीकॉप्टर को कॉन्स्ट्रक्टिव टोटल लॉस के रूप में घाषित किया जा सकता है। ऐसी परिस्थिति में बीमा कंपनी हेलीकॉप्टर का स्लैवेज मूल्य की कटौती कर सम्मत मूल्य का भुगतान करेगी। बीमा सर्वेक्षक द्वारा हेलीकॉप्टर की क्षति का मूल्यांकन धगति पर है। तदनुसार, चूँकि बीमा कंपनी से क्षतिग्रस्त हेलीकॉप्टर का उगाही मूल्य हेलीकॉप्टर का परिवहन मूल्य से अत्रिक है, लेखांकन मानक-28 की अपेक्षाओं के अनुसार परिसम्पत्ति की हानि हेतु धवन्नान, यदि कोई है, में आवश्यक नहीं समझे गए तथा क्षतिग्रस्त हेलीकॉप्टर को इसकी नेट बुक मूल्य में अग्रेनीत किया गया।

16. आयकर

16.1 आयकर निर्रारण का कार्य इस समय धगति पर है। गत वर्ष की कुछ अपीलानीन आयकर देयता, यदि कोई होगी, ऐसे निर्रारणों के पूरा होने के पश्चात उसका अभिज्ञान किया जाएगा।

16.2 चूँकि अधिनियम के सामान्य प्रावधान के अधीन कर देयताएं शून्य हैं, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 115 जे बी के अन्तर्गत लाभ खाते में वर्तमान एम ए टी (न्यूनतम वैकल्पिक कर) के अनुसार ₹ 10.54 करोड़ (गत वर्ष के आयकर प्रावन्नान ₹ 0.54 करोड़ सहित) (गत वर्ष 9.40 करोड़) का कर प्रावधान बनाया गया है। तथापि, आयकर अधिनियम के अनुसार एम ए टी का लाभ का समायोजन परवर्ती अवधि के लिए सामान्य कर देयता में किया जाएगा।

17. व्यय में निम्नांकित सम्मिलित है :-

	(₹ करोड़ में)	
	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
क) कम्पनी-स्टॉफ क्वार्टर		
i) कर	0.33	0.33
ii) मरम्मत - भवन/अन्य	0.90	0.74
ख) पट्टे पर आवासीय सुविधा		
i) किराया (शुद्ध वसूली)	0.14	0.13
ii) अनुरक्षण धभार	-	0.01

18. ब्याज आय

लेखापरीक्षानीन वि 1 वर्ष में बैंकों में अल्पावन्नि जमा पर ₹ 5.76 करोड़ (गत वर्ष ₹ 10.47 करोड़) की ब्याज आय कमाई गई जो कि परिचालन निन्नि जिसमें भारत सरकार की देयता के निपटान संबंधी निन्नि भी शामिल है, जिसे इस अवस्था में (नोट सं. 3 का संदर्भ ले) अन्तिम रूप नहीं दिया जा सकता है और परिनिश्चित नहीं किया जा सकता है।

19. इक्विटि शेयर में निवेश (गैर-सूचीबद्ध)

कंपनी 2009-10 के दौरान राष्ट्रीय उड़ान धशिक्षण संस्थान, गोंदिया, महाराष्ट्र में इक्विटि अंशदान के लिए ₹ 2, 89, 33, 530 ₹ निवेश किया है (गैर-सूचीबद्ध) तथा वर्ष के दौरान कोई लांभाश धाप्त नहीं हुआ है।

20. हेलीपोर्ट परियोजना

कंपनी को ₹64.00 करोड़ की प्राक्कलित लागत से रोहिणी, नई दिल्ली में हेलीपोर्ट के निर्माण के लिए सरकार ने अनुमोदन दे दिया है, जिसका निधियन निम्न प्रकार से होगा :-

- भूमि लागत हेतु सरकार द्वारा सहायता अनुदान ₹ 19.00 करोड़।
- सरकार द्वारा आधारिक संरचना का विकास हेतु कुल 45.00 करोड़ का 80% यथा ₹ 36.00 करोड़ तथा शेष ₹9.00 करोड़ अर्थात 20% कंपनी के आंतरिक संसाधनों से व्यय किया जाएगा।

तनदुसार कंपनी को हेलीपोर्ट की परियोजना लागत के रूप में सरकार का इक्विटि अंशदान ₹ 36.00 करोड़ मार्च, 2011 तक प्राप्त हुआ है। लंबित आवंटन के कारण इस राशि को इक्विटि को अग्रिम रूप में माना गया है।

गत वर्ष कंपनी ने नागर विमानन मंत्रालय की ओर से रोहिणी, नई दिल्ली की 25 एकड़ भूमि का मूल्य ₹ 19.07 करोड़ डीडिए के पास जमा किया है तथा भूमि का कब्जा ले लिया है। तथापि, भूमि का मालिकाना नागर विमानन मंत्रालय के नाम पर होगा। जमा की गई



- ₹ 19 करोड़ राशि 31.3.2011 के पश्चात नागर विमानन मंत्रालय से वसूल लिया गया है तथा नागर विमानन मंत्रालय के दिनांक-29.03.2011 के अनुदेश के अनुसार पर्यावरण मंत्रालय के परियोजना की अनुमति धप्त होने तक आवधिक जमा के लिए उद्दिष्ट किया है।
- कंपनी ने हेलीपैड, सीमा दीवार, भूमि का विकास आदि जैसे-पूँजीगत कार्य धगति पर हेतु वर्षात तक ₹ 2.30 करोड़ (गत वर्ष ₹ 0.22 करोड़) व्यय किया है।
21. कंपनी ने हडास्पार, पुणे में मौजूद ग्लाडिंग सेंटर में एक हेलीकॉप्टर धशिक्षण अकाडमी सह हेलीपोर्ट का निर्माण हेतु धस्ताव रखा है। नागर विमानन मंत्रालय को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट धस्तुत किया गया है। डीजीसीए ने इस उद्देश्य से अधैल, 2010 में ₹ 10 करोड़ दिया था। कंपनी ने वर्षात तक क्वॉटरों का मरम्मत, साज-सज्जा तथा अनुरक्षण के लिए ₹ 0.05 व्यय किया था ₹ 9.95 को उद्दिष्ट निधि के रूप में आवधिक जमा किया गया है।
22. क) तुलन पत्र तिथि 31.03.2011 के बाद की घटनाएँ :
- अरूणाचल धदेश के तवांग में दिनांक 19.4.2011 को हेलीपैड में लैंडिंग करते समय एम आई 172 हेलीकॉप्टर, पंजीकृत संख्या - वीटी - पीएचएफ का विध्वंसक तैश हो गया था, जिसमें 16 यात्रियों समेत 3 तू सदस्यों की मृत्यु हो गई थी तथा 2 यात्रियों और 2 तू सदस्यों को शारीरिक चोट लगा था। कंपनी ने एचएआर, सीएसएल और पीए एअर तू नीतियों के अन्नीन बीमा कम्पनियों को अपेक्षित दावा धस्तुत किया है। दावा मूल्यांकनान्नीन है।
- ख) अरूणाचल धदेश, लबोथांग के समीप दिनांक 30 अधैल 2011 को इक्वूरील ए एस 350 बी 3 हेलीकॉप्टर, पंजीकृत संख्या - वीटी - पीएचटी घातक तैश हो गया था, जिसमें 3 यात्रियों समेत दो तू सदस्यों की मृत्यु हो गई थी। कंपनी ने एचएआर, सीएसएल और पीए एअर तू नीतियों के अन्नीन बीमा कम्पनियों को अपेक्षित दावा धस्तुत किया है। दावा मूल्यांकनान्नीन है।
23. समीक्षान्नीन वर्ष के दौरान कंपनी ने सी प्लेन धचालन हेतु पर्यटन निदेशालय, अंडमान व नीकोबार धशासन, पोर्टब्लेयर के साथ संयुक्त उद्यम किया था, जो वर्षात के बाद दिनांक 12.05.2011 को समाप्त हो चुका है। इससे 31 मार्च 2011 तक कंपनी को 50% शेयर न्नारक की हैसियत से ₹ 0.55 करोड़ का नुकसान हुआ है।
24. तुलन-पत्र की तिथि तक कम्पनी के ऊपर किसी भी लघु उद्योग का 30 दिन से अन्तिक बकाया नहीं है।
25. कंपनी ने अधैल, 2010 से एक नई लेखांकन पैकेज अपनाया है। नई धणाली के मान्यम से मुम्बई (1786) की विजया बैंक खाता का बैंक मिलान करने के दौरान इसमें ₹ 1.09 करोड़ का शुद्ध अन्तर पाया है, जिसमें बैंक द्वारा किए गए त्रेडिट/डेबिट ₹ 5.84 करोड़ (शुद्ध) तथा ₹ 3.63 करोड़ (शुद्ध) जारीकृत/जमा की गई चैकों की समाशोन्नन का लेखांकन नहीं किया गया है। एक विस्तृत मैनुअल लेखा समान्नन कार्य धगति पर है तथा यथासमय पूरा किया जाएगा। लेखा समान्नन लंबित होने से लेखा बहियों के अनुसार बैंक शेष ₹ 0.83 (त्रेडिट) माना गया है। अपेक्षित परिशोन्नन धविष्टि, यदि कोई है, अनुवर्ती अवन्नि में लेखा समान्नन धत्ति या पूरी होने के पश्चात पास किया जाएगा।
26. समीक्षान्नीन वर्ष के दौरान ₹ 0.40 करोड़ की आरक्षित को अन्य आय के अंतर्गत लाभ और हानि लेखा में बट्टे खाते डाला गया है।
27. *सेगमेंट रिपोर्टिंग*
- कम्पनी हेलीकॉप्टर सेवाएँ उपलब्ध कराने का कारोबार कर रही हैं, जिसे एक कारोबार सेगमेंट के रूप में माना जाता है। अतः सेगमेंट रिपोर्टिंग पर लेखांकन मानक-17 के अनुसार कम्पनी पर सेगमेंट रिपोर्टिंग लागू नहीं है।



28. प्रावधान

(₹ करोड़ में)				
विवरण	01.04.2010 को आदि शेष	वर्ष के दौरान स्थापित	वर्ष के दौरान उपयोग समायोजन/अन्तरण/परावर्तन	31.03.2011 को अंत शेष
इन्वेन्ट्री सहित क्षतिग्रस्त आस्ति	16.01	-	-	16.01
1/1/2007 से वेतन एवं भत्तों के परिशोधन हेतु प्रावधान	19.28	29.70	16.61	32.37
सन्देहास्पद ऋण/अग्रिम	10.17	0.96	0.30	10.83
खपत न होने वाली इन्वेन्ट्री आदि	9.47	5.80	1.89	13.38

29. संबंधित पार्टी प्रकटीकरण

लेखांकन मानक-18 'संबन्धित पार्टी धकटीकरण' (रिलेटेड पार्टी डिस्कलोजर) के अनुसार आई.सी.ए. आई. द्वारा जारी संबन्धित पार्टी धकटीकरण निम्नवत है:

क) धमुख धबन्धन कार्मिक

- श्री आर.के. त्यागी, अध्यक्ष एवं धबन्धन निदेशक, 18 05.2007 से अब तक अध्यक्ष एवं धबन्धन निदेशक हैं।

ख) लेन-देन

- पारिश्रमिक	₹ 23,13,002/-
- दिए गए ऋण	-
(भ.नि.अ. ब्याज सहित)	

ग) ओएनजीसी लि.-

ईक्विटी अंशान्तरण	-49%-₹120.35 करोड़
-------------------	--------------------

लेन-देन

वि I वर्ष 2010-11 के लिए

हेलीकॉप्टरों का चार्टर हायर (शु)	-₹168.84 करोड़
-31.03.2011 के बकाया (नामे)	-₹ 39.21 करोड़
- 31.03.2011 को प्रतिभूत ऋण	-₹ 184.26 करोड़
-चुकाया गया ऋण (मूलनन राशि)	-₹ 9.84 करोड़
-चुकाया गया ऋण (ब्याज)	-₹ 5.52 करोड़
-31.03.2011 को प्रोदभूत ब्याज	-₹ 0.65 करोड़
-31.03.2011 को बकाया ऋण (मूलनन राशि)	-₹ 78.57 करोड़
-31.03.2011 को बकाया ऋण (ब्याज)	-₹ 0.65 करोड़
-वर्ष के दौरान प्रतिभूत ऋण से इक्विटी में परिवर्तित राशि	-₹ 95.85 करोड़



30. धति शेयर आय की निम्नानुसार संगणना की गई है:

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
		(₹ में)
● कर पश्चात शुद्ध लाभ	₹ 18,50,60,378/-	₹ 35,58,86,092/-
● बकाया इक्विटी शेयर की औसत की संख्या	2,45,616	1,13,766
● औसत धति शेयर आय (मूल तथा डाईल्यूटेड) ₹ 10,000/- धति शेयर अंकित मूल्य	₹ 1,421/-	₹ 3,128/-

31. अतिरिक्त सूचनाएं

क) धारम्भिक और अंतिम स्टॉक (वि गीय बट्टे खाते डालने के बाद)

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
		(₹ में)
i) भंडार, पूर्ण तथा उपभोज्य मदें (शुद्ध)	71,72,47,860	67,11,56,634
ii) जेम मॉड्यूल	54,15,882	54,15,882
iii) परीक्षण औजार/ग्राउंड सपोर्ट उपस्कर	68,60,179	47,82,289
iv) मार्गस्थ माल (शुद्ध)	97,47,714	2,15,59,745
v) निरीक्षण के अन्वीन स्टॉक	6,48,90,454	4,83,97,890
योग	80,41,62,089	75,13,12,440

ख) सी.आई.एफ. आन्नार पर परिकलित आयातित सामग्री:

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
		(₹ में)
i) हेलीकॉप्टर एवं उपकरण	2,69,58,59,174	-
ii) भंडार, पूर्ण व उपभोज्य मदें	23,37,28,002	34,27,26,016
iii) एयरम एवं एयरो इंजन उपस्कर रोटेबल्स	16,32,50,779	30,10,63,875
iv) परीक्षण औजार/ग्राउंड सपोर्ट उपस्कर/खुले औजार	1,02,71,861	2,89,27,262
v) मार्गस्थ माल/निरीक्षणाधीन माल	4,19,04,092	4,21,25,282
vi) पूंजी सामान/अन्य मदें	43,54,474	1,11,34,307
vii) रिट्रोफिट कार्यत्त म	-	15,61,378
योग	3,14,93,68,382	72,75,38,120



ग) वि 1 वर्ष के दौरान व्यय की गई विदेशी मुद्रा:

	(₹ में)	
	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
i) हेलीकॉप्टर एवं उपकरण	2,69,51,24,779	-
ii) भंडार, पुर्जे व उपभोग्य मदें	22,83,00,105	33,93,24,980
iii) एयरम एंड एयरो इंजन उपस्कर रोटेबल्स	16,07,06,423	29,86,39,387
iv) परीक्षण औजार/ग्राउंड सपोर्ट उपस्कर/ खुले औजार	1,01,66,612	2,69,02,571
v) विदेश यात्रा/ विदेश धर्शिक्षण	2,94,04,361	2,83,13,663
vi) मार्गस्थ माल/ निरीक्षणाधीन माल	4,16,18,472	4,18,65,662
vii) मरम्मत धभार	61,52,67,103	86,19,40,763
viii) उपस्कर/विशेषज्ञ हायर प्रभार	-	1,93,04,210
ix) पूंजी सामान/अन्य मदें	38,96,898	94,95,929
x) रिट्रोफिट कार्यरत म	-	15,61,378
योग	3,78,44,84,753	1,62,73,48,543

घ) आयातित और स्वदेशी कलपुर्जों व अतिरिक्त पुर्जों (खुले औजारों के बट्टे खाते को मिलाकर और पूंजीगत मदों को छोड़कर) की खपत का मूल्य:

	मूल्य (रुपयों में)		प्रतिशत	
	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
आयातित	35,16,79,075	27,08,05,034	96.7%	97.2%
स्वदेशी	1,21,09,977	79,38,499	3.3%	2.80%
योग	36,37,89,052	27,87,43,533	100.00%	100.00%

ड) वि 11य वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा में आय:

	(₹ में)	
	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
हेलीकॉप्टर सेवाएं	1,23,76,18,937	1,31,67,43,044
	<u>1,23,76,18,937</u>	<u>1,31,67,43,044</u>



च) अन्यक्ष एवं ध्वंश निदेशक सहित निदेशकों को भुगतान किया गया पारिश्रमिक:

i) अन्यक्ष एवं ध्वंश निदेशक को भुगतान किया गया पारिश्रमिक:

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
i) वेतन	14,08,920	15,63,534
ii) भू तथा परिलब्धियां	7,25,322	7,33,512
iii) भविष्य निधि/ग्रेच्युटी	1,78,760	1,63,144
कुल	23,13,002	24,60,190

ज) तुलन पत्र तथा कम्पनी के सामान्य कारोबार का विवरण:

I. पंजीकरण विवरण :

पंजीकरण संख्या : 55/22233 राज्य कोड : 55
तुलन पत्र तिथि : 31.03.2011

II. वर्ष के दौरान की गई पूंजी व्यवस्था (रकम हजार रुपए में)

पब्लिक इश्यू : शून्य राइट इश्यू : शून्य
बोनस इश्यू : शून्य धाईवेट प्लैसमेन्ट : शून्य

III. निधियों की गति एवं नियोजन की स्थिति (रकम हजार रुपए में)

कुल देयताएं : 1,26,43,478 कुल आस्तियां : 1,26,43,478

क) निधियों के स्रोत :

धन पूंजी : 24,56,160 आरक्षित व अधिशेष : 24,03,014
आस्थगित कर देयताएं : 9,76,335
धतिभूत ऋण : 7,92,213 अर्धतृभूत ऋण : शून्य

ख) निधियों का उपयोग :

शुद्ध अचल आस्तियां : 71,63,691 निवेश : 28,934
(कार्यशील पूंजी सहित)
शुद्ध चालू आस्तियां : (5,70,290) विविन्न परिव्यय : 5,387
संचित हानियां : शून्य

IV) कम्पनी का कार्य निष्पादन (रकम हजार रुपए में)

i) ब्याज व अन्य आय
सहित टर्नओवर, असाधारण
तथा अन्य ऋण : 43,25,569
ii) असाधारण और अन्य जमा आवर्त
सहित कुल व्यय : 38,30,924
iii) कर पूर्व लाभ : 4,94,646
iv) कर पश्चात लाभ : 1,85,060
v) धति शेयर आय : ₹ 1,421
vi) प्रस्तावित लाभांश : शून्य



V) कम्पनी का मुख्य उत्पाद/सेवा (आर्थिक रूप से)

मद कोड संख्या (आई.टी.सी.कोड) : लागू नहीं
उत्पाद का विवरण : हेलीकॉप्टर सेवाएं

32. जहां कहीं भी आवश्यकता हुई है गत वर्ष के आंकड़ों को पुनर्वर्गीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

आर. के. त्यागी
अध्यक्ष एवं ध्वज निदेशक

ई. के. भारतभूषण
निदेशक

संजीव बहल
कार्यपालक निदेशक

संजीव अग्रवाल
कम्पनी सचिव एवं उप महाप्रबंधक (विनि)

श्रीरेन्द्र सहाय
उपमहाध्वज (वि. एवं लेखा)

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 1 नवम्बर, 2011



31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष के लिए कैश फ्लो विवरण

	31 मार्च, 2011	31 मार्च, 2010
(लाख ₹ में)		
क. परिचालन गतिविधियों से प्राप्त कैश फ्लो		
कर पूर्व शुद्ध लाभ	4,946.46	5,514.20
मूल्यवृद्धि धन	4,653.06	3,820.61
पूर्वावधि मूल्यवृद्धि समायोजन	114.44	(81.24)
ब्याज आय	(649.01)	(1,205.37)
अचल आस्तियों की बिक्री से लाभ/हानि	5.09	(16.73)
बे खाते डाले गए अचल आस्तियों	492.02	219.21
बीमा दावे	(184.82)	(704.60)
संदेहास्पद नामे/अग्रिमों हेतु प्रावधान	113.17	(109.03)
बीमा खाते डाले गए स्व बीमा	95.44	-
बट्टे खाते डाले गए प्रकीर्ण व्यय	(40.00)	-
	53.87	452.68
कार्यशील पूंजी परिवर्तनों से पूर्व परिचालन लाभ/(हानि)	9,599.72	7,889.73
कार्यशील पूंजी परिवर्तन		
जोड़िए/(घटाइए)		
इन्वेन्ट्री	(913.35)	(1,395.23)
फुटकर देनदार	(7,126.06)	(2,675.12)
ऋण और अग्रिम	3,100.62	(6,623.59)
चालू देयताएं	4,111.01	(708.97)
धनवान	597.33	719.60
बीमा दावा	184.82	704.60
पूर्वावधि समायोजन	(114.44)	81.24
कार्यशील पूंजी में कमी/(वृद्धि)	(160.07)	(9,897.47)
परिचालन गतिविधियों से शुद्ध कैश फ्लो (क)	9,439.65	(2,007.74)
ख. निवेश गतिविधियों से प्राप्त कैश फ्लो		
इक्विटी पूंजी में निवेश	-	(289.34)
अचल आस्तियों की खरीद	(30,682.36)	69.15
अचल आस्तियों की बिक्री	-	0.02
कार्यशील पूंजी	912.49	(432.53)
ब्याज आय	649.01	1,205.37
परिचालन गतिविधियों से शुद्ध कैश फ्लो (ख)	(29,120.86)	552.67
ग. वित्तीय गतिविधियों से शुद्ध कैश फ्लो		
दीर्घावधि उधार (प्रतिभूत ऋण)	8,905.60	-
ऋण के मूलदान राशि का पुनर्भुगतान	(983.47)	-
इक्विटी के लिए अग्रिम, लम्बित आंबटन	(1,500.00)	1,500.00
इक्विटी पूंजी में वृद्धि	13,185.00	-
भुगतान किया गया लाभांश (कारपोरेट कर सहित)	-	(1,331.01)
वित्तीय गतिविधियों से शुद्ध कैश फ्लो (ग)	19,607.13	168.99
घ. कर भुगतान		
आयकर (संपर्क कर सहित) का भुगतान	(1,108.28)	(1,222.14)
कैश तथा तत्समान कैश में शुद्ध वृद्धि/(कमी) (क+ख+ग+घ)	(1,182.36)	(2,508.22)
वर्ष के आरम्भ में कैश तथा तत्समान कैश	12,584.19	15,092.41
वर्ष के अंत में कैश तथा तत्समान कैश	11,401.83	12,584.19

नोट: ब्रैकेट में दिए गए अंक कैश आऊट गो हैं

ते एस. चतुर्वेदी एवं एसोसिएट्स
फर्म पंजीकरण संख्या-004550एन

आर. के. त्यागी
अन्यक्ष एवं ध्वंज निदेशक

ई.के. भारतभूषण
निदेशक

पुनीत सचदेव
पार्टनर
(एम.सं. 097897)

संजीव बहल
कार्यपालक निदेशक

संजीव अग्रवाल
कम्पनी सचिव एवं उप महाध्वंजक (विनि)

श्रीरेन्द्र सहाय
उप महाध्वंजक (वि. एवं लेखा)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 1 नवम्बर, 2011



लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

निदेशकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक 'क'

प्रबंधन के उत्तर

सेवा में

सदस्यगण

पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड

हमने पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड के 31 मार्च, 2011 के संलग्न तुलन-पत्र तथा उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए कम्पनी के लाभ एवं हानि लेखा की लेखा परीक्षा कर ली है, जिसमें शाखा लेखापरीक्षक द्वारा परीक्षित पश्चिम क्षेत्र का लेखा शामिल है। इन वि गीय विवरणों के लिए कम्पनी का ध्वंनतंत्र उ रदायी है। इन विवरणों पर अपनी लेखापरीक्षा के आन्तर पर मत व्यक्त करना हमारा उ रदायित्व है।

हमने भारत में सामान्य रूप से धचलित लेखापरीक्षा के मानकों के अनुसार लेखापरीक्षा की है। इन मानकों की अपेक्षा है कि हम उचित आश्वासन धप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएं और इसे निष्पादित करें कि सभी वस्तुगत मामलों से संबंधित वि गीय विवरण चिन्हित वि गीय धतिवेदन में दिए गए विवरणों में से नमूने के तौर पर राशियों तथा कथनों की साक्ष्य के आन्तर सत्य की परीक्षा की जाए। लेखापरीक्षा में ध्युक्त लेखा सिद्धान्त तथा ध्वंनतंत्र द्वारा किए गए महत्वपूर्ण धक्कलनों का मूल्यांकन करना तथा समस्त वि गीय विवरणों के धस्तुतीकरण का मूल्यांकन करना भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारे मत के लिए उचित आन्तर धदान करती है।

हम रिपोर्ट करते हैं कि:

1. कम्पनी अन्नियम 1956 की न्नारा 227 (4ए) के अनुसार कम्पनी (लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट) द्वारा जारी त आदेश, 2003 द्वारा यथा अपेक्षित हम अनुलग्नक में उक्त आदेश के अनुच्छेद 4 व 5 में विनिर्दिष्ट मामलों पर एक विवरण संलग्न कर रहे हैं।
2. उपर्युक्त अनुच्छेद 1 में उल्लिखित उपबन्ध में अपनी टिप्पणी के आगे हम रिपोर्ट करते हैं:
क) लेखा परीक्षा के उद्देश्यार्थ हमने समस्त आवश्यक सूचना और स्पष्टीकरण अपने संपूर्ण ज्ञान और विश्वास के साथ धप्त कर लिए हैं।



- ख) हमारे मत में विभिन्न द्वारा यथापेक्षित बहियाँ कम्पनी द्वारा रखी गई हैं जैसा कि इन बहियों की परीक्षा से धृति होता है और उस शाखा से भी समुचित विवरण जो हमारी लेखापरीक्षा हेतु अपेक्षित थे, धात हो गए हैं। दिनांक 29.08.2011 द्वारा शाखा लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट हमें भेज दी गई है और जिसका समुचित आकलन किया गया है और निम्नलिखित पर ध्यान आकृष्ट करें:
- i) लेखों पर टिप्पणियों के नोट सं. 25 (अनुसूची एन) विजया बैंक (खाता सं. 1786) विले पार्ले (पूर्व) शाखा, मुम्बई से संबंधित है। हमें उपलब्ध कराई गई बी आर एस के अनुसार इसमें ₹ 1,09,96,45.62 का शुद्ध असमाधानित अन्तर है। इसके अतिरिक्त बी आर एस में बैंक द्वारा क्रेडिट / डेबिट राशि तथा असमाशोधित जारीकृत चैक, असमाधित जमा की गई चैक जैसे विभिन्न असमाशोधित मदें शामिल हैं। सूचना, स्पष्टीकरण तथा अन्य आधारों के कारण हम वर्ष के लाभ, लाभ और हानि लेखा का संचयी शेष, वर्ष का आय और व्यय, वित्तीय विवरण में बताए गए परिसंपत्तियों तथा देयताओं पर बैंक समाधान तथा बैंक समाधान अंतर जैसे मदों का प्रभाव पर टिप्पणी करने में असमर्थ है। इसे लेखों पर टिप्पणियों के नोट सं. 25 में विस्तृत रूप से स्पष्ट किया गया है। मैनुअल समानान प्रगति पर है और जल्द ही पूरा होने की सम्भावना है।
- ii) लेखों पर टिप्पणियों के नोट सं 13 (अनुसूची एन) देनदारों और लेनदारों की बाकी पुष्टिकरण के संबंध में अनुपलब्धता, ली गई और दी गई जमा तथा ली गई ऋण और दी गई अग्रिम तथा ऐसे लेखों की समाधान से संबंधित है। उपर्युक्त के मद्देनजर हम इस संबंध में अपेक्षित समायोजन/प्रावधान, यदि कोई है, और वित्तीय विवरण में बताए गए वर्ष का लाभ, लाभ और हानि लेखा तथा परिसंपत्तियों और देयताओं पर इसका अनुवर्ती प्रभाव के बारे में टिप्पणी करने में असमर्थ है। इसे लेखों पर टिप्पणियों के नोट सं. 13 में स्पष्ट किया गया है।
- ग) इस रिपोर्ट में दिया गया तुलन-पत्र तथा लाभ व हानि लेखा कैश फ्लो बहियों तथा शाखा के लेखापरीक्षित विवरणों के साथ मेल खाता है।
- घ) हमारे मतानुसार, इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन-पत्र, लाभ-हानि खाता तथा कैश फ्लो कम्पनी अत्रिनियम 1956 की नारा 211 की उपनारा (3सी) में विहित लेखा मानकों के अनुसार तैयार किए गए हैं।
- ङ) कम्पनी मामले विभाग द्वारा जारी त परिपत्र 8/2002



दिनांक 22.3.2002 को न्याय में रखते हुए हमें ध्द । सूचना व स्पष्टीकरण के अनुसार सरकारी कंपनियों में कम्पनी अधिनियम 1956 की नारा 274 (1) (जी) के धवन्नान लागू किए जाने की छूट है।

हमारे मत से तथा हमारी पूरी सूचना और हमें ध्द । स्पष्टीकरणों से उक्त लेखे कम्पनी अधिनियम, 1956 में यथापेक्षित सूचना इस तरह देते हैं कि ये भारत में सामान्यतः स्वी त लेखा सिद्धान्तों के अनुसार सत्य एवं स्पष्ट दृश्य धस्तुत करते हैं :

- i) तुलन-पत्र के मामले में 31 मार्च, 2011 की कम्पनी के मामलों की स्थिति।
- ii) लाभ व हानि के मामलों में इस तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ की स्थिति।
- iii) कैश फ्लो के मामले में इस तारीख को समाप्त वर्ष के कैश फ्लो की स्थिति।

ते एस. चतुर्वेदी एवं एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या 004550एन
(पुनीत सचदेव)
पार्टनर
एम.सं.-097897

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक : 01.11.2011



पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड,

नई दिल्ली

(तद्विनांकित लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुच्छेद 1 के संदर्भ में)

I.

- (क) पश्चिम क्षेत्र के मामले को छोड़कर कंपनी ने अचल परिसम्पत्तियों की स्थिति तथा उनके परिमाणात्मक विवरण के समुचित रिकार्ड रखे हैं।
- धृत्येक क्षेत्र में परिसम्पत्तियों की स्थिति/स्थान के बारे में स्थाई परिसम्पत्ति रजिस्टर में रिकार्ड रखा जाता है। ऐसी परिसम्पत्तियों के स्थान-निर्धारण हेतु रोटेबल्स का संचालन रिकार्ड कंपनी के सामग्री/अभियांत्रिकी विभाग द्वारा रखा जा रहा है। पश्चिम क्षेत्र में स्थाई परिसम्पत्तियों के स्थिति/स्थान के बारे में अब रिकार्ड रखा जा रहा है।
- (ख) समुचित अंतरालों पर अचल परिसम्पत्तियों का वास्तविक सत्यापन किया गया है और उनके सत्यापन के दौरान कोई भी महत्वपूर्ण विसंगति नहीं पाई गई। अचल परिसम्पत्तियों के अभिज्ञान का कार्य धृति पर है और इसे पूरा किया जाना है। तदनुसार, कंपनी के अभिलेखों के भौतिक सत्यापन के आधार पर विसंगतियों के विवरण यदि कोई हों, उपलब्ध नहीं है।
- पश्चिम क्षेत्र में परिसम्पत्तियों के वास्तविक सत्यापन की पुनर्मेल प्रति या प्रगति पर है।
- (ग) इस वर्ष परिसम्पत्तियों का कोई महत्वपूर्ण निवर्तन नहीं किया गया है जिसके कारण कोई विशेष धभाव पड़े।
- कोई टिप्पणी नहीं।

II.

- (क) मरम्मत/अनुरक्षण हेतु मरम्मत एजेंसी को देश के बाहर भेजी गई इन्वेन्ट्री तथा उड़ी क्षेत्र में वेस्टलैंड हेलीकॉप्टरों की अनिवर्तित मालसूची के अतिरिक्त ध्वंशतन्त्र द्वारा इस वर्ष की मालसूची का समुचित अन्तरालों में वास्तविक सत्यापन किया गया है।
- स्टैप मदों के लिए आवश्यक कार्रवाई धृति पर हैं लेकिन निपटान उड़ी क्षेत्र में लम्बित है।
- (ख) सत्यापित की गई मालसूची के संबंध में कंपनी के आकार और इसके कारोबार की धृति के अनुरूप ध्वंशतन्त्र द्वारा अपनाई जा रही मालसूची के वास्तविक सत्यापन की धृति याएं तर्क संगत और उचित है।
- कोई टिप्पणी नहीं।



- (ग) कम्पनी मालसूची के समुचित अभिलेख रख रही है और वास्तविक सत्यापन के दौरान पाई गई विसंगतियाँ, जो महत्वपूर्ण नहीं थी, और इनको लेखाबहियों में समुचित रूप में लेखांकित किया गया है। कोई टिप्पणी नहीं।
- III. ध्वंशन द्वारा हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण तथा उपलब्ध कराए गए अभिलेखों के अनुसार कोई ऐसी पार्टी नहीं, जो कम्पनी अन्निनियम 1956 की नारा 301 के अन्निन बनाई गई पंजिका के अंतर्गत आती है। तदनुसार आदेश के अनुच्छेद 4 के खण्ड III (ख), से III (छ) लागू नहीं होते हैं। कोई टिप्पणी नहीं।
- IV. हमारे मत से और हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार कम्पनी के आकार और इसकी धृति के अनुरूप इन्वेन्ट्री और अचल परिसम्पत्तियों के लिए तथा हेलीकॉप्टरों के किराए धंधारों के लिए कम्पनी में आंतरिक नियंत्रण धृति याएं उचित रूप से बनाई गई हैं। हमारी लेखापरीक्षा के दौरान आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण खामियों को दूर करने में हमारे द्वारा कोई महत्वपूर्ण त्रुटि असफलता नहीं पाई गई है। कोई टिप्पणी नहीं।
- V.(क) ध्वंशन द्वारा हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरणों और उपलब्ध कराए गए अभिलेखों के अनुसार कम्पनी में ऐसा कोई लेन-देन नहीं किया गया है जिसकी धृति कम्पनी अन्निनियम 1956 की नारा 301 के अनुसार रजिस्टर की जाती है। कोई टिप्पणी नहीं।
- (ख) हमें दी गई सूचना और विवरण के अनुसार इस अनुबन्ध या व्यवस्था के अनुसरण में किए गए लेन-देन को प्रासंगिक समय पर प्रचलित बाजार मूल्य के संदर्भ में सुसंगत मूल्य पर किया गया है। कोई टिप्पणी नहीं।
- VI. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा हमारे द्वारा अभिलेखों की कुल परीक्षा के अनुसार कम्पनी ने पब्लिक से कोई भी जमा राशि नहीं ली और इसलिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए निर्देश तथा कम्पनी अन्निनियम 1956 की नारा 58 ए तथा 58 ए ए में दिए गए ध्वंशन तथा इसके अंतर्गत बनाए गए नियम इस पर लागू नहीं होते हैं। कोई टिप्पणी नहीं।



VII. हमारे मत में कंपनी की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है ताकि कंपनी के आकार और इसके कारोबार की प्रवृत्ति के अनुरूप आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट ससमय प्रस्तुत हो। अनुपालनार्थ नोट किया गया।

VIII. कम्पनी अधिनियम 1956 की नारा 209 (I) (घ) के अनुसार कम्पनी द्वारा अनुरक्षण लागत अभिलेख बनाए जाने की व्यवस्था केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित नहीं किया गया है। कोई टिप्पणी नहीं।

IX. (क) कम्पनी भविष्य निधि, आयकर, सम्पत्ति कर, बिजली कर, उत्पाद शुल्क, चुंगी (सेस) सेवा कर तथा अन्य महत्वपूर्ण निर्विवादित संवैधानिक देयों का भुगतान संबंधित धनिकरणों में नियमित रूप से जमा करती रही है। हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार 31 मार्च, 2011 तक ऐसे किसी भी निर्विवादित संवैधानिक बकाया राशि का उसकी देय तिथि से छः माह से अधिक अवधि तक के लिए भुगतान किया जाना शेष नहीं था। कोई टिप्पणी नहीं।

(ख) नहीं जमा की गई विवादित संवैधानिक देयताएँ इसकी व्याख्या खाते पर नोट के नोट सं. 2(ii) के अंतर्गत आकस्मिक देयता शीर्षक में दी गई है।

मांग का प्रकार	वित्तीय वर्ष	राशि (करोड़ ₹ में)	फोरम जिसमें विवाद लंबित हैं
सी एस टी, ब्याज एवं दंड	2006-07	81.89	व्यापार एवं कर आयुक्त, दिल्ली
सी एस टी, ब्याज एवं दंड	2007-08	78.48	व्यापार एवं कर आयुक्त, दिल्ली
सी एस टी, ब्याज एवं दंड	2008-09	85.36	व्यापार एवं कर आयुक्त, दिल्ली
सी एस टी, ब्याज एवं दंड	2009-10	73.54	व्यापार एवं कर आयुक्त, दिल्ली
गैर-पंजीकरण हेतु दंड	-	0.01	व्यापार एवं कर आयुक्त, दिल्ली
	कुल	319.28	

X. 31 मार्च 2011 तक कंपनी का कोई संचयी हानि नहीं है। कंपनी को इस तिथि को समाप्त वित्तीय वर्ष में तथा इसके पहले वर्ष में नकदी का नुकसान नहीं हुआ है। लेखा परीक्षा रिपोर्ट के पैरा 2(ख) के खंड में i एवं ii में बताए गये परिगुण अनुमान्य नहीं है। तदनुसार, ऐसे परिगुणों की गैर-अनुमान्यता के प्रभाव को इस खंड के इसकी व्याख्या उपरोक्त 2.6(i) व (ii) में की गई है।



संबंध में टिप्पणी करने को उद्देश्य से नहीं विचार किया गया है।

- XI.** कम्पनी ने किसी वि गीय संस्था अथवा बैंक अथवा डिबेंचर न्नारक के देयों की अदायगी में चूक नहीं की है। कोई टिप्पणी नहीं।
- XII.** हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों तथा अभिलेखों की परीक्षा के अनुसार कम्पनी ने शेयरों, डिबेंचरों तथा अन्य धतिभूतियों को गिरवी रखकर कोई ऋण स्वी त नहीं किए है। कोई टिप्पणी नहीं।
- XIII.** हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों तथा अभिलेखों की परीक्षा के अनुसार चिट फंड अथवा निन्नि/ म्युचुअल बेनिफिट फंड/सोसायटी से संबंधित खण्ड के धवन्नान कम्पनी पर लागू नहीं है। कोई टिप्पणी नहीं।
- XIV.** हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा अभिलेखों की परीक्षा के अनुसार कम्पनी ने इस वर्ष के दौरान शेयरों, सेक्युरिटी, डिबेंचरों का सौदा या ट्रेडिंग नहीं की है, बैंको में आवन्निक जमा और राष्ट्रीय उड़ान प्रशिक्षण संस्थान, गोन्दिया, महाराष्ट्र में इक्विटी शेयर (गैर-सूचीब) में निवेश के संबन्न में कंपनी ने लेन-देन का समुचित रिकार्ड रखा है और इस संबन्न में यथासमय प्रविष्टियाँ की है। ये सभी निवेश कंपनी के नाम में हैं। कोई टिप्पणी नहीं।
- XV.** हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा अभिलेखों की परीक्षा के अनुसार कम्पनी ने अन्य व्यक्तियों द्वारा बैंकों अथवा वि गीय संस्थानों से लिए गए ऋणों के लिए धत्याभूति (गारंटी) नहीं दी है। कोई टिप्पणी नहीं।
- XVI.** हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा अभिलेखों की परीक्षा के अनुसार, कंपनी ने मेसर्स ओएनजीसी लि. से जिस उद्देश्य के लिए टर्म ऋण लिया था, उसी के लिए उपयोग किया है। कोई टिप्पणी नहीं।
- XVII.** हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा अभिलेखों की परीक्षा के अनुसार कम्पनी ने अल्पावन्न आन्नार पर ली गई निन्नी को दीर्घावन्न निवेश पर नहीं लगाया है। कोई टिप्पणी नहीं।



XVIII. अनुसूची-17 के टिप्पणी सं. 11 में दिए गए अनुसार कोई टिप्पणी नहीं।

भारत सरकार और ओएनजीसी लि. से प्राप्त अतिरिक्त इक्विटी अंशदान के माध्यम से वर्ष के दौरान कंपनी ने अपनी प्राधिकृत इक्विटी शेयर पूँजी को ₹ 120 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 250 करोड़ और प्रद. पूँजी ₹ 113.766 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 245.616 करोड़ किया है। शेयरों को समतुल्य जारी किया गया है तथा हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार शेयरों को जिस दाम पर जारी किया गया है, वे कंपनी की हित के प्रतिकूल नहीं हैं।

XIX. डिबेंचरों के निर्गम से संबंधित खंड लागू नहीं है। कोई टिप्पणी नहीं।

XX. पब्लिक इश्यू द्वारा नग्न एकत्र करने से संबंधित खंड के धावनाम लागू नहीं है। कोई टिप्पणी नहीं।

XXI. हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा अभिलेखों की परीक्षा के अनुसार इस वर्ष के दौरान कंपनी पर या इसके द्वारा कोई चोखा नहीं देखा गया है अथवा रिपोर्ट किया गया है। कोई टिप्पणी नहीं।

ते एस चतुर्वेदी एवं एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या आरएन सं. 004550एन

(पुनीत सचदेव)
पार्टनर
एम.सं. 097897

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक : 01.11.2011



निदेशकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक 'ख'

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 619 (4) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा 31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष के लिए पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड के खातों की समीक्षा।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत निर्धारित वि वीय रिपोर्टिंग "म वरक के अनुसार वर्षान्त 31 मार्च, 2011 हेतु पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड के वि वीय ब्यौरों को तैयार करना कम्पनी के प्रबंधतंत्र का उत्तरदायित्व है। कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (2) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक उनके व्यावसायिक निकाय इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित एश्यूरेन्स मानकों तथा कम्पनी अधिनियम 1956, धारा 227 के अन्वीन इन विल्लीय ब्यौरों पर राय देने के लिए उत्तरदायी है। उनकी लेखापरीक्षा रिपोर्ट दिनांक 01 नवम्बर, 2011 द्वारा उन्होंने इसे किया है, बताया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 619 (3) (ख) के अधीन 31 मार्च, 2011 को समाप्त वर्ष हेतु पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड के वि वीय ब्यौरों की अनुपूरक लेखापरीक्षा की है। इस अनुपूरक लेखापरीक्षा को सांविधिक लेखापरीक्षकों के वर्किंग पेपर्स को देखे बिना तथा सांविधिक लेखापरीक्षकों और कम्पनी के कार्मिकों की सीमित प्रारंभिक जांच-पड़ताल तथा कुछ लेखांकित रिकार्डों की चयनित जांच पर स्वतन्त्र रूप से कार्यवाई की गई है। मेरे द्वारा की गई लेखापरीक्षा के आधार पर कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 619(4) के अन्वीन निम्नांकित महत्वपूर्ण मामलों की ओर मेरा ध्यान आकर्षित हुआ है तथा जो मेरे विचार में वि वीय विवरण तथा संबंधित लेखापरीक्षा रिपोर्ट को समझने के लिए आवश्यक है।

लाभ पर टिप्पणियाँ

प्रबंधतंत्र के उत्तर

लाभ एवं हानि लेखा

असाधारण/पूर्वावधि मदों से पहले वर्ष के लिए लाभ

पूर्वावधि समायोजन (अनुसूची-16)-(₹1.19) करोड़

निम्नांकित के कारण उपर्युक्त ₹ 2.19 करोड़ कम दर्शाया गया है:

- वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा ₹ 1.64 करोड़ की अनापेक्षित अचल इन्वेन्ट्री को बट्टे खाते में डाला गया है। तथापि इसे बजाय चालू वर्ष की आय के पूर्वावधि आय में चेंडिट किया गया है।
- श्री माता वैष्णव देवी श्राइन बोर्ड के टिकेटिंग क्षेत्र का पुनर्माण, लाऊज आदि जो 24.02.2011 को किया गया है, उसके लिए ₹ 0.12 करोड़ का विभेदक किराए का भुगतान किया गया है तथा अनुवर्ती आदेश 07 मार्च 2011 को जारी किया गया है, राशि को बजाय पूर्वावधि आय के चालू वर्ष में प्रभारित किया गया है।

असाधारण के कारण ₹ 1.64 करोड़ की अनापेक्षित अचल इन्वेन्ट्री प्रावधान को बजाय चालू वर्ष के "अन्य आय" में पूर्वावधि आय में चेंडिट किया गया है। तथापि, इस त्रुटि के कारण चालू वर्ष के कर पश्चात् लाभ में कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

श्री माता वैष्णव देवी श्राइन बोर्ड का कुल दावा ₹ 17.86 लाख में पूर्वावधि अर्थात् 1.04.2008 से 31.03.2010 का ₹ 11.91 लाख शामिल है। तदनुसार, ₹ 11.91 लाख को पूर्वावधि व्यय में लेखांकित किया गया है।



iii) चालू वर्ष में पहंहेलि को भुगतान की गई राशि में से मेसर्स एचएएल ने वर्ष 2009-10 के प्रशिक्षण व्यय ₹ 0.67 करोड़ की कटौती किया गया है। इन व्ययों को बजाय पूर्वावन्ति व्यय के चालू वर्ष में डेबिट किया है।

इसे पूर्वावन्ति मदों में दिखाए जाने के फलस्वरूप वर्ष के लाभ में ₹ 2.19 करोड़ कम प्रदर्शित हुआ है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
के लिए और उनकी ओर से

(ईला सिंह)

प्रन्धान निदेशक, वाणिज्यिक लेखा व पदेन सदस्य लेखापरीक्षा,
बोर्ड-I, नई दिल्ली

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक : 28 दिसंबर, 2011

असावन्तानी के कारण राशि को पूर्वावन्ति व्यय में डेबिट करने के बजाय चालू वर्ष के प्रशिक्षण व्यय में किया गया है।



निदेशक मण्डल की रिपोर्ट का अनुलग्नक 'ग'

कम्पनी अधिनियम 1956 के धारा 217 (2ए) के अंतर्गत कम्पनी (कर्मचारियों का विवरण) नियम 1975 के साथ पठित तथा 31 मार्च, 2011 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए निदेशकों की रिपोर्ट के एक भाग के रूप में कर्मचारियों का विवरण।

क्र. स	नाम	आयु (वर्ष)	योग्यता	पदनाम	नियुक्ति की तारीख	अनुभव (वर्ष)	प्राप्त पारिश्रमिक (रुपयों में)	पूर्व नियोजन
1	2	3	4	5	6	7	8	9
समीक्षाधीन पूर्ण वर्ष में कार्यरत और कुल ₹ 24,00,000 तक वार्षिक पारिश्रमिक पाने वाले								
1	श्री सी.पी. सिंह**	57	एम.एस.सी. फिजिक्स (इलेक्ट्रॉनिक्स), एम.बी.ए.	महाप्रबन्धक (आई.एस.)	2/10/2008	3	29,78,036	ओ.एन.जी.सी
2.	कर्नल आर.पी.एस. महल	60	इन्टरमीडेट	उ.म.प्र. (परि.) उ.क्षे.	19/02/1997	38	29,03,687	भारतीय सेना
3.	कर्नल सद्दुल सिंह	60	बी.एस.सी. डिप्लोमा इन डिफेन्स	कैप्टन	10/01/2007	37	33,36,654	भारतीय सेना
4.	कैप्टन जे.बी. सिंह	59	एम.ए.	व.प्र. (परि.)	01/04/2008	35	26,49,572	भारतीय सेना
5.	कैप्टन जे.जे. सिंह	53	बी.ए.	व.प्र. (परि.)	01/10/2007	29	29,51,371	भारतीय सेना
6.	कैप्टन बी.बी. बटूनी	51	एम.एस.सी.	प्रबन्धक (प्रशिक्षण)	10/01/2007	29	31,34,458	भारतीय वायु सेना
7.	कैप्टन वी.वी.एस. सुब्बाराव	53	बी.ए.	कैप्टन	15/10/2008	28	24,37,204	भारतीय वायु सेना
8.	कैप्टन एच.पी.एस. नाट	58	मास्टर इन मैनेजमेंट	कैप्टन	15/10/2008	35	24,69,576	भारतीय वायु सेना
9.	कर्नल जेराज एडवार्ड	55	पीजी डिप्लोमा इन एच.आर.एम	कैप्टन	24/09/2007	31	24,99,337	भारतीय सेना
10.	कर्नल ए.एस. परमार	52	बीए, एम.बी.ए.	कैप्टन	22/05/2007	26	35,25,721	भारतीय सेना
11.	कर्नल दिवा कान्त	52	बी.ए.	प्रतिनियुक्त पायलट	11/03/2008	22	29,19,446	भारतीय सेना
12.	ब्रिगे. अनिल नन्दा	56	एम.एस.सी. (डिफेन्स स्टडीज)	कैप्टन	25/06/2007	35	27,09,714	भारतीय सेना
13.	कैप्टन टी.एस.रणनावा	54	एल.एल.बी, एम.बी.ए, पी.जी.डी.सी.ए	कैप्टन	24/09/2007	31	25,02,834	भारतीय सेना
14.	लेफ्ट. कर्नल जे.एस. बब्बर	44	बी.ए., सी.एच.पी.एल	कैप्टन	24/09/2007	25	25,96,025	भारतीय सेना
15.	कैप्टन समीर सिंह	45	बी.ए.	कैप्टन	24/09/2007	26	25,03,648	भारतीय सेना
16.	कर्नल जी.एम. सोलंकी	55	एम.ए.	प्रतिनियुक्त पायलट	24/09/2007	33	27,26,064	भारतीय सेना
17.	लेफ्ट कर्नल नरिन्दर शर्मा	50	एम.ए. (इतिहास)	कैप्टन	24/09/2007	26	27,99,766	भारतीय सेना
18.	कैप्टन पी.के. जुनेजा	54	बी.एस.सी.ए एन.डी.ए	कैप्टन	24/09/2010	36	31,52,231	भारतीय सेना
19.	कर्नल सुदीप भट्टाचार्य	45	एम.एस.सी.	कैप्टन	24/09/2007	27	26,78,927	भारतीय सेना
20.	कैप्टन मुकेश मल्होत्रा	55	बी.एस.सी., एन.डी.ए.	कैप्टन	31/12/2007	36	26,66,764	भारतीय सेना
21.	विंग कमांडर टी.एस.मामिक	52	एन.डी.ए.	कैप्टन	17/01/2005	33	27,04,845	भारतीय वायु सेना
22.	कैप्टन वरुण गुप्ता	61	एन.डी.ए.	अनुबन्धित पायलट	18/06/2007	39	24,12,628	भारतीय वायु सेना
23.	कर्नल जे.एस.जोषा	61	डिप्लोमा इन सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग	अनुबन्धित पायलट	18/06/2007	40	24,08,993	भारतीय वायु सेना
24.	ब्रिगे. परमजीत सिंह साही	61	हायर सैकेन्ड्री, प्री मेडिकल	अनुबन्धित पायलट	18/06/2007	39	24,75,316	भारतीय सेना
25.	कर्नल के.पी.ए. हंसपाल	56	आई.एस.सी., बी.ए	अनुबन्धित पायलट	11/01/2007	34	24,32,769	भारतीय सेना
26.	कैप्टन एस.पी.एस. बरार	48	बी.एस.सी., एम.बी.ए.	अनुबन्धित पायलट	18/06/2007	26	24,17,403	भारतीय सेना
27.	कैप्टन एच.एम.सिंह उप्पल	60	एम.बी.ए., मास्टर डिप्लोमा इन कम्प्यूटर साइंस	अनुबन्धित पायलट	09/12/2007	37	32,57,331	भारतीय सेना
28.	कैप्टन अरूण ओपल	60	इन्टरमिडिएट	अनुबन्धित पायलट	21/06/2007	38	28,77,574	भारतीय सेना
29.	श्री के.एस. मनीलाल	50	एस.एस.एल.सी. प्री. डिग्री कोर्स एवं डिप्लोमा इन ए.एम.ई.	उ.म.प्र.	07/05/1988	23	24,09,655	प.हं.ह.ति.
30.	श्री पी.एस.दास	50	ए.एम.ई. 'ए एवं सी.', बी.ए. (आनर्स)	उ.म.प्र. (अभि.) उ.क्षे.	30/09/1989	32	25,67,616	भारतीय वायु सेना
31.	लेफ्ट. कर्नल करमिन्दर सिंह घूमन	42	बी.ए., एनडीए	प्रतिनियुक्त पायलट	30/03/2009	19	25,47,236	भारतीय सेना
32.	लेफ्ट. कर्नल गुरुकृपाल सिंह	41	बी.एस.सी.	प्रतिनियुक्त पायलट	30/03/2009	21	25,81,744	भारतीय सेना
33.	लेफ्ट. कर्नल पंकज शर्मा	42	बी.ए., एन.डी.ए.	प्रतिनियुक्त पायलट	30/03/2009	18	25,03,384	भारतीय सेना
34.	कैप्टन आर.के.सरीन	55	बी.एस.सी., पी.जी.डी.एस.टी., कोर्स इन मिडिया कॉम	प्रतिनियुक्त पायलट	30/03/2009	30	27,98,737	भारतीय सेना
35.	कैप्टन जुगल किशोर शुक्ला	48	बी.ए.	प्रतिनियुक्त पायलट	30/03/2009	25	26,52,199	भारतीय सेना
36.	कैप्टन एम.एस.बरार	47	बी.ए.	कैप्टन	15/10/2008	23	24,57,141	भारतीय सेना
37.	कैप्टन प्रकाश नावले	58	एन.डी.ए.	अनुबन्धित पायलट	18/06/2007	39	28,97,124	भारतीय वायु सेना
38.	लेफ्ट. कर्नल अश्विनी कुमार	47	बी.ए.	कैप्टन	31/12/2007	22	25,54,989	भारतीय सेना
39.	पी.पी. सिंह	63	ए.एन.ए.ई.एस.आई	अनुबन्धित पायलट	08/04/2008	45	28,92,450	भारतीय वायु सेना
40.	विंग कमांड अनिल किशोर	63	एन.डी.ए.	अनुबन्धित पायलट	21/8/1996	29	26,15,822	भारतीय वायु सेना
41.	विंग कमांडर बी.डी.सिंह	58	एम.एस.सी.	अनुबन्धित पायलट	8/12/2004	31	25,47,651	भारतीय वायु सेना
42.	कर्नल पी.एस.मारवाह	57	बी.ए., एमबीए	अनुबन्धित पायलट	02/03/2009	34	24,73,906	सौर्या एंविर्णेशन, नई दिल्ली
43.	श्री विजय पथियान	48	ए.एम.ई	उ.म.प्र	3/04/1987	23	25,52,357	पटियाला एंविर्णेशन कलब
44.	व.कमांडर अमरिन्दर पाल सिंह	48	प्री.युनिवर्सिटी	उ.म.प्र	20/03/1989	22	49,30,497	पटियाला एंविर्णेशन कलब



45.	श्री एम. के. भारद्वाज	45	ए.एम.ई	उ.म.प्र	6/06/1989	21	25,14,877	पटियाला एक्विप्मेंट क्लब
46.	श्री चेतन बहल	45	ए.एम.ई	उ.म.प्र	6/07/1989	21	24,36,270	पटियाला एक्विप्मेंट क्लब
47.	श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह	46	बी.एस.सी., ए एम ई	उ.म.प्र	6/06/1989	21	27,33,595	एक्विप्टर को.ऑप. सोसाइटी, पटना
48.	व. कमांडर ए. जे मनचन्दा	45	एच एस सी	व. कमांडर	23/04/1990	10	36,61,408	प्रथम नियुक्ति
49.	व. कमांडर पी. राठोर	56	एन डी ए	व. कमांडर	24/09/1990	10	39,95,555	भारतीय नौ सेना
50.	व. कमांडर वाई. एस. दास	58	बी.ए	उ.म.प्र	17/2/1997	14	43,53,334	भारतीय वायु सेना
51.	कैप्टन पी.के.रूखिआर	46	बी.ए	कैप्टन	24/9/2007	3	15,07,802	भारतीय सेना
52.	कैप्टन तेजपाल सिंह गुलिया	44	एम.ए	कैप्टन	24/9/2007	3	23,86,072	भारतीय सेना
53.	कैप्टन जितेन्द्र कुमार मिश्र	43	बी.ए	कैप्टन	24/9/2007	3	30,92,992	भारतीय सेना
54.	कैप्टन अमिताभ नन्दी	46	एम.एस.सी	कैप्टन	24/9/2007	3	27,18,334	भारतीय सेना
55.	कैप्टन एस.एस.यादव	54	बी.ए., एम. पी. एम.	कैप्टन	1/6/2010	शून्य	33,74,686	भारतीय सेना
56.	कैप्टन सी.एस. मन्डेर	45	बी. कॉम	कैप्टन	1/4/2009	2	30,15,222	भारतीय सेना
57.	कैप्टन आर.एस. नन्दल	41	एम.ए.	कैप्टन	1/4/2009	2	34,67,547	भारतीय सेना
58.	कैप्टन एम.के.गोगई	54	बी.एस.सी	कैप्टन	1/4/2009	2	27,73,932	भारतीय सेना
59.	कैप्टन एम.एम. श्रीवास्तव	51	बी.ए	कैप्टन	1/4/2009	2	28,97,673	भारतीय सेना
60.	कैप्टन एन.के. दहिया	46	एच.एस.सी, ए आर एस डी	कैप्टन	30/3/2009	2	34,27,188	भारतीय सेना
61.	कैप्टन मुहम्मद एम. नसीर	50	बी.एस.सी	कैप्टन	30/3/2009	2	25,39,551	भारतीय वायु सेना
62.	कैप्टन आर.के.महाजन	46	बी.एस.सी	कैप्टन	6/1/2009	1	33,74,840	भारतीय नौ सेना
63.	कैप्टन संदीप कुमार	46	बीई, एम.एस	उ.म.प्र	13/4/1992	18	26,65,828	एच.ए.एल.
64.	श्री सी.हरिकुमार	52	बी.ए	उ.म.प्र	14/11/1986	24	24,06,445	भारतीय नौ सेना
65.	श्री पी.एम. गुप्ते	53	एच.एम.सी	उ.म.प्र	19/12/1986	24	26,84,539	एअर वर्क्स इंडिया प्रा.लि.
66.	श्री पी. एम.मोहन कुमार	57	बी.ए.	उ.म.प्र	1/1/1987	24	24,62,278	भारतीय वायु सेना
67.	व. कमांडर ए.के. गोविल	59	बी.एस.सी.	उ.म.प्र	20/1/1990	21	45,53,885	भारतीय नौ सेना
68.	श्री टी.डी. थेंमास	51	प्रो. युनिवर्सिटी	उ.म.प्र	19/4/1988	22	25,21,445	एअर वर्क्स इंडिया प्रा.लि.
69.	व.कमांडर ई. सेमुअल	55	एच.एस.सी	उ.म.प्र	20/5/1988	22	48,22,741	एच आई ई टी
70.	व.कमांडर एम.वी. अले. क्जेंडर	51	बी.एस.सी	उ.म.प्र	14/6/1988	22	43,74,344	प्रथम नियुक्ति
71.	श्री सुबीर दास	53	बी.काम., सी.ए	महाप्रबन्धक	5/9/1988	22	25,44,343	ब्लो प्लाट इंडिया लि.
72.	कमांडर सुभाष चन्दर	59	एच.एस.सी	उ.म.प्र	12/12/1996	14	47,77,907	भारतीय वायु सेवा
73.	कमांडर रोहित राय	59	एम.एस.सी	उ.म.प्र	20/2/1997	14	40,31,321	भारतीय वायु सेवा
74.	कमांडर रणवीर सिंह ढांडा	59	एम.एम.सी	उ.म.प्र	7/4/1997	13	43,57,924	भारतीय सेना
75.	कैप्टन आनन्द मोहन	48	बी.ए.	कैप्टन	1/6/2009	1	37,12,352	भारतीय नौ सेना
76.	कैप्टन एम.एस.बैन्स	55	एच.एस.सी	कैप्टन	10/1/2007	3	31,01,235	भारतीय वायु सेना
77.	कैप्टन अमरजीत सिंह	54	एम.एस.सी.	कैप्टन	10/11/2007	3	25,98,574	भारतीय वायु सेना
78.	कैप्टन ए.ई.एन.राव	51	बी.एस.सी.	कैप्टन	1/1/2010	1	33,65,469	एक्स. डिफेंस
79.	कैप्टन पीटर सेमुअल	30	बी एस सी	कैप्टन	1/1/2010	1	32,26,734	प्रथम नियुक्ति
80.	कैप्टन राकेश गेईन्ड	41	बी ए	कैप्टन	1/1/2010	1	35,31,347	भारतीय नौ सेना
81.	कैप्टन जे.ए. रोयाप्यन	57	बी.एस.सी	कैप्टन	1/1/2010	1	34,11,048	भारतीय नौ सेना
82.	कैप्टन डी.एस.मोखा	65	बी.एस.सी	कैप्टन	26/11/2007	3	2,21,441	भारतीय नौ सेना
83.	ग्रुप कैप्टन राजेश खन्ना	56	बी.ए	कैप्टन	1/12/2007	3	25,49,284	भारतीय वायु सेना
84.	कैप्टन के.के. मनकोटिया	50	एच.एस.सी	कैप्टन	5/1/2008	2	28,47,795	भारतीय वायु सेना
85.	कैप्टन एस.वी.रमानी	52	बी एस सी	कैप्टन	11/4/2004	6	21,01,687	एक्स डिफेंस
86.	कैप्टन डी.एस. ब्रनोया	64	बी.ए	व. कमांडर	4/4/2006	4	31,04,096	भारतीय सेना
87.	कैप्टन आई.एम. सिमोस	64	एस.एस.सी	व. कमांडर	10/1/2006	4	34,72,573	भारतीय वायु सेना
88.	कैप्टन एस. के. वर्मा	64	इन्टर	कैप्टन	1/12/2007	4	32,32,469	भारतीय वायु सेना
89.	कैप्टन अशोक खोसला	63	एन.डी.ए	व. कमांडर	10/3/2007	3	30,51,617	भारतीय सेना
90.	कैप्टन वाई.पी.सिंह	62	आई.एससी,एन.डी ए	व. कमांडर	8/9/2008	2	34,25,379	भारतीय सेना
91.	कैप्टन शिव कृष्णा	62	एस.एस.सी.	व. कमांडर	22/9/2008	2	21,14,197	भारतीय वायु सेना
92.	कैप्टन पी.डी. शिरनामे	61	इन्टर(एआरटी)	व. कमांडर	31/7/2009	1	34,00,072	भारतीय सेना
93.	कैप्टन नवल कपूर	55	एम.एस.सी	कैप्टन	1/2/2010	1	27,82,402	भारतीय सेना
94.	कैप्टन टी.के.गुह	54	बी एस सी	कैप्टन	30/3/2009	2	29,95,653	भारतीय सेना

नोट:

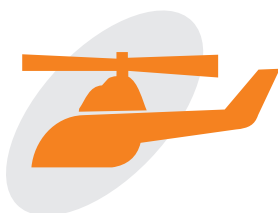
उपयुक्त कर्मचारियों का निदेशकों से कोई सम्बन्ध नहीं है।

पारिश्रमिक सहित वेतन एवं भत्ते, मेडिकल प्रतिपूर्ति, कंपनी लीज आवास, वाहन प्रतिपूर्ति, नियोक्ता का भविष्य निधि, अनुग्रह छुट्टी यात्रा रियायत, चिकित्सा प्रतिपूर्ति आदि तथा गत वर्षों से संबंधित कुल बकाया भुगतान शामिल है।

* आंशिक पारिश्रमिक

**प्रतिनियुक्त

ANNUAL REPORT
2010-11



PAWAN HANS HELICOPTERS LIMITED

OUR AIM

*MAXIMISE
FLYING WITH
TOTAL
SAFETY
AND
ECONOMY*

CONTENTS

• Board of Directors	4
• Management Team	5
• Notice	6
• Chairman's Speech to the Members	7
• Directors' Report	10
• Management Discussion & Analysis Report	24
• Financial Highlights	29
• Summarized Accounts	31
• Accounts for the Year	33
• Cash Flow Statement	68
• Auditors' Report	69
• Report of the Comptroller & Auditor General of India	77
• Particulars of Employees	79



BOARD OF DIRECTORS



R.K. Tyagi
Chairman-cum-Managing Director



E.K. Bharat Bhushan
Director General of Civil Aviation



S. Machendranathan
Additional Secretary & Financial Advisor
Ministry of Civil Aviation



Alok Sinha
Joint Secretary
Ministry of Civil Aviation



Sudhir Vasudeva
Director (Off-shore)
Oil & Natural Gas Corporation Ltd.



P.N. Pradhan
ACAS (Ops. & T&H)
Air Headquarters



MANAGEMENT TEAM

Chairman Cum Managing Director	Shri R.K. Tyagi
Chief Vigilance Officer	Shri Samir Sahai, I.F.S.
Executive Director	Shri Sanjiv Bahl
General Manager (Engineering)	Shri Deepak Kapoor
General Manager (Finance & Accounts)	Shri Dharendra Sahai
Company Secretary & General Manager (Legal)	Shri Sanjiv Agrawal
General Manager (Marketing)	Shri Sanjay Kumar
General Manager (Personnel & HRD)	Shri R.B. Kushwaha
General Manager (Operations)	Air Cmde (Retd) Alok Kumar
General Manager (Infocom Services & HOD (Administration)	Shri C.P. Singh
Deputy General Manager (Materials)	Shri S.K. Sharma
General Manager (Western Region)	Shri Subir K. Das
General Manager (Northern Region)	Shri M.P. Singh

Registered office

Safdarjung Airport
New Delhi –110 003

Corporate office

C-14, Sector-1,
NOIDA-201301

Regional offices

Western Region

Juhu Aerodrome
S.V. Road
Vile Parle (West)
Mumbai-400 056

Northern Region

Safdarjung Airport
New Delhi-110 003

Auditors

M/s. S. Chaturvedi & Associates
Chartered Accountants
New Delhi

Branch Auditors

M/s. Lakhani & CO.
Chartered Accountants
Mumbai

Bankers

Vijaya Bank
State Bank of India
Punjab National Bank



NOTICE FOR 26TH ANNUAL GENERAL MEETING

**ALL SHAREHOLDERS,
PAWAN HANS HELICOPTERS LIMITED**

NOTICE is hereby given that the 26th Annual General Meeting of the Company is scheduled to be held on Thursday, the 29th December 2011 at 12.30 PM at Registered Office of the Company at Safdarjung Airport, New Delhi to transact the following business:-

ORDINARY BUSINESS

1. ADOPTION OF ACCOUNTS

To receive, consider and adopt the audited Balance Sheet as on 31.03.2011, the audited Profit & Loss Account for the year ended on 31st March 2011, along with the Auditors' Report, comments of C&AG thereon and Directors' Report.

BY THE ORDER OF THE
BOARD OF DIRECTORS OF
PAWAN HANS HELICOPTERS LIMITED

(Sanjiv Agrawal)
Company Secretary

NEW DELHI.
December 05, 2011

NOTES:

A member entitled to attend and vote at the meeting is entitled to appoint a Proxy who need not be a member of the Company to attend and vote instead of himself. Proxies in order to be effective must be deposited at the registered office of the Company not less than 48 hours before the meeting.

Registered Office:

Safdarjung Airport,
New Delhi-110003.

Corporate identity Number (CIN) : U62200DL1985GOI022233



CHAIRMAN'S SPEECH TO THE MEMBERS

Dear Members,

I take great pleasure in welcoming you to the 26th Annual General Meeting of your Company. The Company has entered into its Silver Jubilee year of operations. The Annual Report for the financial year 2010-11 has been circulated and with your permission I take it as read.

The overall performance during the financial year 2010-11 has improved over previous year due to increased deployment of helicopters on account of good fleet serviceability, new contracts for Operations & Maintenance of Helicopters owned by other agencies and better contract management. In the financial year 2010-11 the Company achieved several milestones:-

- Record revenue hours of 32,175 as compared to 29,890 in 2009-10 and 27,050 in 2008-09. Fleet serviceability was 74% in 2007-08, 81% in 2008-09, 83% in 2009-10 and 83% in 2010-11.
- Highest ever Operating Revenue of ₹423.96 crore in 2010-11 as compared to ₹384.04 crores in 2009-10 and ₹310.94 crores in 2008-09.
- The Operating Profit in 2010-11 was ₹48.48 crores as compared to ₹35.45 crores in 2009-10 and ₹20.30 crores in 2008-09. During 2010-11 the Net Profit after tax was ₹18.50 crores as against ₹35.95 crores in 2009-10 mainly on account of interest charge on borrowings and additional provision towards deferred tax liability created by the Company on account of delivery of new helicopters.
- In 2007-08, 2008-09 and 2009-10 the Company has achieved MoU rating of "Good", "Very Good" and "Excellent" respectively as per DPE norms.
- The Company has signed in December, 2010 contract with HAL for operation & maintenance of 4 more Dhruv helicopters of BSF. The Company has provided one Dhruv helicopter taken on lease from HAL to Government of Maharashtra for Anti-Naxal activities at Gadcharoli, Maharashtra.
- The Company's authorized capital has been increased from ₹120 crores to ₹250 crores on 3.12.2010. The paid up share capital of the Company has also been increased on 14.02.2011 from ₹113.766 crores (₹89.266 crores in the name of President of India and ₹24.50 crores in the name of ONGC) to ₹245.616 crores. Out of the total paid-up capital of ₹245.616 crores, the paid-up capital of ₹125.266 crores has been subscribed in the name of President of India (51%) and ₹120.35 crores in the name of ONGC Ltd. (49%). ONGC has converted loan amounting to ₹95.85 crores into equity and equity shares allotted on 14.02.2011.
- National Institute of Aviation Safety & Services was started in June, 2010 at Delhi for Safety Management System and Safety Awareness in the country.
- PHHL runs the helicopter services from Phata to the Holy Shrine of Kedarnath during the May-June and September-October seasons every year. PHHL has also been awarded contract by Shri Amarnath Shrine Board for operating "Helicopter services for the Shri Amarnathji Yatra for 2010 and 2011" on Baltal-Panjtarni-Baltal sector. The Company has been successfully operating helicopter services at Mata Vaishnodevi Ji from Katra to Sanjichat and has carried 1.91 lakhs passengers in 2010-11. The Company has been awarded contract for next 3 years by the Shrine Board of Mata Vaishnodeviji w.e.f. 1st April, 2011 under significant competitive environment after being declared the lowest bidder.
- The Company was awarded contract by M/s. Gujarat State Petroleum Corpn. Ltd. for charter hire of one Dauphin N3 helicopter for 3 years w.e.f. 26th November, 2010.
- The Company has carried out operations for Border Road Organization at Arunachal Pradesh w.e.f. 18th November, 2010 for 8 months with one Mi-172 helicopter taken on lease.



- The Company provided 4 Nos. helicopters (Dauphin N and AS350 B₃ helicopters) for Live coverage of CWG 2010 events for Doordarshan.
 - The Company has provided one Dhruv helicopter taken on lease from HAL to Government of Maharashtra for Anti-Naxal operations at Gadcharoli.
 - Towards fleet augmentation the Company has signed agreements with the Helicopter manufacturers for purchase of 10 nos. Dauphin N3, 3 nos. AS350 B3 and 2 nos. Mi-172 helicopters with estimated project cost of ₹ 635 crores. Whereas 3 nos. AS350 B₃ were funded from internal resources, the remaining Helicopters being funded on Debt-equity of 80:20. 5 nos. new Dauphin N3 and 3 nos. AS350 B3 helicopters were delivered till 31.03.2011. Subsequently, 2 more new Dauphin N3 helicopters were delivered in April/ May, 2011. Delivery of 3 Dauphin N3 and 2 Mi-172 helicopters are expected in January, 2012 and May, 2012 respectively.
 - The Company has signed agreement with ONGC on 13.08.2010 for term loan upto ₹275 crores, being 80% of the estimated cost for purchase of 7 new Dauphin N3 helicopters at the rate of interest based on SBI base rate plus 150 basis points. ONGC has paid ₹ 261 crores as term loan. ONGC converted part of this loan amounting to ₹95.85 crores into equity in PHHL. Further, the Company has also signed MoU with NTPC for long term lease of a new Dauphin N3 helicopter for 10 years with loan for funding full cost of the helicopter @ 6% p.a. repayable in 10 years. The Company would avail external borrowing of ₹177 crores approximately from Banks / Financial Institutions for financing 80% cost of 2 Dauphin N3 and 2 Mi-172 helicopters with tenor of 10 years. The Company has appointed M/s. SBI Capital Services Ltd. as Advisors and Arrangers for Loan Syndication. They have also advised that the Company would need fund based limits (₹139 crores) for its future working capital requirements and ₹60 crores for non-fund based limits.
 - The Company will construct Heliport near Rohini on 25 acres land allotted in the name of Ministry of Civil Aviation. PHHL has created basic Helipad for CWG-2010. Project cost of ₹64.00 crores will be funded ₹ 55 crores through GBS and PHHL will fund upto ₹9.00 crores. The Environment clearance approval from MoEF dated 31.10.2011 has been received. Further, APMC for Heliport designing, planning & operations has been appointed and they would submit design of the Heliport shortly.
 - PHHL has constructed the Heliport at CWG Village (Akshardham) basic helipad facilities. As the ownership of Heliport belongs to DDA, PHHL has requested DDA to grant permission to utilize the infrastructure/facilities for helicopter operations.
 - PHHL is developing a Helicopter Training Academy cum Heliport at the existing Gliding Center at Hadapsar, Pune which is under administrative control and owned by DGCA. Project has been approved by Ministry of Civil Aviation and the DGCA has released an amount of ₹10 crores as GBS for the purpose. PHHL signed MoU with DGCA on 17th May, 2010 and DGCA has authorized to use land and other infrastructural facilities for development purpose at the Gliding Centre, Pune comprising of 30 acres of open area adjacent to the existing hangars/building. Construction work has been awarded to M/s NBCC on deposit work basis.
- One Dauphin helicopter VT-SOK was damaged beyond repair on 16.12.2010 at Chandigarh Airport while flying in which there was no casualty.
- Events occurring after the Balance Sheet date 31st March, 2011**
- One Mi-172 helicopter VT-PHF had crashed on 19.04.2011 at Tawang while landing at the Helipad in which 19 (including 3 crew members i.e. 1 pilot, 1 engineer and 1 flight attendant) persons died. Further, one AS350 B3 helicopter VT-PHT had crashed on 30.04.2011 near Tawang while on route to



Itanagar in which 5 persons (2 pilots of PHHL and 3 passengers including Hon'ble Chief Minister of Arunachal Pradesh) died. Though the investigation of the accidents is being carried out by the Committees appointed by the Govt of India for the purpose, PHHL has undertaken several Safety Initiatives for enhanced safety of operations and maintenance of Helicopters.

The Company has adopted Guidelines on Corporate Governance issued by DPE to the maximum extent possible.

In respect of claim of Ministry of Finance amounting to ₹470.22 crores (principal amount ₹130.91 crores and interest @ 18% pa ₹339.31 crores), the Company has submitted a draft Note for CoS to Ministry of Civil Aviation seeking waiver of the claim of GoI aggregating ₹470.22 crores from PHHL. The matter is under consideration of the Government.

Industrial relation during the period continued to be cordial and regular meetings with employee's representative bodies were held.

I take this opportunity to thank you all for the confidence reposed in the management. I am also grateful for the co-operation of the Government of India and its various agencies in efficient management of the Company. I deeply appreciate the confidence reposed by ONGC and other customers in the operations of the Company as also the sincere and devoted services rendered by the employees for the progress of the Company.

(R.K. Tyagi)

Chairman cum Managing Director

Dated : 29.12.2011



Dauphin Helicopters Fleet ready for Off-Shore operations at Juhu Aerodrome, Mumbai



DIRECTORS' REPORT

The Shareholders,

Gentlemen,

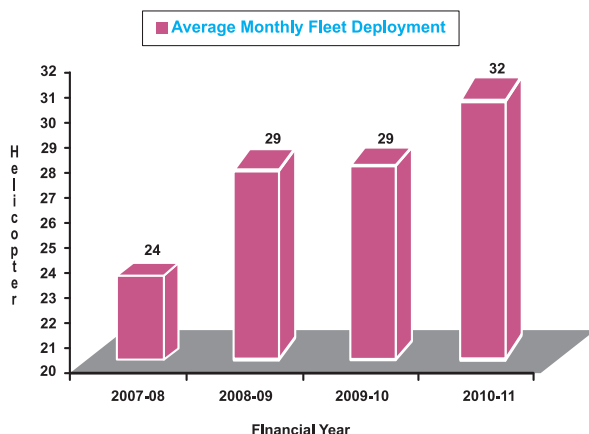
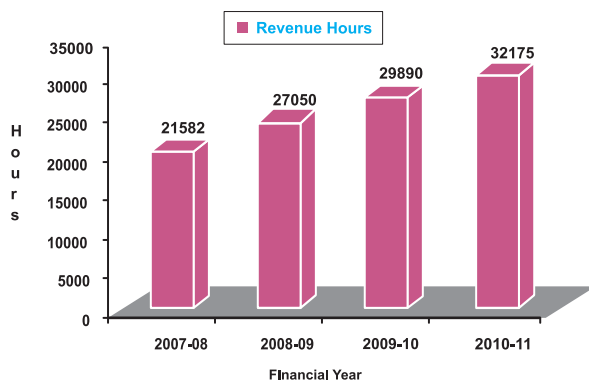
Your Directors have immense pleasure in presenting the Twenty Sixth Annual Report of the Company together with the audited accounts and the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended on 31st March, 2011.

I. Operations

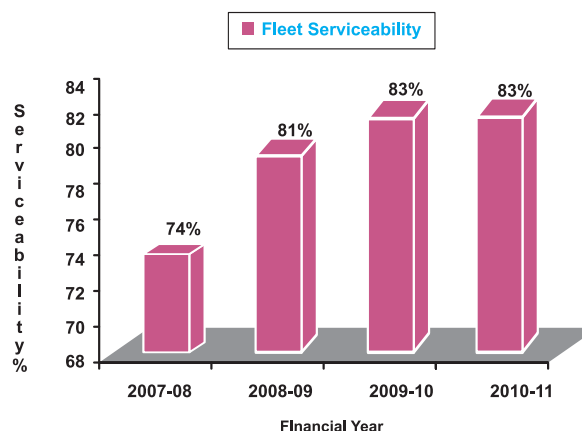
a) Operational results

The Company was able to secure long-term contracts with Institutional clients mainly in the Oil Industry and Government Sector.

The revenue hours and average monthly deployment of helicopters was as under:-



The overall performance during the financial year 2010-11 has improved over previous year due to increased deployment of helicopters on account of good fleet serviceability, new contracts for Operations & Maintenance of Helicopters owned by other agencies and better contract management.



b) Fleet Profile

The Company's operational fleet as on 31.03.2011 comprises of the following :-

Helicopter type	No. of Helicopters
Dauphin SA365 N	18
Dauphin AS365 N3	12
Bell-407	4
Bell 206 L4	3
AS 350 B3	3
MI-172	2
Total	42

As on 31.03.2011 the Company had Operation & Maintenance Contracts of 01 Dauphin N3 helicopter of Government of Gujarat, 2 Dhruv helicopters owned by ONGC and 4 Dhruv helicopters owned by BSF (MHA). Further, the Company has signed in December 2010 another contract with HAL for operation & maintenance of 4 more Dhruv helicopters



Dauphin Helicopter performing off-shore task for ONGC

of BSF. The Company had also got O&M Contract for Chetak/Cheetah helicopters of BSF. The Company has provided one Dhruv helicopter taken on lease from HAL to Government of Maharashtra for Anti-Naxal activities at Gadcharoli, Maharashtra.

c) Fleet deployment

PHHL has been providing helicopter support for offshore operation of ONGC for carrying its men and vital supplies round the clock to drilling rigs situated in Bombay off-shore platforms. PHHL operates to ONGC's Rigs (mother platforms and drilling rigs) and production platforms (wells) within a radius of 130 nm. from the main land at Mumbai. As on 31.03.2011, the Company had on contract 16 Dauphin helicopters with ONGC for their off-shore task out of which 2 Dauphin are stationed overnight at the main platforms in addition to a dedicated Night Ambulance to meet any emergency evacuation.

The Company provided one Dauphin helicopter each to State Governments namely Arunachal, Punjab, Meghalaya, Jharkhand and also to Ministry of Home Affairs. The Company also provided three Dauphin helicopters to the Administration of Andaman

& Nicobar Islands and two Dauphin helicopter to Lakshadweep. The Company is also providing helicopter services to Ministry of Home Affairs (MHA) at Guwahati, Oil India Limited and GAIL.

One Bell 206 L4 helicopter was deployed with State Government of Sikkim. One Bell 407 helicopter was deployed with the State Government of Tripura. The PHHL runs the helicopter services from Phata to the Holy Shrine of Kedarnath during the May-June and September-October seasons every year. The Company was able to achieve record revenue from operations at Phata during two seasons, namely May-June, 2010 and September-October, 2010 by carrying 19,253 passengers. PHHL has also been awarded contract by Shri Amarnath Shrine Board for operating "Helicopter services for the Shri Amarnathji Yatra 2010 and 2011" on Baltal-Panjtarni-Baltal sector and started services during season w.e.f. 1 July 2010 with 2 Bell 407 helicopters. The Company has been successfully operating helicopter services at Mata Vaishno Deviji from Katra to Sanjichat under competitive conditions and has carried 1.91 lakhs passengers in 2010-11, 2.03 lakhs



passengers during financial year 2009-10 and 1.24 lakhs passengers in the financial year 2008-09. The Company has been awarded contract for next 3 years by the Shrine Board of Mata Vaishnodeviji w.e.f. 1st April 2011 under significant competitive environment after being declared the lowest bidder.

The Company has been awarded contract by M/s. Gujarat State Petroleum Corpn. Ltd. for charter hire of one Dauphin N3 helicopter for 3 years w.e.f. 26 Nov 2010.

The Company has carried out operations for Border Road Organization at Arunachal Pradesh w.e.f. 18 November, 2010 for 8 months with one Mi-172 helicopter taken on lease.

First time in India, the Company had provided 4 Nos. helicopters (Dauphin and AS 350 B3 helicopters) for Live coverage of CWG 2010 events for Doordarshan.

PHHL introduced seaplanes for first time in India for promoting heli tourism in A&N Islands on 50:50 Profit/Loss sharing basis. One Cessna 208 A Amphibian Seaplane was taken on wet lease for a Pilot Project of 6 months initially. Seaplane was dedicated to the Nation on 27 December, 2010 at Mumbai by Hon'ble Minister of Civil Aviation.

d) Fleet Augmentation

The Company has signed agreements with the Helicopter manufacturers for purchase of 10 nos. Dauphin N3, 3 nos. AS350B3 and 2 nos. Mi-172 helicopters with an estimated project cost of ₹ 635 crores.

The Company has acquired 5 nos. New Dauphin N-3 and 3 nos. AS350 B3 helicopters till 31.03.2011. Subsequently, 2 more new Dauphin N3 helicopters were delivered April/ May, 2011.

Further, 3 Dauphin N3 and 2 Mi-172 helicopters are on order and delivery of these helicopters are expected between January-May, 2012.

e) Funding for Acquisition of New Fleet

The Company has funded the acquisition of 3 AS350 B3 helicopters with its internal

resources and planned to fund the remaining new Helicopters on a debt- equity basis of 80:20. The Company has signed agreement with ONGC on 13.08.2010 for term loan of ₹275 crores being 80% of the estimated cost for purchase of 07 new Dauphin N3 helicopters at the rate of interest based on SBI base rate plus 150 basis points. The loan is repayable in 60 monthly installments from the date of drawal of loan for each helicopter. ONGC has funded ₹261 crores, being 80% cost of 7 numbers Dauphin N3 helicopters. ONGC has subsequently converted part of this loan (₹95.85 crores) into paid up equity capital in the Company. NTPC has agreed to fund the cost of one Dauphin N3 with long term charter lease of the new helicopter for 10 years with loan @ 6% p.a. repayable in 10 years. The Company would avail external borrowing from Banks / Financial Institutions for financing 80% cost of 2 Dauphin N3 and 2 Mi-172 helicopters with tenor of 10 years, which are expected for delivery between January-May, 2012. The Company has appointed M/s. SBI Capital Services Ltd. as Advisors and Arrangers for Loan Syndication. They have advised that the Company would need fund based limits (₹139 crores approximately) for its future working capital requirements and ₹60 crores for non-fund based limits.

f) Mid-Life upgrade programme of Dauphin fleet

With a view to meet the requirements of DGCA and ONGC contract for Aviation Standard-4 (AS-4) compliant helicopters, retrofit programme for the Dauphin fleet is being undertaken in a phased manner. This retrofit programme has been undertaken for better safety and improved serviceability of Dauphin fleet in view of on-time monitoring of all dynamic components and engines by the technical personnel of the Company. Presently, 19 nos. AS-4 compliant Dauphin helicopters after upgrade programme are available.

g) Heliport/Helipad in Delhi and adjoining areas

DDA on 1st June, 2009 has allotted 25 acres land near Rohini in the name of Ministry of Civil Aviation for construction of First integrated Heliport in the Country. Further,



DDA has earmarked one hectare land for construction of helipad at Commonwealth Games Village site and PHHL completed the Helipad in October, 2010. PHHL has also created basic infrastructure facilities/Parking and Helipad at Rohini. Environmental Impact Assessment Study Report for Rohini Heliport has been completed by M/S RITES. The Environment clearance approval from MoEF dated 31.10.2011 has now been received. Further, Selection of Consultant for Heliport designing, planning & operations has been completed and they would submit design of the Heliport shortly.

h) Training Academy and Heliport at Hadapsar, Pune

PHHL has signed an MoU with DGCA on 17th May, 2010 and the Company has been authorized to use 30 acres of open area at the existing Gliding Center at Hadapsar, Pune which is under administrative control of DGCA, to develop a Helicopter Training Academy cum Heliport. DGCA has released an amount of ₹10 crores as GBS for the purpose. Construction work has been awarded to M/s NBCC on deposit work basis.

i) Joint Venture of PHHL and HAL for Operations & Maintenance

PHHL has signed an MoU on 23.07.2010 with M/s. HAL for setting up a joint venture for operation & maintenance of Dhruv, Chetak and Cheetah helicopters of the Defence Forces. The Boards of HAL and PHHL have given in-principle approval for setting up of the said JV. PHHL would approach Ministry of Civil Aviation for approval of the JV after HAL finalise the Business Plan for the JV. The JV would have a total investment estimated at ₹84 crores to be shared on 50:50 basis between HAL and PHHL.

j) Pawan Hans Helicopters Training Institute at Mumbai (PHTI)

The Company has set up DGCA approved Helicopters Training Institute for Technicians and Engineers at Mumbai in September, 2009.

k) National Institute of Aviation Safety & Services at Delhi (NIASS)

The Company has started in June 2010 National Institute of Aviation Safety & Services at Delhi for Safety Management System and Safety Awareness in the country. The Institute aims to cater to emerging safety standards and audit compliances in helicopter industry in India and to provide consultancy in conducting audits for various aviation set-ups of PSUs / State Govt. / Private Operators. The Institute has started conducting courses on Aviation Safety and would also provide consultancy services to other clients, new start-ups and audits of various helipad / heliport / offshore installations.

l) Increase in Equity Capital

The Ministry of Civil Aviation vide Order No.AV.30020/017/2007-VE(DG) dated 31.03.2010 has decided to contribute further equity capital of ₹36 crores for project cost of ₹64 crores for Heliport at Rohini. The company had received ₹15 crores on 31.03.2010 and a further sum of ₹21 crores on 16th April, 2010 as equity capital contribution. ONGC has converted loan amounting to ₹95.85 crores into equity. The Company's authorized capital was increased from ₹120 crores to ₹250 crores on 03.12.2010. The paid up share capital of the Company was also increased to ₹245.616 crores comprising of ₹125.266 crores in the name of President of India (from ₹89.266 crores earlier) and ₹120.35 crores in the name of ONGC Ltd. (from ₹24.50 crores earlier) after equity shares allotted on 14.02.2011. Accordingly, the shareholding of the Government of India and ONGC in the Company stand changed from 78.46% and 21.54% respectively to 51% and 49% respectively:-

Paid up equity share capital	President of India (₹ In crores)	%	ONGC Ltd. (₹ In crores)	%	Total paid-up capital (₹ In crores)	Total authorized capital (₹ In crores)
Present paid-up capital	89.266	78.46	24.50	21.54	113.766	120.00
Additional equity contribution	36.00		95.85		131.85	130.00
Total paid - up capital after allotment of additional shares	125.266	51	120.35	49	245.616	250.00

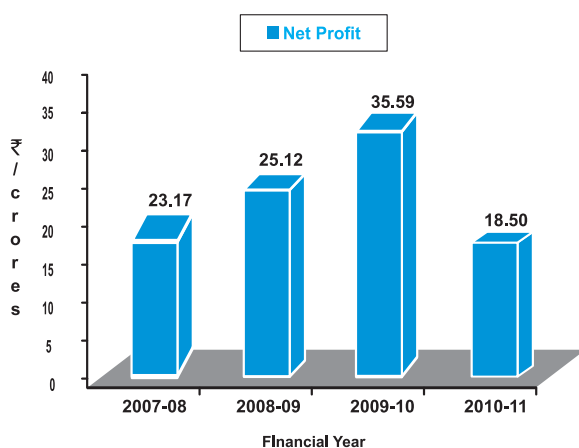
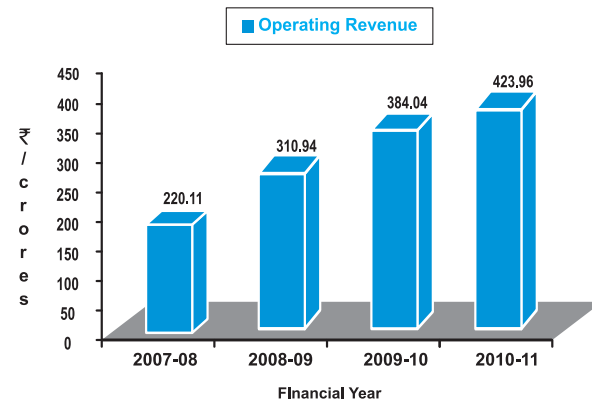


II. Finance

a) Financial Results

Financial performance during the financial years 2009-10 and 2010-11 was as under :-

(₹/Crores)		
Particulars	2009-10	2010-11
I. Operating Revenue		
- Revenue from Operations	380.52	418.21
- Incidental Revenue	3.52	5.75
Total (I)	384.04	423.96
II. Operating Expenditure		
- Operating Expenditure	310.38	328.95
- Depreciation	38.21	46.53
Total (II)	348.59	375.48
III. Net Operating Profit (I-II)	35.45	48.48
IV. Interest Income	12.05	6.49
Less interest charges on borrowings	-	(6.17)
V. Prior Period/Extraordinary Adjustments	7.64	0.66
VI. Profit before Tax	55.14	49.46
VII. Taxes /Deferred Tax Liability	19.55	30.96
VIII. Net Profit after Tax	35.59	18.50



b) Dividend

Your Directors have recommended that in view of significant requirements of funds for Company's growth and diversification, payment of dividend for the financial year 2010-11 may be skipped for utilization of the funds for the ongoing committed capital expenditure programmes. Therefore, no provision for Dividend has been made due to significant cash outflow for the Capital Projects, mainly acquisition of new helicopters and debt-servicing of Loan availed from ONGC.

c) Claim to Government of India

In respect of pending issue of Government of India claim, the Ministry of Civil Aviation submitted a proposal to Ministry of Finance in December, 2007 that the Government may reconsider the claim by Ministry of Finance and waive off the total amount of ₹470.22 crores (Principal amount ₹130.91 crores and interest upto 31.03.2001: ₹339.31 crores) claimed from the Company so that the existing funds could be utilized for fleet expansion and other capital outlay programmes which are essential for the survival of the Company under the competitive environment prevailing in the Civil Aviation industry in India. The Ministry of Finance has not agreed to this proposal and has advised that the Company be asked to deposit the said amount in Government Treasury. The Board of Directors of the Company in their 115th Meeting held on 21.08.2008 decided that the Company may pursue with the Ministry of Civil Aviation for full waiver of the claim of Ministry of Finance and appointed a Financial Advisor to examine the matter along with other related issues. The Financial Advisors submitted their Report on the impact of claim of GoI on valuation of the Company and recommended some options. According to this Report, payment of the amount claimed by Ministry of Finance is not a viable option for the Company. As per the decision of the Board of Directors, the Company has submitted in January, 2009 a draft Note for Committee of Secretaries to



Dauphin N Helicopter

Ministry of Civil Aviation seeking waiver of the claim of GoI aggregating ₹470.22 crores from PHHL. The matter is under consideration of the Government.

The Company had earlier made provision of ₹339.31 crores during the financial years 1999-2000, 2000-01 and 2002-03 towards interest and other charges upto 31.03.2001 as claimed by the Ministry of Finance and the same is being carried forward.

d) MoU with Ministry of Civil Aviation

PHHL signs MoU with the Ministry of Civil Aviation every year after Task Force negotiation meeting in Department of Public Enterprises. In respect of the Financial Years 2007-08 and 2008-09 the Company has achieved MoU rating of "Good" and "Very Good" respectively as per DPE norms. Further, for the Financial Years 2009-10 and 2010-11, the MoU rating is "Excellent" and "Very Good" respectively.



AS 350 B3 Helicopter at Rohini Helipad, New Delhi



Sh. R.K. Tyagi, CMD PHHL receiving award from Kumari Selja, Hon'ble Minister of Tourism.

III. Engineering / Maintenance Activities

The Company has established state-of-the-art maintenance facilities in Mumbai and New Delhi approved by DGCA for maintenance of its fleet of helicopters. Meticulous maintenance

checks on helicopters are carried out and extensive workshops with in-house facilities provide the back up. Maintenance capability has been upgraded to carry out major 'G' Inspections on Dauphin helicopters totally



Dauphin N Helicopter in North-East



in-house without any foreign assistance which leads to saving of foreign exchange on account of lower cost of repairs/inspections. The scope of approval of maintenance facilities at Mumbai have been extended to include 'G' inspection (Airframe overhaul at 6000 hours) on Dauphin N3 helicopters during the year under review. A total of 28 inspections consisting of T/2T/5T(600 hrs./1200 hrs./3000 hrs.) inspection and 3 'G' inspection (5400 hrs.) on Dauphin helicopters was carried out by the Company from within its resources.

The enhancement in workshop facilities is a continuous process with every extension in scope a milestone. During the year in addition to extension in scope to cover 'G' inspections on the Dauphin N3 helicopters, the workshop facilities have extended scope to cover some of the Dauphin N3 instruments for bench check. Further, major maintenance inspections and major component changes of the Bell helicopters at Bases was also continued during the year.

IV. Materials Management

Materials management directive for better control relating to non-moving inventories was issued. Further by fixing of inventory levels all procurements have been made based on joint review by Engineering and Material Departments and spares are ordered on forecasted projections. During the year the Material Management functions have gone online through integrated computerization. Processing of demand and supply has become efficient. Data has become transparent and available to users across the network in all regions and bases. Inventory management through timely alerts has enhanced the efficacy of supply chain management. Manual on Policies and Procedures for purchase of Goods and Services was issued during the Financial Year.

V. Information System & Technology Plan

In order to implement Information System & Technology Plan in the critical functional areas of Operations, Engineering, Materials &



Bell 206 L4 Helicopter at Gangtok, Sikkim



Finance, the integrated software developed by M/s. Tata Consultancy Services Ltd. would enhance efficiency, effectiveness and customer satisfaction. Further integrated LAN/WAN infrastructure for NOIDA, Safdarjung Airport and Mumbai Offices has been implemented. An integrated Voice Communication for Corporate Office, Regional Offices and Detachments has also been implemented. The Company has also commenced e-ticketing in respect of its passenger services operations for Mata Vaishno Deviji, Kedarnathji and Amarnathji. The Company's new website <http://pawanhans.co.in> has been launched.

VI. ISO 14001 and 18001 Certification

Pawan Hans has transited from its Quality Management Systems under ISO 9001:2008 standards to ISO 14001 and 18001 Certification which is known as Integrated Management System covering Environment and Safety aspects.

VII. Human-Resources Development

a) Manpower

The staff strength of regular and contractual employees as on 31st March 2011 was 989 as against 850 as on 31st March 2010.

b) Industrial Relations

Industrial relations during the period continued to be cordial and regular meetings with employee's representative bodies were held. The issues concerning employees were resolved through discussion. Presently, the new wage settlement due w.e.f. 01.01.2007 has been signed with AICAEU (Non-Technical Union) and implemented. Wage settlement is under discussions with Technical Union/Guild.

c) Training

Training of all employees i.e. Executives, Pilots, Engineers, Technicians and Support staff continued to receive high priority. Lectures on different subjects of Managerial Skills have been conducted regularly. The Company has also been nominating employees to specialized training programmes and in-house training. The resources of Aviation

Training School were utilized for conducting various refresher courses for Pilots, Engineers and Technicians on regular basis. The Company has also undertaken Simulator training for 40 pilots in the last one year at M/s. Helisim, France for Dauphin fleet. Due to a number of retirement / resignation of pilots as well as to meet requirement of fleet expansion, action has been taken for recruitment of experienced and young pilots and their training.

d) Events occurring after the Balance sheet date

Helicopter accidents during the financial year 2010-11 and 2011-12 and Safety measures taken by the company :-

- i) One Dauphin helicopter VT-SOK had damaged beyond repair on 16.12.2010 at Chandigarh Airport while taking off in which there was no casualty.
- ii) One Cabin Attendant of PHHL died after falling off Mi-172 helicopter VT-PHF in Arunachal Pradesh on 06.08.2010.
- iii) One Mi-172 helicopter VT-PHF had crashed on 19.04.2011 at Tawang while landing at the Helipad in which 19 persons (including 3 crew members i.e. 1 pilot, 1 engineer and 1 flight attendant) died.
- iv) One AS350 B3 helicopter VT-PHT had crashed on 30.04.2011 at Arunachal Pradesh while on route to Itanagar in which 5 persons (2 pilots of PHHL and 3 passengers including Hon'ble Chief Minister of Arunachal Pradesh) died.

In respect of Dauphin AS365N3 helicopter VT-SOK damaged on 16.12.2010, DGCA has completed inquiry and the cause of accident had been due to control failures. Though the investigation of the other accidents is being carried out by the Committees appointed by the Government of India, PHHL has undertaken Safety Initiatives to upgrade the operation and maintenance systems to avoid recurrence of such incidents. The safety initiatives undertaken are listed below:

- a. PHHL has decided to implement Safety Management System for its operations and maintenance activities as per ICAO/DGCA guidelines. The system is to be



implemented in a phased manner during three years and PHHL has already completed Phase – I of implementation.

- b. A new Safety Oversight department has been created in PHHL which will be directly responsible to CMD and carry out a comprehensive Safety Oversight of PHHL. The department has already started functioning.
- c. A Voluntary Reporting System and Hazard Reporting System has been introduced in the company for confidentially reporting of any hazardous activity, occurrence or situation in maintenance and operations of helicopters.
- d. System has been strengthened to monitor compliance with pre-flight medical, pre-flight briefing, meteorological briefing, standard operating procedures, loading of helicopter and other safety measures etc.
- e. Extensive internal audit procedures have been introduced in the company to find out any non compliance with rules and rectify the same before they become serious.
- f. The company has introduced FOQA (Flight Operations Quality Assurance) system in its operations to analyse and monitor operation of helicopters. FOQA, though applicable only to scheduled operators, has been introduced for a better and comprehensive safety oversight of operations. Random analysis of CVR and FDR recordings is carried out for ensuring compliance with procedures.
- g. Incident reporting, investigations and follow up systems have been strengthened to ensure compliance with every recommendation of PIB investigations.

VIII. Board of Directors

The Board of Directors held six meetings during the year 2010-11. The Board consists of the following members presently as well as during the financial year 2010-11 :-

At present

Shri R.K. Tyagi	Chairman-cum- Managing Director
Shri E.K. Bharat Bhushan	Additional Secretary & FA, MOCA from (18.02.2009)
Shri Alok Sinha	Joint Secretary, MoCA (from 16.08.2011)
Shri Sudhir Vasudeva	Director off-shore, ONGC (from 01.02.2009)
AVM P.N. Pradhan	ACAS (Ops, T&H), Air Force (from 23.06.2011)

Ceased to be Directors

Dr. S.N.A. Zaidi	Director General of Civil Aviation (from 17.11.2008 to 03.12.2010)
Shri Rohit Nandan	Joint Secretary, MoCA (from 28.12.2009 to 16.08.2011)
AVM M. Bahadur	ACAS (Ops, T&H), Air Force (from 15.01.2009 to 01.06.2011)

The Board places on record its appreciation of the valuable services rendered by Dr. S.N.A. Zaidi, Shri Rohit Nandan and AVM M. Bahadur during their tenure on the Board.

The details of attendance of each Director at the Board meetings during the financial year 2010-11 and last AGM are as under:-

Name of Director	Date of Board Meetings – attended by Directors during the financial year 2010-11							AGM attended by Directors
	20.05.10	24.05.10	15.07.10	20.09.10	03.12.10	01.02.11	03.12.2010	
R.K.Tyagi, CMD	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	
E.K.Bharat Bushan	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	
Dr.S.N.A. Zaidi	Yes	Leave	Leave	Leave	Leave	Ceased	Ceased	
Rohit Nandan	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	Yes	
Sudhir Vasudeva	Leave	Leave	Yes	Leave	Leave	Leave	Leave	
AVM M. Bahadur	Yes	Leave	Leave	Yes	Yes	Leave	Yes	

None of the Directors of your Company is disqualified as per provision of Section 274 (1) (g) of the Companies Act, 1956.

IX. Directors' Responsibility Statement

Pursuant to provision of Section 217(2A) of the Companies Act, 1956, in respect of the Annual Accounts for the financial year ended 31st March, 2011, your Directors have:-

- a) followed in the preparation of Annual



Bell 407 Helicopter for Shri Amarnathji services

Accounts, the applicable accounting standards and proper explanation relating to material departure if any, have been incorporated.

- b) selected such accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the Company at the end of financial year and of Profit of the Company for that period.
- c) taken proper and sufficient care for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956 for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting fraud and other irregularities ; and
- d) prepared the Annual Accounts on a going concern basis.

X. Corporate Governance

The Company has taken initiatives towards Corporate Governance and its practices are valued by various stake holders.

The Company has also adopted Guidelines on Corporate Governance issued by DPE on 06.07.2007. DPE has vide OM dated 14.05.2010

made these guidelines mandatory and PHHL has implemented the DPE guidelines to the maximum extent possible except with regard to appointment of requisite number of independent directors, which is under consideration of the Ministry of Civil Aviation. The Model Code of Conduct has been approved by the Board of Directors in the 110th meeting and the same has been signed by Functional Heads and Directors and also posted on website of the Company.

As part of best practices with regard to Corporate Governance, the Company has made necessary information available on Company's Corporate website www.pawanhans.co.in for its stake holders.

Audit Committee

In compliance to Section 292(A) of the Companies Act, the Board of Directors had constituted an Audit Committee on 24.05.2001 comprising of its Chairman and two members. The Audit Committee review the financial statements, internal control system, internal auditors report, statutory auditors report, comments of C&AG and hold requisite meetings in a financial year. During the financial year 2010-11, the Audit Committee has held meetings on 20.09.2010, 03.12.2010 and 01.02.2011. Presently the Audit Committee comprise of Shri E.K. Bharat Bhushan, Additional Secretary &



Mi-172 Helicopter

Financial Advisor, Ministry of Civil Aviation as Chairman of the Audit Committee, Shri Alok Sinha, Joint Secretary, Ministry of Civil Aviation and AVM P.N. Pradhan, ACAS (Ops, T&H), Air Headquarter as Members.

Details as per requirements of DPE guidelines on Corporate Governance

During the last 3 years Annual General Meetings were held as follows:-

Annual General Meetings	Time of AGM	Venue of the AGM	Special Resolutions, if any
23 rd Annual General Meeting held on 30.12.2008	2.30 PM	Registered Office at Safdarjung Airport, New Delhi-110003	Nil
24 th Annual General Meeting held on 23.12.2009	12.30 PM	Registered Office at Safdarjung Airport, New Delhi-110003	Alteration in main object clause of Memorandum of Association for incorporation of new businesses for AME training institute, safety institute, fixed wing aircraft and sea plane operations and development of helipad/ heliport.
25 th Annual General Meeting to be held on 03.12.2010	12.30 PM	Registered Office at Safdarjung Airport, New Delhi-110003	Increase in Authorised Capital from ₹ 120 crores to ₹ 250 crores and issue of equity shares in the name of President of India ₹ 36 crores and ₹ 95.85 crores in the name of ONGC.

Presidential Directives

No Presidential directive was issued during the year.

Redressal of Public Grievance

The Company is following Government Guidelines on redressal of grievances for employees and public.

Citizen's Charter

The Company has published Citizen's Charter on its website as per the format prescribed by the Ministry of Civil Aviation.

Integrity Pact

The Company has signed Integrity Pact with Transparency International India on 09.11.2011.

Related party transactions of Senior Management

There was no related party transactions during the year with regard to Senior Management where they had any personal interest.

Certificate from Practicing Company Secretary regarding compliance of Corporate Governance Guidelines.

Certificate from practicing Company Secretary regarding compliance of Corporate Governance Guidelines has been received.

Remuneration Committee

Remuneration Committee will be constituted



Inspection and acceptance of the new Dauphin N3 Helicopter in France

as per DPE guidelines upon the induction of Independent Directors, which is presently under consideration with the Administrative Ministry.

Whistle Blower Policy

A WhistleBlower Policy has been implemented as a voluntary initiative. The policy would ensure that a genuine whistleblower is granted due protection from any victimization. The policy is available to all employees of the Company and uploaded on the intranet of the Company. No personnel have been denied access to the Audit Committee.

XI. Auditors' Report

The observations made by the Statutory Auditors in respect of the Annual Accounts for the financial year 2010-11 together with replies thereto are appended as Annexure 'A'. (Refer to page no. 69).

The Report of Comptroller and Auditor General of India in pursuance of Section 619(4) of the Companies Act, 1956 is appended as Annexure-B. (Refer to page no. 77).

XII. Particulars of the employees

Pursuant to section 217(2A) of the Companies Act, 1956, read with the Companies

(Particular of Employees) Amendment Rules, 1988, the required information is appended to this report as Annexure-'C' (refer to page no.79).

XIII. Official Language Policy

During the year under review, the Company has made significant progress towards implementation of various provisions of Government's Official Language Policy by celebrating Hindi Day/Week, holding Hindi workshops, granting monetary incentives and issuing bilingual advertisements and compliance to Section 3(3) of Official Language Act, 1963.

XIV. Employment of Persons with Disabilities.

The Company has been following the provisions of the law regarding Persons for Disabilities (equal opportunities, protection of rights and full participation) Act, 1995.

XV. Vigilance

The Company has an independent Vigilance department headed by a Chief Vigilance Officer. Regular inspections, greater interface with the staff and periodic counseling has helped in streamlining procedures



and imparting greater transparency and accountability in decision making. A sincere attempt at preventive vigilance has also exerted a healthy influence in promoting ethical work culture, imparting better control and discipline within the system, and in motivating the honest and committed employees. Conscientious functioning of the Vigilance department has added to the efficiency and image of the organization as well as to the code of accountability.

XVI. Emerging Scenario

In the emerging scenario, the Company has opportunities and challenges before itself to be competitive, qualitative and cost effective. Pawan Hans is the largest helicopter Company in India and its operating and maintenance standards are of a high order. The Company's relentless pursuit continued in achieving excellence by effecting all round improvement in safety and performance. It is time for the Company to capitalize on its strength and skills achieving its aim to become a market leader in Asia, in helicopter operations as well as globally competitive in the repair & overhaul of aviation products.

XVII. Acknowledgements

The Board of Directors deeply appreciates the continued co-operation, guidance and support received from the various Ministries of the Government of India, particularly, the Ministry of Civil Aviation and the Director General of Civil Aviation.

The Board expresses its thanks for the continued confidence reposed by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd., various State Governments and other customers and all other stake-holders in the operations of the Company.

The Board also places on record its appreciation of the sincere and devoted services rendered by the employees at all levels for the progress of the Company.

For & on behalf of the
Board of Directors
Pawan Hans Helicopters Ltd.

(R.K. Tyagi)
Chairman cum Managing Director

Date: 29th December, 2011

Place: New Delhi.



Sh. Sanjiv Bahl, Executive Director, PHL accepted delivery of the 1000th Dauphin N3 Helicopter in April, 2011 from M/s. Eurocopter, France



MANAGEMENT DISCUSSION & ANALYSIS REPORT

Overview of Helicopter Operations

Industry Structure and Developments

Helicopters have a tremendous future in India. Given the ability of helicopters to fly in varied environments and also due to the fact that infrastructure for fixed wing aircrafts can expand only incrementally, it is but natural for helicopters to grow at an unprecedented pace. At present, India has about 300 civil helicopters in operation, which is minuscule in comparison to the international figure of 35,750. The Government aspires for rapid development of helicopter operations, to include 300 more helicopters. In order to achieve this objective, the Strategic Plan of the Government list the following to enable growth of Helicopter operations during next 5 years:-

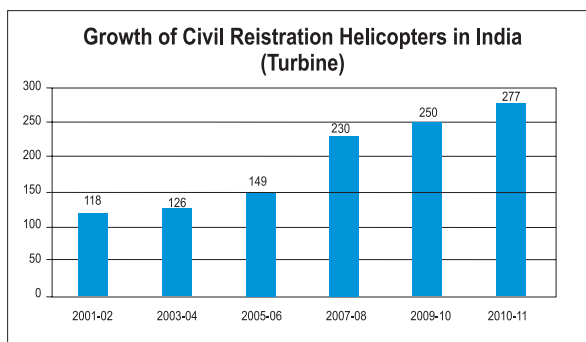
- a. Create the right infrastructure for the rapid growth of helicopter operations. Heliports shall be set up in the four regions in the country – Delhi in North, Mumbai in the West, Kolkata in the East and Chennai/ Bangaluru in the South in the first phase. Development of heliports for air connectivity through helicopter services in remote areas in J&K, M.P, Chattisgarh, Orissa, A.P, Gujarat etc. Special requirement of air connectivity to NE region, J&K, A&N islands, Lakshadweep islands as socio-economic commitment.
- b. These heliports shall be developed both in the public, private and joint sector. The responsibility of developing heliports shall primarily rest with the Airports Authority of India. However, this critical function can also be performed by the Pawan Hans Helicopters Ltd. and also by the private sector.
- c. The Greenfield Airports Policy shall be suitably modified wherever necessary to adapt to helicopter operations' needs.
- d. States would be encouraged to develop helipads and heliports through subsidy schemes like the Infrastructure Development Scheme of Tourism Department.

- e. The Government shall periodically review the need for helicopter corridors and update them according to changing needs of the industry. Air Space Management shall be done in a way to enable optimal growth of helicopters along-with fixed wings.
- f. Tourism and Medical evacuation are going to be major drivers of helicopter growth in India in the years to come. Medical Evacuation would be triggered by the Government through the National Disaster Management Agency and NHAI.
- g. Since medical evacuation for private people still continues to be an expensive proposition medical insurance companies would be encouraged to formulate appropriate packages to include the cost of such evacuation. In the case of Government Servants CGHS would act as a facilitating vehicle.
- h. Coordinate with line Ministries to develop helipads in major and prestigious government and private hospitals.
- i. In order to facilitate growth of helicopter operations in India a separate wing for helicopters shall be developed in the DGCA and AAI. The Regulatory regime for helicopters would be continuously upgraded to enable blossoming of the sector.

Theme	Strategic Initiatives
Air Connectivity through Helicopter Services	Rapid development of Helicopter operations
Infrastructure creation	<ol style="list-style-type: none"> i. Create Heliports and Helipads in the country ii. Develop world class MROs for Helicopters iii. Create Helicopter Training Academy for HR capacity development



Growth Chart showing Civil registered helicopters in India during the period 2001-02 to 2010 -11 is as under :-



In the total 277 Civil Registered helicopters in India in the year 2010-11 there had been 71 NSOP operators with fleet strength of 212 helicopters, 17 Government Operators/BSF with fleet strength of 37 helicopters and 20 private operators with fleet strength of 28 helicopters. Out of the total 277 helicopters there are 154 twin engine helicopters representing 56% and 123 single engine helicopters representing 44% of the total helicopter strength in the Country. In the total 277 helicopters for Civil usage in India 43 helicopters (15.53%) are used for logistic support to E&P Companies, 212 helicopters (76.53%) used for helicharters and 22 helicopters (7.94%) used for heli pilgrimage/heli tourism. (Source : Presentation made by RWSI for International Helicopter Safety Team – (IHST)).

PHHL owns 42 helicopters plus it operates and maintains 9 helicopters owned by other agencies. There are 6 operators having five or more helicopters in India. PHHL is the largest operator and retains majority market share of commercial operations of helicopters deployed on long term basis.

Management's Assessment of the Company's Outlook for the future (opportunities) and Important Risks that the company may face in future.

In order to retain its leadership position, Pawan Hans intend to take the following key initiatives :-

◆ Helicopter Operations

- Strengthen competitive position in existing markets.

- Acquisition of new fleet
- Pursue Business in new areas

- ◆ Setting up of MRO facilities
- ◆ Setting up of Training Centre
- ◆ Establishing Heliports and Joint-Ventures
- ◆ Sea Plane operations
- ◆ Improvement of customer satisfaction

STRENGTHEN COMPETITIVE POSITON IN EXISTING MARKETS

- Renew existing contracts for market advantage.
- Maintain high standards for safety and reliability
- Enhance its core competence in Offshore operations by acquiring new medium class helicopters
- Selectively pursue international operations whenever opportunity arise
- Strengthen its competitive advantage by improving focus on customer needs
- Strengthen relationship with customers and other business associates.

ACQUISITION OF NEW FLEET

The Strategic Plan of the Ministry of Civil Aviation covers the roadmap for the Aviation Industry during the five year period (2010-15). Keeping the Helicopter Industry in view and its growth potential through the XII Five Year Plan Period (2012-17), PHHL has proposed acquisition of its own fleet during this period and other capital programmes at an estimated outlay of ₹725 crores. The Company has projected acquisition of 10 new helicopters and 02 sea planes during the XII Five Year Plan at an outlay of ₹559.35 crores. It is proposed to finance the project cost on the basis of debt- equity ratio of 80:20. Other proposed capital programmes will be financed through augmentation of financial resources through internal and external generation of funds.

PURSUE BUSINESS IN NEW AREAS

- Medical evacuation, law enforcement, news gathering, intra-city transportation



connecting airports to city- centers in major cities, corporate travel, hotline washing of power insulators, etc.

- There is tremendous potential in the tourism/pilgrimage areas in the country that need to be carefully tapped. New areas that can be explored for this purpose are States of Himachal, Uttarakhand, Gujarat, South India, Goa and North-East States.

STRATEGIC ALLIANCE WITH HAL FOR O & M FOR DHHRUV HELICOPTERS

- Establish contract with HAL for the O & M contract for Dhruv helicopters.

DISASTER MANAGEMENT- DEDICATED EMERGENCY MEDICAL SERVICES/SAR OPERATIONS

- The country's first Medivac helicopter to ONGC was provided by PHHL.
- PHHL would explore possibility to venture into Medivac/SAR sector in association with NDMA.
- Central Government need to financially support through GBS the need to acquire helicopters for Emergency Medical services / SAR roles & better governance and construct Helipads / Heliports at district level.

HELICOPTER MAINTENANCE SERVICES

PHHL is an Authorised Maintenance centre of M/s Eurocopter, France for Dauphin series of Helicopters. PHHL plans to expand its repair and overhaul business by offering its services to other operators having fleet of Dauphin in the initial stages. For this purpose, it is proposed to create a new state-of-the-art Maintenance Centre.

HELICOPTER TRAINING CENTRE

DGCA has assigned the task to PHHL for Development of a Helicopter Training Centre and Heliport at the Gliding Centre, Hadapsar, Pune.

HELIPORTS

MoCA has assigned the task of Development of Heliport at Rohini, New Delhi which will be the First Integrated heliport in the Country

with provision for operations and parking of Helicopters, Maintenance facilities, small commercial centre, etc.

IMPROVEMENT IN CUSTOMER SATISFACTION

PHHL has been collecting feedback both from the passengers travelling as well as from the customer organizations from time to time and has also engaged an outside agency to redevelop the proforma and collect feedback from them.

Strength and Weakness:- Deployment of helicopters to Institutional Customers on long term basis (like ONGC, State Govts., PSUs), State- of- art Maintenance facilities, competitive advantage because of availability of Fleet mix to cater to different needs of the customers, large pool of skilled work force (experienced Pilots, Engineers and Technicians) and Government support are some of the strengths of PHHL. However, keeping in view significant competitive environment resulting in low helicopter charter rates and increased input cost, there is likelihood of reduce profit margin in the subsequent period.

Risks and Concerns

PSUs like ONGC and GSPC have issued tenders with 5 years vintage conditions of helicopters. Some North East States like Government of Arunachal Pradesh have also floated tenders for Heavy helicopters with 5 years vintage. There is therefore risk of finding new business for the older helicopter fleet in case this trend is followed by some other customers. The recovery period specially from some State Governments is long resulting in large amount of customer outstanding dues. This may affect the cash flow of the Company, keeping in view fund requirement for debt servicing of the term loan taken for acquisition of new fleet of helicopters. Although, most of the Contracts with the customers have an inbuilt provision for hedging against fluctuations in terms of rates of foreign exchange and aviation Turbine Fuel, such fluctuations affects contracts which may have fixed and firm charter rates for helicopter services leading to increased input



cost and reduced profit margins. Aviation business is characterized by the safety in air and on ground. Helicopter accidents may affect customer confidence and influence the business of the Company.

Internal Control Systems and their adequacy.

Standard procedures and guidelines are issued from time to time to institutionalize best practices in all areas of activities. PHHL has an adequate system of internal control to ensure that all activities are monitored and controlled against any unauthorized use of the assets and those transactions are authorized, recorded and reported correctly. The Company ensure adherence to all internal control policies and procedures as well as compliance with Regulatory guidelines with suitable connective measures if any. The Audit Committee of the Board of Directors oversee the adequacy of internal controls. Audit by Regulatory authorities covering operational and safety aspects is carried out from time to time.

Analysis of Finance and Operations.

Physical & Financial performance for each quarter along with the ratio analysis is finalized and submitted to the Board of Directors. The Company's website publishes the Annual Report as also official news are regularly and promptly displayed on the Company's website.

Pecuniary relationship or transactions of the part-time Directors viz-a-viz the Company.

There has been no pecuniary relationship of any part-time director during the year with the Company. Further, no remuneration or sitting fee has been paid to any part-time director.

Human Resources, Industrial Relations and Talent Management Issues

The staff strength as on 31st March, 2011 was 989 as against 850 as on 31st March 2010. The

manpower comprise of 168 flying crew, 102 engineers, 6 flight engineers, 52 executives, 298 technicians and 363 support staff. During the year Industrial relations had been cordial. The Company has been sending its pilots and other staff for training as also doing internal training development of its employees on regular basis.

Environmental Conservation, Renewable Energy Use and R&D Issues

The Company has always considered energy saving and technology absorption as an important goal and high priority has been accorded to the same during the year under review. The Company has obtained ISO-14001 and 18001 Certification which is known as Integrated Management System covering environment and safety aspects. The Company has recently obtained approval of Ministry of Environment & Forests for development of Heliport at Rohini. As part of Innovation, the Company has carried out study on Indigenization of Spares and enhanced reliability of HMUs (Dauphin N3 helicopter). The Company is also carrying out feasibility study of Flight Following System for helicopters and implementation of study on enhanced reliability of HMUs (Dauphin N3 helicopter).

Corporate Social Responsibility

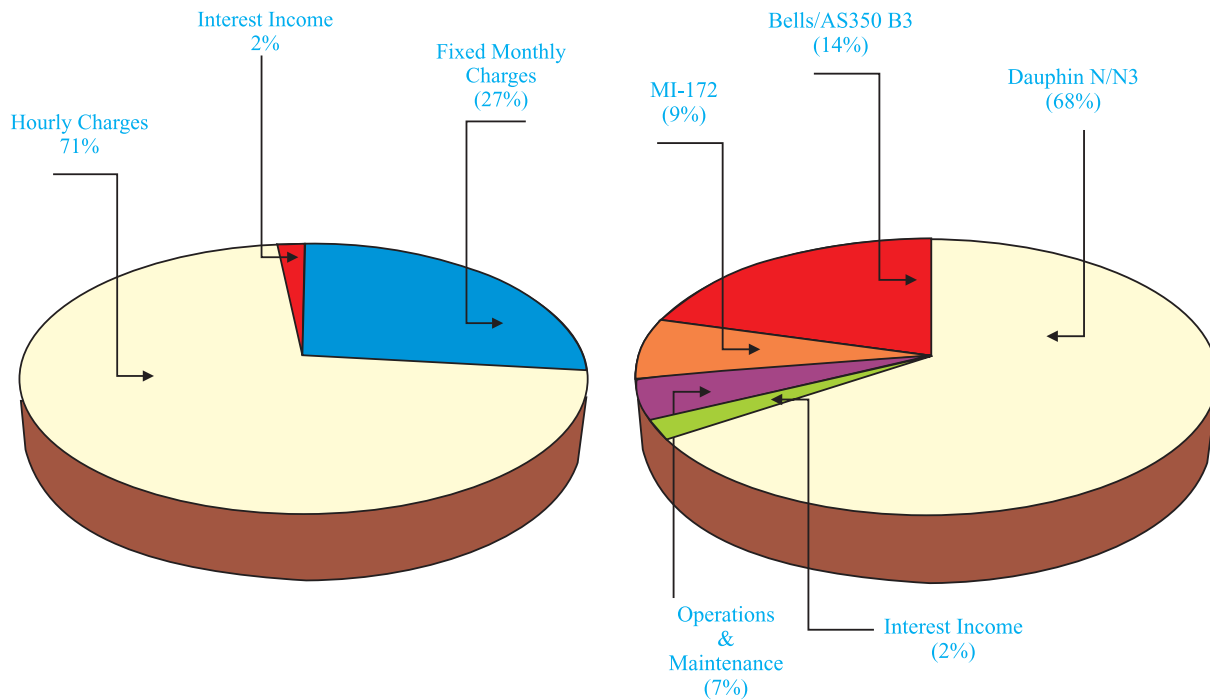
The Company is following Corporate Social Responsibility role assigned to it as per the MoU for the year 2010-11 and 2011-12 and as per the CSR Guidelines issued by DPE. PHHL is preparing plan for skill development of economically weaker section of North East and financial assistance for education of economically weaker section in North East.

The Company has in September, 2010 framed Corporate Social Responsibility and Sustainability (CSRS) Policy based on the guidelines framed by Department of Public Enterprises.

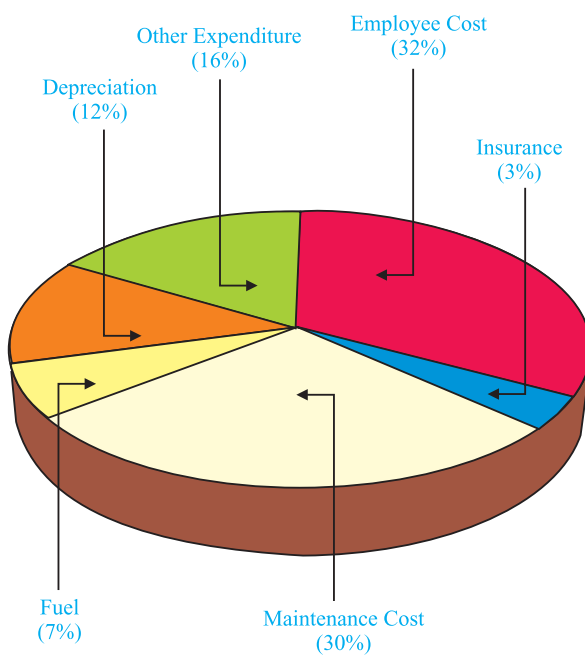


FINANCIAL HIGHLIGHTS (For 2010-11)

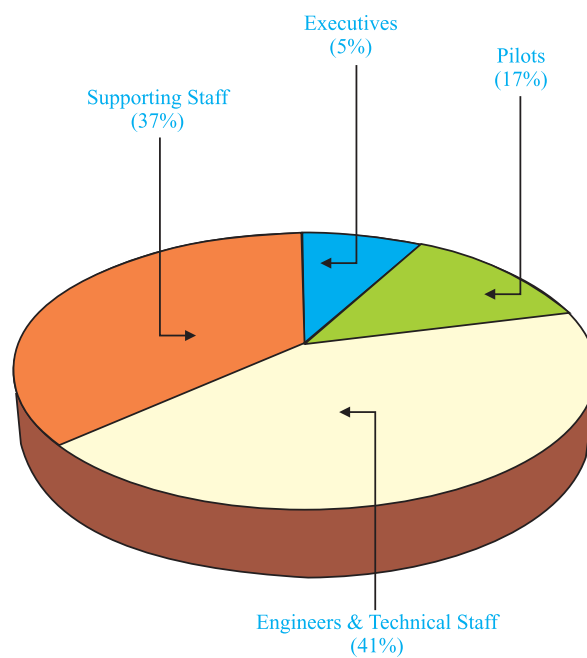
Source of Income



Cost Structure

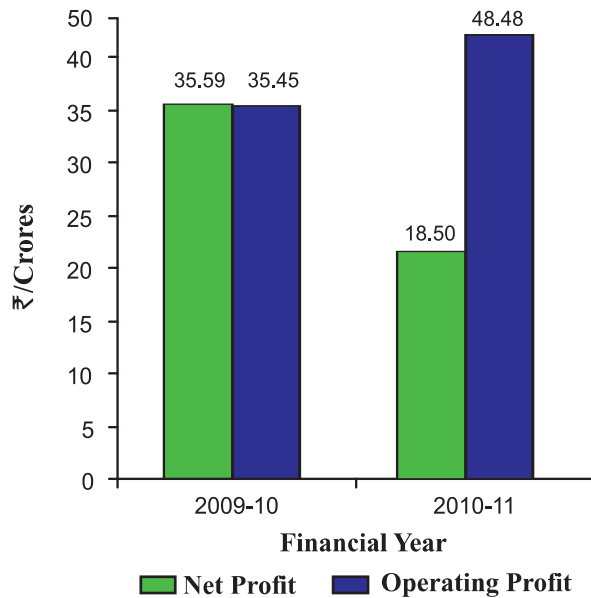


Manpower Profile

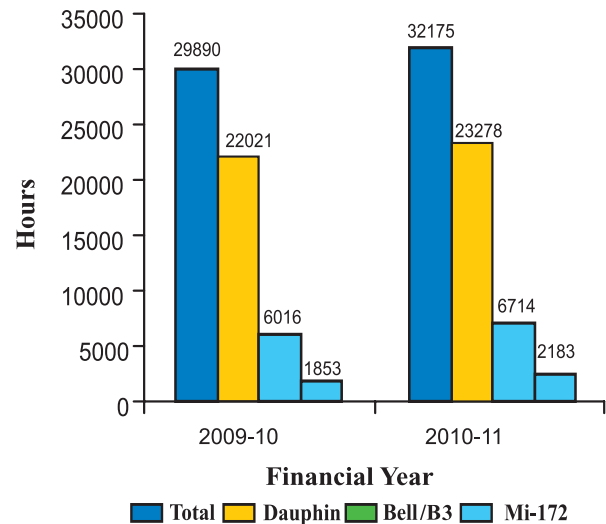




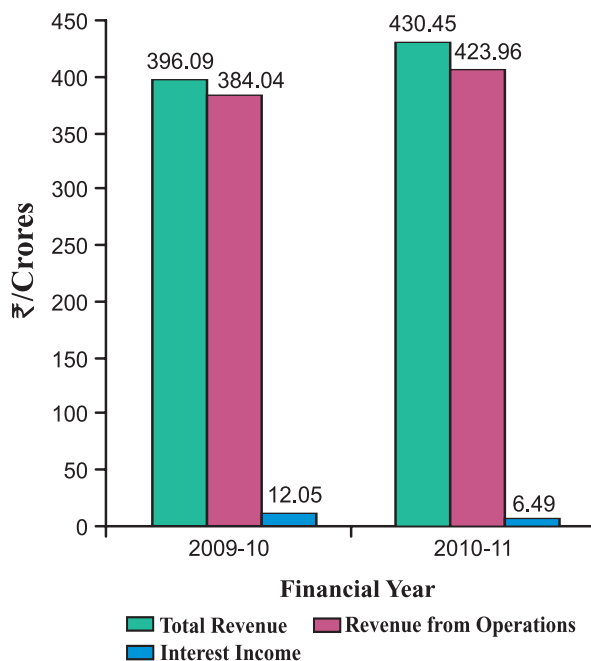
Net Profit & Operating Profit



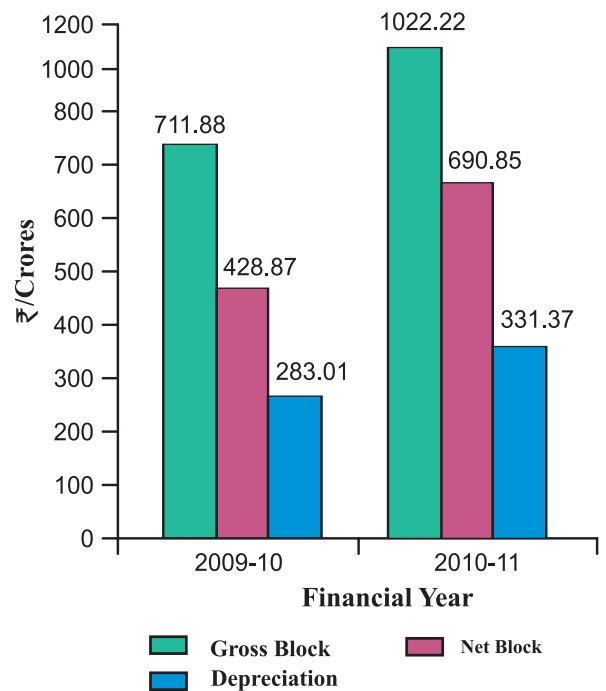
Flying Hours



Revenue



Fixed Assets





SUMMARISED ACCOUNTS

		(₹ in Crores)			
		2010-11	2009-10	2008-09	2007-08
RESOURCES					
Net Worth		485.92	350.96	300.37	288.56
Loan Funds- Secured Loans		79.22	-	-	-
Deferred Tax Liabilities		97.63	77.21	67.06	50.38
Total		662.77	428.17	367.43	338.94
UTILISATION OF RESOURCES					
Fixed Assets (including Capital wip)		1047.74	749.62	745.29	681.07
Less: Depreciation		331.37	283.01	250.47	215.37
Net Fixed Assets		716.37	466.61	494.82	465.70
Investment		2.89	2.89	-	-
Net Working Capital		(57.03)	(42.41)	(133.53)	(137.97)
Miscellaneous Expenditure		0.54	1.08	6.14	11.21
Total Capital Employed		662.77	428.17	367.43	338.94
EARNINGS					
Revenue from Operations		423.96	384.04	310.94	220.11
Interest /Other income		6.49	12.05	17.88	23.30
Total		430.45	396.09	328.82	243.41
OUTGOINGS					
Employee Cost		121.47	109.64	81.13	71.20
Insurance		9.86	7.67	6.56	5.48
Maintenance & Materials		110.92	130.04	109.36	68.06
Fuel		24.53	21.23	21.66	16.89
Other Expenditure & Provisions		62.16	41.81	35.73	21.91
Interest on borrowings		6.17	-	-	-
Depreciation		46.53	38.21	36.20	30.36
Total		381.64	348.60	290.64	213.90
Profit for the year before Extraordinary/ Prior period Adjustments		48.81	47.49	38.18	29.51
Prior period/Extraordinary adjust.		0.66	7.65	9.77	0.66
Profit before tax		49.47	55.14	47.95	30.17
Provision for Taxation		10.00	9.40	5.50	3.00
Provision for tax for Previous years		0.54	-	-	-
Fringe Benefit Tax		-	-	0.65	0.55
Deferred Tax Liability		20.42	10.15	16.68	3.45
Net profit after tax		18.50	35.59	25.12	23.17
Dividend Paid		-	-	11.38	11.38
Significant Ratios					
a) Net profit Ratio	Net Profit Total Revenue	4.3%	9.0%	7.6%	9.5%
b) Return on Investment	Net Profit Capital Employed	2.8%	8.3%	6.8%	6.8%
c) Return on Net Worth	Net Profit Net Worth	3.8%	10.1%	8.4%	8.0%
d) Debt Collection Pd.(months)	Operational debts Avg. monthly Operating Revenue	5.2	3.5	3.3	4.2
e) Inventory Turnover (months)	Year end Inventory Avg. monthly Operating Revenue	2.1	2.1	2.4	2.0
f) Current Ratio	Current Assets: Current Liabilities	0.9	0.9	0.8	0.8



ACCOUNTS





SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. FIXED ASSETS / DEPRECIATION

- a) Fixed Assets are stated in the Balance Sheet at actual cost less depreciation.
- b) Cost of mid-life up-gradation programme (including type certification costs)/major retrofit of the helicopter fleet is capitalized.
- c) Depreciation is provided on straight line basis at the rates prescribed under Schedule XIV of the Companies Act, 1956 unless the useful life of the asset warrants higher rate of depreciation, such depreciation is provided to the extent of 95% of the value of assets. In case of acquisition of second hand helicopters and aero-engines, depreciation is provided at a rate so as to write off 95% of the cost of such assets over the balance specified life as technically evaluated by the management subject to the minimum charge as per the statute rate. In the case of Mi-172 helicopters, taking into consideration the life limitation of 12,000 hours or 25 years hither to 7,000 hours or 15 years, whichever occurs first, depreciation is provided at the minimum rate of 5.60% per annum, for upto 480 flying hours each year and for additional hours flown depreciation is charged on the basis of actual hours flown in excess of 480 hours multiplied by the hourly rate computed by dividing 95% of the original cost by 12,000 hours for each helicopter.
- d) Depreciation on Airframe and Aero-engine equipment-Rotables and cost of mid-life upgradation programme (including type certification costs) / major retrofit of the Helicopters is computed on straight line basis in a manner so as to write-off the 95% of the amount thereof over the remaining useful life of the principal asset (type of helicopters) to which they pertain,

subject to a minimum charge as per the statute rate. In respect of Mi-172 helicopters the depreciation on airframe and aero engine rotables is derived on the basis of annual average maintenance flying hours of the fleet and the remaining useful life in flying hours of the least flown helicopter at the commencement of the financial year. For this purpose, the remaining useful life of the last batch of helicopters (in case of Dauphin N since these constitute significant strength of the fleet) or latest helicopter (in the case of other fleet) is considered. Effective from the financial year 2006-07, the useful life of helicopters is enhanced to 30 years or 25,000 hours, whichever is later (other than Mi-172 helicopters for which there is a life limitation as explained above) based on technical estimates and the disposal policy evolved by the Company. Hitherto, the useful life of helicopters was considered as 20 years or 16,000 hours, whichever is later. Items scrapped under these heads are written off on FIFO basis. Rotables related to Westland Helicopters fleet continue to be classified as "inventory" as the full book value has been provided.

- e) Cost of leasehold land is amortized over the period of lease. Similarly the cost of residential flats constructed under joint development agreement with AAI is amortized over the period of right to possess the property as per the terms of such agreement.
- f) Translation differences relating to liabilities in foreign exchange for acquisition of fixed assets are adjusted to the original cost of the asset and depreciation on the revised un-amortized depreciable amount is provided prospectively over the residual specified period of the asset. The policy was followed upto 31.03.2007.



- g) Assets of material value retired from active use and held for disposal are stated at the lower of their net book value or net realizable value (wherever available) and disclosed separately in the Accounts. No depreciation is provided on such assets (including Westland helicopters and related items w.e.f. financial year 1995-96).
- h) Depreciation in respect of additions or deletions of helicopters / spare aero engines is made on a pro-rata basis, effective from / to the date of acquisition (being the date of Certificate of Airworthiness in India for helicopters) / disposal. Depreciation in respect of all other fixed assets is reckoned on a pro-rata basis. The effective date for the purpose of such other assets is taken as the first day of the month following the month of purchase of the item. Likewise, in respect of deletions, last day of the preceding month of the deletion of such an asset is considered for providing pro-rata depreciation. Gains and Losses arising from the retirement or disposal of assets are credited / charged to the Profit and Loss Account.
- i) Assets having unit value of ₹ 5,000 or less are depreciated @ 100 % in the year of purchase.
- j) Impairment : The carrying amount of assets are reviewed at each Balance Sheet date to determine whether there is any indication of impairment. If any indication exist, the assets recoverable amount is estimated. An impairment loss is recognized wherever the carrying amount of an assets exceeds its recoverable amount.

2. INVESTMENTS

Investments are stated at cost less interim payments, if any, received. However, in respect of investments whose redemption value is different than the acquisition cost, the difference between the acquisition cost and redemption value of the investment

is amortised on time basis over the period from the acquisition date to the redemption date. The amortised amount for the year is shown as "Profit / Loss on investments" with corresponding adjustment in the cost of such investments.

3. TRANSACTION IN FOREIGN CURRENCIES

- a) Transactions in foreign currency relating to purchase of fixed assets, goods and services are accounted for at the rate of exchange prevailing on the date of transaction as provided by the principal banker of the Company. Similarly, transactions in foreign currency relating to services provided by the Company are accounted for at the rate of exchange prevailing on the date of transaction which in this case is considered as the last date of the respective month.
- b) At the year-end, monetary assets and liabilities are translated at the year end exchange rate whereas non-monetary items are reported at historical rates.
- c) Losses or gains due to exchange fluctuations arising due to restatement of monetary assets or liabilities or on settlement of foreign exchange transactions are transferred to the Profit and Loss Account of that year.

4. INVENTORIES

- a) Inventory consisting of helicopter spares and consumable stores are stated at cost using the moving weighted average method. Items of spares and stores lying on the shop floor at the year end are also considered as part of closing inventory.
- b) Loose/test tools are valued at cost less financial write-offs. Loose tools/ test tools are amortised equally over a period of 3 financial years including the year of purchase and stated accordingly. Items scrapped under these heads are written off on FIFO basis.



- c) Stores and Spares the landed unit value of which, is less than ₹1,000 and all items of consumables, oil, greases, lubricants are expensed in the year of purchase.
- d) Goods dispatched by the suppliers by 31st March of each year but not received by the Company are accounted for as Goods in transit. However, the repair/overhaul charges in respect of Goods in transit being returned after repairs are accounted for by a corresponding debit to the "Maintenance expenditure in the Profit & Loss Account " of the year itself.
- e) Provision is made in the accounts on moving weighted average basis for non-moving items of stores, spares and consumables (other than ground support and test equipments, and maintenance tools) which have not been issued for actual use for three consecutive years from the date of last transaction.

5. LIABILITIES

- a) Provision is made in the accounts for all known liabilities existing on the date of balance-sheet. Liabilities not known or liabilities whose amount cannot be determined with any reasonable degree of accuracy are not provided for. Further, liability for goods or repairs/overhaul charges is made in the accounts for goods dispatched by the suppliers by 31st March of each year but not received by the Company as at the year end, based on manufacturers advice / engineering estimates.
- b) Claims on suppliers / outside parties are accounted for on acceptance by such parties. Claims of suppliers /outside parties/customers are accounted for on settlement basis.
- c) No provision for accrued expenses / liabilities is made in the accounts where the individual transaction is less than ₹ 5,000.

6. PREPAID EXPENSES

Prepaid expenses which are individually less than ₹ 5,000 are not accounted for.

7. MAINTENANCE EXPENDITURE OF HELICOPTERS

Effective from F.Y 2006-07 Maintenance expenditure of helicopters is accounted as on incurred basis.

8. REVENUE RECOGNITION

- a) Revenue from helicopter operations is recognized on accrual basis as per the terms of the contract.
- b) Income from engineering and other services is recognized when the corresponding services are completed.
- c) Revenue from Sale of scrapped Assets/Stores is recognized on actual realization.

9. INTEREST/INCOME FROM INVESTMENTS

Interest / yield accruing on Deposits / Investments with banks / others is accounted for on proportionate basis upto the end of the financial year at the applicable interest / yield rates.

10. FUEL

Expenditure on Aviation Turbine Fuel is fully charged to Profit and Loss Account in the year of purchase and no cognizance is taken of stock, if any, of fuel in helicopters as at the end of the financial year.

11. INSURANCE / INSURANCE CLAIMS

- a) The Company has opted for separate scheme of Self Insurance in respect of Technical Personnel. Any compensation payable under the scheme is charged to expenditure for the year under the Profit and Loss Account.
- b) Insurance Claims other than those relating to the helicopters and inventory are accounted for on cash basis and recognised as income except where payable to any third party.



- c) All helicopter and inventory related claim recoveries other than the total loss are accounted for in the year of lodging the final claim upon establishing the virtual certainty of admittance of claim by the insurance surveyor/ insurance company at the estimated/ finally assessed value which is known before the close of Books of Accounts of such financial year, otherwise in the year of admittance of the claim. The actual expenditure on repairs as also the total Insurance claim realized are accounted for in Profit & Loss Account and the assets are carried forward at their book values.
- d) In the case of total loss of helicopter, adjustment is made in the year of event taking place by reducing the written down value of the helicopter from the fixed assets and reflecting the same as "Insurance Claim Receivable Account" and appropriate adjustment is made to the "Profit / Loss on Insurance Claim on destruction of Assets", when the value of claim is admitted / settled by the insurance company.

12. GRATUITY

Gratuity is accounted for on actuarial valuation basis and the amount due for the year is transferred to a separate recognised Gratuity Trust

13. INTANGIBLE ASSETS

- a) Initial training expense for newly recruited pilots, which qualify as intangible asset within the meaning of Accounting Standard-26, are amortized over the useful life of such intangible asset. Other training expense are charged off to the revenue account in the year in which they are incurred.
- b) Costs of software purchased/ developed in-house exceeding ₹ 5 lacs each is amortized over a period of 60 months on straight line basis from the date of successful commissioning of

the software, subject to review at each financial year end. Software costing upto ₹ 5 lacs each are charged off to Revenue in the year of purchase.

14. EMPLOYEE BENEFITS

Provision for Leave salary/baggage Allowance / Post Retirement Medical Benefits and Leave Travel Concession benefit is accounted for on the basis of actuarial valuation.

15. PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS

Amounts pertaining to income or expenditure which arise in the current period that could have been reasonably estimated in earlier years but remained unaccounted due to errors or omissions are reflected as prior period items.

16. SUNDRY DEBTORS / ACCOUNTS RECEIVABLE

- a) Debts recoverable from outside parties and outstanding for more than three years are considered doubtful and provided for unless specifically known to be doubtful prior to this period.
- b) Unadjusted / unclaimed credit balances relating to outside parties and outstanding for more than three years are written back and treated as income.

17. BORROWING COSTS

- a) Borrowing cost that is directly attributable to acquisition, construction or production of qualifying assets is capitalized upto the time the asset gets ready for its intended use.
- b) Borrowing cost other than stated above is treated as period cost and charged to the Profit & Loss Account.

18. TAXES ON INCOME

Current tax is determined as the amount of tax payable in respect of taxable income for the year. Additional demands of Income Tax raised in the Assessment



are provided in the year of finality of Assessments. Accordingly, the interest on Income Tax refunds is accounted for in the year of finality of Assessments or actual receipt whichever is later. The deferred tax charge or credit due to timing differences between the Book Profits and Tax Profits is recognized using the rates and laws that have been enacted or substantially enacted as on the Balance Sheet date. Deferred Tax assets are recognized only to the extent there is reasonable certainty of realization in future. Such assets are reviewed as at each Balance Sheet date to reassess realization. Where there is unabsorbed

depreciation or carry forward losses, deferred tax assets are recognized only if there is virtual certainty of realization of such assets supported by convincing evidence.

19. CASH FLOW STATEMENT

Cash Flow Statement is prepared under the indirect method prescribed under "Accounting Standard 3 on Cash Flow Statement" issued by The Institute of Chartered Accountants of India.



BALANCE SHEET

As at 31st March, 2011

	Schedule	31 st March, 2011	31 st March, 2010	(In ₹)
I SOURCES OF FUNDS				
1. Shareholders' Funds				
Capital	1	2,45,61,60,000	1,13,76,60,000	
Advance against equity shares, pending allotment	2	-	15,00,00,000	
Reserves & Surplus	3	2,40,30,14,107	2,22,19,53,729	
		4,85,91,74,107		3,50,96,13,729
2. Loan Funds	4			
Secured Loans		79,22,12,964		
3. Deferred Tax Liability (Net)	5	97,63,34,760		77,21,01,593
Total (I)		6,62,77,21,831		4,28,17,15,322
II APPLICATION OF FUNDS				
1. Fixed Assets	6			
A. Assets under Active Use				
Gross Block		10,04,53,62,017	7,11,87,76,690	
Less Depreciation Fund		3,24,47,82,570	2,83,01,25,402	
Net Block		6,80,05,79,447	4,28,86,51,288	
B. Assets retired from Active Use and held for disposal/Impaired Assets				
Gross Block		62,48,45,611	62,51,07,349	
Less Depreciation Fund		52,94,39,782	52,96,88,433	
Less Provision for loss on disposal/ Impairment		9,54,05,829	9,54,18,916	
Net Block		-	-	
C. Assets currently not in Active use				
Gross Block		17,67,96,392	2,75,93,114	
Less Depreciation Fund		6,88,91,728	2,62,13,458	
Net Block		10,79,04,664	13,79,656	
D. Capital Work in Progress		25,52,06,966	37,60,22,861	
		7,16,36,91,077		4,66,60,53,805
3. Investments	7	2,89,33,530		2,89,33,530
4. Current Assets, Loans, and Advances	8			
Inventories		74,25,69,448	68,69,02,563	
Sundry Debtors		1,84,29,48,487	1,13,03,42,642	
Cash & Bank Balances		1,14,01,82,419	1,25,84,19,443	
Loans & Advances		1,71,97,65,854	2,04,52,05,501	
		5,44,54,66,208	5,12,08,70,149	
Less:				
Current Liabilities & Provisions	9			
Liabilities		5,47,03,88,711	5,13,38,69,402	
Provisions		54,53,67,257	41,10,46,727	
		6,01,57,55,968	5,54,49,16,129	
Net Current Assets		(57,02,89,760)		(42,40,45,980)
3. Miscellaneous Expenditure (to be extent not written off or adjusted)		53,86,984		1,07,73,967
Total (II)		6,62,77,21,831		4,28,17,15,322

Contingent Liabilities & Notes to Accounts 17

Statement on Significant Accounting Policies and the Schedules referred to above form an integral part of the Accounts.
As per our report of even date attached.

For S.Chaturvedi & Associates

Chartered Accountants
Firm Regd. No. 004550N

Punit Sachdev
Partner
(M.No.- 097897)

Place : New Delhi.

Dated : 1st November, 2011

R.K.Tyagi
Chairman-Cum-Managing Director

Sanjiv Bahl
Executive Director

Sanjiv Agrawal
Company Secretary & DGM (Legal)

E.K.Bharat Bhushan
Director

Dhirendra Sahai
Dy.G.M.(F&A)



PROFIT AND LOSS ACCOUNT

For the year ended 31st March, 2011

	Schedule	31 st March, 2011	31 st March, 2010
(In ₹)			
I INCOME			
Helicopter Hire Charges		3,89,32,52,341	3,72,97,18,406
Less: Deduction for non-provision of Helicopters(AOG)		<u>2,86,09,325</u>	<u>4,45,30,930</u>
		3,86,46,43,016	3,68,51,87,476
Income from Operations & Maintenance Contracts		28,57,26,715	12,00,08,714
Interest Income	10	6,49,00,868	12,05,37,282
Other Income	11	<u>8,92,21,252</u>	<u>3,51,95,133</u>
Total		<u>4,30,44,91,851</u>	<u>3,96,09,28,605</u>
II EXPENDITURE			
Helicopter Maintenance Expenditure		1,01,61,35,299	1,15,84,72,772
Helicopter Operational Expenditure	12	43,89,35,269	40,54,14,024
Employees' Remuneration & Other Benefits	13	1,21,47,14,279	1,09,64,44,624
Insurance		9,85,71,225	7,67,04,242
Depreciation	6	46,53,03,382	38,20,60,906
Interest & other Borrowing cost		6,17,02,482	-
Other Expenses	14	<u>52,10,95,021</u>	<u>36,68,53,338</u>
Total		<u>3,81,64,56,957</u>	<u>3,48,59,49,906</u>
III Profit for the year before extraordinary/		48,80,34,894	47,49,78,699
Prior Period Items			
Extraordinary Items	15	1,84,82,386	7,04,59,964
Prior Period Adjustments	16	<u>(1,18,71,532)</u>	<u>59,80,992</u>
Profit for the year before Tax		49,46,45,748	55,14,19,655
Provision for Taxation (including Wealth Tax/MAT)		10,00,00,000	9,40,00,000
Provision for Income Tax for earlier years		53,52,203	-
Deferred Tax Liability		<u>20,42,33,167</u>	<u>10,15,33,563</u>
Net Profit After Tax		18,50,60,378	35,58,86,092
Profit brought forward from the previous year		<u>2,01,29,53,729</u>	<u>1,65,70,67,637</u>
Profit available for appropriation		<u>2,19,80,14,107</u>	<u>2,01,29,53,729</u>
Appropriations			
Profit Carried over to Balance Sheet		2,19,80,14,107	2,01,29,53,729
		<u>2,19,80,14,107</u>	<u>2,01,29,53,729</u>
Earnings Per Share (Basic & Diluted)		1,421	3,128
(Face value ₹10,000/- each)			

Contingent Liabilities & Notes to Accounts

17

Statement on Significant Accounting Policies and the Schedules referred to above form an integral part of the Accounts.
As per our report of even date attached.

For S.Chaturvedi & Associates
Chartered Accountants
Firm Regd. No. 004550N

R.K.Tyagi
Chairman-Cum-Managing Director

E.K.Bharat Bhushan
Director

Punit Sachdev
Partner
(M.No.- 097897)

Sanjiv Bahl
Executive Director

Sanjiv Agrawal
Company Secretary & DGM (Legal)

Dhirendra Sahai
Dy.G.M.(F&A)

Place : New Delhi.

Dated : 1st November, 2011



SCHEDULE 1 CAPITAL

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
(In ₹)		
AUTHORISED CAPITAL		
2,50,000 Equity Shares (PY:1,20,000 Equity Shares) of ₹ 10,000/- each	2,50,00,00,000	1,20,00,00,000
ISSUED, SUBSCRIBED & PAID-UP		
2,45,616 Equity Shares (PY:1,13,766 Equity Shares) of ₹ 10,000/- each, fully paid-up	2,45,61,60,000	1,13,76,60,000
Total	2,45,61,60,000	1,13,76,60,000

SCHEDULE 2 ADVANCE AGAINST EQUITY SHARES, PENDING ALLOTMENT

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
(In ₹)		
President of India	-	15,00,00,000
Total	-	15,00,00,000

SCHEDULE 3 RESERVES & SURPLUS

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
(In ₹)		
1. Self Insurance Reserve		
Opening Balance	40,00,000	40,00,000
Add: Addition during the year	-	-
	40,00,000	40,00,000
Less: Transfer to P&L Account during the year	40,00,000	-
	-	40,00,000
2. General Reserve		
Opening Balance	20,50,00,000	20,50,00,000
Add: Addition during the year	-	-
	20,50,00,000	20,50,00,000
Less: Utilised during the Year	-	-
	20,50,00,000	20,50,00,000
3. Profit & Loss Account	2,19,80,14,107	2,01,29,53,729
Total	2,40,30,14,107	2,22,19,53,729



SCHEDULE 4 SECURED LOANS

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
		(In ₹)
Loan from ONGC	78,57,21,001	-
Interest Accrued and due on	64,91,963	-
	79,22,12,964	-

SCHEDULE 5 DEFERRED TAX LIABILITY

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
		(In ₹)
1. Deferred Tax Liability		
Tax Arising on Account of Timing Difference		
- Accumulated Depreciation	1,21,27,70,695	94,38,48,190
Gross Deferred Tax Liability	1,21,27,70,695	94,38,48,190
2. Deferred Tax Assets		
Tax Arising on Account of Timing Difference		
Provision created :		
- Employee Benefits	17,76,27,327	12,99,02,553
- Non-moving Inventory	4,44,44,701	3,21,93,518
- Lease Rent	24,75,268	-
- Doubtful debts/advances	1,18,88,639	96,50,526
Gross Deferred tax Assets	23,64,35,935	17,17,46,597
Net Deferred Tax Liability	97,63,34,760	77,21,01,593



SCHEDULE 6

FIXED ASSETS

FIXED ASSETS		GROSS BLOCK			
Sl. No.	Particulars	Balance as at 1 st April, 2010	Additions during the year	Deletions / Adjustments during the year	As at 31 st March,2011
A. Assets Under Active Use					
1	Land - Leasedhold	58,90,935	-	-	58,90,935
2	Buildings	33,00,24,736	8,33,46,306		41,33,71,042
3	Helicopters & Aero-Engines	4,40,14,23,123	2,72,77,56,199	14,92,03,278	6,97,99,76,044
4	Airframe & Engine Equipment Rotables	1,99,93,88,322	14,79,59,262	2,04,90,354	2,12,68,57,230
5	Workshop & Ground Support Equipment	25,64,23,263	3,13,35,705	1,49,085	28,76,09,883
6	Training Aid Equipment	22,69,885	-	-	22,69,885
7	Air Conditioning	88,03,679	1,29,08,951	14,78,564	2,02,34,066
8	Electrical Installations	1,07,36,869	2,01,67,274	-	3,09,04,143
9	Furniture & Fixures	2,36,39,175	3,30,16,218	1,41,097	5,65,14,296
10	Office Equipment	1,60,41,498	27,89,143	92,643	1,87,37,998
11	Vehicles	1,44,63,182	37,59,898	-	1,82,23,080
12	Computers & Other related Equipments	2,92,96,486	3,44,64,511	4,13,119	6,33,47,878
13	Capitalised Software	1,82,77,378	10,50,000	-	1,93,27,378
14	Communication Equipment	20,98,159	-	-	20,98,159
Grand Total		7,11,87,76,690	3,09,85,53,467	17,19,68,140	10,04,53,62,017
Previous Year		6,69,77,24,868	47,42,44,619	5,31,92,797	7,11,87,76,690
B. Assets Retired from Active Use and held for Disposal/Impaired Assets					
1	Helicopters & Aero-Engines	57,78,07,818	-	-	57,78,07,818
2	Airframe & Engine Equipment Rotables	48,54,343	-	2,61,738	45,92,605
3	Workshop & Ground Support Equipment	3,12,53,717	-	-	3,12,53,717
4	Training Aid Equipment	41,25,207	-	-	41,25,207
5	Electrical Installations	6,67,996	-	-	6,67,996
6	Furniture & Fixures	34,06,217	-	-	34,06,217
7	Office Equipment	29,92,051	-	-	29,92,051
Grand Total		62,51,07,349	-	2,61,738	62,48,45,611
Previous Year		62,51,07,349	-	-	62,51,07,349
C. Assets Currently not in Active use					
	Helicopters & Aero-Engines	2,75,93,114	14,92,03,278	-	17,67,96,392
	Previous Year	38,24,63,052	-	35,48,69,938	2,75,93,114



DEPRECIATION

NET BLOCK

Upto 31 st March, 2010	For the Year	Deletions / Adjustments	As at 31 st March, 2011	(In ₹)	
				W.D.V. as at 31 st March, 2011	W.D.V. as at 31 st March, 2010
13,06,410	65,455	-	13,71,865	45,19,070	45,84,525
10,94,49,212	1,52,02,613	(11,228)	12,46,63,053	28,87,07,989	22,05,75,524
1,83,08,32,370	29,13,90,822	4,26,78,270	2,07,95,44,922	4,90,04,31,122	2,57,05,90,753
74,47,58,772	13,02,34,438	70,02,006	86,79,91,204	1,25,88,66,026	1,25,46,29,550
7,68,42,478	1,27,64,295	63,925	8,95,42,848	19,80,67,035	17,95,80,785
16,22,396	96,727	-	17,19,123	5,50,762	6,47,489
38,85,037	9,27,550	10,62,575	37,50,012	1,64,84,054	49,18,642
65,92,326	11,43,876	(223)	77,36,425	2,31,67,718	41,44,543
1,27,28,552	31,64,980	1,16,172	1,57,77,360	4,07,36,936	1,09,10,623
62,38,898	11,42,844	74,737	73,07,005	1,14,30,993	98,02,600
57,92,384	12,77,730	-	70,70,114	1,11,52,966	86,70,798
1,84,68,663	40,99,489	(3,40,020)	2,29,08,172	4,04,39,706	1,08,27,823
1,07,89,135	36,92,900	-	1,44,82,035	48,45,343	74,88,243
8,18,769	99,663	-	9,18,432	11,79,727	12,79,390
2,83,01,25,402	46,53,03,382	5,06,46,214	3,24,47,82,570	6,80,05,79,447	4,28,86,51,288
2,50,46,56,551	38,20,60,906	5,65,92,055	2,83,01,25,402	4,28,86,51,288	
50,50,45,725	-	-	50,50,45,725	7,27,62,093	7,27,62,093
40,72,124	-	2,48,651	38,23,473	7,69,132	7,82,219
1,31,94,495	-	-	1,31,94,495	1,80,59,222	1,80,59,222
18,90,720	-	-	18,90,720	22,34,487	22,34,487
5,72,702	-	-	5,72,702	95,294	95,294
31,44,451	-	-	31,44,451	2,61,766	2,61,766
17,68,216	-	-	17,68,216	12,23,835	12,23,835
52,96,88,433	-	2,48,651	5,29,4,39,782	9,54,05,829	9,54,18,916
52,96,88,433	-	-	52,96,88,433	9,54,18,916	
2,62,13,458	4,26,78,270	-	6,88,91,728	10,79,04,664	13,79,656
5,02,24,054	-	2,40,10,596	2,62,13,458	13,79,656	



SCHEDULE 7 INVESTMENTS

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
Investment in Equity Capital of National Flying Training Institute, Gondia, Maharashtra (28,93,353 Equity Share of ₹10/- each Non-Listed)	2,89,33,530	2,89,33,530
	2,89,33,530	2,89,33,530

SCHEDULE 8 CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
Current Assets, Loans & Advances		
A. Current Assets		
I) Inventories \$		
(Certified and valued by Management)		
a) At Cost		
Stores & Spares	90,50,74,137	80,05,88,732
Less: (i) Provision for Non moving Stores & Spares	(13,37,99,056)	(9,47,14,676)
(ii) Provision for Impairment in value	(4,53,13,528)	(4,53,13,528)
	72,59,61,553	66,05,60,528
- Goods in Transit	97,47,715	2,15,59,745
b) At Cost Less Written Off		
Repairables & Rotables	15,75,56,671	15,75,56,671
Less: (i) Obsolescence Reserve	(14,36,26,262)	(14,36,26,262)
(ii) Provision for Impairment in value	(1,39,30,409)	(1,39,30,409)
	-	-
Gem Modules	5,01,37,213	5,01,37,213
Less: (i) Obsolescence Reserve	(4,47,21,331)	(4,47,21,331)
(ii) Provision for Impairment in value	(54,15,882)	(54,15,882)
	-	-
Test Tools Equipment	3,61,49,976	3,75,04,578
Less: Written Off	(2,92,89,796)	(3,27,22,288)
	68,60,180	47,82,290
Training Material	27,17,193	27,17,193
Less: Written Off	(27,17,193)	(27,17,193)
	-	-
Sub Total (I)	74,25,69,448	68,69,02,563

\$ Inventories include Westland items aggregating ₹27.32 crores (P.Y. ₹27.32 crores) at cost, book value ₹ 6.47 crores (P.Y. ₹6.47 crores), retired from active use and held for disposal against which the Company is carrying a corresponding provision towards impairment in value as stated above in order to reflect the inventories at lower of cost or net realisable value.(Refer Note No.4 of the Notes to Accounts).

Contd....



	31 st March, 2011	31 st March, 2010
(In ₹)		
II) Sundry Debtors (Unsecured)		
Debts Outstanding for more than six months		
a) Considered Good	51,90,01,548	30,71,29,229
b) Considered Doubtful	2,40,82,442	2,00,92,770
Other Debts, Considered Good	1,32,39,46,939	82,32,13,413
	1,86,70,30,929	1,15,04,35,412
Less: Provision for Doubtful Debts	(2,40,82,442)	(2,00,92,770)
Sub Total (II)	1,84,29,48,487	1,13,03,42,642
III) Cash & Bank Balances		
Cash in Hand	18,22,812	21,42,418
Balances with Scheduled Banks		
Current Accounts	33,71,67,378	28,13,00,188
Deposit Accounts	77,15,82,073*	93,28,10,573 *
* (Including under lien ₹45.61 crores P.Y. ₹ 27.41 crores)		
Interest Accrued on Deposits	2,96,10,156	4,21,66,264
Sub Total (III)	1,14,01,82,419	1,25,84,19,443
Total (A)	3,72,57,00,354	3,07,56,64,648
B. Loans & Advances (Unsecured unless otherwise stated)		
Advances Recoverable in cash or in kind or for value to be received		
a) Considered Good *		
i) Advances to Capital Suppliers	60,18,06,252	57,89,69,440
ii) Other Advances	1,03,67,86,310	1,40,20,78,119
b) Considered Doubtful	1,17,07,845	82,99,484
	1,65,03,00,407	1,98,93,47,043
Less:Provision for Doubtful Advances	1,17,07,845	82,99,484
	1,63,85,92,562	1,98,10,47,559
* (Including Loans & Advances to staff secured by Assets ₹ 6.93 crores; P.Y. ₹7.76 crores) and Deposits made under protest with Income Tax Deptt. ₹ 60.11 crores (PY ₹70.16 crs.) refer Note No. 2 (C) of Notes to Accounts.		
Loans to Public Sector Undertakings		
i) Considered Good	-	-
ii) Considered Doubtful	7,25,00,000	7,25,00,000
	7,25,00,000	7,25,00,000
Less:Provision for Doubtful Loans	7,25,00,000	7,25,00,000
	-	-
Prepaid Expenses	5,11,60,519	3,75,71,853
Security Deposits	3,00,12,773	2,65,86,089
Sub Total (B)	1,71,97,65,854	2,04,52,05,501
Total (A+B)	5,44,54,66,208	5,12,08,70,149



SCHEDULE 9 CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

	(In ₹)	
Current Liabilities & Provisions	31 st March, 2011	31 st March, 2010
A. Current Liabilities		
Amount claimed by Central Government		
- Principal Amount	1,30,91,03,140	1,30,91,03,140
- Interest/Other Charges	3,39,31,18,827	3,39,31,18,827
	4,70,22,21,967	4,70,22,21,967
Sundry Creditors	29,73,48,878*	18,80,41,186*
Advance from Customers	4,72,54,636	2,50,61,647
Other liabilities	42,35,63,230	21,85,44,602
	76,81,66,744	43,16,47,435
Sub Total (A)	5,47,03,88,711	5,13,38,69,402
* Amount due to SSI units: Nil		
B. Provisions		
Employee's Benefits	54,53,67,257	41,10,46,727
Sub Total (B)	54,53,67,257	41,10,46,727
Total (A+B)	6,01,57,55,968	5,54,49,16,129

SCHEDULE 10 INTEREST INCOME

	(In ₹)	
	31 st March, 2011	31 st March, 2010
Interest Income from Deposits with Banks/ Public Financial Institutions [TDS ₹ 0.67 crores ; P.Y. ₹1.63 crores]	5,76,08,736	10,47,09,105
Interest on Loans to Employees	23,95,589	33,30,941
Other Interest Income	48,96,543	1,24,97,236
Total	6,49,00,868	12,05,37,282



SCHEDULE 11 OTHER INCOME

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
		(In ₹)
Provision No Longer Required	1,35,00,258	1,49,02,893
Provision Written Back for Self Insurance	40,00,000	-
Exchange Fluctuation (Net)	3,82,12,115	-
Profit on Sale of Assets	-	16,77,793
Miscellaneous Income	3,35,08,879	1,86,14,447
Total	<u>8,92,21,252</u>	<u>3,51,95,133</u>

SCHEDULE 12 HELICOPTER OPERATIONAL EXPENDITURE

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
		(In ₹)
Fuel Expenses	23,40,19,817	19,12,55,024
Landing, Parking and other Expenses	1,13,10,969	2,10,24,106
Liquidated Damages	2,95,66,801	8,19,40,571
Helicopter Lease Charges	5,86,07,167	1,93,04,210
Commercial expenses	4,19,05,942	3,19,07,860
Other Operating Expenses	18,55,765	20,30,033
Freight,Transportation & Cartage	95,89,216	63,75,447
Storage, Handling & Demurrage Charges	69,99,331	1,07,17,813
Rotables, Stores & Spares Written Off	1,39,18,989	2,09,89,514
Provision for Non-Moving Inventory /	3,11,61,272	49,94,627
Life Expired Items		
Exchange Rate Fluctuations (Net)	-	1,48,74,819
Total	<u>43,89,35,269</u>	<u>40,54,14,024</u>



SCHEDULE 13

EMPLOYEES' REMUNERATION & OTHER BENEFITS

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
		(In ₹)
Salaries, Wages & Other Benefits	1,06,02,97,274	89,84,56,894
Staff Welfare	1,57,33,071	1,31,42,436
Provident & Gratuity Funds	5,60,74,115	12,21,27,485
Other Staff Expenses	8,26,09,819	6,27,17,809
Total	1,21,47,14,279	1,09,64,44,624

SCHEDULE 14

OTHER EXPENSES

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
		(In ₹)
Repairs and Maintenance		
Building	1,57,33,478	1,41,09,099
Equipment	64,41,716	42,72,295
Others	2,55,88,448	1,27,51,910
	4,77,63,642	3,11,33,304
Rent	5,11,77,075	4,06,11,248
Travelling & Conveyance	19,11,60,164	15,23,19,325
Staff Training	7,94,94,267	3,92,10,846
Bank Charges	61,05,303	61,60,426
Electricity & Water	1,68,89,904	1,31,12,118
Telephone, Telex & Postage	93,21,436	90,36,083
Advertisement & Publicity	2,62,79,710	2,32,94,009
Printing & Stationery	79,92,503	66,75,270
Vehicle Running & Maintenance	24,71,396	23,57,362
Auditors Remuneration		
- Audit Fees	5,17,463	5,36,709
- Other Expenses	82,833	55,000
	6,00,296	5,91,709
Rates and Taxes	2,34,36,690	1,20,62,853
Loss on Sale of Assets	5,08,761	-
Provision for Doubtful Debts & Advances	98,77,527	25,21,773
Corporate Social Responsibility	2,51,000	-
Share of Loss under Joint Venture - Sea Plane	54,28,587	-
Miscellaneous Expenses	4,23,36,760	2,77,67,012
Total	52,10,95,021	36,68,53,338



SCHEDULE 15 EXTRAORDINARY ITEMS

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
(In ₹)		
A. Credits		
Surplus on Settlement of Insurance Claims	1,84,82,386	7,04,59,964
Total	1,84,82,386	7,04,59,964
B. Debits		
	-	-
Total (B)	-	-
C. Net Credit/(Debits) (A-B)	1,84,82,386	7,04,59,964

SCHEDULE 16 PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
(In ₹)		
A. Credits		
Depreciation	-	1,13,06,826
Other Items	25,95,133	27,55,012
Total (A)	25,95,133	1,40,61,838
B. Debits		
Depreciation	7,08,370	-
Non-Moving Inventory of earlier years	1,04,86,052	-
Repair & Maintenance Expenses (Net)	-	12,06,858
Billing /Claim on customer for earlier years	-	10,70,099
Other Items	32,72,243	58,03,889
Total (B)	1,44,66,665	80,80,846
C. Net Credit/(Debits) (A-B)	(1,18,71,532)	59,80,992



SCHEDULE 17

CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO ACCOUNTS

(Annexed to and forming part of the Annual Accounts for the year ended 31st March, 2011).

1. Estimated amount of contracts remaining to be executed on capital account (net of advances paid) and not provided for ₹315.10 crores (P.Y. ₹ 323.73 crores).

2. *Contingent Liabilities*

- a) Counter guarantees given to Bank ₹ 21.43 crores (P.Y. ₹ 20.23 crores).
- b) Outstanding letters of credit ₹ 92.77 crores (P.Y. ₹ 30.09 crores).
- c) Claims against the Company not acknowledged as debt :

- i) Income tax demand for earlier years contested by the Company and under appeal ₹ 54.61 crores (P.Y. ₹ 55.47 crores) against which the Company has deposited under protest/adjusted against refund due from Tax department up to ₹ 31.03.2011, in aggregate ₹ 60.11 crores (P.Y. ₹ 70.16 crores) relating to that period. Amounts deposited with Tax Department (net of tax provision) have been shown as Advances recoverable.

- ii) Demand Notice of ₹134.95 crores towards VAT and ₹ 184.33 crores for interest and penalty aggregating to ₹ 319.28 crores were received from Govt. of NCT of Delhi, Department of Trade and Taxes (VAT) for the tax period for the year 2006-07, 2007-08, 2008-09 & 2009-10 regarding transfer of right to use the goods. However, in view of PHHL paying Service Tax, no such VAT is attracted and the demand is being contested in appeal.

- iii) Court cases/ cases under Arbitration ₹ 22.42 crores (P.Y. ₹ 9.59 crores).

- iv) Other matters Rs 6.08 crores (P.Y. ₹ 5.09 crores)

3. *Claim of Government of India*

- 3.1 The Government had decided in June, 1986 to provide full amount as Equity Capital towards the project cost for acquisition of 42 numbers Westland and Dauphin helicopters. However, as the budgetary support received by the Company was significantly lower than the project cost, it was unable to settle the claim of GOI. The Ministry of Finance claimed interest @ 18% p.a. on the outstanding dues which presently are ₹130.91 crores (principal amount).

- 3.2 During the Financial year 2003-04, the Ministry of Civil Aviation submitted a proposal to Ministry of Finance which envisaged payment by the Company of total amount of interest and other charges claimed on Dauphin and Westland fleet till 31.03.2001 aggregating ₹339.31 crores (interest on dues from 01.04.2001 till date be written off) and the Principal amount of ₹130.91 crores be converted into equity of the Government in the Company. The proposal was agreed by Ministry of Finance. The Company had accordingly made provision of ₹ 339.31 crores upto 31.03.2001 during the financial years 1999-2000, 2000-01 and 2002-03 towards interest and other charges as claimed by the Ministry of Finance and the same is being carried forward.

- 3.3 The Ministry of Civil Aviation submitted a revised proposal to Ministry of Finance in December, 2007 that the Government may reconsider



the claim by Ministry of Finance and waive off the total amount of ₹ 470.22 crores (principal amount ₹ 130.91 crores and interest upto 31.03.2001: ₹ 339.31 crores) claimed from the Company so that the existing funds could be utilized for fleet expansion and other capital outlay programmes which are essential for the survival of the Company under the competitive environment prevailing in the Civil Aviation industry in India. The Ministry of Finance has not agreed to this proposal and has advised that the Company be asked to deposit the said amount in Government Treasury. The Board of Directors of the Company in their 115th Meeting held on 21.08.2008 decided that the Company may pursue with the Ministry of Civil Aviation for full waiver of the claim of Ministry of Finance and appointed a Financial Advisor who would examine the matter alongwith other related issues. The Financial Advisors submitted their Report on the impact of claim of GoI on the valuation of the Company and recommended some options. As per the Report, payment of GoI claim is not a viable option for the Company.

As per the decision of the Board of Directors, the Company has submitted in January, 2009 a draft Note for the Committee of Secretaries to Ministry of Civil Aviation seeking waiver of the claim of GOI aggregating ₹ 470.22 crores from PHHL. The matter is under consideration of the Government.

4. Disposal of Westland Assets

4.1 The Government conveyed its decision on 18th January, 1993 that the entire Westland fleet, together with the related inventory may be offered for sale through global tender and that the sale proceeds may be made available for utilization on poverty alleviation programmes in mutual consultation between the Governments of India

and UK. However, consequent to an unfavorable response to such global tender, the Government permitted the Company on 12th May 1994 to dispose off the Westland assets through negotiations with parties which may be interested in their purchase. The Government also appointed a Steering Committee to oversee the disposal of Westland assets.

4.2 Pending disposal of the Westland helicopters (including one damaged helicopter) and the related inventory, these assets were stated at their book value aggregating ₹ 22.39 crores. The Company had in the earlier years, as a matter of abundant caution, made a provision of ₹22.39 crores equivalent to the book value against possible losses on disposal of Westland assets. After adjusting the book value of ₹7.23 crores relating to disposal of such assets in 1999-2000, the residual provision of ₹15.16 crores is being carried forward.

4.3 During the financial year 1999-2000, the Company had entered into an agreement with a UK firm with Government approval for sale of Westland assets as a package deal for a lump sum price of Pounds Sterling 9,00,000. It was agreed that the entire package should be lifted in not more than two consignments with payments corresponding to the approximate value of the consignment shipped. The first shipment was dispatched in December 1999 and the Company had realized sale consideration of Pounds Sterling 4,50,000 (₹3.22 crores) in January, 2000, which was immediately deposited with the Government of India as per directions of the Administrative Ministry. The shipment also included some essential components of Westland helicopters, which are presently in custody of the Company. The second shipment could not be dispatched in view of dispute created by the Buyer. The Company



has initiated Arbitration proceedings against the Buyer in terms of the agreement for specific performance and recovery of damages for violation of various contractual obligations.

It has also come to light that the Buyer (M/s AES Aerospace Ltd, UK) had been ordered to be wound up by order of the Court in U.K. in 2002 and an official Receiver was appointed . The Company has been legally advised that despite such winding up order, the Arbitration proceedings should be continued. Pending settlement, the Company has not accounted for such dues and the same will be accounted for as and when realized / settled.

4.4 Necessary accounting adjustment relating to the Westland assets sold (Cost ₹ 51.46 Crores, W.D.V. ₹ 7.23 crores) during the financial year 1999-2000 was passed in the Books of Accounts of that year, treating the transactions carried out under first shipment as a completed sale. In the absence of complete quantitative details of inventory items sold and those lying at the Warehouse in Mumbai (refer Para 4.5 below), the figures have been considered on provisional basis, subject to further reconciliation. The cost of inventory items sold is computed on FIFO basis. As the contract for sale of Westland assets is on lump-sum price basis, the loss on disposal of such items has been determined by deducting the aggregate written down value of the 9 helicopters, test bed and inventory items sold under first shipment from the sale consideration of Pounds Sterling 4,50,000/- (₹3.22 crores) in the absence of item-wise sale price and the same was accounted for during the financial year 1999-2000.

4.5 Part of the Westland inventory items while under transfer during the financial year 1999-2000 from the Delhi office to Mumbai office

of the Company by the appointed transporter of the Buyer were diverted under the instructions of the Buyer and are presently lying in the custody of the Warehouse at Mumbai. The estimated initial acquisition cost of Westland inventory including capital items lying at Warehouse is ₹32.50 crores (written down value- ₹4.50 crores). The Company has initiated necessary legal action against the Buyer (refer para 4.3 above) for such diversion. The Warehouse has claimed ₹ 4.31 crores (P.Y ₹3.97 crores) which in term of the Agreement is required to be settled directly by the Buyer. The Company had in December, 2002 obtained an interim injunction from the Delhi High Court restraining the Warehousing company from disposing of the goods for settling its claim. The Hon'ble Single Judge of Delhi High Court on 22.04.2008, delivered judgment in favour of the Company for taking back the possession of Inventory items from the Warehouse Company without any claim of Warehouse Company on the Company. Against the said judgment the Warehouse Company preferred an appeal in Division Bench of Delhi High Court which had also in the judgment dated 11.08.2008 upheld the judgment of Single Judge of the High Court in favour of the Company. The SLP filed by the Warehouse Company has also been dismissed by the Supreme Court of India. Further, as an abundant caution, the claim is shown under Contingent Liabilities till the items are received by the Company. Such items along with the remaining inventory items lying with the Company (which are kept in sealed boxes but not physically verified during the year) together forming part of the second shipment have been carried forward as per the book value (₹6.47 crores) though fully provided as per para 4.2 above.



5. Residential Flats/Quarters

- 5.1 The Company had constructed and capitalized 242 flats during 2002-03 at a cost of ₹ 22.71 crores on land given by Airport Authority of India (AAI) for a period of 25 years. The Company has allotted 50 flats out of 242 flats to AAI as per Joint Development Agreement in lieu of lease rentals for the said land and the cost of construction of these 50 flats as estimated by the project architect amounts to ₹ 5.95 crores.
- 5.2 The Company had purchased 6 nos. residential flats for the employees from MHADA, Mumbai in May, 1998. Although the possession was taken based on the letter of allotment, the Company had on provisional basis made provision for stamp duty and registration charges and the same is subject to final payment on the execution of the appropriate conveyance deed in favour of the society. Since some of the Societies in the buildings have gone into litigation against MHADA in Mumbai High Court on the issue of differential pricing, therefore, the conveyance deed could not be executed as the amount cannot be determined at this stage.
- 5.3 The Company had purchased 42 nos. of residential flats in the year 1991-1992 for employees from Lokhandwala Construction Industries Limited, Mumbai. The Board of Directors of the Company have approved for renting out these flats to Public Sector Undertakings (PSUs) and accordingly, 31 flats have been let out on rental basis to Union Bank of India.

6. Loans to Public Sector Undertakings

The Company had made unsecured inter-corporate loans in the earlier years 1991 - 1992 to M/s Hindustan Photo Films Mfg. Co. Ltd. (HPF), a Central PSU, with interest rate of 20% p.a compounded / payable quarterly. The balance principal

amount aggregates to ₹ 7.25 crores. However, HPF was unable to meet its contractual obligation to repay the loans with interest in view of adverse financial conditions HPF was declared sick and registered with BIFR. The Company had filed its claim with BIFR for protection of its dues. In January, 2003 BIFR issued recommendations for winding-up, against which HPF and its Administrative Ministry had preferred an appeal before AAIFR. Pending settlement and the negative net worth of HPF, the Company has not accounted for interest income from such loan for the financial year under review and the same will be accounted for as and when settled/realized. Accordingly, the profit for the year is lower by an amount of ₹ 1.56 Crores (P.Y. ₹ 1.56 crores).

As a matter of abundant caution, the Company has already made provision of ₹ 7.25 crores against the aggregate principal amount in the earlier years, which is being carried forward.

7 Fixed Assets

Midlife upgradation programme of Dauphin Fleet

- 7.1 With a view to conform to the Aviation Standard (AS 4) requirements of the new ONGC contract, Dauphin fleet of the Company is undergoing Mid Life Upgrade Programme, a major retrofit project which will improve the safety and quality of output, resulting in better availability of fleet to the customers. M/s. Eurocopter has supplied Retrofit Kits to the Company for the Dauphin helicopters and the retro-fitment of these will be completed by the Company in a phased manner. In this respect the Company entered into contracts with M/s. SOFEMA, France being the authorized representative of M/s. Eurocopter. The retrofit package that will form an integral part of the Dauphin Helicopter, is fully compliant with JAR OPS3 standards. Such betterment would upgrade the Company's Dauphin fleet to latest off



shore standards and which in turn will extend the utilization period of this fleet resulting in future economic benefit to the Company.

During the financial year under review, the Company has made 1 Dauphin helicopters AS4 compliant. The cost of man-hours incurred amounting to ₹ 0.14 crore (P.Y. ₹ 0.55 crore) has been capitalized.

7.2 Fixed Assets includes Rotables and Repairables (Gross Value) amounting to Rs 36.41 crores (P.Y. ₹25.14 crores) sent abroad for repairs but lying with repair agencies as at 31st March'2011. However, most of the items have been received back by the company after 31st March 2011 duly repaired.

7.3 During the Financial year under review, Office building at Noida was put to use on 15.04.2010 and capitalized provisionally on the basis of valuation made by the Civil Department / APMC, pending final settlement with the Civil Contractor in view of the ongoing arbitration proceedings with him. Similarly furniture and fixtures in this office building were provisionally capitalized on the basis of valuation of ₹ 2.96 crores made by the Civil Department in view of settlement pending with M/s NBCC.

8. Depreciation

8.1 The Rotables being capital machinery spares are classified as Fixed Assets and Depreciation charged thereon. The depreciation in respect of Rotables and major modification cost as capitalized is linked to the remaining useful life of the principal assets to which they pertained i.e. the type of helicopters, subject to the minimum charge as per statute rate of depreciation. For the purposes of depreciation in respect of Rotables and major modification cost as capitalized, the useful life of helicopters was extended with effect from financial year 2006-07 to 30 years

or 25,000 hours, whichever is later based on technical grounds as advised by the manufacturer.

The Expert Advisory Committee of the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) has opined that the Rotables are in the nature of general spares to be treated as Inventory and not as capital spares and that the useful life of helicopters cannot be more than the useful life determined by applying the Depreciation Rate prescribed under Schedule XIV to the Companies Act. The Institute has suggested as an alternate that the Company may adopt the approach of recognizing rotables as independent fixed assets based on 'Components approach' and the depreciation on such spares should then be charged on the basis of the useful life of spares itself, which in any case cannot be more than the specified period as per Schedule -XIV.

The Company is of the opinion that Rotables are capital spares and Depreciation should be charged on them and major modification cost by linking them to the useful life of helicopters and the same is in conformity with the provisions of Accounting Standard AS6, paras 9 & 11 and 23 & 24 and the Guidance Note on Accounting for depreciation issued by ICAI, subject to the minimum charge as per statute rate of depreciation. For this purpose the useful life of the principal asset can be different from its specified life. In the present case the helicopter has been depreciated over its specified period of 17 years though its useful life is more than such specified period. Same principle has been followed in depreciating rotables etc. by applying the principle that they should be depreciated over the specified life which should not be more than their useful life, which in the present case is considered same as that of the helicopter. The Company's



Accounting Policy is an improvement over the views expressed by Expert Advisory Committee of ICAI to the extent that rotables shall be depreciated at higher of the rates specified in the Companies Act (5.6% p.a.) or rate of depreciation which would write off 95% of the value of rotables etc. over the remaining extended useful life of the helicopter. In the opinion of the Company this accounting treatment is in conformity with AS-2, AS-6 & AS-10 read with ASI-2. The above accounting treatment is being followed by various Indian and International Airlines and accepted by Auditors.

9. Inventories

- 9.1 On a review of inventory of non-moving stores, spares and consumables, provision of ₹ 5.80 crores (P.Y. ₹ 0.50 crores) has been made during the year under review for such items as per the Accounting Policy.
- 9.2 The Company purchases spare parts from some parties on "High Sea Sales" basis who imports goods on behalf of the Company. The quotation is received in foreign currency, however, the payments are released in Indian rupees. For the purpose of payment in Indian rupees, the bill selling rate of Euro on the date of Invoice as notified by Vijaya Bank is taken as the basis.
- 9.3 In terms of para no. 3 of our Significant Accounting Policies relating to transaction in Foreign Currency, losses and gains due to exchange fluctuations arising out of :
 - a) re-statement of liabilities on account of outstanding payments for purchase of fixed assets and inventories; and
 - b) the difference in the monetary value of the payment made on the date of settlement and the monetary value on the date of passing ownership of the fixed assets and inventories imported,

are recognized as 'profit or loss' on account of foreign exchange fluctuation and transferred to Profit & Loss account.

10. The Indian Oil Corporation (IOC) account in respect of purchase of ATF at Northern Region shows net balance of ₹ 1.66 crore (Credit); P.Y. ₹ 0.14 crore (credit) whereas in the books of IOC the balance of the Company is ₹ 0.32 crore (debit) (P.Y. ₹ 0.53 crore (credit). While doing a detailed reconciliation, it was observed that certain unlinked transactions stated to be pertaining to the Company were identified in IOC books for earlier years, namely difference in opening balance, supply to the Company not booked by IOC, un-linked payments in IOC books, payments by the Company not taken into account by IOC and unlinked supplies for which supporting documentation could not be furnished by IOC. The Company has, however, scrutinized the subsequent period till the finalization of Accounts to account for any outstanding IOC bills received since the year end and has also broadly reconciled its actual fuel consumption with the flying hours. Accordingly, no cognizance has been taken in respect of such outstanding entries in IOC statement for accounting action. Matter has been taken up by the Company with IOC at the highest level and the reconciliation is in progress. Necessary rectification entries, if any, will be passed when requisite information is made available to the Company by IOC.

11. Share Capital

During the year the Company has enhanced its Authorized Equity Share Capital from ₹ 120 crores to ₹ 250 crores and Paid up Capital from ₹ 113.766 crores to ₹ 245.616 crores through additional equity contribution by Government of India and ONGC Ltd. as per detail given below:-

- a) With the increased contribution in Equity Paid Up Capital of ₹ 36 crores, the share of Government of India in Paid up Equity Capital now enhanced



to ₹ 125.266 crores which is 51% of the total equity capital.

- b) ONGC Ltd. has also enhanced its Equity stake in PHHL from ₹ 24.50 crores to ₹ 120.35 crores by converting ₹ 95.85 crores into equity from long term loan provided towards acquisition of new helicopters resulting increase of its shareholding to 49% of the total equity capital.

12. Secured Loan

During the year under review, the Company has signed the Loan Agreement with Oil and Natural Gas Corporation Ltd. (ONGC Ltd.) on 12.08.2010 wherein ONGC Ltd. agreed to provide secured loan to the tune of ₹ 275 crores to the Company towards 80% cost of 7 nos. new Dauphin N3 helicopters being purchased from M/s Eurocopter, France. Against the sanctioned loan of ₹ 275 crores, the Company has drawn a total loan of ₹ 261 cores against the purchase of 7 Dauphin N3 helicopters. The rate of interest on the loan will be at the SBI base rate applicable from time to time plus 150 basis points and loan will be repayable in 60 Equated Monthly Installment (EMI) in a period of 5 years. The helicopters will be hypothecated to ONGC Ltd. till the loan is fully paid.

A part loan of ₹ 184.26 crores has been received from ONGC Ltd. upto 31.03.2011, out of which ₹ 9.84 crores has been repaid during the year under review. Further, ONGC enhanced its equity from ₹ 24.50 crores to ₹ 120.35 crores by converting ₹ 95.85 crores into equity from above loan on 14.02.2011. The outstanding balance of principal amount of loan is ₹ 78.57 crores as on 31.03.2011.

Nature of Security - As per Loan Agreement the 7 nos. new Dauphin N3 helicopters have been hypothecated in favour of M/s ONGC Ltd. towards sanctioned loan of ₹ 275 cores and the charge has been registered with the Registrar of the Companies.

13. Confirmation for balances as at 31st March 2011 from Sundry Debtors and Loans and Advances/ Deposits were circulated but response received was limited. However, in most of the cases the debts / advances, other than those provided for, have since been realized / adjusted.

14. Employee Remuneration and other benefits

- 14.1 In view of the revision of pay scales and allowances of employees due w.e.f. 01.01.2007, an ad-hoc provision of ₹ 29.70 crores (P.Y. ₹ 25.10 crores) has been made for the period from 1st April 2010 to 31st March 2011 for regular as well as contractual employees. During the year F.Y. 2010-11, orders dated 06.05.2009 were issued for revision of the pay scales of Executives w.e.f. 01.01.2007 based on the Presidential Directives issued by MoCA. While pay scales have been revised for Executives, revision of allowances and other benefits are under consideration. Pay scales and allowances for other categories of employees is under discussion with the Guilds / Unions. A sum of ₹ 16.61 crores (P.Y. ₹ 21.06 crores) including arrears of pay upto 31.03.2011 in respect of executives has been paid/ adjusted during the financial year under audit out of the total ad-hoc provision and the balance provision of ₹ 32.37 crores (P.Y. ₹ 19.28 crores) is being carried forward for payment / adjustment in the subsequent period.

- 14.2 As per Accounting Policy, the Company provides for Gratuity and Leave salary, LTC, Retirement benefits like Baggage Allowance and Post Retirement Medical Benefits Scheme on the basis of actuarial valuations as per AS 15(Revised) and the same has been debited to LTC and Baggage Allowance / Provision for Pay Arrears in the Profit & Loss A/c are given below :-



Particulars	₹/ Crores.		
	Opening Liability as on 01.04.2010	Created/ Adjusted during the Year	Closing Liability as on 31.03.2011
Gratuity Liability	22.36	2.06	24.42
Earned Leave	10.00	1.10	11.10
Half Pay Leave	5.52	0.56	6.07
Post Retirement Medical Benefit Scheme*	2.35	0.38	2.73
LTC	1.02	0.08	1.10
Baggage Allowance upon Retirement	0.10	0.01	0.11

*subject to adjustment of prorata premium of ₹ 0.05 crores paid to Insurance Co.

The present value of obligation is determined based on actuarial valuation using the Projected Unit Credit Method, which recognizes each period of service as giving rise to additional unit of employees benefit entitlement and measures each unit separately to build up the final obligation. The following table summarizes the component of the various employees benefits and the components of net benefit expenses recognized in the Profit and Loss Accounts :-

(Fig. in ₹/ Crores.)			
Particulars	Leave Encashment (EL & HPL) as on 31.03.2011 (Non-funded)	Baggage Allowance/ LTC/PRMBS as on 31.03.2011 (Non-funded)	Gratuity as on 31.03.2011 (funded)
A) Changes in Present Value of Obligation			
(i) Present value of obligation as at the beginning of the period (01.04.2010)	15.51	3.48	22.36
(ii) Interest Cost	1.16	0.26	1.68
(iii) Past Service Cost	-	-	-
(iv) Current Service Cost	1.35	0.68	1.50
(v) Curtailment / Settlement cost	-	-	-
(vi) Benefits paid	(1.19)	(0.83)	(0.73)
(vii) Actuarial (gain) / loss on obligation (Balancing figure)	0.33	0.35	(0.39)
(viii) Present value of obligation as at the end of the period (31.03.2011)	17.17	3.94	24.42
B) Changes in fair value of plan assets			
(i) Fair Value of plan assets as at the beginning of the period (01.04.2010)	-	-	24.13
(ii) Expected return on plan assets	-	-	1.93
(iii) Contributions	-	-	1.00
(iv) Benefits paid	-	-	(0.73)
(v) Actuarial gain / (loss) on obligation	-	-	0.09
(vi) Fair value of plan assets as at the end of the period (31.03.2011)	-	-	26.42
C) The amounts to be recognized in the balance sheet			
(i) The present value of obligation as at the beginning of the period (31.03.2010)	17.17	3.94	24.42
(ii) Fair value of plan assets as at the end of the period.	-	-	26.42
(iii) Net Assets / (liability) recognized in balance sheet.	(17.17)	(3.94)	2.00
D) Expenses recognized in the Statement of Profit and Loss A/c			
(i) Current Service Cost	1.35	0.68	1.50
(ii) Past Service Cost	-	-	-
(iii) Interest Cost	1.16	0.26	1.68
(iv) Expected return on plan assets	-	-	(1.93)
(v) Curtailment / settlement cost	-	-	-
(vi) Net Actuarial gain / (loss) recognized in the period	0.33	0.35	(0.48)
(vii) Expenses recognized in the statement of Profit Loss	2.84	1.29	0.77

* Assets value being more than liability, ignored.



The Principal assumption used in determining employee benefits are given below:-

Particulars	EL and HPL for all Employees (non-funded)	Baggage Allowance/ LTC/PRMBS for all Employees (non-funded)	Gratuity (Funded)
Discount Rate	7.50%	7.50%	Vesting period 5 year service
Expected rate of return on plan assets	0.00%	0.00%	Benefit As per the provisions of payment of Gratuity Act 1972. However, the present limit of ₹ 3.50 Lacs is enhanced to ₹ 10.00 Lacs during the F.Y. 2009-10
Future cost increase	-	5.50%	
Salary escalation rate	5.50%	-	Salary for calculation for Gratuity Last Drawn basic salary plus Dearness allowance
Retirement age		60 years	60 years
Attrition rate :			
Age (years)			
Upto 30 years	3.00%	3.00%	3.00%
Upto 44 years	2.00%	2.00%	2.00%
Above 44 years	1.00%	1.00%	1.00%

The above information is certified by the Actuary.

15. Insurance Claims

- 15.1 The Insurance Claim of VT-ELB which met with an accident on 12.09.2006 in Punjab was settled during the year 2009-10 by New India Assurance Co. Ltd. under Constructive Total Loss (CTL). The net realized amount from the Insurance Company was ₹ 5.95 crores after deducting ₹ 0.40 crore from the gross insurance payable amount towards deductible while rotor in motion as per the terms and conditions of Hull Insurance Policy.

The major repair and maintenance work of the helicopter has already commenced and repair of the helicopter is expected to be completed in the next financial year. The company has incurred a total sum of ₹ 5 crores during the year in relation to repair of the said helicopter which has been charged to Profit and Loss Account.

- 15.2 On 16.12.2010, Dauphin N3 Helicopter Regn. No. VT-SOK

(Gross Block ₹ 14.92 crores, Net Block ₹ 10.65 crores) had met with an accident at Chandigarh Airport resulting in major damage and prolonged grounding of the helicopter. The Company lodged claim with Insurance Company and the repair estimates is ₹ 36.69 crores, however, the repair amounts are not fully determinable at this stage. Accordingly, depreciation has been provided in respect of this damaged helicopter upto 16.12.2010 (date of incident). However, no depreciation has been provided in respect of the said helicopter for the subsequent period i.e. from 17.12.2010 to 31.03.2011 amounting to ₹ 0.41 crore. The said helicopter is considered as "Assets currently not in use" during the current Financial Year but shown as part of Fixed Assets in Schedule No 6.

- 15.3 The agreed value of insurance of this helicopter is ₹ 17.00 crores with deductible amount of ₹ 0.70 crore. As per the terms of insurance



policy if the cost of the repairs and transportation of the damaged helicopter is estimated at 70% or more of its agreed value, the company may mutually agreed with the insurance company to declare such damaged helicopter to be a constructive total loss. Under such circumstances, the insurance company shall pay the agreed value of the helicopter less its salvage value. The assessment of damage to the helicopter by the insurance Surveyor is presently in progress. Accordingly, as a net realizable value of the damaged helicopter from insurance company is more than its carrying amount, provision towards impairment of asset, if any, as per the requirement of Accounting Standard- 28 is not considered necessary and the damaged helicopter is being carried forward at its net book value.

16. Income Tax

- 16.1 Assessment of income tax is presently in progress / under Appeal for certain previous years. Tax liabilities, if any, will be recognized on finalization of such assessments.
- 16.2 Provision for Taxation of ₹ 10.54 crores (including ₹0.54 crore provision for I.Tax for earlier years) (P.Y. ₹9.40 crore) has been made for the year as per the existing provisions of MAT (Minimum Alternative Tax) on book profits under section 115JB of Income Tax Act 1961 as there is Nil tax liability under normal provisions of the Act. However, the benefit of adjustment of MAT shall be taken in the subsequent period against the normal tax liability as per the Income Tax Act.

17. Expenses include the following :

	₹/Crores	
	31 st March 2011	31 st March 2010
i) Company - Staff Quarters		
a) Taxes	0.33	0.33
b) Repairs – Buildings/others	0.90	0.74
ii) Leased Residential Accommodation		
a) Rent (Net of Recovery)	0.14	0.13
b) Maintenance charges	-	0.01

18. Interest Income

Interest income of ₹5.76 crores (P.Y. ₹10.47 crores) for the financial year under audit earned on deposits with Banks made with funds generated from operations which include funds for settlement of claim of the Govt. of India, the amount of which is pending finalization (Refer Note No. 3) and indeterminate at this stage.

19. Investment in Equity Share (non listed)

Company invested ₹ 2,89,33,530/- during 2009-10 towards equity contribution (non listed) in National Flying Training Institute, Gondia, Maharashtra and no dividend is received during the year.

20 Heliport Project

The Government has approved creation of Heliport at Rohini, New Delhi by the Company at estimated cost of ₹64.00 crores to be funded in the following pattern :-

- (i) ₹ 19.00 crores as Grants in Aid by the Government towards the land cost.
- (ii) Government equity towards 80% of the cost of infrastructure development aggregating ₹ 45.00 crores i.e. ₹ 36.00 crores and remaining 20% amounting to ₹9.00 crores to be borne by the Company from its internal resources.

Accordingly, the Company has received ₹ 36.00 crores upto March, 2011 as equity contribution of Government towards the Heliport Project cost.

In the last year, the Company has deposited ₹ 19.07 crores with DDA



towards the cost of land measuring 25 acres at Rohini, New Delhi on behalf of Ministry of Civil Aviation and took possession of the land. However, the title of the land is in the name of Ministry of Civil Aviation. Against above deposit, ₹ 19 crores has been subsequently recovered after 31.03.2011 from the MoCA and funds are kept in Fixed Deposits as earmarked fund till the clearance of the project by Environment Ministry as per the instructions of MoCA dated 29.03.2011.

The Company had incurred upto the close of the year ₹ 2.30 crores (P.Y. ₹ 0.22 crore) as Capital work in progress towards basic Helipad, boundary wall, land development etc.

21. Training Academy and Heliport at Hadapsar, Pune

The Company has proposed to set up a Helicopter Training Academy cum Heliport at existing Gliding Centre at Hadapsar, Pune. Detail Project Report was submitted to Ministry of Civil Aviation. DGCA released an amount of ₹ 10 crores for the purpose in April 2010. The Company has incurred ₹ 0.05 crore upto the close of the year towards renovation, furnishings and maintenance of quarters and ₹ 9.95 crores is kept in Fixed Deposits as earmarked fund.

22 Events occurring after the balance sheet date- 31.03.2011 :

- a) Mi-172 helicopter bearing registration no. VT-PHF had a fatal crash on 19th April, 2011 while landing at Tawang in Arunachal Pradesh in which 16 Passengers and 3 crew members died and 2 Passengers and 2 crew members survived with bodily injuries. The Company has preferred necessary claim under HAR, CSL and PA Aircrew policies with Insurance Companies. The claim is under assessment.
- b) Ecureuil AS 350 B3 helicopter bearing registration no. VT-PHT

has a fatal crash on 30th April, 2011 near Labothang, Arunachal Pradesh in which 3 Passengers and 2 crew members died. The Company has preferred necessary claim under HAR, CSL & PA Aircrew policies with Insurance Companies. The claim is under assessment.

23. During the year under review company has entered into Joint Venture for Seaplane operations with the Directorate of Tourism, Andaman & Nicobar Administration, Port Blair which ended after the close of the year on 12.05.2011. This has resulted into a loss of ₹ 0.55 crore being 50% share of the Company upto 31st March, 2011.
24. The Company had no dues to Micro & Small Enterprises outstanding for more than 30 days on the Balance Sheet date.
25. The Company has switched over to a new accounting package from April, 2010. While generating Bank reconciliation of Vijaya Bank Account (1786) at Mumbai through the system, it is observed that there is a net difference of ₹ 1.09 crores comprising of amounts credited / debited by Bank not accounted for and amounting to ₹ 5.84 crores (net) and cheques issued / deposited, not cleared and amounting to ₹ 3.63 crores (net). A detailed manual reconciliation exercise is in progress and will be completed in due course of time. Pending such reconciliation, bank balance as per the books of accounts amounting to ₹ 0.83 crore(credit) has been considered. Necessary rectification entry, if any, will be passed on completion of such reconciliation process in the subsequent period.
- 26 During the year under review, reserve of ₹ 0.40 crore has been written back to Profit and Loss Account under Other Income.

27. Segment Reporting

The Company is engaged in providing helicopter services business which is considered as one business segment.



Hence, Segment Reporting as per Accounting Standard 17 on Segment Reporting is not considered applicable to the Company.

28. Provisions

(Fig. in ₹/Crores)				
Particulars	Opening Balance as on 01.04.2010	Created during the year	Utilized during the year / Other Adjustments/ transfer/Reversals	Closing Balance as on 31.03.2011
Impairment of Assets including inventory	16.01	-	-	16.01
Provision for Revision of Pay & Allowances from 01.01.2007	19.28	29.70	16.61	32.37
Doubtful Debts/Advance	10.17	0.96	0.30	10.83
Non moving inventories, etc.	9.47	5.80	1.89	13.38

29 Related Party Disclosure

Related party disclosures, as required by Accounting Standard-18 "Related Party Disclosures" issued by the ICAI are given below:-

- a. Key Management Personnel
 - Shri R. K. Tyagi, Chairman & Managing Director from 18.05.2007 onwards as Chairman & Managing Director.
- b. Transactions
 - *Remuneration ₹ 23,13,002/-
 - Loans Given (HBA including Interest)
- c. ONGC Ltd – Equity Shareholding Transaction :-
 - 49% - ₹ 120.35 crores
 - Charter hire of helicopters for the F.Y. 2010-11(net)
 - ₹ 168.84 crores
 - Outstanding as on 31.03.2011 (debit) - ₹ 39.21 crores
 - Secured Loan as on 31.03.2011 - ₹ 184.26 crores
 - Loan repaid (Principal Amount) - ₹ 9.84 crores
 - Loan repaid (Interest) - ₹ 5.52 crores
 - Interest accrued as on 31.03.2011 - ₹ 0.65 crore
 - Outstanding Loan (Principal Amount) as 31.03.2011 - ₹ 78.57 crores
 - Outstanding Loan (Interest) as on 31.03.2011 - ₹ 0.65 crore
 - Amount converted into equity from secured Loan during the year - ₹ 95.85 crores



30. Earnings Per share has been computed as under:

		(In ₹)
	31 st March 11, 2011	31 st March, 2010
Net Profit after tax	18,50,60,378	35,58,86,092/-
Weighted average number of Equity Share outstanding	2,45,616	1,13,766
Earnings per share (Basic and diluted)	1,421/-	3,128/-
Face Value of ₹10,000/- per share		

31. Additional Information

a) Opening and closing stocks (after financial write offs)

		(In ₹)
	31 st March, 2011	31 st March , 2010
i) Stores, Spares & Consumables(Net)	71,72,47,860	67,11,56,634
ii) Gem Modules	54,15,882	54,15,882
iii) Test Tool/ Ground Support Equipment	68,60,179	47,82,289
iv) Goods-in-Transit	97,47,714	2,15,59,745
v) Stocks under Inspection	6,48,90,454	4,83,97,890
TOTAL	80,41,62,089	75,13,12,440

b) Value of imports calculated on CIF basis:

		(In ₹)
	31 st March, 2011	31 st March , 2010
i) Helicopters & Accessories	2,69,58,59,174	-
ii) Stores, Spares & Consumables	23,37,28,002	34,27,26,016
iii) Airframe & Aero Engine Equipments-Rotables	16,32,50,779	30,10,63,875
iv) Test equipment/Ground Support Equipment/Loose Tools	1,02,71,861	2,89,27,262
v) Goods-in-Transit /Goods under Inspection	4,19,04,092	4,21,25,282
vi) Capital Goods/Other Items	43,54,474	1,11,34,307
vii) Retrofit programme	-	15,61,378
TOTAL	3,14,93,68,382	72,75,38,120



c) Expenditure in Foreign Currency during the financial year:

		(In ₹)
	31 st March, 2011	31 st March , 2010
i) Helicopters & Accessories	2,69,51,24,779	-
ii) Stores, Spares & Consumables	22,83,00,105	33,93,24,980
iii) Airframe & Aero Engine Equipments-Rotables	16,07,06,423	29,86,39,387
iv) Test equipment/Ground Support Equipment/Loose Tools	1,01,66,612	2,69,02,571
v) Foreign Travelling/Foreign Training	2,94,04,361	2,83,13,663
vi) Goods in Transit/Goods under Inspection	4,16,18,472	4,18,65,662
vii) Repair Charges	61,52,67,103	86,19,40,763
viii) Equipment/Specialists Hire Charges	-	19304210
ix) Capital Goods/ Other Items	38,96,898	94,95,929
x) Retrofit Programme	-	15,61,378
TOTAL	3,78,44,84,753	1,62,73,48,543

d) Value of consumption of imported and indigenous components and spare parts (including write off of loose tools and excluding capitals items):

	VALUE (in ₹)		PERCENTAGE	
	31 st March, 2011	31 st March, 2010	31 st March, 2011	31 st March, 2010
Imported	35,16,79,075	27,08,05,034	96.7%	97.2%
Indigenous	1,21,09,977	79,38,499	3.3%	2.80%
TOTAL	36,37,89,052	27,87,43,533	100.00%	100.00%

e) Earnings in Foreign Exchange during the financial year :

		(In ₹)
	31 st March 2011	31 st March 2010
Helicopter Services	1,23,76,18,937	1,31,67,43,044
	1,23,76,18,937	1,31,67,43,044



f) Remuneration paid to Directors including Chairman & Managing Director

i) Remuneration paid to Chairman & Managing Director:	(In ₹)	
	31 st March, 2011	31 st March, 2010
i) Salary	14,08,920	15,63,534
ii) Allowances & Perquisites	7,25,322	7,33,512
iii) Provident Fund/Gratuity	1,78,760	1,63,144
	<u>23,13,002</u>	<u>24,60,190</u>

g) Balance Sheet Abstract and Company's General Business Profile:

I. Registration Details: (Amount in ₹ thousands)

Registration No.: 55/22233 State Code : 55
 Balance Sheet Date : 31.03.2011

II. Capital Raised during the year (Amount in ₹ thousands)

Public Issue : Nil Right Issue : Nil
 Bonus Issue : Nil Private Placement : Nil

III. Position of Mobilization and Deployment of Funds (Amount in ₹ thousands)

Total Liabilities : 1,26,43,478 Total Assets : 1,26,43,478

a) Source of Funds:

Paid-up Capital : 24,56,160 Reserve & Surplus : 24,03,014
 Deferred Tax Liability : 9,76,335
 Secured Loans : 7,92,213 Unsecured Loan : Nil

b) Application of Funds:

Net Fixed Assets : 71,63,691 Investments : 28,934
 (including Capital Work in Progress)
 Net Current Assets : (5,70,290) Misc. Expenditure : 5,387
 Accumulated Losses : Nil

IV. Performance of Company (amount in ₹ thousands)

i) Turnover including Interest
 & Other Income, Extraordinary
 and other credits : 43,25,569
 ii) Total Expenditure including
 Extraordinary and other Debits : 38,30,924
 iii) Profit before Tax : 4,94,646
 iv) Profit after Tax : 1,85,060
 v) Earnings per Share : ₹1,421
 vi) Proposed Dividend : Nil



V) Generic Name of Principal Products/Services of Company (as per monetary terms)

Item Code No. (ITC Code)	Not applicable
Product Description	Helicopter Services

32. Previous year figures have been re-grouped/ recasted wherever necessary.

R.K.Tyagi	E.K.Bharat Bhushan
Chairman-Cum-Managing Director	Director

Sanjiv Bahl	Sanjiv Agrawal	Dhirendra Sahai
Executive Director	Company Secretary & DGM(Legal)	Dy.G.M.(F&A)

Place: New Delhi

Dated: 1st November, 2011



Cash Flow Statement For The Year Ended 31st March, 2011

	31 st March, 2011	31 st March, 2010
	(₹ in lakhs)	
A. Cash flow arising from Operating Activities		
Net Profit before Tax	4,946.46	5,514.20
Depreciation charge	4,653.06	3,820.61
Prior Period Depreciation Adjustments	114.44	(81.24)
Interest Income	(649.01)	(1,205.37)
Profit/(loss) on sale of Fixed Assets	5.09	(16.73)
Fixed Assets/Inventory Written off	492.02	219.21
Insurance Claims	(184.82)	(704.60)
Provision no Longer Required	113.17	(109.03)
Provisions for Doubtful Debts/Advances	95.44	-
Provision Written Back for Self Insurance	(40.00)	-
Misc. expenses Written off	53.87	452.68
Operating profit/(loss) before working capital changes	9,599.72	7,889.73
Working Capital changes		
Add/(less)		
Inventories	(913.35)	(1,395.23)
Sundry Debtors	(7,126.06)	(2,675.12)
Loans & Advances	3,100.62	(6,623.59)
Current liabilities	4,111.01	(708.97)
Provisions	597.33	719.60
Insurance Claims	184.82	704.60
Prior Period Adjustments	(114.44)	81.24
Decrease/(Increase) in working capital	(160.07)	(9,897.47)
Net Cash flow from Operating Activities (A)	9,439.65	(2,007.74)
B. Cash flow arising from Investing Activities		
Investment in Equity Capital	-	(289.34)
Purchase of Fixed Assets	(30,682.36)	69.15
Sale of Fixed Assets	-	0.02
Capital work in progress	912.49	(432.53)
Interest income	649.01	1,205.37
Net Cash flow from Investing Activities (B)	(29,120.86)	552.67
C. Cash flow arising from Financing Activities		
Long Term Borrowings (Secured Loans)	8,905.60	-
Repayment of Principal Amount of Loan	(983.47)	-
Advance Against Equity, Pending Allotment	(1,500.00)	1,500.00
Enhancement of Equity Capital	13,185.00	-
Dividend paid (including Corporate Tax)	-	(1,331.01)
Net Cash flow from Financing Activities (C)	19,607.13	168.99
D. Taxes Paid		
Income Tax (including wealth tax) paid	(1,108.28)	(1,222.14)
Net Increase/(Decrease) in Cash and Cash Equivalents (A+B+C+D)	(1,182.36)	(2,508.22)
Cash and Cash Equivalents at the beginning of the year	12,584.19	15,092.41
Cash and Cash Equivalents at the end of the year	11,401.83	12,584.19
Notes: Figures in brackets indicate cash outgo		

For S. Chaturvedi & Associates
Chartered Accountants
Firm Regd.No.004550N

R.K.Tyagi
Chairman-Cum-Managing Director

E.K. Bharat Bhushan
Director

Punit Sachdev
Partner
(M.No.- 097897)

Sanjiv Bahl
Executive Director

Sanjiv Agrawal
Company Secretary & DGM (Legal)

Dhirendra Sahai
Dy.G.M.(F&A)

Place : New Delhi.

Dated : 1st November, 2011



AUDITORS' REPORT

Annexure 'A' to the Director's Report

Management's Reply

To

The Members

PAWAN HANS HELICOPTERS LIMITED

We have audited the attached Balance Sheet of PAWAN HANS HELICOPTERS LIMITED as at 31st March, 2011 and also the Profit & Loss Account for the year ended on that date annexed thereto and cash-flow statement for the year ended on that date, in which are incorporated the accounts of Western Region audited by Branch Auditors. These financial statements are the responsibility of the Company's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

We report that:

1. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2003 issued by the Central Government of India in terms of Section 227 (4A) of the Companies Act, 1956, we enclose in the Annexure, a statement on the matters specified in paragraphs 4 & 5 of the said order.
2. Further to our comments in the Annexure referred to in Paragraph 1 above, we report that:
 - a. We have obtained all the information and



explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

- b. In our opinion, proper books of accounts as required by law, have been kept by the company so far as appears from our examination of those books and proper returns adequate for the purposes of our audit have been received from the branch not visited by us. The branch auditor's report dated 29.08.2011 has been forwarded to us and has been appropriately dealt with and following attention is invited to :

i) *Note No. 25 of Notes to Accounts (Schedule N) relating to the bank reconciliation statement (BRS) of current account maintained with Vijaya bank (A/c No. 1786) – Vile Parle (East) Branch, Mumbai. As per BRS provided to us, it shows a net unreconciled difference of ₹ 1,09,96,45.62. Further the BRS include various unreconciled items of amount credited / debited by bank and cheque issued but not cleared/cheque deposited but not cleared. In absence of information, explanation and supportings we are unable to comment on the impact of such items of bank reconciliation and difference of bank reconciliation on the profit for the year, cumulative balance of profit and loss account, income and expense for the year, assets and liabilities as stated in the financial statements;*

This has been explained in detail at Note no. 25 of Notes to Accounts. The Manual reconciliation is in progress and likely to be completed shortly.

ii) *Note No. 13 of Notes to Accounts (Schedule N) relating to non availability of balance confirmation of debtors, creditors, deposits taken and given and loans and advances taken and given and reconciliation of such accounts. In view of the above, we are unable to comment on the adjustments/provisions, if any, required to be made in this respect and its consequential effect on the profit for the year, cumulative balance of profit & loss A/c and assets and liabilities as stated in the financial statements;*

This has been explained in Note no. 13 of Notes to Accounts.

- c. The Balance Sheet, the Profit & Loss Account and Cash Flow statement dealt



with by this report are in agreement with the books of account and with the audited returns from the branch.

- d. In our opinion, Balance Sheet, Profit & Loss Account and Cash Flow statement dealt with by this report complied with the Accounting Standards referred to in sub-section (3C) of section 211 of the Companies Act, 1956.
- e. As per the information & explanations given to us, in view of the general circular no. 8/2002 dated 22-03-2002 issued by Department of Company Affairs, the Govt. companies are exempt from applicability of the provisions of Section 274 (1) (g) of the Companies Act, 1956.

Subject to the Notes given under the Notes to Accounts, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said accounts give the information required by the Companies Act, 1956 in the manner so required and give a true and fair view, except as stated above, in conformity with the accounting principles generally accepted in India.

- i) In the case of the Balance Sheet, of the state of Affairs of the Company as at 31st March, 2011.
- ii) In the case of Profit & Loss Account, of the PROFIT of the Company for the year ended on that date.
- iii) In case of Cash-Flow statement, of the cash flows for the year ended on that date.

For S. Chaturvedi & Associates
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 004550N

(Puneet Sachdev)
Partner
M.No. 097897

Place: New Delhi
Dated: 01-11-2011



ANNEXURE TO THE AUDITOR'S REPORT

Management's Reply

PAWAN HANS HELICOPTERS LTD ,
NEW DELHI

(Referred to in paragraph 1 of our audit report
of even date)

I.

- | | |
|---|--|
| (a) The company has maintained proper records showing full particulars including quantitative details and situation of fixed assets except in case of Western Region. | Fixed Assets Register records main situation / location of assets at each Region. Movement records for Rotables are being maintained by Materials / Engineering Departments of the Company for location of such assets. At Western Region the situation / location of fixed assets are being recorded. |
| (b) The fixed assets have been physically verified by the management at reasonable intervals and no material discrepancies were noticed on such verification. At Western Region the fixed assets verification is under process and yet to be completed. Accordingly, details of discrepancies, if any, on such physical verification with the records maintained by the Company is not available. | The process of reconciliation of the assets physically verified is in progress at western Region. |
| (c) No substantial disposal of fixed assets has taken place during the year, which would have affected the going concern. | No Comments. |

II.

- | | |
|--|---|
| (a) The inventory has been physically verified during the year by the management at reasonable intervals except for inventories of Westland Helicopters and inventories scrapped but not disposed off at Northern Region and Inventory lying with Repair Agency outside the Country for repairs/maintenance. | Action is in progress in respect of items scrapped but pending disposal at Northern Region. |
| (b) The procedures of physical verification of inventory followed by the management are reasonable and adequate in relation to the size of the company and nature of its business in respect of inventory verified. | No comments. |
| (c) The company is maintaining proper records of inventory and discrepancies | No comments. |



noticed on physical verification, which were not material and these have been properly dealt with in the books of account.

- | | |
|---|-----------------------------|
| <p>III. According to the information and explanation given to us by the management and records produced, there are no parties covered in the register maintained u/s 301 of the Companies Act, 1956. Accordingly clauses iii (b), to iii (g) of paragraph 4 of the order are not applicable.</p> | <p>No comments.</p> |
| <p>IV. In our opinion and according to the information and explanations given to us, there are adequate internal control procedures commensurate with the size of the company and the nature of its business, for the purchase of inventory and fixed assets and for hiring charges of helicopters. During the course of our audit, we have not observed any continuing failure to correct major weakness in internal control.</p> | <p>No comments.</p> |
| <p>V. (a) The particulars of contracts or arrangements that need to be entered into the register in pursuance of section 301 of the Companies Act, 1956, have been properly entered .</p> | <p>No comments.</p> |
| <p>b) According to the information and explanations given to us, transactions made in pursuance of such contract or arrangements have been made at prices which are reasonable having regard to the prevailing market prices at the relevant time.</p> | <p>No comments.</p> |
| <p>VI. According to the information and explanations given to us, and as per our examination of records, the company has not accepted any deposits from the public and therefore, the directives issued by the Reserve Bank of India and provisions of section 58 A and 58AA of the Companies Act, 1956 and rules framed there under, are not applicable.</p> | <p>No comments.</p> |
| <p>VII. In our opinion, the internal audit system of the Company needs to be further strengthened keeping in view the size and nature of the business with timely submission of Internal Audit Reports.</p> | <p>Noted for Compliance</p> |



VIII. The Central Government has not prescribed the maintenance of cost records under section 209(1)(d) of the Companies Act, 1956, for the company. No comments.

IX. (a) The Company is regular in depositing statutory dues like provident fund, income tax, sales tax, wealth tax, custom duty, cess, service tax and other material undisputed statutory dues with the appropriate authorities. According to the information and explanations given to us, no undisputed amounts payable in respect of Statutory dues were in arrear, as at 31st March, 2011 for a period of more than six months from the date they became payable. No comments.

(b) The detail of disputed statutory dues which have not been deposited is as follows :- This has been explained in Note no. 2.(ii) of Notes to Accounts under the head 'Contingent Liabilities'.

Nature of Demand	Financial Year	Amount (₹ in crore)	Forum in which dispute is pending
CST, Interest & Penalty	2006-07	81.89	Commissioner of Trade & Taxes, Delhi
CST, Interest & Penalty	2007-08	78.48	Commissioner of Trade & Taxes, Delhi
CST, Interest & Penalty	2008-09	85.36	Commissioner of Trade & Taxes, Delhi
CST, Interest & Penalty	2009-10	73.54	Commissioner of Trade & Taxes, Delhi
Penalty for non registration	-	0.01	Commissioner of Trade & Taxes, Delhi
	Total	319.28	

X. The Company does not have any accumulated losses as at 31st March, 2011. The Company has not incurred cash losses in the financial year ended on that date and in the immediately preceding financial year. *The qualifications stated in clauses i & ii of para 2 (b) of the Audit Report is not quantifiable, accordingly the effect of such non-quantification of qualifications has not been taken into consideration for the purpose of making comments in respect of this clause.* This has been explained at 2.6(i) & (ii) above.



- XI.** The company has not defaulted in repayment of dues to any Financial Institution or Bank. No comments.
- XII.** According to the information & explanations given to us, and as per our examination of records, the company has not granted loans and advances on the basis of security by way of pledge of shares, debentures and other securities. No comments.
- XIII.** According to the information & explanations given to us, and as per our examination of records, the provisions of clause relating to Chit Fund or Nidhi/ mutual benefit fund/societies are not applicable to the company. No comments.
- XIV.** According to the information & explanations given to us, and as per our examination of records, the company has not dealt in or traded in shares, securities, debentures during the year. In respect of investments in the shape of fixed deposits with banks and investment in Equity Share (non listed) in National Flying Training Institute, Gondia, Maharashtra, the company has maintained proper records of transactions and timely entries have been made therein. All such investments have been held by the company in its own name. No comments.
- XV.** According to the information and explanations given to us and records examined by us, the company has not given any guarantee for loans taken by others from banks or financial institutions. No comments.
- XVI.** According to the information & explanations given to us, and as per our examination of record, the company has utilized the term loan obtained from M/s ONGC Ltd. for the purpose, for which it was obtained. No comments.
- XVII.** According to the information & explanations given to us, and as per our examination of records, the company has not used funds raised on short terms basis for long terms investment. No comments.
- XVIII.** During the year the Company has enhanced its Authorized Equity Share No comments.



Capital from ₹ 120 crores to ₹ 250 crores and Paid up Capital from ₹ 113.766 crores to ₹ 245.616 crores through additional equity contribution by Government of India and ONGC Ltd. as referred to in Note No. 11 of Schedule- 17. The shares have been issued at par and according to the information and explanation given to us the price at which shares have been issued is not prejudicial to the interest of the Company.

- | | |
|---|--------------|
| XIX. The clause regarding issue of debentures is not applicable. | No comments. |
| XX. The provisions of this clause relating to raising of money by means of public issue are not applicable. | No comments. |
| XXI. According to the information & explanations given to us, and as per our examination of records, no fraud on or by the company has been noticed or reported during the year. | No comments. |

For S. Chaturvedi & Associates.
Chartered Accountants
Firm Regd. No. 004550N

(Puneet Sachdev)
Partner
M. No.097897

Place: New Delhi
Dated: 01.11.2011



Annexure 'B' to the Directors' Report

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 619(4) OF THE COMPANIES ACT, 1956 ON THE ACCOUNTS OF PAWAN HANS HELICOPTERS LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2011

The preparation of financial statements of **Pawan Hans Helicopters Limited** for the year ended 31 March 2011 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 1956 is the responsibility of the management of the Company. The Statutory Auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 619(2) of the Companies Act, 1956, are responsible for expressing opinion on these financial statements under Section 227 of the Companies Act, 1956 based on independent audit in accordance with the Auditing and Assurance Standards prescribed by their professional body, the Institute of Chartered Accountants of India. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 01 November 2011.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 619(3)(b) of the Companies Act, 1956 of the financial statements of **Pawan Hans Helicopters Limited** for the year ended 31 March 2011. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the Statutory Auditors and is limited primarily to inquiries of the Statutory Auditors and the Company personnel and a selective examination of some of the accounting records. Based on my supplementary audit, I would like to highlight the following significant matters under section 619(4) of the Companies Act, 1956 which have come to my attention and which in my view are necessary for enabling a better understanding of the financial statements and the related Audit Report.

Comments on Profitability

Management Reply

Profit & Loss Account

Profit for the year before extraordinary/
prior period items

Prior Period Adjustments (Sch.16) – (₹ 1.19) crore

The above is understated by ₹ 2.19 crore on account
of the following:

- | | |
|---|---|
| i) The provision for non-moving inventory, no longer required by the Company, aggregating to ₹ 1.64 crore was written back during the year. However, the same credited to prior period income rather than to the income for the current year. | Provision for non-moving inventory ₹ 1.64 crores no longer required was inadvertently credited to Prior Period Income instead of "Other Income" for the current year. The error has, however, no effect on Profit after Tax for the current year. |
| ii) The differential rent of ₹ 0.12 crore paid to Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board, Katra on account of re-measurement of ticketing area, lounge etc. conducted on 24.02.2011 and consequent orders issued on 07 March 2011 has been charged to prior period expenses rather than as expense for the current year. | Against the total claim of ₹17.86 lacs of Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board, an amount of ₹11.91 lacs pertained to previous period i.e. 01.04.2008 to 31.03.2010. Accordingly, the amount of ₹11.91 lacs has been accounted for as Prior Period expenses. |



- iii) Training expenses amounting to ₹ 0.67 crore for the year 2009-10 was deducted by M/s HAL from the payment made to PHHL during the current year. These expenses were charged as training expenses during the year rather than debiting prior period expenses. The amount was inadvertently debited to current year's Training expenses instead of Prior Period expenses.

This has also resulted in understatement of profit for the year before prior period items by ₹2.19 crores.

For and on behalf of the
Comptroller and Auditor General of India

(ILA Singh)
Principal Director of Commercial Audit
& ex-official Member, Audit Board –I,
New Delhi

Place : New Delhi

Dated: 28 December 2011



Annexure 'C' to the Directors' Report

STATEMENT OF PARTICULARS OF EMPLOYEES UNDER SECTION 217(2A) OF COMPANIES ACT 1956, READ WITH THE COMPANIES (PARTICULARS OF EMPLOYEES) RULES, 1975 AND FORMING PART OF DIRECTOR'S REPORT FOR THE FINANCIAL YEAR ENDED 31ST MARCH, 2011

Sl. No.	Name	Age	Qualification	Designation	Date of Joining	Experience	Received (₹)	Last Employee
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Employed throughout the year under review and were in receipt of remuneration aggregating not less than ₹ 24,00,000/- per annum								
1	Mr. C.P. Singh**	57	M.Sc.Physics(Electronic), MBA	General Manager(IS)	2/10/2008	3Years	29,78,036	ONGC
2	Col. RPS MAHAL	60	Intermediate	DGM(Ops) NR	19/02/1997	38Years	29,03,687	Ex-Army
3	Col. Sardul Singh	60	B.Sc.DIP-in Defence Management	Captain	10/1/2007	37Years	33,36,654	Ex-Army
4	Capt. J.B. Singh	59	M.A.	Sr. Manager(Flight Safety)	01/04/2008	35Years	26,49,572	Ex-Army
5	Capt. J.J. Singh	53	B.A.	Sr. Manager(Ops)	1/10/2007	29Years	29,51,371	Ex-Army
6	Capt. B.B. Baduni	51	M.Sc.	Manager (Training)	10/01/2007	29Years	31,34,458	Ex-Indian Air Force
7	Capt. V.V.S. Subba Rao	53	B.A.	Captain	15/10/2008	28Years	24,37,204	Ex-Indian Air Force
8	Capt. H.P.S. Natt	58	MASTER IN MANAGEMENT	Captain	15/10/2008	35Years	24,69,576	Ex-Indian Air Force
9	Col. Jeyraj Edward	55	PG Diploma in-HRM, B.Sc., MA, PGDCA	Captain	24/09/2007	31Years	24,99,337	Ex-Army
10	Col. A.S. Parmar	52	B.A.,MBA, Master Diploma in Business Administration	Captain	22/05/2007	26Years	35,25,721	Ex-Army
11	Col. Diwa Kant	52	B.A.	Depu. Pilot	11/3/2008	22Years	29,19,446	Ex-Army
12	Capt. Anil Nanda	56	M.Sc.(Defence Studies)	Captain	16/06/200	35Years	27,09,714	Ex-Army
13	Capt. T.S. Randhawa	54	LLB,MBA,PGDCA	Captain	24/09/2007	31Years	25,02,834	Ex-Army
14	Lt. Col. J.S. Babbar	44	B.A.CHPL	Captain	24/09/2007	25Years	25,96,025	Ex-Army
15	Capt. Samir Singh	45	B.A.	Captain	9/24/2007	26Years	26,03,648	Ex-Army
16	Col. G.M. Solanki	55	M.A.	Depu. Pilot	24/09/2007	33Years	27,26,064	Ex-Army
17	Lt. Col. Narinder Kumar Sharma	50	M.A.(History)	Captain	24/09/2007	26Years	27,99,766	Ex-Army
18	Capt. P.K. Juneja	54	Bsc.,NDA	Captain	24/09/2010	36Years	31,52,231	Ex-Army
19	Col. Sudeep Bhattacharjee	45	Msc	Captain	24/09/2007	27Years	26,78,927	Ex-Army
20	Capt Mukesh Malhotra	55	Bsc.,NDA	Captain	31/12/2007	36Years	26,66,764	Ex-Army
21	Wg. Cdr. T.S. Mamik	52	NDA, PGDCA	Captain	17/01/2005	33Years	27,04,845	Ex-Indian Air Force
22	Capt. Varun Gupta	61	NDA	Contratual Pilot	18/06/2007	39Years	24,12,628	Ex-Indian Air Force
23	Col. J.S. Jodha	61	Dip in Software engg.	Contratual Pilot	18/06/2007	40Years	24,08,993	Ex-Army
24	Brig. Pramjit Singh Sahi	61	Higher Secondary, Pre Medical	Contratual Pilot	18/06/2007	39Years	24,75,316	Ex-Army
25	Col. KPS Hanspal	56	ISC,BA	Contratual Pilot	11/01/2007	34Years	24,32,769	Ex-Army
26	Capt. SPS Brar	48	Bsc.,MBA	Contratual Pilot	18/06/2007	26Years	24,17,403	Ex-Army
27	Capt. H.M. Singh Uppal	60	MBA, Mtr, Dpl. Compu. Science	Contratual Pilot	09/12/2007	37Years	32,57,331	Ex-Army
28	Capt. Arun Kumar Opal	60	Intermediate	Contratual Pilot	21/06/2007	38Years	28,77,574	Ex-Army
29	Shri K.S. Manilal	50	SSLC, PRE DEG. COURSE & DIP IN AME	DGM	7/5/1988	23Years	24,09,655	PHHL
30	Shri P.S. Das	50	AME,'A'&'C' BA(Hons)	D.G.M.(Engg.) NR	9/30/1989	32Years	25,67,616	Ex-Indian Air Force
31	Lt. Col. Karminder Singh Ghuman	42	BA, NDA	Depu. Pilot	3/30/2009	19Years	25,47,236	Ex-Army
32	Lt. Col. Gurkirpal Singh	43	Bsc	Depu. Pilot	3/30/2009	21Years	25,81,744	Ex-Army
33	Lt. Col. Pankaj Sharma	42	BA NDA	Depu. Pilot	3/30/2009	18Years	25,03,384	Ex-Army
34	Capt. R.K. Sareen	55	B.sc, PGDST, Course in Media Comm.	Depu. Pilot	3/30/2009	30Years	27,98,737	Ex-Army
35	Capt.Jugal Kishore Shukla	48	BA	Depu. Pilot	3/30/2009	25Years	26,52,199	Ex-Army
36	Capt. M.S. Brar	47	BA	Captain	10/15/2008	23Years	24,57,141	Ex-Army
37	Capt. Prakash Navale	58	NDA	Contratual Pilot	6/18/2007	39Years	28,97,124	Ex-Indian Air Force
38	Lt. Col. Ashwani Kumar	47	BA	Captain	31/12/2007	22Years	25,54,989	Ex-Army
39	P.P. Singh	63	AMAEI	Contratual Pilot	08/04/2008	45Years	28,92,450	Ex-Indian Air Force
40	Wg. Cdr. Anil Kishore	63	NDA	Contratual Pilot	21/08/1996	29Years	26,15,822	Ex-Indian Air Force



Sl. No.	Name	Age	Qualification	Designation	Date of Joining	Experience	Received (₹)	Last Employee
1	2	3	4	5	6	7	8	9
41	Wg. Cdr. B D Singh	58	Msc	Contratual Pilot	8/12/2004	31Years	25,47,651	Ex-Indian Air Force
42	Col. PS Marwaha	57	BA, MBA	Contratual Pilot	02/03/2009	34Years	24,73,906	Ex-Army
43	Mr. Vijay Pathiyan	48	AME	DGM	3/4/1987	23Years	25,52,357	Soraya Aviation, New Delhi
44	Sr. Cdr. Amrinder Pal Singh	48	Pre- University	DGM	3/20/1989	22Years	49,30,497	Patiala Aviation Club
45	Mr.A.K. Bhardwaj	45	AME	DGM	6/6/1989	21Years	25,14,877	Patiala Aviation Club
46	Mr. Chetan Behl	45	AME	DGM	6/7/1989	21Years	24,36,270	Patiala Aviation Club
47	Mr. Rajender Prasad Singh	46	B.sc. AME	DGM	6/12/1989	21Years	27,33,595	Aviator Co-opt. Soc. Patna
48	Sr. Cdr. A.J. Manchanda	45	HSC	Sr. Cdr.	4/23/1990	10Years	36,61,408	First Employment
49	Sr. Cdr. P. Rathore	56	NDA	Sr. Cdr.	9/24/1990	10Years	39,95,555	Indian Navy
50	Sr. Cdr. Y.S. Das	58	B.A.	DGM	2/17/1997	14Years	43,53,334	Indian Air Force
51	Capt. P.K. Rukhaiya*	46	B.A.	Captain	9/24/2007	3Years	15,07,802	Indian Army
52	Cat. Tejpal Singh Gulia*	44	M.A.	Captain	9/24/2007	3Years	23,86,072	Indian Army
53	Capt. Jintendra Kumar Mishra	43	B.A.	Captain	9/24/2007	3Years	30,92,992	Indian Army
54	Capt. Amitabha Nandi	46	M.Sc.	Captain	9/24/2007	3Years	27,18,344	Indian Army
55	Capt. S.S. Yadav	54	B.A. MPM.	Captain	1/6/2010	0Years	33,74,686	Indian Army
56	Capt. C.S. Mander	45	B.Com	Captain	1/4/2009	2Years	30,15,222	Indian Army
57	Capt. R.S. Nandal	41	M.A.	Captain	1/4/2009	2Years	34,67,547	Indian Army
58	Capt. M.K. Gogoi	54	B.Sc.	Captain	1/4/2009	2Years	27,73,932	Indian Army
59	Capt. M.M. Srivastava	51	B.A.	Captain	1/4/2009	2Years	28,97,673	Indian Army
60	Capt.N.K. Dahiya	46	HSC, ARSD	Captain	3/30/2009	2Years	34,27,188	Indian Army
61	Capt. Mohd. M. Naseer	50	B.Sc.	Captain	3/30/2009	2Years	25,39,551	Indian Air Force
62	Capt. R.K. Mahajan	46	B.Sc.	Captain	6/1/2009	1Years	33,74,840	Indian Navy
63	Mr. Sandip Kumar	46	BE, MS	DGM	4/13/1992	18Years	26,65,828	HAL
64	Mr. C. Harikumar	52	B.A.	DGM	11/14/1986	24Years	24,06,445	Indian Navy
65	Mr. P.M. Gupte	53	H.S.C.	DGM	12/19/1986	24Years	26,84,539	Airworks India Pvt. Ltd.
66	Mr. P.M. Mohankumar	57	B.A.	DGM	1/1/1987	24Years	24,62,278	Indian Air Force
67	Sr. Cdr. A.K. Govil	59	B.Sc.	DGM	1/20/1990	21Years	45,53,885	Indian Navy
68	Mr. T.D. Thomas*	51	Pre-university	DGM	4/19/1988	22Years	25,21,445	Airworks India Pvt. Ltd.
69	Sr. Cdr. E. Samuel	55	H.S.C.	DGM	5/20/1988	22Years	48,22,741	H.I.E.T.
70	Sr. Cdr. M.V. Alexander	51	B.Sc.	DGM	6/14/1988	22Years	43,74,344	First Employment
71	Mr. Subir K. Das	53	B.Com., C.A.	GM	9/5/1988	22 Years	25,44,349	Blow Plast India Ltd
72	Cdr. Subhash Chander	59	H.S.C.	DGM	12/12/1996	14 Years	47,77,907	Indian Air Force
73	Cdr. Rohit Rai	59	M.Sc.	DGM	2/20/1997	14 Years	40,31,321	Indian Air Force
74	Cdr. Ranvir Singh Dhandra	59	M.Sc.	DGM	4/7/1997	13 Years	43,57,924	Indian Army
75	Capt. Anand Mohan	48	B.A..	Captain	6/1/2009	1 Years	37,12,352	Indian Navy
76	Capt. M.S. Bains	55	H.S.C.	Captain	10/1/2007	3 Years	31,01,235	Indian Air Force
77	Capt. Amarjeet Singh	54	M.Sc.	Captain	10/1/2007	3 Years	25,98,574	Indian Air Force
78	Capt. A. E. N Rao	51	B.Sc.	Captain	1/1/2010	1 Years	33,65,469	Ex-Defence
79	Capt. Peter Samuel*	30	B.Sc.	Captain	1/1/2010	1 Years	32,26,734	First Employment
80	Capt. Rakesh Gaiind*	41	B.A.	Captain	1/1/2010	1 Years	35,31,347	Indian Navy
81	Capt. J.A. Royappan*	57	B.Sc.	Captain	1/1/2010	1 Years	34,11,048	Indian Navy
82	Capt. D.S. Mokha*	65	B.Sc.	Captain	11/26/2007	3 Years	2,21,441	Indian Navy
83	Gp. Capt. Rajesh Khanna	56	B.A.	Captain	12/1/2007	3 Years	25,49,284	Indian Air Force
84	Capt. K.K. Mankotia	50	H.S.C.	Captain	5/1/2008	2 Years	28,47,795	Indian Air Force
85	Capt. S.V. Ramani*	52	B.Sc.	Captain	11/4/2004	6 Years	21,01,687	Ex-Defence
86	Capt. D.S. Dhanoya	64	B.A.	Sr. Cdr.	4/4/2006	4 Years	31,04,096	Indian Army
87	Capt. I.M. Simoes	64	S.S.C.	Sr. Cdr.	10/1/2006	4 Years	34,72,573	Indian Air Force
88	Capt. S.K. Verma	64	Inter	Captain	1/2/2007	4 Years	32,32,469	Indian Air Force
89	Capt. Ashok Khosla	63	NDA	Sr. Cdr.	10/3/2007	3 Years	30,51,617	Indian Army
90	Capt. Y.P. Singh	62	ISC, NDA	Sr. Cdr.	8/4/2008	2 Years	34,25,379	Indian Army
91	Capt. Shiv Krishna*	62	S.S.C.	Sr. Cdr.	9/22/2008	2 Years	21,14,197	Indian Air Force
92	Capt. P. D. Shirname	61	Inter(Art)	Sr. Cdr.	7/31/2009	1 Years	34,00,072	Indian Army
93	Capt.Nawal Kapoor	55	M.Sc.	Captain	1/2/2010	1 Years	27,82,402	Indian Army
94	Capt. T.K. Guha*	54	B.Sc.	Captain	3/30/2009	2 Years	29,95,653	Indian Army

NOTE:

None of the above Employees are related to any of the Directors.

Remuneration includes Salary and Allowances, Medical Reimbursement, Company Leased Accommodation, Conveyance Reimbursement, Employer's PF, Ex-Gratia, LTC, Hospitalisation Reimbursement. etc., and related Arrears for earlier Years.

* Part Remuneration

** On Deputation.